गीत पुस्तक

अर्थात्

मसीही गीत और भजन

आराधना के लिये

Published by authority of the Synod of Gujarat, Rajputana and Malwa of the United Church of Northern India.

Corrected and reprinted.

Rasalpura, Mhow.
Rasalpura Vocational School.
1930.

Abbreviations.

H.—Church Hymnary.
P.—Presbyterian Book of Praise.
P. Ps. Do. Psalm Selections.
Ps M.—Psalter in metre.
S.—Songs and Solos, 1200 pieces.
PH.—Presbyterian Hymnal.
PH.(SS.) Do. Scripture Sentences
G.—Git ki kitab, Lucknow.
SSH.—Sunday School Hymnary.
U. G.—Ullman's Gitawali.
S. M.—Sacred Melodies, Gall and Inglis.
C. H.—Children's Hymnal.
H. T. B.—Hindustani Tune Book.

p—धीमे से.
mp—कुछ धीमे से.
pp—बहुत धीमे से.
f—ज़ोर से.
mf—कुछ ज़ोर से.
ff—ख़ूब ज़ोर से.
c—ज़ोर बढ़ाना.
d—ज़ोर घटाना.
m—मध्यम आवाज़ से.

ज़बूरों की फ़ेहरिस्त.

ज़बूर	गीत.
१	१७४
८	१२
१६.१-६	६
१६:७-६	८६
१६:१२-१४	१६६
२३ –	२१५
२४:१-५	२३८
२४:७-१०	२५१
२४:७-१०	२५२
२५:४-११	२३३
२७:४-६	२५८
२७.७-१४	२५
३३: –	२६
३४:३-६	१७
३६:१५-२२	६
३६:५-८	२३
३६:८-६	२७८
३८: –	२३०
३६:१-३	२७१
४०:१-३	२५१
४२:१-४,७,८,११	१७६
४३ –	२१०
४६ –	३२६
५१:१०-१७	१७२
५१.१२-१६	१७३
५५.१-५	२७६
५७ –	३०६

ज़बूर.	गीत.
६७ –	३०
७२:१-११	[illegible]
८४:१-४	[illegible]
८६:१-७	२१४
८६:१५-१८	२६०
६०:१-६	२३४
६५:१-७	२८०
६८:१-५	२४
१००–	[illegible]
१००–	२
१०३–	१८
१०३:१६-२२	२२
१०४:१-५	१५
११५:६-१५	२२१
११६:१२-१८	२५२
११८.१-४	८
११६:१-४	१७०
११६:७३-८०	६०
११६:१०५-१०८	६३
११६:१७३-१७६	६१
१२१: –	२०४,२०५
१३०:१-५	६५
१३०:६-८	६७
१३२:८-११,१३-१८	२५०
१३४	२५७
१३६: –	११
१४५:८-११	१६
१४६:१-५	२८२

सूचीपत्र।

परमेश्वर: उस के गुण कर्म और वचन।

१. पाक तसलीस। १—५.
२. सृष्टि और प्रबन्ध में ईश्वरीय महिमा। ६—२१.
३. परमेश्वर पिता। २२—२५.
४. पुत्र: (१) देहधारी होना। २६—३२.
(२) जीवन और नमूना। ३३,३४.
(३) दुःख और मरण। ३५—३९.
(४) जी उठना। ४०,४१.
(५) हमदर्दी और विन्ती करना। ४२—४७.
(६) फिर आना। ४८—५२.
(७) उस की स्तुति। ५३—७९.

५. पवित्र आत्मा। ८०—८८.
६. परमेश्वर का वचन। ८९—९३.
७. त्राण: अवश्य। ९४—९८.
तैयार। ९९—१०७.
दिया गया। १०८—१२१.
ग्रहण किया गया। १२२—१३२.

मसीही जीवन:

१. विश्वास, पश्चाताप और स्वीकार। १३३—१५०.
२. प्रेम और धन्यावाद। १५१—१५६.
३. आनन्द और शान्ति। १५७—१६८.
४. पवित्रता और सुइच्छा। १६९—१८२.
५. सत्संगति। १८३—१८८.

६. शिष्यता और सेवा। १८९—१९३.
७. परीक्षा और लड़ाई। १९४—२०२.
८. ढाढ़स और आशा। २०३—२०६.
९. भरोसा और सहना। २०७—२१८.
१०. यात्रा और विश्राम। २१९—२३२.
११. मृत्यु और पुनरुत्थान। २३३,२३४.
१२. अनन्त जीवन। २३५—२४८.
कलीसिया:
१. आराधना;
(१) आराधना का आरंभ। २४९—२६०.
(२) सुबह। २६१—२६४.
(३) शाम। २६५—२७०.
(४) सनीचर शाम। २७१.
(५) प्रभु का दिन। २७२—२७६.
(६) प्रार्थना और स्तुति। २७७—२८६.
२. साक्रमेंट:
(१) बप्तिस्मा। २८७—२९३.
(२) प्रभु भोज। २९४—३०१.
३. दान देना। ३०२—३०३.
४. सुसमाचार का फैलाना। ३०४—३२१.
५. पासबान और शिक्षक। ३२२—३२४.
६. इकताई और रक्षा। ३२५—३२७.
विशेष समय:
१. विवाह और घर। ३२८—३३०.
२. नया साल वगैर; । ३३१—३३६.
३. फ़सल की ख़ुशी। ३३७—३३९.
४. मुसाफ़िर। ३४०—३४१.
५. क़ौमी गीत। ३४२—३४४.

बालकों के गीत:

१. परमेश्वर पिता। ३४५—३४७.

२. पुत्र:

(१) उस का जन्म। ३४८,३४९.

(२) जीवन और नमूना। ३५०—३५२.

(३) उस की सेवा। ३५३—३५८.

(४) उसकी स्तुति। ३५९—३६४.

४. पवित्र आत्मा। ३६५,३६६.

५. सुसमाचार। ३६७—३७७

६. सुसमाचार का फैलना। ३७८,३७९.

७. सुबह। ३८०.

८. शाम। ३८१,३८२.

९. प्रभु का दिन। ३८३.

१०. प्रार्थना। ३८४—३८९.

११. जीवन की यात्रा। ३९०—३९८.

१२. स्वर्गीय घर। ३९९—४०७.

रूख़सत। ४०८—४१५.

तम्जीद-इ-तसलीस। ४१६—४२३.

भजन:

परमेश्वर की स्तुति। ४२४.

मसीह की स्तुति। ४२५—४३९.

मसीह का अवतार लेना। ४४०,४४१.

मसीह का जीवन चरित्र। ४४२—४४४.

मसीह की मृत्यु। ४४५.

त्राण। ४४६,४४७.

मसीह के पास आना। ४४८—४५३.

पश्चाताप। ४५४—४५९.

जीवन की चंचलता और मृत्यु। ४६०—४६४.

प्रार्थना। ४६५—४६८.

पूजा दर्पन। ४६९.

बारिश। ४७०.

बालकों के लिये। ४७१,४७२.

ग़ज़लें:

ख़ुदा की तारीफ़। ४७३.

मसीह की तारीफ़। ४७४—४७७.

दुआ। ४७८—४८१.

गुनाह की पहचान। ४८२,४८३.

मसीह की पैदाइश। ४८४.

मसीह की मौत और जी उठना। ४८५—४८७.

मसीह की चाल। ४८८,४८९.

गुनाह का इलाज। ४९०.

मौत की तैयारी। ४९१—४९३.

परमेश्वर: उस के गुण कर्म और वचन।

---

१. पाक तसलीस.

१ 12 12.12.10. "*Holy, holy, holy*" NICÆA { *H. 1.* *P. 1.* *S. 22*

pc १ अक़दस अक़दस अक़दस रब्ब ख़ुदा-इ-क़ादिर
mt सुबह को हम गाते हम्द तेरी ऐ मअबूद
pc अक़दस अक़दस अक़दस ऐ रहीम ओ क़ादिर
f वाहिद ख़ुदा में पाक तसलीस महमूद।

pc २ अक़दस अक़दस अक़दस तेरे तख़्त के आगे
mf कुल मुक़द्दस ख़ल्क़ सिजद: करतीं हैं मुदाम
करूबीन और सराफ़ीन तेरी हम्द बजाते
जो था और है और होगा ता दवाम।

p ३ अक़दस अक़दस अक़दस पुर-जलाल ओ अज़मत
गरचि नारास्त आदमी न देखते यह जमाल
mf तू अकेला अक़दस ला-शरीक पुर-रहमत
क़ुदरत और प्यार और क़ुद्स में है कमाल।

pc ४ अक़दस अक़दस अक़दस रब्ब ख़ुदा-इ-क़ादिर
mf सारी मख़लूक़ात से हो तेरा नाम मअबूद
pc अक़दस अक़दस अक़दस ऐ रहीम ओ क़ादिर
वाहिद ख़ुदा में पाक तसलीस महमूद॥

२ (३) 6 6.4.6.6 6 4. "*Come Thou Almighty King.*" Moscow { *H. 429. P. 438. S. 5.*

mf १ क़ादिर-इ-मुतलक़ आ
हम से तअ़रीफ़ करवा
मदद अब कर
आलम के किर्दिगार
सब के परवरदिगार
बाप सा तू करता प्यार
हम बन्दों पर।

२ मसीह ख़ुदावन्दा
मुन्जी तू दुनिया का
हुआ सहीह
mp हम पर अब कर निगाह
हमारी हो पनाह
बख़्श बन्दों के गुनाह
तू ऐ मसीह।

३ रूह-क़ुद्दूस तसल्ली दे
और अपने फ़ज़्ल से
हम को सम्भाल
mp हो रहीम बन्दों पर
अलग गुनाह से कर
c हम चलें उमर भर
रास्ती की चाल।

४ तसलीस के तीन अक़्नूम
भेद जिस का ना-मफ़्हूम
है एक वुजूद
रहम से ऐ अल्लाह
हमारी हो पनाह
तू सब का है हरगाह
मालिक महमूद।

---

३ (k) 11.11.14.13 "*We praise Thee, O God.*" { *P. 549. S. 72.*

mf १ हम्द तेरी ऐ बाप! तू ने बख़्शा हम को
मसीह को कि मुन्जी सब दुनिया का हो
mf हल्लिलूयाह! तेरी हम्द हो, हल्लिलूयाह आमीन
d हल्लिलूयाह! तेरी हम्द हो फिर हमको जिला॥

mf २ हम्द तेरी मसीह! कि तू हुआ इन्सान
pe सलीब पर जान दे के फिर गया आसमान॥

m ३ हम्द तेरी पाक रूह ! अपनी रोशनी चमका
कर ज़ाहिर मसीह को हिदायत फ़रमा ॥

mf ४ तश्रीफ़ हो और हम्द पे रहीम ओ रहमान
तू हम को खरीद करके बख़्शता आसमान ॥

m ५ फिर हम को जिला अपना प्यार दिल में भर
और हर एक की जान को मुनव्वर तू कर ॥

mf ६ फिर हम को जिला सब को मौत से जिला
सब खोए जो हुए अब घर में फेर ला ॥

---

४ 8.7.8.7. D. BETHANY. { *H. 81.* *P. 241.*

mf १ देखो कैसीही मुहब्बत
हम पर बाप दिखाता है,
प्यार से पुर हमारी तरफ़
दिल और मुंह झुकाता है.

mp हम नालाइक़ों की ख़ातिर,
सर ओ पा जो गुनहगार,
अपना प्यारा बेटा दिया,
देखो बाप का कैसा प्यार.

mf २. देखो कैसीही मुहब्बत
मुन्जी की है क्या अजीब
अपने लोगों को बचाने
उस ने पसन्द की सलीब.

mp सिर से, पीठ से, हाथ से, पांव से,
अपना खून बहाता है,
देखो, मुन्जी क्या मुहब्बत
अपनों पर दिखाता है.

mf ३ देखो, कैसीही मुहब्बत
रूह-उल-क़ुद्स दिखाता है,
कैसे प्यार से गुनहगार को
यीशु पास बुलाता है

रोशनी, दानिश, और तसल्ली,
देने को वह है तैयार,
बेटे, बाप, और रूह का शुक्र
देखो यह त्रिगुणा प्यार.

५ L. M. "Father of Heaven RIVAULX { H. 2. P. 3.

१. स्वर्ग पिता तू ने करके प्यार
  हम सब का किया है उद्धार
हम गिरते हैं तेरे पांवो पर
  हे प्रेम निधान पाप क्षमा कर।

२. सामर्थी पुत्र सत् अवतार
  प्रवक्ता याजक तारणहार
हम गिरते तेरे पांवो पर
  ईश नरबन्धु दया दृष्टि कर।

३. सनातन आत्मा जिस का स्वास
  जिलाता वह जो हुए नाश
हम गिरते तेरे पांवो पर
  हे जीवनदाता जीवित कर।

४. यहोवाह—पिता आत्मा पूत
  तीन एक परमेश्वर ईश अद्भुत
हम गिरते तेरे पांवों पर
  प्रेम दया जीवन प्रदान कर।

देखो भी—२८४, ३११.

सृष्टि और प्रबन्ध में ईश्वरीय महिमा।

11. 11. 11. 11. *Ps. 19. 1-6* ADESTE FIDELES { *H. 30. P. 34. S. 31.*

mf १ आसमान बयान करते ख़ुदा का जलाल
और फ़ज़ा बताती है उस का कमाल
हां सुबह और शाम भी और दिन भी और रात
दिखाते अलक़ादिर ख़ुदा की सिफ़ात।

p २ न उन की ज़ुबान है न उन की आवाज़
c पर तौभी बजाते सिताइश का साज़
mf कि ख़िलक़त से ख़ालिक़ का होता बयान
वह क़ादिर-इ-मुतलक़ हकीम आलीशान।

३ ज़मीन और आसमान पर है रब्ब का कमाल
कि सूरज और चांद और सितारे तमाम
पहाड़ और समुन्दर मैदान औ दरया
सब कहते हैं ख़ालिक़ है क़ादिर ख़ुदा।

४ देख दुल्हे की मानिन्द है सूरज तैयार
निकलता है पूरब से हो रौनक़दार
और पच्छिम को करता है गरदिश तमाम
और छिपा है उससे न कोई मक़ाम।

आसमान बयान करते ख़ुदा का जलाल
और फ़ज़ा बताती है उस का कमाल
हां सुबह और शाम भी और दिन भी और रात
दिखाते अलक़ादिर ख़ुदा की सिफ़ात।

१५ (१६) 11.11.11 11. *Ps. 104:1-5.* HOUGHTON { *H. 12. H.22.* HANOVER { *H. 12. H.16.*

mf १ खुदावन्द की हम्द कर तू ऐ मेरी जान
खुदा-इ-अज़ीम का तू हो सनाख्वान
कि इज़्ज़त जलाल का है उस का लिबास
पस अदब से आ तू खुदावन्द के पास।

mf २ वह नूर को पहिनता है जैसे पोशाक
और परदे की मानिन्द फैलाता अफ़लाक
और खास बालाखाने और मसनद का घर
सो क़ायम वह करता है पानियों पर।

३ वह बदली को जानता है मरकब तैयार
और हवा के बाज़ू पर होता सवार
फ़िरिश्तों को रूहें बनाता वही
और जलती आग ख़िदमतगुज़ारों को भी।

४ ज़मीन उस की बिना पर ठहरी मज़बूत
बे-जुम्बिश वह रहती बहाल और सबूत
खुदावन्दा ख़िलक़त है तेरी अजीब
काम तेरा अज़ीम और ज़ात तेरी मुहीब।

---

१६ (१७) 8.8 6 D. *Ps. 33.* HULL { *H. 465. P. 465. S. 552.*

mf १ आसमान ज़मीन का इन्तिज़ाम
खुदा के हाथ में है तमाम
वह नाज़िम बरतरीन
वह अपनी बात पर साबित है
सब क़ौमों पर वह ग़ालिब है
f हाकिम-उल-हाकिमीन।

२ मुख़ालिफ़ों की सब तद्बीर
ख़ुदावन्द जानता है हक़ीर
mp और बातिल उनके ख़ियाल
mf अपनी मिरास की वह पनाह
अपनों पर रखता वह निगाह
वे रहते हैं ख़ुशहाल।
m ३ आदमी तो दिल में ठानता है
पर रब्ब जो सब कुछ जानता है
सो करता इन्तिज़ाम
वह सब जहान का हाकिम हो
नित देखता सारे आलम को
और जानता सब के काम।
m ४ न लशकरों की बहुतात
न पहलवानी से नजात
सब है ख़ुदा के हाथ
जो उस के साम्हने है ख़ाकसार
उस की नजात का उम्मेदवार
c रहेगा चैन के साथ।

---

१७ (१९) L.M. *Ps. 34:3-9.* WARRINGTON { *H. 403. P. 385.*

mf १ ख़ुदावन्द तआला है सुबहान
उस की तारीफ़ करो हर आन
ख़ुदावन्द की बड़ाई को
तुम उस का नाम बुलन्द करो।
mp २ जब ढूंढा तुझ को आसी ने
c बचाया तू ने ख़ौफ़ों से
m जब तुझ पर मैं ने नज़र की
c नजात तब तू ने मुझे दी।
m ३ ख़ुदावन्द का फ़िरिश्तः जो
बचाता है वह बन्दों को
मकानों को दीनदारों के
वह घेरता है चार तरफ़ से।
m ४ ख़ुदा है ख़ूबमुक़द्दसों
नित उस के मुतवक्किल हो
वह तुम को सब कुछ देता है
तुम्हारी ख़बर लेता है।

---

१८ (२०) L.M. *Ps. 103* WINCHESTER { *H. 6. P. 150. S. 177.*

mf १ ख़ुदावन्द को ऐ मेरी जान
तू कह मुबारकबाद हर आन
और मेरे अन्दर सब जो हो
ले उस के नाम मुक़द्दस को।
२ ख़ुदावन्द को ऐ मेरी जान
तू कह मुबारकबाद हर आन
तू उस की निअ़मतें न भूल
शुकराने में अब हो मशग़ूल।

m ३ मसीह की ख़ातिर से अल्लाह
बख़्श देता तेरे सब गुनाह
और दुःख बीमारी से तमाम
mf वह तुझे देता है आराम।
m ४ हलाकत से वह तेरी जान
बचाता है हर ख़ौफ़ की आन
सब दुःख का है उस पास इलाज
c फ़ज़्ल का तुझ पर रखता ताज।

mf ५ वह देता है सब अच्छी चीज़
जो रूह ओ बदन को अज़ीज़
कि होती है तब तेरी जान
उक़ाब की मानिन्द नौजवान।
६ ऐ मेरे दिल ऐ मेरी जान
ख़ुदावन्द को हर दम हर आन
f तू कहे जा मुबारकबाद
और कर तअ़रीफ़ अबदुलआबाद

---

१९ (२१) C.M. *Ps. 145:9-19* ST. PETER. { *H. 261. P. 178. S. 112.* }

mf १ सभों के ऊपर मिहरबान
ख़ुदा है सरासर
और उस की बड़ी रहमत है
उस के सब कामों पर।
२ काम तेरे होंगे ऐ ख़ुदा
सब तेरे सनाख़्वान
और भी मुक़द्दस लोग
कहेंगे तेरी शान।
३ कि तेरी सल्तनत की शान
वे करेंगे बयान।

और तेरी बड़ी क़ुदरत को
वे करेंगे अयान।
४ कि तेरी क़ुदरतें अ़जीब
हों लोगों पर आशकार
और तेरे राज की बड़ी शान
हो जाए नमूदार।
५ तेरी बादशाहत है ख़ुदा
बादशाहत अबदी
तेरी हुकूमत पुश्त दर पुश्त
नित क़ायम रहेगी।

---

२० (२२) L.M. *Ps. 100.* OLD 100. { *H. 38. P. 14. S. 9.* }

१ ऐ सारी सरज़मीनों अब
ख़ुदा के साम्हने हो मसरूर

इबादत करो उस की सब
तुम गाते आओ उस के हुज़ूर

m २ ख़ुदा अकेला है मअ़बूद
बनाया हम को उसी ने
हम उसके लोग हैं क्या मसऊद
भेड़ उस की चरागाह में के।
f ३ उस के दरवाज़े सनाख़्वान
बारगाह में हम्दसे दाख़िल हो
तुम मानो सब उस के इहसान
मुबारक उस का नाम कहो।
४ क्योंकि ख़ुदावन्द है क़रीम
और उस की रहमत अबदी
सदाक़त उस की है क़दीम
और पुश्त दर पुश्त रहेगी भी।

---

२१ (२३) 11. 11. 11. 11. *Ps. 100.* STANLEY. P. 279. ADESTE FIDELES { *H. 30.* *P. 34.* *S. 31.*

mf १ यहोवाह के लिये ऐ सब सरज़मीनो
तुम ज़ोर की आवाज़ से अब होओ मसरूर
तुम ख़ुशी से करो ख़ुदा की इबादत
गीत गाते तुम हाज़िर हो उस के हुज़ूर।

m २ यहोवाह को जानो कि वही ख़ुदा है
और उसी ने हम को बनाया है भी
हम उसी के लोग हैं हम उस की हैं भेड़ें
हां ख़ास चरागाह की हैं भेड़ें उसकी।

f ३ दरगाह के दरवाज़ों में करके शुकरानः
और हम्द करते हुए अब दाख़िल तुम हो
तुम उस की बारगाहों में दाख़िल हो जाओ
इहसान उसका मानो और गाते रहो।

४ यहोवाह के नाम को तुम कहो मुबारक
यहोवाह है भला सब बन्दे हों शाद
कि पुश्त दर पुश्त रहती है उसकी वफ़ाई
और उसकी ख़ास रहमत है अबदुल-आबाद।

देखो भी—२०८, २[illegible] [illegible]१७, ३०३, ३३८, ३३९, ३४१.

परमेश्वर पिता.

२२ (२) *Ps. 103: 19-22.* WINCHESTER. { *H. 134. P. 9. S. 33.*

mf १ आसमान के तख़्त पर है ख़ुदा
बादशाहों के बादशाह
आसमान ज़मीन पर जितने हो
सब उस के हो मद्दाह।

२ क़ादिर फ़िरिश्तों उस की बात
तुम सुनके मानते हो
ख़ुदावन्द को तुम मेरे साथ
मुबारकबाद कहो।

३ ऐ ख़िदमत करनेवालों तुम
जो उस को मानते हो
सब लशकरों ख़ुदावन्द को
मुबारकबाद कहो।

f ४ ऐ सब मख़लूक़ हर जगह में
ख़ुदा की हम्द करो
मुबारकबाद कह मेरी जान
तू भी ख़ुदावन्द को।

---

२३ (४) 8.7.8 7.8.7. *"Our Father."* REGENT SQUARE { *H. 444. P. 4. S. 255.*

mp १ ऐ आसमानी बाप हमारे
तेरा नाम मुक़द्दस हो
तेरी पाक बादशाहत आवे
होवे तेरी मरज़ी जो
ज्यों आसमान पर
त्यों ज़मीन पर पूरी हो।

mp २ बख़्श तू दे हमारे लिये
आज की रोटी जो ज़रूर
और गुनाह जो हम ने किये
कर उन सब को हम से दूर
जैसा हम भी
बख़्शते औरों के क़ुसूर।

mp ३ हमें डाल न इमतिहान में
सारी बदी से छुड़ा
क्योंकि तेरी है बादशाहत
क़ुदरत और जलाल सदा
सब लोग कहें
आमीन ऐसा होवेगा।

२४ (१०) 7.7.7 7. NEWINGTON CULBACH { H. 403. PH. 268. P. 98. S. 105.

m १ कामिल है ख़ुदा की राह
अपनों की वह है पनाह
कामिल उस का है कलाम
आड़ और ढाल है उसका नाम।

२ सिर्फ़ यहोवाह है ख़ुदा
है पहाड़ वह बन्दों का
मुझे ज़ोर दिखलाता है
अपनी राह चलाता है।

३ जंग की देता है तअ़लीम
भागते मेरे सब ग़नीम
देता वही जंग का साज़
करता मुझे सरफ़राज़।

c ४ बख़शता वह कुशादगी
दुशमन से आज़ादगी
mp हां ख़ुदा है आड़ और ढाल
बन्दों की पनाह कमाल।

---

२५ (२४) C. M. *Ps. 27:7-14.* FARRANT { Ps. M. 63. P. 200.

mp १ जब मैं पुकारूं ऐ ख़ुदा
हमारी सुन तू ले
तू मेरे ऊपर रहम कर
जवाब दरख़्वास्त का दे।

m २ मेरे चिहरे के ख़्वाहां हो
तू ने फ़रमाया है
तेरे वस्ल की ख़्वाहिश से
अब बन्दः आया है।

mp ३ न मुझ से कभी हो रूपोश
न मुंह तू मुझ से मोड़
कर मेरी मदद ऐ ख़ुदा
और आसी को मत छोड़।

४ दोस्त आशना भाई मा या बाप
जो छोड़ें बन्दे को
तब मेरा हो परवरदिगार
और बख़श तसल्ली को।

p ५ जो मेरी होती न उम्मेद
तेरी निअ़मत की
तो मैं हो जाता साफ़ तबाह
m पर यह सम्भालती थी।

m ६ मुक़द्दसो पस देखो तुम
ख़ुदावन्द ही की राह
नित रहो उस के मुन्तज़िर
कि मालिक है अल्लाह।

m ३ लड़के को वख़ुशदिली
तोहफ़ः लाये क़ीमती
mf तेरे लोग भी अब तुझे
हुसन-इ-तक़हुस से
अपने तईं ब-दिल औ जान
नज़र करते ऐ सुलतान।
mp ४ पाक मसीह हम को सदा
राह-इ-रास्त पर तू चला
और जब फ़ानी आलम से
c रुख़सत हों तू जगह दे
जहां पुर-जलाल हम को
तू बे परदः ज़ाहिर हो।
f ५ मुल्क आसमानी नूरानी है
उस का नूर ग़ैरफ़ानी है
तू है नूर औ ताज क्या ख़ूब
तू आफ़ताब है बे-ग़ुरूब
तेरी हम्द में ऐ बादशाह
गावेंगे हल्लिलूयाह।

---

२६ (४७) 7.7.7.7.D. "*Hark, the herald angels.*" BETHLEHEM {*H.28.* *P.30.*}

mp १ सुन आसमानी फ़ौज शरीफ़
c रब्ब की गाती है तअ़रीफ़
mf सुलह अब ज़मीन पर हो
ख़ुशी बनी आदम को
ऐ सब क़ौमों ख़ुशी से
गाओ साथ फ़िरिश्तों के
बैतलहम में अब सहीह
पैदा हुआ है मसीह

सुन आसमानी फ़ौज शरीफ़
रब्बकी गाती है तअ़रीफ़।

mf २ जो मसीह बर हक़ मअ़बूद
रब्ब जो अबदी महमूद
m अब मुक़र्रर वक़्त पर आ
फ़रज़न्द है कुंवारी का
mp जो मुजस्सम है अल्लाह
सिजदा कर ऐ ख़लक़ुल्लाह
c अब इम्मानूएल रहमान
है इनसानों में इनसान।
f ३ हो मुबारक इबनुल्लाह
ऐ सलामती के बादशाह
तू आफ़ताब सदाक़त का
ज़ीस्त औ नूर हर उम्मत का
m तू ने छोड़ी अपनी शान
ता हलाक न हों इन्सान
c बनी-ख़ाक ना जनम से
वारिस बने जन्नत के।

३० C. M. "Joy to the world." ANTIOCH. { P. 26. S. 111.

mf १ ख़ुश हो ख़ुदावन्द आया है
उस को क़बूल कर ले
ऐ कुल्ल जहान, हां, हरएक दिल
मसीह को जगह दे।

२ ख़ुश हो, मसीह अब
बादशाह है
सब आदमी, हर ज़ुबान
समुन्दर भी, मैदान, पहाड़
गीत गावें ख़ुश-इलहान।

३ दुःख और तकलीफ़ वह
करता दूर
हटाता है गुनाह
तारीकी में वह देता नूर
और बरकत बेश बहा।

४ रास्तबाज़ी और सच्चाई से
वह राज फैलाता है
और अपनी कुल्ल हुकूमत में
पियार दिखाता है।

---

३१ L. M. MELCOMBE. { P. 514. H. 107.

१ ख़ुदा का देखो कैसा प्यार
mp कि यीशु हुआ है अवतार
मुनज्जी हुआ है नमूद
और बैतलहम में है मौजूद।

२ कलाम मुजस्सम क्या अजीब
m अलक़ादिर हुआ है ग़रीब
सब ख़िलक़त की जो अस्ल है
सो औरत की अब नस्ल है।

३ यह बात क़ियास से बाहर है
तौभी सरीह और ज़ाहिर है
कि चरनी में जो है मौजूद
सारे जहान का है मअ़बूद।

४ गर तुझे जानें लोग नाचीज़
mf मसीह तू मुझे है अज़ीज़
कर मेरे दिल को अपना घर
और सदा उस में रहा कर।

३२ "O come all ye faithful." ADESTE FIDELES { H. 30. P. 34. S. 31.

१ अब आओ विश्वासियो
mf जय जय करते आओ
अब आओ हम चलें बैतलहम को
चरनी में देखो
महिमा का राजा
pc अब आओ हम सराहें
अब आओ हम सराहें
अब आओ हम सराहें
खीष्ट प्रभु को।

m २ गर ईश्वर से ईश्वर
ज्योत का ज्योत सनातन
घिण उसने न किया गर्भ कुंवारी से
सच्चा परमेश्वर
न सृजा था पर जन्मा
pc अब आओ वग़ः।

३ हे सारे दूतगणों
mf जय जय कार तुम गाओ
c स्वर्गों के स्वर्ग में तुम गाते रहो
महिमा और स्तुति
ईश्वर सर्वप्रधा को
अब आओ वग़ः।

४ आमीन प्रभु धन हो
त्राण के लिये जन्मा
! हे यीशु सदा तेरी महिमा हो
पिता का वचन
अब देहधारी हुआ
mc अब आओ वग़ः

पुत्र. (२) जीवन और नमूना.

३३ (५६) 8 7.8.7. D. DEERHURST. H. 443. ALL THE WAY. { P. 320. S. 522.

m १ प्यार सब प्यार से जो बेशक़ीमत
तेरा है मसीह मसलूब
mp तू ने सहा दुःख मुसीबत
मेरे वास्ते पे महबूब
mf तू कफ़ारा देने आया
ता नजात जहान की हो
फ़िदा देने को बहाया
अपने क़ीमती लहू को।

p २ प्यार से आंसू तू बहाके
बाग़ में हुआ था रंजूर
प्यार से तू सलीब उठाके
उस के बोझ से था मजबूर
प्यार से तू ने ठट्ठा सहा
और बहुत बे-इज़्ज़ती
प्यार से तेरा खून सब बहा
प्यार से जान सलीबपर दी।

pc ३ प्यार से मरके मेरे लिये
हासिल की अबदी नजात
p कोड़े खून और ज़ख़म तेरे
c बख़ूशते सिहत और हयात

f आह इस प्यार से है तसल्ली
शुकर शुकर मानता हूं
ज़ख़मी प्यारे जान और तन भी
शुकर में गुज़रानता हूं ।

---

३४ (६६) C.M. "*Thou art the way.*" ST. JAMES. { *H. 127.* *P. 289.* }

m १ तू राह है तेरे सबब से
गुनाह और मौत से भी
हम पावें अपने बाप के पास
नजात और ज़िन्दगी ।

२ हक़ तू ही है ख़ुदावन्दा
सिर्फ़ तेरा पाक कलाम
दानाई देवे दिलों को
और रूहों को आराम ।

mf ३ तू ज़िन्दगी है क़बर पर
तू ग़ालिब है—और वे
जो तुझ पर आसा रखते हैं
सो बचें दोज़ख़ से ।

m ४ राह हक़ और ज़िन्दगी तू है
उस राह में हमें ले
और हक़ और अबदी हयात
बख़्श अपने करम से ।

पुत्र. (३) दुःख और मरण.

३५ (४८) 8.7 8.7. BATTY. *P. 310. PH. 223.* ST. MABYN. *H. 187. P. 68.*

pc यीशु मरा दूस यह बचन
स्वर्गी राग में गावें नित्त

mf यह भगवान के प्रेम का लच्छन
आवो सब इस पर देवें चित ।

pc २ यीशु मरा पापियों को
केवल इसी से उद्धार
उस की मृत्यु से सभों को
mf मिलता जीवन अधिकार।

pc ३ यीशु मरा क्या अचंभा
mf क्या ही कृपा क्या ही क्लेश
जगत जितना चौड़ा लम्बा
उतना फैले यह सन्देश।

p ४ यीशु मरा सोच हे पापी
प्रेम यह कैसा है असीम
अभी तक तू क्यों संतापी
इस से बंधा त्राण का नीम।

p ५ यीशु मरा यह बात सुनके
गल जा मेरे पत्थर मन
उस की आत्मिक सेवा चुनके
उस का शिष्य और आश्रित बन।

---

३६ (४६) *"When I behold."* COMMUNION *H. 71. P. 419.* RETREAT *P. 326. PH. 241.*

mp १ जिस क्रूश पर यीशु मरा था
वह क्रूश अद्‌भुत जब देखता हूं
संसारी लाभ को टोटासा
और यश को निन्दा जानता हूं।

m २ मत फूल जा मेरे मूर्ख मन
इस लोक के सुख और संपत पर
हो ख्रीष्ट के मरन से प्रसन्न
और उस पर सारी आशा धर।

p ३ देख उस के सिर हाथ पांवों के घाव
यह कैसा दुःख और कैसा प्यार
mp अनूठा है यह प्रेम स्वभाव
अनूप यह जग का तारणहार।

pp ४ देख लोहू चद्दर के समान
उस के शरीर को ढांक रहा
mp हे मन संसार को बैरी जान
औ ख्रीष्ट के पीछे क्रूश उठा।

m ५ जो तीनों लोक दे सकता मैं
इस प्रेम के योग्य यह होता क्यूं
f हे यीशु प्रेमी आप के तैं
मै देह और प्राण चढ़ाता हूं।

---

३७ (५०) 8.7.8 7.4.7. ST. SEBALD *H. 556.*
DISMISSAL. *PH. 343, P. 451, S. 287.*

mp १ कलवरी से क्या पुकारा
मर्द मसलूब का है कलाम
p लो ज़मीन आसमान अन्धयारा
है मसीह का दुःख तमाम
pp पूरा हुआ
mp मरते यीशु ने कहा।

pc २ पूरा हुआ शुकर करें
mf पूरा है नजात का काम
अब शैतान से हम न डरें
छूटे हैं सब उसके दाम
p पूरा हुआ
mp मरते यीशु ने कहा।

pc ३ पूरा हुआ सब क़ुरबानी
राह औ ज़ाबते शरअ़ के
जिन की है मसीही मअ़नी
mf कामिल हुई ईसा से
p पूरा हुआ
mp मरते यीशु ने कहा।

mf ४ आओ गावें दिल ओ जान से
आदमी और करुबीआं
गावें सब इम्मानूएल के
नाम ओ काम की खूबीआं
f हल्लिलूयाह
p होवे यीशु की तअ़रीफ़।

३८ (२२४) "*Alas and, did my Saviour.*" ST. FRANCIS. *H. 53. P. 249.*

mp १ हमारे वास्ते ऐ मसीह
ख़ून तेरा बहा था
और मैं ने जान बचाने को
तुझी ही में ली पनाह।
२ गुनाह तो मैं ने किया था
पर सज़ा तू ने ली
सलीब पर दे दी अपनी जान
ता बख़्शे ज़िन्दगी।
३ जब रंज के मारे सूरज ने
छिपाया अपना नूर
बदकार की तू ने मिहर से
अरज़ी कर ली मंज़ूर
४ मुझ पापी पर तू दया कर
और मुझे याद फ़रमा
डाकू को तू ने किया याद
मुझे भी याद फ़रमा।
mf ५ हरगिज़ नहीं, ख़ुदावन्दा
क़रज़ अदा कर सकूं
अब देता हूं मैं अपने को
बस, ज़ियादा क्या करूं?

"*O Christ, what burdens*"

३९ S.6.8,6.8.6. SPOHR. *H.* (app.) *12, P. 47.* SUBSTITUTION.*P. 47. S. 128.*

p १ मसीह मेरे गुनाहों का
तू हुआ बारबरदार
और मेरे रंज दुःखों को
सह लिया बेशुमार
क़ुरबानी करके अपनी जान
mf उतारा मेरा भार।
f २ दुःख मौत का मेरा प्याला था
तू ने पी लिया है
पी दिया उसे तलछट तक
और ख़ाली किया है
mf और मुझे सुख और बरकत का
प्याला दिया है।
pp ३ अल्लाह के ग़ज़ब की तलवार
सख़्त तुझ पर आई थी
p मार खाना था तो मेरा हक़
पर तू ने खाई थी
बहाया तू ने अपना ख़ून
mf और मुझ को सिहत दी।

४ ज़ोर शोर से आया जब तूफ़ान
जो तुझ पर पड़ा था
तू हुआ मेरी आड़ पनाह
मैं आड़ में खड़ा था
जो दुःख कि तू ने पाया था
निहायत बड़ा था।

p ५ ऐ ईसा तेरे आने से
mp मैं मरा बद्तर हाल
mf और तेरे फिर जी उठने से
जी उठूंगा ला-ज़वाल
c तेरे जलाल में आने से
f मैं पाऊंगा जलाल।

देखो भी—३३

पुत्र. (४) जी उठना।

"Jesus Christ is risen today."

(६१) 7.4 7.4. D.

EASTER HYMN { *H* 77. *P*. 61.

१ आज जी उठा है मसीह
हल्लिलूयाह
यह ईद ख़ुशी की सहीह
हल्लिलूयाह
गा बजावे सब जहान
हल्लिलूयाह
जिस ने दी है अपनी जान
हल्लिलूयाह।

m यीशु हुआ है मसलूब
हल्लिलूयाह
mp उससे हुई मौत मग़लूब
हल्लिलूयाह।

२ हम्द के गीत हम गावें तो
हल्लिलूयाह
अपने बादशाह यीशु को
हल्लिलूयाह

pc ३ मूआ था अब ज़िन्दः है
हल्लिलूयाह
और जहान का बख़्शिन्दः है
हल्लिलूयाह
अब फ़िरिश्ते ख़ुश हों ख़ास
हल्लिलूयाह
करते यीशु की सिपास
हल्लिलूया।

४१ (४२) 8.8.8.4. *"The strife is o'er."* VICTORY. {H. 78. P. 62.

f १ तमाम जंग अब फ़तहमन्द
खुदावन्द हुआ सरबुलन्द
गीत हम्द के गाके हो खुरसन्द
हल्लिलूयाह !

mp २ अब मौत के ज़ोर से है आज़ाद
mf ग़नीम भी सारे हैं बरबाद
जय जय जय कहके हों दिलशाद
हल्लिलूयाह !

mf ३ फिर उठके तीसरे रोज़ जी-शान
c कुल आलम का अब है सुलतान
गीत गावें खुशी से हर आन
हल्लिलूयाह !

f ४ देख खुली गोर है बन्द पे जान
यीशु ने खोला दर आसमान
अब खूब ललकारके हो शादमान
हल्लिलूयाह !

mp ५ मसीहा अपने ज़ख्मों से
तू मौत के डंक से सिहत दे
ता गावें ज़िन्दः हो तुझे
हल्लिलूयाह !

(५) हमदर्दी और बिन्ती करना.

४२ (५७) 7.7.7.7. *"Hark, my Soul."* ST. BEES { *H. 198. P. 77. S. 365.*

mp १ मेरी जान तू कान लगा
सुन कलाम तू ईसा का
पूछता वह ऐ गुनहगार
p क्या तू मुझ को करता प्यार।

mp २ था तू क़ैद में ना-उम्मेद
मैं ने खोली तेरी क़ैद
घायल था गुमराह लाचार
c मैं तब हुआ मददगार।

mp ३ मां भी भूले बच्चे को
उसके दिल में प्यार न हो
mf लेकिन मुझे तेरी याद
होगी अबदुलआबाद।

४ मेरा है बे-बदल प्यार
मौत में भी है पाएदार
वह आसमान से ऊंचा है
और पाताल से नीचा है

५ देखेगा तू मेरी शान
जो अज़ीम है बे-पायान
मेरे तख़्त के हिस्सेदार
p क्या तू मुझ को करता प्यार।

mp ६ ईसा मेरा है इक़रार
अब तक कम है मेरा प्यार
c ऐ मसीह ख़ुदावन्दा
मेरे दिल में प्यार बढ़ा।

"Where high the heavenly temple."

४३ (५८) L. M. WAKEHAM { *H. 431. P. 73. S. 274.*

m १ ख़ुदा की हैकल पाकतरीन
आसमान पर है बुलन्द हसीन
उसी में सरदार काहिन हो
मसीह अब रहता सदा को।

२ हमारा ज़ामिन हुआ था
p और खून बहाके मूआ था
m अब वह आसमान पर इन्तिज़ाम
नजात का करता है तमाम।

mp ३ मुसीबत दुःख ओ ग़म का मर्द
हमारे ग़म का है हमदर्द
वह अपने बन्दों का शफ़ीक़
शाफ़ी और हामी और रफ़ीक़।

m ४ पस बे-परवा हो तख़्त के पास
हम आके करें इलतिमास
ता जिस वक़्त दुःख से हों रंजूर
वह मदद पावें जो ज़रूर।

f ५ हम्द सना बाप ख़ुदा को हो
हम्द सना अज़ली बेटे को
और उसी क़दर भी पाक रूह
हमेशः हम से हो ममदूह।

४४ (७६) .77.76. *"Only Jesus feels."* S. 51.

mp १ दिल का बोझ कौन जानता है
सब के दुःख कौन जानता है
फ़क़त यीशु जानता है
यीशु प्यारा यीशु ।
यीशु है मुबारक नाम
दिल को देता है आराम
उस को गावें सुबह शाम
यीशु प्यारा यीशु ।

m २. यीशु दिल को करता पाक
देता है मुफ़ीद ख़ुराक
पहनाता बाक़ी को पोशाक
यीशु प्यारा यीशु ।

३ सुनता है हर एक फ़रयाद
दुःख में देता है इमदाद
रखता है वह दिल को शाद
यीशु प्यारा यीशु ।

४ वह बचाता रहेगा
और हिदायत करेगा
हम को पार उतारेगा
यीशु प्यारा यीशु ।

"One is kind above all others."

४५ (५६) 8 4.8.4 8 8.8.4. TENDERNESS {H. 540, P. 542}

mf १ एक तो है जो सब से अच्छा
कैसा पियार
भाई के प्रेम से उस का ज़ियादः
कैसा पियार

mp दुनयवी दोस्त दुःख तुझे देवें
आज प्रेम करके कल छोड़ देवें

m दोस्त वह है जो दग़ा न देवे
कैसा पियार ।

२ यीशु जो तू जाना चाहे
कैसा पियार
उस को तन मन अर्पण कर दे
कैसा पियार

mp तुझे पाप का बोझ दबाता
तू परीक्षा से घबराता
m यीशु इन सब से बचाता
कैसा पियार।

३ प्रेम का चिन्ह देख उस का मरण
कैसा पियार
मौत तक वह है तेरी शरण
कैसा पियार

सब वे बुरा पंथ को छोड़ दे
उसी पन्थ के पीछे हो ले
जिस ने तेरे रंज सब भोगे
कैसा पियार।

mf ४ तेरे पाप वह दूर कर देगा
कैसा पियार
तेरे दुशमन सब जीत लेगा
कैसा पियार
f सारी बरकतें वह देगा
तेरा भला सिर्फ़ करेगा
अन्त को स्वर्ग में तुझे लेगा
कैसा पियार।

३ फिर वह अपने दुश्मनों को
करेगा शिकस्तः हाल
उन्हें अपने पांव के नीचे
करेगा दफ़अ्‌तन पामाल
ज़ाहिर होगा
उस के अदल का कमाल।

४ ऐ ख़ुदावन्द क़ादिर यीशु
राज शैतान का कर ताराज
जल्दी अपने इख़्तियार में
ला जहान का तख़्त औ ताज
आ मसीहा
ज़ाहिर कर तू अपना राज।

---

५७ (५५) 8.9.8 D.6.6.4 4.4.8 "*Wake awake.*" NICOLAI { *H. 716.* *P. 38.*

१ जाग उठो पुकारा हुआ
जगाने वाला है पहरुआ
यरुसलम हो ख़बरदार
आधी रात अब हुई आओ
होशयार कुंवारियो उठ जाओ
दूलहे को मिलने को तैयार
f वह आता धूम के साथ
मशअ़ल अब लेओ हाथ
हल्लिलूयाह
तुम शादी को
तैयार अब हो
और निकलो उस के मिलने को।

२ सैहून यह जो सुन्ने पाती
mf तो उस के दिल में ख़ुशी आती
जल्द उठके होती है बेदार
उस का दूल्हा बड़ी शान से
पुर-जोश त आता है आसमान से
वह बोलती सच ता पर तैयार
mp ख़ुदावन्द यीशु आ
ख़ुदाज़ादा तू दुल्हिन का
f हल्लिलूयाह
तू आह पर
हम ख़ुशी कर
सब जाते हैं शादी के घर।

५१ P.M. *"Are you ready for the Bridegroom."* G. 57.

१ क्या तैयार हो जब कि दुलहा
आवेगा, आवेगा?
क्या तैयार हो जब कि दुलहा
आवेगा, आवेगा?
अब देख! वह आता!
अब देख! वह आता!
अब जल्द हो हाज़िर दुलहा
आता है.
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह दुलहा आता है.
अब देख! वह आता
अब देख! वह आता
अब जल्द हो हाज़िर, दुलहा
आता है.

२ क्या मशअलें जलती होंगी,
जब वह आये, जब वह आये,
क्या मशअलें जलती होंगी,
जब वह आये, जब वह आये?
वह जल्दी आता, वह जल्दी
आता,
अब जल्द हो हाज़िर दुलहा
आता है.
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह आता
अब देख! वह आता
अब जल्द हो हाज़िर दुलहा
आता है.

३ मुलाक़ात हम सब करेंगे,
जब वह आये, जब वह आये;
मुलाक़ात हम सब करेंगे,
जब वह आये, जब वह आये;
वह देखो आता, वह देखो आता
अब जल्द हो हाज़िर, दुलहा
आता है.
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह दुलहा आता है,
अब देख! वह आता
अब देख! वह आता
अब जल्द हो हाज़िर दुलहा
आता है.

५२ 8.8.8.8 8.8. *"O come, O come Immanuel."* VENI IMMANUEL} *H. 109.*

mp १ जल्द आ जल्द आ इम्मानुएल
आज़ाद कर अपना इसराएल
असीरी में जो है लाचार
पर करता तेरी इन्तिज़ार।
mf ख़ुश हो ख़ुश हो ऐ इसराएल
जल्द आवेगा इम्मानुएल।

mp २ दाऊद की नस्ल जल्दी आ
शैतान के ग़लबे से बचा
c निज लोगों को तू कर ख़ुरसन्द
दोज़ख़ और मौत पर फ़तहमन्द।

m ३ सुबह की रोशनी हो आशकार
हमारी रूहें कर बेदार
रात की तारीकी को मिटा
और साया मौत का दूर भगवा।

४ दाऊद की नस्ल जिस ही से
मीरास में दख़ल हो सके
आसमान का रास्ता खोल दिखला
अज़ाब की राह को बन्द करा।

mf ५ तू आ ऐ रब्ब-इ-क़ादिर आ
जो कोह-इ-सीना उतरा था
तुमायां हुआ हैबतनाक
और क़ौम को दिई शरीअत पाक।

देखो भी; २२१, ३०४—३२१.

पुत्र. (७) उस की स्तुति.

५३ (६२) 8.7.8.7.6.7. DORRNANCE. *P.* 228 *S.* 91

m १ यीशु नाम की दे दुहाई
तू जो दुःख से है ग़मगीन
c उस्से चैन और दिलजमई
तुझे मिलती बिलयक़ीन।
mf नाम अज़ीज़ क्या शीरीन
ऐ जमाल-उल-आलमीन।

२ यीशु नाम की दे दुहाई
वही ढाल है और चट्टान
उस्से तुझे तवानाई
होती है बीच इमतिहान।

३ क्या बेशक़ीमत यीशु नाम है
उस से ख़ुश हैं दिल औ जान
उस की हम्द दिल-पसन्द काम है
उस का प्यार है बे-बयान।

४ यीशु नाम अज़ीमुश्शान हो
सलातीन का है सुलतान
कुल ज़मीन और कुल आसमान हो
उस के नाम के सनाख़्वान।

५४ (६४) 8.7.D.8 8.8.7. "Glory to the Lamb." G. 48.

p १ सलीब पर यीशु मुआ था
m यीशु की सिताइश हो
वह मेरा शाफ़ी हुआ है
यीशु की सिताइश हो।
mf ख़ुदावन्द यीशु है मिहरबान
वह नाम है मुझे ख़ुश-इलहान
और ज़िन्दः करता मेरी जान
यीशु की सिताइश हो।

२ मसीह ने लिया मेरा बार
बचाया मौत से मुझ बदकार।
३ मिट गये मेरे सब गुनाह
मैं चलता हूं आसमानी राह।
mf ४ वह नाम सुनाया जाता है
बे-चैन को सुख दिलाता है।
mp ५ जब होगी ज़िन्दगी तमाम
c तब गाऊं उस की हम्द मुदाम

---

५५ (६७) 8.7.8.7.4.7. PLEASANT PASTURES { P. 585. S. 1164.

mp १ यीशु इस सन्सार में आया
पूरा सहा पाप का दन्ड
विधराई पाप की माया
बन्द कर दिया नारकी कुन्ड
जै जै यीशु
पापियों के तारणहार।
२ यीशु तीसरे रोज जी उठा
उस ने खोला स्वर्ग का द्वार
अन्तःकर्ण का सूरज उठा
आस चमकाई दिशा चार
जै जै यीशु
पापियों के तारणहार।
m ३ आओ तो भाइयो पाप की माया
और अज्ञानपन हम छोड़ दें
यीशु हमें देगा छाया
f पाप और क्लेश की आंधी से
जै जै यीशु
पापियों के तारणहार।

५६ (६८) 10.8.D.9.9 9 8. "*The whole world was lost.*" S. 417.

mp १ जब दुनया तारीकी में डूब गई थी
mf इस दुनया का नूर है यीशु
खुदावन्द की रौशनी खूब आई थी
कि दुनया का नूर है यीशु।

ऐ गुनहगार इस रौशनी में आ
तेरे गुनाह वह दूर करेगा
अब देखता हूं गर अन्धा मैं था
कि दुनया का नूर है यीशु।

mp २ मसीही न होंवे तारीक और उदास
mf कुल दुनया का नूर है यीशु
वे रौशनी में चलते है यीशु के पास
कि दुनया का नूर है यीशु।

m ३ ऐ तुम जो गुनाह और तारीकी में हो
mf इस दुनया का नूर यीशु
अब उठके यह बरकत खुदावन्द से लो
कि दुनया का नूर है यीशु।

mf ४ आसमान में भी सूरज न होगा ज़रूर
उस दुनया का नूर है यीशु
उस सोने के शहर में यीशु है नूर
उस दुनया का नूर है यीशु।

५७ (७०) 8.7.8.7.4 7.

CORINTH
MANNHEIM
MY REDEEMER

H. 164.
P. 316.
S. 896.

m १ यीशु है नजात-दिहिन्दः
अपने दिल तुम उस को दो
उस्से मत तुम हो शर्मिन्दः
उस की राह पर क़ाइम हो
गुनहगार को
आया वह बचाने को।

mp २ हम गुनाह के बोझ के मारे
हुए आजिज़ और लाचार
वह उठाके बोझ हमारे
मरा होके फ़िदाकार
ऐ ख़ुदावन्द
बे-पायान है तेरा प्यार।

३ या मसीह बचा तू मुझे
मेरे सब गुनाह बख़्शा
शाफ़ी जानता हूं मैं तुझे
सुलह और आराम दिलवा
मददगार हो
ऐ मसीह ख़ुदावन्दा।

m ४ गुनहगारो चले आओ
आदमज़ादों कुल जहान
उस को अपना दुःख बताओ
उस पर लाओ तुम ईमान
m हल्लिलूयाह
हो ता अबद उस की शान।

---

५८ (७२) 7 7.7.7.

HARTS

H. 17.
P. 17.
S. 329.

mf १ जितने होवें जग के बीच
छोटे बड़े ऊंच और नीच
बोलो धन मसीह सदै
बोलो सब मसीह की जै।

२ वह उतारने पाप का भार
खोलने को वह स्वर्ग का द्वार
देने पापियों को सुख
mp आया था कि सहे दुःख।

mp ३ अपना लहू दिया है
अपना प्राण बल किया है
यीशु है सब ग्रहण जोग
जै जै करें सारे लोग
mf भाई बोलो यीशु नाम
देखो सिद्ध है मुक्त का काम
बोलो सारे झूठ की छै
बोलो सब मसीह की जै।

५६ (७३) 6.5.6.5. D. "*Saviour, blessed Saviour.*" HERMAS { *H. 513.* *P. 210.*

mf १ यीशु धन्य यीशु
सुन हमारा गान
मन और शब्द से करते
तेरा आदरमान
जो कुछ है हमारा
जो कुछ होवेगा
देह और प्राण और आत्मा
सौंपते सर्वथा।

mp २ निकट अधिक निकट
तुझ पास आते हैं
तेरा आदर करके
घुटने टेकते हैं
जगत में तू आया
करने को उद्धार
mf ऊपर फिर चढ़ गया
हमें ले उस पार।

३ बड़े अधिक बड़े
यां हैं तेरे दान
सच्चा और सनातन
विभव है उस स्थान
जां सब शोक और चिन्ता
क्लेश और दुःख हैं नष्ट
f जां सिंहासन आगे
सब हैं बिना कष्ट।

mf ४ बढ़ो आगे बढ़ो
चलो सुख निवास
जिस मार्ग सन्त लोग आगे
बढ़े ईश्वर पास
mf पीछे सब कुछ छोड़के
बढ़ें इसी रीत
मुंह न पीछे करें
दौड़के पकड़ें जीत।

f ५ ऊपर प्रभु ऊपर
आत्मा को पहुंचा
श्रम और दुःख भुलाके
स्वर्ग में ले उठा
जां अपार आनन्द में
रहते दूत और सन्त
जै मसीह की गाते
मगन हो अनन्त।

६० (७४) 8.7.8.7. MARINERS { H. 581. P. 197. S. 316.

m १ लाखों में एक मेरा प्रिया
एक ही मेरा प्रिया है
उस ने मेरे मन को लिया
प्रेम के बल से लिया है।
p २ पाप की दल दल में मैं धंसा
था दीनहीन और मन मलीन
दुष्ट के जाल में था मैं फंसा
आशा हीन और दुष्ट आधीन।
m ३ मेरा प्रीतम यीशु आया
खोजने और बचाने को
मुझे पाया और बचाया
उस की स्तुति सदा हो।
४ प्रिय प्रभु मन जो लिया
बस तो सब कुछ तेरा है
अपना सब कुछ तुझे दिया
और तू प्रीतम मेरा है।

---

६१ (७७) 6 6 6.6 S.S. *"Rejoice the Lord is King."* DARWELL { H. 89. P. 69.

mf १ सब मिलके हो खुरसन्द
कि यीशु है बादशाह
तख़्त उस का है बुलन्द
हमारी है पनाह
पे भाइयो पाक ख़ुशी से
तुम गाओ गीत ख़ुदावन्द के।
२ कलीसिया का सरदार
वह सच्चा है ख़ुदा
बख़्श देता गुनहगार
रहीम वह है ख़ुदा
m पे भाइयो पाक ख़ुशी से
तुम गाओ गीत ख़ुदावन्द के।
mf ३ हमारा वह शफ़ीअ
अज़ीम और आलीशान
अब अर्श पर है रफ़ीअ
सुलतानों का सुलतान
पे भाइयों पाक ख़ुशी से
तुम गाओ गीत ख़ुदावन्द के।

६२ (७८) C.M. "All hail the power." MILES LANE { H. 91. P. 90. S. 203.

f १ आसमान के ऐ मुक़द्दसों
मसीह के हो मद्दाह
हमारे साथ ख़ुदावन्द को
तुम जानो शाहनशाह
२ और तुम जो उस की उम्मत हो
करो उस पर निगाह
अपने नजात-दिहिन्दः को
तुम जानो शाहनशाह।

mp ३ ऐ गुनहगारो याद रखो
मसीह का प्यार अथाह
मसलूब हक़ीर ग़म-ज़दः को
c तुम जानो शाहनशाह।
mf ४ आसमानियों में शामिल हो
ख़ुदा ही की दरगाह
c अव्वल औ आख़िर यीशु को
हम जानें शाहनशाह।

---

६३ (७९) ST. MAGNUS { H. 88. P. 64. S. 141.

mf १ सब मिलके तुम तअ़रीफ़ करो
मसीह हमारा शाह
आसमान के ऊपर चढ़ा है
सब उस के हो मद्दाह।
२ फ़िरिश्ते सना गाते हैं
तुम भी मसीहियो
मसीह बादशाह मुबारक की
सिताइश सब करो।
३ वह सब जहान का बादशाह है
सब उस के ताबिअ़ हो
तुम सोच समझके यीशु की
सिताइश सब करो।

mf ४ वह अब आसमान पर बैठा है
ख़ुदा के दहिने हाथ
बादशाहत सब पर करता है
अदल औ हिल्म के साथ।
५ जो अबिरहाम का है ख़ुदा
सो क़ौमों में अख़्तियार
बादशाह अमीर बुलन्द औ पस्त
हैं उस के ताबिअ़दार।

६४ (८०) C M.

"O Jesus King, most Wonderful."
ST. AGNES. DURHAM. { *H 202. P. 176. S. 60.*

m १ ऐ यीशु तू अजीब बादशाह
बहादुर भी मशहूर
तू ख़ूबीयों का चश्मः है
शीरीनी से मअ़मूर
२ जब दिल में आ तू साकिन हो
तब हक़ है रौनक़दार
इलाही प्यार तब है पैवस्त
चीज़ फ़ानी ना-गवार ।
m ३ ऐ यीशु तू जहान का नूर
आफ़ताब सदाक़त का ।
सब लज़्ज़तों से तू लज़ीज़
चश्मः सआदत का ।
४ यीशु सब तेरे तालिब हों
और तेरे वाक़िफ़कार
नाम तेरे के सब मुक़िर हों
और जानें तेरा प्यार ।
५ ऐ यीशु हम सिर्फ़ तेरे प्यार
और हम्द से हों ख़ुशहाल
हम उम्र भर आशकार
सिर्फ़ तेरा ही जलाल ।

---

६५ (८१) C.M.

"The Lord is King." JACKSON. { *H. 621. P. 617.*

mf १ ख़ुदावन्द यीशु मालिक है
सुल्तानों का सुल्तान
सब चीज़ों का वह ख़ालिक है
ज़ात उस की आलीशान ।
mf २ इम्मानुएल है उस का नाम
ख़ुदा हमारे साथ
अजीब हैं उस के सारे काम
नजात है उस के हाथ
m ३ इन्सानों के बचाने को
इन्सान वह हुआ था
mp और दुःख और मौत उठाने को
वह दुख में मुआ था ।
mf ४ वह मूमिनों का जौहर है
और मोती बे-बहा
कलीसिया का वह जौहर है
और मुनजी दुनिया का ।
५ बाग़ मेरा उस से ताज़ः है
वह है हयात का आब
बिहिश्त का वह दरवाज़ः है
और रास्ती का आफ़ताब ।

६६ (८२) 9.8 9 8. KEMSING H. 496. HARVEST-TIDE P. 487.

mf १ मसीहा तू मेरा पियारा
तू है मेरे दिल का अज़ीज़
साथ तेरे है सब कुछ गवारा
m बिन तेरे है सब कुछ नाचीज़
mf २ ख़ूबसूरत तू है और पाकीज़ः
मैं तेरे हां प्यार से मग़लूब
कलीसिया है तेरा अज़ीज़ः
कलीसिया का तू है महबूब
m ३ सब दुनिया बिन तेरे है खाली
जहान है बिन तेरे तारीक
mf साथ तेरे है दुःख में ख़ुशहाली
दिल ख़ुश है जब तू है नज़दीक
४ तू मेरा आफ़ताब-इ-सदाक़त
दिल मेरे को बख़शता है नूर
हक़ानी है तेरी रिफ़ाक़त
मैं उस में नित रहना मसरूर।
mf ५ ऐ यीशु मैं तुझ पास रहूंगा
पास तेरे है मेरी नजात
mp जब यहां से कूच कर जाऊंगा
बख़्श मुझे तब अबदी हयात

---

६७ (८३) 5.5.7.5.5.8. ASCALON { S.S.H. 562 U.G. 83 }

mf १ यीशु प्यारे
मालिक हमारे
हक़ इनसान और हक़ ख़ुदा
c दिलदार तू मेरा है
सर ओ सरदार है
महबूब तू है दिल मेरे का।
m २ बाग़ और गुलज़ार हैं
ख़ुश नमूदार हैं
उन की बड़ी है बहार
c ख़ुश यीशु तू है
सब से ख़ुशरू है
तू मेरे दिल का है गुलज़ार।
m ३ सूरज चमकता
चांद भी झलकता
और सितारे बेशुमार
c यीशु जलाली
सब से जमाली
ख़ूबसूरत मेरा है दिलदार।

६८ (८४) 8 7.8 7.6.6.8.7. *Thou my everlasting Portion."* S. 571.

m १ तू है मेरा अबदी हिस्सः
तू है जान से भी अज़ीज़
सफ़र भर में साथ रहूंगा
तेरे साथ यीशु अज़ीज़
तेरे साथ तेरे साथ
तेरे साथ तेरे साथ
सफ़र भर में साथ रहूंगा
तेरे साथ यीशु अज़ीज़ ।
mp २ पेश दुनयायी हेच मैं जानता
इज़्ज़त जानता हूं नाचीज़
ख़ुशी से मैं दुःख सहूंगा
तेरे साथ यीशु अज़ीज़ ।
mp ३ पास रह जब हो सख़्त मुसीबत
जब हो बदन भी मरीज़
मैं तब अबदी घर जाऊंगा
तेरे पास यीशु अज़ीज़
तेरे पास तेरे पास
तेरे पास तेरे पास
मैं तब अबदी घर जाऊंगा
तेरे पास यीशु अज़ीज़ ।

---

६९ (८५) C. M. ST. AGNES DURHAM { H. 202. P. 176. S. 60.

m १ मसीह तू मेरा प्यारा है
तू मेरे दिल का नूर
तू मेरा ही कफ़ारा है
ऐ मेरे दिल मंज़ूर ।
mp २ जब मैं शैतान के बन्द में था
गुनाह से था मजबूर
वह हालत तू न देख सका
ऐ मेरे दिल-मंज़ूर ।
mp ३ मैं ज़ख़मी घायल था लाचार
नालायक़ औ मज़बूर
c पर तू था मेरा मददगार
ऐ मेरे दिल-मंज़ूर ।
mp ४ जब सभों ने छोड़ दिया था
जब सब हो गये दूर
c तब तू ने गोद में लिया था
ऐ मेरे दिल-मंज़ूर
m ५ पस अब मसीह मैं तेरा हूं
मैं तेरा हूं ज़रूर
काश तेरे पास मैं नित रहूं
c ऐ मेरे दिल-मंज़ूर ।

७० (८६) 8.7.8.7.

SEFTON H. 610.
DORRNANCE P.228.

mf १ एक ही प्यारा है हमारा
दोस्त हक़ीक़ी और अज़ीज़
उस की निसबत सारी उलफ़त
इस जहान की है नाचीज़ ।

२ सच्ची इज़्ज़त लायक़ हुरमत
उस की ज़ात में शामिल है
इलम ओ फ़हम हिलम ओ रहम
c मेरे दोस्त का कामिल है ।

mf ३ मेरा आसरा और भरोसः
यीशु की क़ुरबानी है ।
m दूसरा चारः है नाकारः
सिर्फ़ मसीह हक़ानी है ।

m ४ जो-लियाक़त और सदाक़त
उस की मौत से सादिर है
c सो ला-सानी और रब्बानी
वह नजात पर क़ादिर है ।

mf ५ उस की उलफ़त और मुहब्बत
मेरे दिल पर ग़ालिब है
अपने दोस्त की मिहर ओ प्यार की
मेरी जान नित तालिब है ।

---

७१ (२१८) P. M.

GLADNESS { P. 548. S. 38.

m १ क्या ही मुबारक है मुनजी हबीब
mp बदले में हम सब के पाई सलीब
mf उस की मुहब्बत है सब पर आशकार
दिल से मैं उस का अब करता इज़हार
f हूं सना-ख़्वां मैं उस का हर आन
उलफ़त अजीब मुनजी हबीब
हूं सना-ख़्वां मैं उस का हर आन
मुनजी मसीह, हबीब ।

७३ C.M. *"How sweet the name."* ST. PETER { H. 201. P. 178. S. 112.

१ क्या नाम शीरीन है यीशु का,
मुबारक सब कहोः
वह नाम बलसान है बेश बहा,
हटाता दहशत को.
२ वह नजिस रूह को करता पाक,
वह राहत है मुदाम
वह रूह के लिये है ख़ुराक,
और थकों को आराम
३ पाक नाम; वह मेरी है चटान;
ढाल मेरी और पनाह;
ख़ज़ान: मेरा बेबयान,
फ़ज़ल की उम्मेदगाह.
४ यीशु चौपान है, शाफी ख़ास
काहिन, नबी और शाह;
तू राह और हक़ तू है मिरास;
मैं तेरा हूं मद्दाह.
५ मैं तेरे बे हद्द प्यार का बाज़
हमेशः करूंगा;
नाम तेरा बख़्शेगा सलाज़,
मौत में भी बरमला.

---

७४ 6,6,6,6 8,8. *"Arise my soul arise."* DARWELL { H. 89. P. 69 S. 151. } ST JOHN { H. 632. P. 359

१ ऐ जान, तू होश में आ—
गुनाह की नींद से जाग.
देख लोहू बर्रे का,
और धोके हो बे-दाग.
कफ़ार: तेरे तख़्त के पास,
देख! है ख़ुदा का बर्रः ख़ास.
२ वह ज़िन्दः है, हर आन,
सिफ़ारिश करने को;
"दी मैं ने अपनी जान
बचाऊं इस ही को"
कफ़ार: उस का काफ़ी है,
कुल दुनिया का वह शाफ़ी है.
३ देख, उस के ज़ख़्म: सब
जो पड़े कलवरी पर:
वह मेरे हक़ में अब,
पुकारते "मुआफ़ तू कर,"
ऐ बाप मुक़द्दस, फ़ज़ल से,
तू मेरे ख़ातिर मुआफ़ कर दे.

४ सिफ़ारिश है मक़बूल—
बाप करता मुझे मुआफ़;
अब हूं मैं ना-मक़्बूल;
गुनाह से हूं मैं साफ़.
लेपालक फ़रज़न्द-ए-ख़ुदा
मैं हुआ हूं—रूह है गवाह.

५ ख़ुदा अब राज़ी है,
है पूरा इतमिनान;
सब ख़ौफ़ अब माज़ी है,
है ताज़ा मेरी जान.
फ़रज़न्दी मिला इख़्तियार,
मैं बाप में पाता हूं क़रार.

---

७५. 7.6.7.6.D. *"Tell me the story of Jesus."* S. 12

१ यीशु की बाबत सुनाओ
हां ताकि यह दिल-[illegible]
यीशु की बातें बे-[illegible]
[illegible] से [illegible]
कहो कि क्यूंकर फ़िरिश्ते
गाते थे हम्द की [illegible]
[illegible]
[illegible]
यीशु की बाबत सुनाओ
हां ताकि यह दिल-[illegible]
यीशु की बातें [illegible]
[illegible]

२ [illegible]
[illegible]
जहां कि दुश्मन हमारा
मुक़ाबिले में [illegible] गिरा
कहो सब उस की मुश्किल
कहो सब उस का आज़ार
कहो वह मिहनत औ [illegible]
कहो यह उस का प्यार.

३ कहो कि क्यूंकर वह मुआ
क्यूंकर वह हुआ [illegible].
क्यूंकर वह [illegible]
क्यूंकर वह [illegible]
[illegible]
[illegible]
यीशु ने [illegible]
यीशु ने [illegible]

७६ L. M. *"Jesus Thy blood and righteousness."* SOLDAU { *H. 140.* *P. 130.*

१ मसीहा का रक्त और धर्म्म अपार
है मेरा सुन्दर धर्म्म सिंगार
जिस में जब पार हो जाना हो
मैं प्रसन्न करूं ईश्वर को।

२ मसीह पर मेरा है बिश्वास
बिश्वासी क्यूंकर होंगे नाश
रीझ गया मुझ पर इश्वर आप
और क्षमा किया मेरे पाप।

३ जो मैं ने किये कर्म अशुद्ध
जो किया आज्ञा के बिरुद्ध
सो क्रूस पर चढ़के यीशु ने
मिटाया अपने लहू से।

४ ईश्वर की लेला सर्वप्रधान
जो क्रूस पर हुआ बलिदान
और पापी को बचाता है
सो मेरा मुक्तिदाता है।

५ मसीह ने दुःख जो सहा था
मसीह का रक्त जो बहा था
जिस ने मेरी छुड़ौती दिई
सो आशा है मुझ पापी की।

६ हां मेरी आशा जीवन भर
है सदा प्रभु यीशु पर
और स्वर्ग में उस का धर्म्म अपार
है मेरा सुन्दर धर्म्म सिंगार।

७७ 8.6.8.6.6 6. WORD OF LIFE { P. 550. S. 357.

१ जावे किस के पास, गुनहगार?
 यीशु है ज़िन्दगी!
 मौत से करता है वही पार;
 यीशु है ज़िन्दगी!
 ज़िन्दगी रूहानी,
 ज़िन्दगी-ग़ैरफ़ानी!
  बख़शिश अजीब!
  राह है सलीब!
  लेओ तुम ज़िन्दगी!

२ रूह और दुलहिन भी कहतीं, "आ"
 यीशु है ज़िन्दगी!
 तू जो सुनता है कहता जा,
 यीशु है ज़िन्दगी!
 सारी क़ौमें आवें,
 आब-इ-हयात वह पावें.

३ मुफ़्त वह देता है सभों को;
 यीशु है ज़िन्दगी!
 उस की मौत का तुम हासिल लो
 यीशु है ज़िन्दगी!
 नक़्दी नहीं लाना,
 उस के फ़ज़्ल से पाना.

४ यीशु लेता मैं तेरा नाम,
 तू ही है ज़िन्दगी!
 बिलकुल नाक़िस है मेरे काम,
 तू ही है ज़िन्दगी
 तुझ पर आसरा मेरा,
 बन्दः हूं मैं तेरा!

---

७८ 8.7.6.6.8.6. PANJABI AIR

१ जै! जै! जै! जै! मसीह की जै!
 जै! जै! जै! मसीह की जै!
मसलूब जो हुआ है!
 मसलूब जो हुआ है!
बेहद है उसका प्यार अजीब!
 जै! जै! मसीह की जै!
बेहद है उसका प्यार अजीब!
 जै! जै! मसीह की जै!

ईमान हम लाये यीशु पर
जो हुआ है कुरबान;
उस ही के ख़ून से है नजात,
पस क्यों न हों शादमान ?

३ देख ! देख ! देख ! देख !
मसीह को देख !
सलीब पर मुआ है,
सलीब पर देके अपनी जान,
मुझे बचाया है.

४ ख़ुदा ने ऐसी शिद्दत से,
जहान को किया प्यार,
कि बखशा अपने बेटे को,
ता होवे फ़िदाकार.

५ ऐ ईमानदारो, ख़ुश रहो,
वह करता है ख़लासः
गुनाह की सब बीमारी से
और बख़्शता पाक मिरास.

६ पस ख़ून ख़रीदे, गावें सब,
मसीह की होवे जै;
हां मौत जब आवे कहूंगा,
मसीह की होवे जै !

---

७१ 12.10.12.10. *"Praise Him, Praise Him."* S. 208

१ गाओ ! गाओ ! यीशु मुनज्जी की गीतें,
गाओ उसका बेहद्द अजीब पियार;
हम्द ओ सना, इज़्ज़त ओ हशमत ओ क़ुदरत,
उस मुबारक मुंजी पर है निसार.
यीशु हम को अपने प्यार में रखता,
उसकी गोद में पाते हैं चैन हर बार,
गाओ ! गाओ, यीशु मुनज्जी की गीतें,
गाओ ! गाओ, दिल से मसीह का प्यार.

२ गाओ! गाओ, यीशु मुनज्जी की गीतें,
वह हम सब के लिये है जां निसार;
वह हमारा शाफ़ी ओ मुंजी ओ बादशाह;
हल्लिलूयाह! यीशु है बारबरदार.
सना! सना! यीशु ने दुख उठायाः
आह! यह उसका कैसा अजीब पियार।
गाओ! गाओ, यीशु मुनज्जी की गीतें.
गाओ! गाओ, दिल से मसीह का प्यार.

३ गाओ! गाओ, यीशु मुनज्जी की गीतें;
ऐ ज़मीन अब ख़ुशी का नअ़रा मार;
यीशु मुंजी, अज़ली ओ अबदी ख़ुदावन्द.
है हमारा शाफ़ी ओ शाह सरदार,
सलीब पर उस ने कहा, कि "पूरा हुआ"
ताज व तख़्त का यीशु अब है हक़दार.
गाओ! गाओ, यीशु मुनज्जी की गीतें,
गाओ! गाओ, दिल से मसीह का प्यार.

देखो भी: १५२—१५७.

५. पवित्र आत्मा.

"*Our blest Redeemer.*"

८० (८७) 8.6.8.4. St. Cutheert { *H. 133.* *P. 111.* *S. 191.*

mp १ मुनजी अज़ीज़ मसीहने जब
छोड़ दिया दुनया को
तसल्ली-दिह बख़्श दिया तब
ता हादी हो ।

m २ रूह पाक तब उतरा पुर-तसकीन
मुबारक है मिहमान
घर अपना करता दिल मिसकीन
और पाक मकान ।

mp ३ अपनी सलीम आवाज़ ही से
सब खौफ़ वह करता दूर
और उस के नूर आसमानी से
है दिल मसरूर ।

m ४ सब पाक ख़ियाल ओ नेक अमाल
दिलेरी ओ इदराक
सब इल्म का वह उस्ताद कमाल
और बानी पाक ।

mp ५ तक़दीस के रूह तू कर निगाह
कमज़ोर फ़रज़न्दों पर
c हमारे दिल में आ हरगाह
सुकूनत कर ।

f ६ सिताइश बाप और बेटे की
सिताइश रूह की हो
जो था और है और होगा भी
हमेशः को ।

---

८१ (८८) L.M. Soldau { *H. 140.* *P. 130.*

mp १ रूह क़ुद्दस तू मुझ पर मिहर कर
हो नाज़िल आजिज़ बन्दे पर
अपने मुअस्सिर जोर से आ
तारीकी दिल की तू मिटा ।

p २ अफ़सोस मैं कैसा बिगड़ा हूं
इस हालत में मैं क्या करूं
गुनाह से मैं अधमूआ हूं
बे-जान की मानिन्द हुआ हूं ।

mp ३ तू मुझे दे मुहब्बत को
नजात की फ़िकर दिल में हो
ऐ रूह-उलक़ुद्दुस मत हो नाराज़
कि तेरा फ़ज़ल रहे बाज़।
४ तू जानता मेरे दिल का हाल
सब ग़फ़लत उस्से तू निकाल
दीनदारी में चालाकी दे
मुझ से करा काम नेकी के।
५ ऐ रब्ब कर मिहर की निगाह
हो मेरा दिल इबादतगाह
जगा मुझ को सब ग़फ़लत से
और मेरे दिल में बरकत दे।

---

८२ (८६) L.M. "*Come, Holy Ghost.*" VENI CREATOR { *H. 136.* *P. 109.* }

mp १ पैदा कुनिन्दः रूह क़ुद्दूस
अब आ पास अपने लोग मख़सूस
तू फ़ज़ल से कर दिल मअ़मूर
न हो तू अपनी ख़ल्क़ से दूर।
mp २ तसल्ली-दिह और मददगार
c है जिस से ज़िन्दगी नूर और प्यार
m तू हम को अब ममलूह फ़रमा
और निअ़मतें हफ़्त चन्द बढ़ा।
३ हमारी आंखें रोशन कर
और दिलों में मुहब्बत भर
mp जब जिस्म होवे ना-तवां
c तू बख़्श दे क़ुदरत फिरावां।
m ४ मुख़ालिफ़ को कर हम से दूर
और बख़्श सलामत और सुरूर
तू हो हमारा रहनुमा
और हरएक बदी से बचा।
५ तू बाप को हम पर ज़ाहिर कर
और बेटे को कर जलवःगर
और तुझे—दोनों की पाक रूह—
हम मानें उन के साथ ममदूह।

---

८३ (६०) C.M. SPOHR { H. 391. P. 136.

mp १ ऐ रूह-उल-क़ुदूस तू हाज़िर हो
ज़ोर अपना ज़ाहिर कर
मिटा दिल की तारीकी को
कर हक़ को जलवःगर।
२ जो कुछ कि दिल में टेढ़ा हो
निकाल दे सरासर
ख़ुदा की पाक मुहब्बत को
तू हम में जारी कर।
३ दिल की सरगर्मी हमें दे
और सुस्ती दफ़ा कर
c हम में मसीह की ख़ातिर से
रूहानी ख़ुशी भर।

---

८४ (६१) S.M. BREDON Ps. M. 149. BOYLSTON P. 219. S. 117.

mp १ दुआ तू मेरी सुन
रूह क़ुदूस ऐ पाक उस्ताद
और हर एक क़ैद की बेड़ी से
तू मुझे कर आज़ाद।
p २ और अगर ऐसा हो
कि कोई बद दस्तूर
मैं अपने दिल में पालता हूं
कर उस को मुझ से दूर।
mp ३ और मेरे सारे अंग
हों तेरे ताबिअ़दार
तू मेरी आंख ज़ुबान और कान
हर अंग का हो मुख़्तार।
४ मैं ख़ून-ख़रीदः हूं
ख़ुदावन्द यीशु का
पस अपनी जान ओ जिस्म को
मैं उसी का जानूंगा।
५ और तू ऐ रूह-उल-क़ुदूस
रहा रास्त पर चलने को
m रूहानी क़ुवत मुझे बख़्श
और मेरा हादी हो।

२ तू है मेरे दिल की रोशनी,
तू है क़ुदरत से भरपूर;
हर वक़्त मैं हूं तेरा तालिब,
आ, और दिल को कर मअ़्मूर,
३ मैं तो सर-ता-पा कमज़ोर हूं,
मैं हर तौर से हूं मजबूर,
आ, ऐ रूह, ऐ रूह इलाही,
आ, और दिल को कर मअ़्मूर.

४ आ और पाक कर मेरे दिल को,
कर सब बदी मुझ से दूर;
क्याही ख़ूब है तेरी आमद,
तुझ से दिल है अब मअ़्मूर,
है मअ़्मूर, है मअ़्मूर,
तुझ से दिल अब है मअ़्मूर;
है मख़्सूस यह दिल की हैकल
दिल अब तुझ से है मअ़्मूर.

---

८७ 7 7.7.7. ST. BEES { H. 198. P. 77. S. 365.

१ रूह उलक़ुदस तू उतर आ,
अपनी क़ुदरत को दिखा;
तोड़ संग दिल हमारे को,
फ़ज़ल तेरा हम पर हो,
२ रब्ब को जो न जानते हैं,
यीशु को न मानते हैं,
उन से तौबः तू करा,
और मसीह की ओर फिरा

३ जब वे सुनें ख़ुशपयाम,
जब वे पढ़ें पाक कलाम,
रूह के ज़ोर मुअस्सिर से
उन के दिल पर असर दे.
४ बख़्श ईमान बहुतेरों को;
दे नजात घनेरों को;
क़ुदरत तेरी काफ़ी है,
फ़ज़ल तेरा वाफ़ी है.

८८ L. M. *"Come, Holy Spirit."* MELCOMBE { *H. 135.* *P. 107.*

mf १ ऐ रूह-उल-क़ुद्दूस तू उतर आ
और दिल में रोशनी तू चमका
रूहानी ताब ओ ताक़त दे।
भर दिल हमारे उलफ़त से

mp २ देख हम हैं कैसे ख़ताकार
गुनाह का करते हैं इक़रार
कि उस का बोझ सताता है
हमारे जी दबाता है।

३ हम गीत बे फ़ायदा गाते हैं
जो नहीं दिल लगाते हैं
बिन तेरे फ़ज़ल हम लाचार
ऐ रूह-उल-क़ुद्दूस हो मददगार

mf ४ हम सभों को तू अब जगा
रूहानी ग़फ़लत से जगा
तू बन्दगी को ताक़त दे
कि होवे रूह और रास्ती से।

देखो भी; २११, २२२.

---

६. परमेश्वर का वचन.

HOUGHTON *H. 2. P. 16.*
८९ (६३) 11 11 11.11. *Ps. 19: 7-9.* HANOVER *H. 12. P. 22.*

m १ ख़ुदावन्द तेरा मुक़द्दस कलाम
है तेरी पाक रूह का मुक़द्दस इलहाम
गुमराहों को फेरने के लिये मुफ़ीद
नादानों की सच्ची तअलीम ओ ताईद।

२ शरीअत है तेरी सब सीधी और साफ़
और तर्स तेरा पाक है और कामिल इनसाफ़
वह दिल की है ख़ुशी और आंखों का नूर
सो रहेगा क़ाइम ता अबद ज़रूर।

३ शरीअत से तेरा है अद्ल आशकार
इनजील तेरे रहम का करती इज़हार
शरीअत दिखाती है मेरे गुनाह
इनजील मुझे देती है सुलह ओ सलाह।
४ बेशक़ीमत है सोने से तेरा कलाम
वह कुनदन से क़ीमती ख़ालिस तमाम
वह शहद से मीठा और तरबियत-बख़्श
c कर अपने कलाम से दिल मेरे पर नक़्श।

---

६० (८४) C.M. *Ps. 119: 73-80.* FARRANT. { *P. M 63.* *P. 200.* *S. 188.* }

mp १ तू ने बनाया मुझे है
ऐ मेरे बाप ख़ुदा
तू मुझ को दानिश अता कर
और अपनी राह सिखा।

२ रास्त तेरी हैं अदालतें
तू ने अमानत से
मुझ आसी को दुःख दिया है
पर अब रिहाई दे।

३ मुवाफ़िक़ अपने अहद के
अब मिहरबानी कर
तसल्ली दे और फ़ज़ल कर
मुझ आजिज़ बन्दे पर।

m ४ मैं ख़ुश हूं तेरी शरअ से
और तेरी इनायत
जो होवें मेरे शामिलहाल
तो पाऊं मैं हयात।

p ५ तू रुसवा कर मग़रूरों को
और इख़्तिलाफ़ मिटा
mp मैं तेरे ही पाक फ़रज़ों पर
धयान रक्खूं ऐ ख़ुदा।

६ ख़ुदा के सारे तरफ़दार
हैं मेरे दोस्त मक़बूल
तू मेरे दिल को कामिल कर
और मुझे कर क़बूल।

६१ (८५) S.M. *Ps. 119: 173-176.* ST MICHAEL (OLD 134) { *H. 115. P. 102. S. 691.*

mp १ ख़ुदावन्दा ख़ुदा
हो मेरा मददगार
कि मैं ने दिल से किया है
कलाम को इख़्तियार।

२ तेरी नजात ही का
मैं हुआ आरज़ूमन्द
और तेरी पाक शरीअत में
मैं ख़ुश हूं और पाबन्द।

mp ३ मेरी जान-बख़्शी कर
कि तेरी हम्द करूं
और तेरी पाक अदालतें
मैं सदा याद रखूं।

p ४ मैं खोई भेड़ सा हूं
मैं हुआ हूं गुमराह
mp अब ढूंढ तू अपने बन्दे को
और उस पर कर निगाह

५ मैं मानने चाहता हूं
तेरे पाक हुक्मों को
mf राह रास्त पर मुझे क़ाइम रख
चौपान तू मेरा हो।

---

६२ (८६) 7.7.7.7. *"Holy Bible."* INNOCENTS { *H. 299. P. 99. S. 1149.*

m १ बैबल बैबल पाक किताब
गंज तू मेरा बे-हिसाब
देता है तअ़लीम कमाल
साफ़ दिखाता मेरा हाल।

mp २ मुझ को देता है तम्बीह
साफ़ दिखाता है मसीह
m हक़ की राह चलाता है
दिल में प्यार लगाता है।

३ दुःख में है तू मेरा यार
तू बीमार का ख़ातिरदार
वह ईमान बताता है
जीत जो मौत पर पाता है

४ पाक बिहिश्त का हाल अ़जीब
pp दोज़ख़ का जो हाल मुहीब
सब बताती पाक किताब
m गंज तू मेरा बे-हिसाब।

६३ (९७) S.M. *Ps. 119:105-103.* HAMPTON {*H. 430.* *P. 431.*}

m १ पांव मेरे का चिराग़
रब्ब तेरा है कलाम
वह राह के लिये रौशन है
हर हाल और हर पेयाम।

m २ तेरे कलाम से है
मेरी अबदी मीरास
और तेरी पाक शहादत से
है मुझे ख़ुशी ख़ास।

३ दिल मेरा चाहता है
कि तेरे पाक फ़रमान
मैं बजा लाऊं कोशिश से
ता अबद हर ज़मान।

४ शुक्र और दुआयें
सो मेरे हैं क़ुरबान
क़बूल तू कर और मुझे बख़्श
अपने कलाम का ज्ञान।

---

७. त्राण—अवश्य

६४ (१११) 7.6.7.6.D. ELLON {*PH. 335.* *P. 535.*}

p १ मसीहा मैं जो पापी
पास तेरे आता हूं
मैं पापी और संतापी
रो रो पछताता हूं
m हां यीशु तुझ पास आता
तू प्रायश्चित पाप का है
तुझ पर बिश्वास मैं लाता
तू प्यारा बाप का है।

p २ मुझ पापी ऊपर भार है
हां पाप सन्ताप का भार
c पर तेरे मन में प्यार है
आस मेरी तेरा प्यार
m अब लिये अपने पाप को
मैं तुझ पास आता हूं
सब अपने पाप संताप को
मैं तुझ पास लाता हूं।

p ३ यह पाप का बड़ा रोग है
हां पाप का कठिन रोग
कि पापी नरक जोग है
यह पाप का रोग और सोग
c ऐ यीशु तुझ पास आता
मैं आता तेरे पास
m तू रोग और सोग मिटाता
यह मेरी आस विश्वास।

४ तू पापियों का मीत है
इस कारण आता हूं
अत्यन्त जो तेरी प्रीत है
प्रतीत से आता हूं
mp पक्षवादी मेरा होके
कर विन्ती पिता पास
सब पाप संताप को खोके
दे मुझे स्वर्ग में वास।

---

६५ (११७) C. M. *Ps. 130. 1-5.* ST. AGNES DURHAM { *H. 202. P. 176. S. 60.*

p १ गुनाह ओ ग़म के ग़ार में से
मैं करता हूं फ़रयाद
खुदाया मेरी सुन आवाज
फ़रमा तू मुझे याद।
p २ कि आदमी के गुनाहों का
जो करे तू हिसाब
तो ठहरे कौन तेरे हुज़ूर
सब दुनया है ख़राब।

m ३ पर गुनाहों की मुआफ़ी है
पास तेरे ऐ ख़ुदा
और यीशु के कफ़ारे पर
ईमान है आसी का।
mp ४ पस डर के साथ और ताइब हो
मैं आता तेरे पास
मेरे गुनाह खुदाया बख़्श
सुन मेरा इल्तिमास।

"I lay my sins on Jesus."

६६ (११६) 7.6.7.6 D. MISSIONARY (HEBER) { *H. 441. P. 443. S. 1070.*

mp १ अपने गुनाह मैं डालता
ख़ुदा के बर्रे पर
वह सब ही को उठाके
ले जाता सरासर
मैं दिल का नजस लाता
मसीह वह धोवेगा
वह अपने लोहू पाक से
हर दाग़ को खोवेगा।

२ और अपनी सारी ख़्वाहिश
मैं लाता यीशु पास
वह देता मुझे शफ़ा
और अबदी मीरास
मैं अपना रंज और फ़िक्र
और दिल का सारा बार
यीशु मसीह पास लाता
वह मेरा बारबरदार।

p ३ यीशु संभाल दिल मेरा
वह थका हारा है
हाथ तेरा मेरे तले
तू मेरा चारः है
m इम्मानूएल मसीहा
नाम तेरा है शीरीन
ज्यों इत्तर की ख़ुशबूई
ख़ुश जानते मूमिनीन।

mp ४ यीशु मसीह की मानिन्द
फ़रोतन और रहीम
मैं दिल से होने चाहता
सचमुच ग़रीब हलीम
mf मैं तेरे पास आसमान पर
ऐ यीशु मिहरबान
जी जान से रहने चाहता
बीच पाक फ़िरिश्तगान।

६७ (१२०) C. M. *Ps. 130:6-8.* ST. PETER { *H. 201. P. 178. S. 112.*

mp १ मैं इन्तिज़ार में रहता हूं
अपने ख़ुदावन्द के
कि मग़फ़िरत नजात हयात
है सिर्फ़ ख़ुदावन्द से।

२ पहरूआ पौ के फटने की
रग़बत से देखता राह
त्यों तेरी इन्तज़ारी पर
मैं रखता हूं निगाह।

३ सिर्फ़ तुझ पर मेरी है उम्मेद
कि रहमत बे-क़ियास
और आजिज़ बन्दों की नजात
ऐ रब्ब है तेरे पास।

m ४ मसीह से सब गुनाहों का
देख फ़िद्यः है तैयार
ऐ इसराएल ख़ुदावन्द का
तुम करो इन्तिज़ार।

"I need Thee, Precious Jesus."

६८ (१२७) 7.6.7.6.D. RUTHERFROD { *H. 306. P. 345. SM. 74.*

mp १ मसीह मुझ को ज़रूर है
मैं बड़ा गुनहगार
दिल मेरा है अन्धेरा
आलूद और तक़सीरवार
मसीह के ख़ून से फ़क़त
दिल की सफ़ाई है
इस सबब से मसीह की
हर वक़्त दुहाई है।

२ मसीह मुझ को ज़रूर है
मैं बहुत हूं कंगाल
मुसाफ़िर और परदेसी
ग़रीब भी और तंगहाल

m मसीहा तेरा करम
रहेगा मेरे साथ
वह पांव को ज़ोर बख़्शेगा
थामेगा मेरा हाथ।

mp ३ मसीह मुझ को ज़रूर है
मैं बहुत हूं नादान
गुमराही मेरे दिल की
है सख्त और बे-बयान
मै उस की मदद मांगता
तंग राह पर चलने को
बिहिश्त को पहुचाने
वह मेरा हादी हो।

४ मसीह मुझ को ज़रूर है
हर रोज़ मुझ को ज़रूर
ऐ यीशु अपने फ़ज़्ल से
तू मुझे कर मअमूर
तू अपनी रूह-उल-कुद्दूस को
बख़्श मुझे उसर भर
c कि तुझे ख़ूब मैं जानूं
हिदायत मेरी कर।

देखो भी: ५६, १३६—१४२,

आशा—तैयार.

"God loved the world of sinners"

६६ (६३) C.M 7 6 8.6. WONDEROUS LOVE {P. 129. S. 17}

mf १ ख़ुदा ने ऐसी शिद्दत से
जहान को किया प्यार
कि बख़्शा अपने बेटे को
ता होवे फ़िदाकार।
देख ख़ुदा का प्यार अजीब
कि यीशु आया है
सलीब पर देके अपनी जान
मुझे बचाया है

m २ ईमान से यीशु मेरा है
p जो हुआ है मसलूब
c उसी के ख़ून से है नजात
और उस से मौत मग़लूब।

mf ३ ऐ ईमानदारों खुश रहो
वह करता है खलास
गुनाह की सब बिमारी से
और बख्शता पाक मीरास।

mf ४ पस खुन खरीदे गावें सब
मसीह की होवे जय
हां मौत जब आवे कहूंगा
मसीह की होवे जय।

जय! जय! जय! जय! मसीह की जय!
जय! जय! जय! मसीह की जय!
मसलूब जो हुआ है!
मसलूब जो हुआ है!
बेहद है उस का प्यार अजीब!
जय! जय! मसीह की जय!

---

१०० S.S.S. *"Art Thou weary."* STEPHANOS { *H. 159. P. 152. S. 401.*

mp १ क्या तू मांदा और दिलगीर है
सख्त मुसीबत से
m मुझ पास आ एक कहता तुझ को
राहत ले।

m २ क्या वह कुछ निशान भी रखता
जो वह हादी हो
m हाथ और पांव में देख तू उस के
ज़ख्मों को।

m ३ क्या वह कोई ताज भी रखता
　　सिर पर शाहान:
mp हां एक ताज है सिर पर उस के
　　कांटों का ।

m ४ गर मैं उस के पीछे चलूं
　　हिस्स: क्या पाऊं
mp दु:ख तकलीफ़ और रंज और मिहनत
　　और आंसू ।

m ५ गर हमेश: पास में रहूं
　　आख़िर क्या मिले
mf राहत कामिल और पार होगे
　　यर्दन से ।

m ६ गर उस के नज़दीक मैं जाऊं
　　क्या वह रोकेगा
mf हरगिज़ नहीं गो सब आलम
　　हो फ़ना ।

m ७ क्या मैं उस के पीछे चलके
　　बरकत पाऊंगा
f रूहें सब और पाक फ़िरिश्ते
　　कहते हां ।

१०१ (१४७) C M "There is a fountain" EVEN { H 174. P. 415. ARTAXERXES P. 216.

m १ इम्मानुएल के लहू से
एक सोता भरा है
जब उस में डूबते पापी लोग
रंग पाप का छूटता है।
२ वह डाकू क्रूस पर उसे देख
आनन्दित हुआ तब
हम वैसे दोषी उसी में
पाप अपना धोवें सब।
३ ईश्वर की मंडली सदा काल
सब पाप से बच न जाय
f तब तक उस अनमोल रक्त का गुण
न कभी होगा क्षय।
m ४ मैं जब से तेरे घाव
विश्वास से देखता हूं
मोक्षदाई प्रेम को गा रहा
और गाऊंगा मरने लों।
m ५ और जब यह लड़बड़ाती जीभ
d कबर में चुप रहे
f तब तेरी स्तुती करूंगा
और मीठे रागों से।

---

१०२ (१४८) C.M. "There is a fountain" S. 129.

m १ एक चशम शाफ़ी जारी है
मसीह के लहू का
जो उस मे ग़ुस्ल पाता है
ज़रूर साफ़ होवेगा।
२ वह चोर जो हुआ था मसलूब
सो उस मे हुआ पाक
मैं भी उस मे नहाने से
पाक हूंगा और बे-बाक।
३ बर्रे अज़ीज़ तू अपना ख़ून
हर वक्त मुअस्सिर कर
जब तक तेरे ख़रीदे सब
न आएं बाप के घर।
m ४ मेरे गुनाह तू धोवेगा
ऐ यीशु सरासर
c और तेरे रहम की तअरीफ़
मैं करूं उमर भर।
mp ५ फिर मरते वक्त जब यह ज़ुबान
ज़मीन पर होगी बन्द
c तब तेरे नाम को करूंगा
आसमान पर मैं बुलन्द।

१०३ (१४९) "Who can wash a way my sins?" S. 871

mp १ दिल के दाग़ को धोवे कौन
p लहू जो कि क्रूस से जारी
m मेरे मर्ज़ को खोवे कौन
m लहू जो कि क्रूस से जारी
m वह चशमः है मअमूर
दाग़ दिल के करता दूर
है मुझ को दिल मंजूर
p लहू जो कि क्रूस से जारी।

m २ मेरे मर्ज़ का शाफ़ी है
मुआफ़ी को वह काफ़ी है।

३ वह है मेरे क़र्ज़ का दाम
वह है मेरा ख़ास इनआम।

४ मेरी वह उम्मेद है ख़ास
रास्ती का है खरा लिबास

५ दुःख तक्लीफ़ में है पनाह
वह है मेरे घर की राह।

६ मेरे गीत का है मज़मून
मुझ को करता है ममनून।

The ninety and nine

१०४ (३२९) P.N. NINETY AND NINE / COMPASSION — *P. 134. S. 97. H. 168.*

m १ निन्नानवे भेड़ें सलामती से
हो रहीं दरगाह-इ-पनाह,
mp पर एक तो पहाड़ों में गल्ले से दूर
भटकती थी होके गुमराह;
cr वह जंगल में फिरती बे-ख़ौफ़ औ शुऊर
चौपान मिहरबान से वह गई है दूर.

१०७ 11.9 11 9 "There is life for a look" . P 118 S 123

१ देख और जी, गुनहगार,
वह सलीब द मसीह,
तेरे लिये है अभी हयात:
अब देख, अभी देख, वह ही
वर्रा इ कुल,
अभी ले तू हक़ीक़ी नजात,
देख, देख, देख, और जी:
देख और जी, गुनहगार,
वह सलीब [illegible]
तेरे लिये ह अभी [illegible]यात.

२ गर उसने गुनाहों का लिया
न बोझ
क्यों वह दुःख से सलीब पर
मुआ ?
आह, क्यों उसके ज़ख़्मों से
लहू बहा,
गर न क़र्ज़ तेरा अदा हुआ ?

३ अपने कामों से हरगिज़ न
बचेगा तू,
है व' ख़ून ही गुनाह का इलाज:
अब वास्ते नजात के तू उस
ही को देख,
और मुआफ़ी और राहत
ले आज.

४ शक और शुभ न कुछ अपने
दिल में तू ला,
देख है पूरा नजात का कुल काम:
तू वर्रे को देख और नजात
अपनी ले,
ताकि होवे मुबारक अंजाम.

आण— दिया गया.

१०८ (७१) P 10.9.9.9.9.9. "Free from the Law." S 13.

[illegible] १ [illegible] से छूटा हुआ आनन्द
[illegible]
[illegible]
[illegible]

एक क़ुरबान ऐ बारबरदार भाई
एक क़ुरबान ने बख़्शी रिहाई
मुनजी मसीह है हर वक़्त एकसां
सदा को बस है वह क़ुरबान।

mf २ सज़ा के डर से मेरा दिल छूटा
मरा मसीह बस बंद मेरा टूटा
आवे उस पास हर एक जो हैरान
सदा को बस है वह क़ुरबान।

३ फ़ज़्ल इलाही फ़रज़न्द ख़ुदा के
तुम को बरगश्तगी से बचाके
तुम को करेगा दाख़िल आसमान
सदा को बस है वह क़ुरबान।

---

१०६ (६६) *"Come ye disconsolate."* COMFORT { *H. 434.* *P. 147.*

mp १ आ अब ऐ गुनहगार देर क्यूं तू करता
मुनजी के पास अब आ तू जो मजबूर
m ला अपना ज़ख़्मी दिल हाल उस्से कह दे
mf जो कुछ है मुशकिल वह करेगा दूर।

m २ यीशु ही राहत है वह ही है रोशनी
उम्मेद है बचने की वह ही ज़रूर
mf तुझ से वह कहता है उलफ़त से कहता
जो कुछ है मुशकिल सब होवेगी दूर।

m ३ उस्से अब बरकत ले मत कर अब देरी
वह ही है बरकत का चश्मः मअ़मूर
mf आ अब इस दअ़वत में हो अब आसूदः
जो कुछ है मुशकिल वह करेगा दूर।

"Come ye sinners poor and wretched."

११० (१००) 87.8.747. REDEMPTION { H. 57. P. 87.

mp १ आओ गुनहगारो आओ
थके मांदे ख़्वार ओ चूर
c यीशु पास तुम को बख़्शाने
रहम है और सब मक़दूर
सब का मुनजी
वह है उलफत से मअ़मूर।

mf २ रास्ती के ऐ भूखे प्यासो
लो ख़ुदा की बख़्शिश को
हक़ ईमान और सच्ची तौबः
साथ ले आके हाज़िर हो
बिना नक़दी
यीशु से नजात को लो।

m ३ पहले अपनी चाल सुधारना
देखो भाई क्या ज़रूर
सिर्फ़ एक बात ख़ुदावन्द चाहता
आप को जान लाचार मजबूर
mf ऐसे हाल में
तू मसीह को है मंज़ूर।

p ४ देख गेतसमनी के बाग़ में
यीशु गिरा जान-फ़िशान
सुन गलगथा के पहाड़ पर
उस की बात को मरते आन
पूरा हुआ
है नजात का सब सामान।

mf ५ मूमिनों का वह शफीअ़ है
अब आसमान पर पुर-जलाल
अपने सब गुनाह समेत अब
c अपने को तू उस पर डाल
f सिर्फ़ मसीह से
सुधर आता तेरा हाल।

"*There is a gate that stands ajar.*"

१११ (१०३) 8.7.8.7.8 8 4 6. S. 372

mf १ एक द्वारा खुला रहता है
कि जिस से सदा आता
एक नूर जो क्रूस से फैलता है
मसीह का प्रेम बतलाता
mp क्या यह हो सक्ता प्रेम अपार
कि खुला रहा मुक्त का द्वार
c कि मैं कि मैं
कि मैं प्रवेश करूं ।

mf २ सभों पर खुला है वह द्वार
जो उस से मुक्ति चाहते
हर जात हर क़ौम धनवान लाचार
मुफ़्त उस में पहुंच पाते ।

३ पस आगे जा निडरी से
कि अब द्वार खुला रहता
सलीब उठा वह ताज जीत ले
जो प्रेम अपार बख़्श देता ।

mf ४ सलीब जो मिली है यहां
हम यर्दन पार छोड़ देंगे
f मसीह से पाके ताज वहां
नित उस का प्रेम करेंगे ।

"*I heard the voice of Jesus say,*"

११२ (१०३) C.M.D VOX DILECTI { H. 172. P. 134. S 216.

mp १ यह बात शीरीन है यीशु की
p ऐ थके मांदे आ
और आके मेरे सीने पर
तू तकिया कर सुस्ता
mp मैं जल्दी गया ख़्वार लाचार
सुस्त मांदा और उदास
और मैं ने खुशी और आराम
तब पाया उस के पास ।

२ यह बात शीरीन है यीशु की
देख तुझ पियासे को
आब-इ-हयात मैं देता हूं
पस पीके खुर्रम हो
mf मैं जाके उस से पीता था
हर रोज मैं पीता हूं
c मैं उस से हुआ ताज़:दम
और उस से जीता हूं ।

m ३ यह बात शीरीन है यीशु की
मैं नूर हूं दुनया का
तू मुझे देखके रोशन हो
और नूर में चला जा
f तब मैं ने देखा और मसीह
वह हुआ मेरा नूर
और सफ़र की तमामी तक
वह रहेगा ज़रूर ।

११३ (१०४) C.M 8.5.8.5. "*Come every soul.*" *S. 392.*

m १ सब आओ जितने हो लाचार
मसीह पास है आराम
गुनाहों से जो हो ज़ेरबार
अब मानो पाक कलाम।
नींद से जागो देर न करो
आओ यीशु पास
वह बुलाता और बचाता
उस की हो सिपास।

२ मसीह ने अपना ख़ून बहा
गुनाह को किया मुआफ़
इस नादिर सोते में नहा
तहक़ीक़ तुम होगे साफ़।

३ मसीह सच्चाई है और राह
पस लाओ तुम ईमान
जो पाते हैं वह आरामगाह
मुबारक हैं हर आन।

mp ४ ऐ प्यारे यीशु तेरे पास
मैं अभी आता हूं
c नजात और अबदी मीरास
मुफ़्त तुझ से पाता हूं।

mf ५ पस अब ख़ास क़ौम में शामिल हो
और लो मीरास पुर-नूर
आसमानी मुल्क में दाख़िल हो
जो ख़ुशी से भरपूर।

---

११४ (१०५) 7.7.7.7. D. "*Sinners Jesus will receive*" *S. 390.*

mf १ यह सुनाओ कि यीशु खीष्ट
पापी को बचाता है
ग्रहण करता हर एक को
उस के पास जो आता है।
फिर और फिर भी यह गीत गाओ
यीशु खीष्ट ही त्राता है
सभों को यह बात बताओ
पापी को बचाता है।

mp २ सब से बड़े पापी को
c चैन विश्राम का दाता है
उस पर रक्खो अब विश्वास
सभों को बुलाता है ।

m ३ पाप का दोष और पाप का दंड
सब को वह उठाता है
पाप का बल और पाप का बंद
सब से वह छुड़ाता है ।

m ४ किया उस ने सब उद्धार
दिल न थरथराता है
भरा उस ने मेरा दंड
अब निर्दोष बनाता है ।

pc ५ मरके फिर जी उठा वह
अब मुझ को जिलाता है
मुझे अब वह करके शुद्ध
स्वर्ग को तब ले जाता है ॥

---

११५ (१०७) 4.2. *"Come to Jesus."* *S. M. 28.*

mf १ यीशु पास आओ अभी
२ वह बुलाता अभी
३ बचा सकता अभी
४ वह तैयार है अभी
५ वह बचाता अभी
६ मुआफ़ वह करता अभी
७ मैल से धोता अभी
८ ताक़त देता अभी
९ पाक रूह बख़्शता अभी
१० उस से मांगों अभी
११ वह सुन लेता अभी
१२ सिर्फ़ ईमान् लाओ अभी

११६ L. M. "Behold a stranger."

BERA (P. 140.) CRASSELIUS (H. 6.) (WINCHESTER) (P. 150.)

१ देख, फाटक पर मुसाफिर है,
वह अब तक खटखटाता है,
और देर ही से वह ठहरता है
तू दोस्ती न दिखाता है.

२ वह खड़ा है, अजीब पियार !
दिल भरा है, और हाथ तैयार,
कि बख़्शिश देवे, बेशुमार,
हां दुशमन को, गो गुनहगार.

३ पर क्या वह है हक़ीक़ी प्यार ?
हां, यीशु दोस्त तुझ को दरकार;
वह दोस्त है गुनहगारों का,
जो उन के वास्ते मूआ था.

४ उठ, दिल से सब गुनाह निकाल
जो करता बीच में बुरा हाल;
गुनाह तब दिल से जावेगा,
जब यीशु अन्दर आवेगा.

५ अब उस को दिल में तू बुला,
वह जाके फिर न लौटेगा;
यह दिन तो जल्दी जावेगा,
फिर मौक़ा तू न पावेगा.

---

११७ 10.8.10.7. "Jesus is tenderly calling." S. 396.

१ यीशु बुलाता है, सुन उसकी बात;
देरी न कर, देरी न कर;
आ तू हलीमी से, ले अब नजात,
तू होगा पाक सरासर.
ख़ुशहो इस आन, ख़ुशहो इस आन
यीशु मुनज्जी में
ख़ुश हो, और रह तू शादमान.

२ अपने गुनाहों का कर तू इक़रार,
देरी न कर, देरी न कर;
सादिक़ और क़ाइम है, वह वफ़ादार:
तेरा वह है फ़िदाकार.

३ फिर न गुनाहों का होगा हिसाब,
कर तू यक़ीन, कर तू यक़ीन;
दूर हुये सारे शैतानी अज़ाब,
ख़ुशी अब है बरतरीन.

४ तुमको वह देता आसमानी मीरास
ख़ुशी से लो, ख़ुशी से लो;
बख़्शता है रास्ती का तुमको लिबास:
ब्याह के घर में दाखिल हो.

११८ 11.11.11.7. "*Whosoever heareth.*" *P. 457. S. 389.*

१ कोई, क्यों न हो, जो सुनता है कलाम,
आवे यीशु पास, नजात का ले ईनाम;
दे यह मीठी ख़बर दुनिया में तमाम,
"कोई, क्यों न हो, आवे,"

कोई क्यों न हो! कोई क्यों न हो!
दे इञ्जील की ख़बर हर एक बशर को;
दावत सब को मिलती बाप आसमानी से;
"कोई क्यों न हो आवे."

२ कोई, क्यों न हो, आ देरी न कर;
कर क़बूल बुलाहट खुला अब है दर;
यीशु ही है राह, चल उस के क़दम पर,
"कोई क्यों न हो, आवे."

३ "कोई, क्यों न हो!" सुन यीशु की पुकार;
"कोई क्यों न हो," है उस का क़ौल-क़रार;
कोई क्यों न हो, नजात का तलबगार,
"कोई, क्यों न हो, आवे."

११६ 11.11 11 6. *"A ruler once came."* S 366.

१ एक आया था शख़्स मसीहा के पास
वह चाहता था मिले हक़ीक़ी मीरास
यह कहा ख़ुदावन्द ने ख़ुश हो उसे
"हो पैदा पाक रूह से."

"हो पैदा पाक रूह से.
हो पैदा पाक रूह से
मैं रास्ती हां रास्ती से कहता हूं फिर
हो पैदा पाक रूह से."

२ ऐ ग़ाफ़िल, तू सुन ले मसीहा की बात
गर चाहता है अपनी हक़ीक़ी नजात
तो यीशु यह कहता है अभी तुझे
"हो पैदा पाक रूह से."

३ गर चाहते हो तुम आसमानी मकान
और चाहते हो ख़ुशी ओ राहत-इ-जान
तो सुनो सब जितने हो छोटे बड़े
"हो पैदा पाक रूह से."

१२० 9 6.9 8. D 7 6.7 6 D. *Jesus the water of life.* S. 354

mf १ यीशु अब देता है आब हयात,
मुफ़्त में, मुफ़्त में, मुफ़्त में,
यीशु अब देता है आब हयात;
मुफ़्त में जो उस के मोमिन:

चश्मे से पीकर अब लो हयात
मुफ्त में, मुफ़्त में, मुफ्त में;
चश्मे से पीकर अब लो हयात
तुम जो उसके हो मोमिन.

रूह और दुल्हिन कहती, आ,
मुफ्त में, मुफ़्त में, मुफ़्त में,
और वह है जो प्यासा आवे अब
और पीये यह आब-इ-हयात;
वह चश्मः-इ-आब है जारी,
जारी, मुफ़्त है जारी,
वह चश्मः-इ-आब है जारी,
है जारी हम सब के लिये.

२ यीशु घर देता है बीच आस्मान,
यीशु घर देता है बीच आस्मान;
दौलत भी देता है बे-पायान,
दौलत भी देता है बे-पायान.

३ यीशु लो देता है पाक लिबास,
यीशु लो देता है पाक लिबास;
तुम को वह देता है ताज, मीरास,
तुम को वह देता है ताज, मीरास,

४ यीशु से आकर लो ज़िन्दगी,
यीशु से आकर लो ज़िन्दगी;
राहत ओ हश्मत ओ चैन ख़ुशी,
राहत ओ हश्मत ओ चैन ख़ुशी.

५ यीशु की बरकत से हो मअ़मूर,
यीशु की बरकत से हो मअ़मूर;
चश्मे से पीकर अब हो मसरूर,
चश्मे से पीकर अब हो मसरूर.

---

१२१ 8.7.8 7. D. *"Weary Wand'rer."* S. 404.

mf १ थके भूले रह और सुन ले
ख़ुश पैग़ाम मसीहा का
यीशु ने तैयार किई ज़ियाफ़त
आ मक़बूल तू होवेगा।

f देर न कर न कर तू उज़्र
यीशु अब बुलाता है
आ और सब कुछ देख तैयार है
मांदा क्यूं तू रुक्ता है।

mf २ क्या गुनाह का बोझ है भारी
आ अब उसका कर इक़रार
वह है ख़ुश कि तुझे बख़्शे
मुआफ़ी ले क्यूं है बेज़ार
३ यीशु के पियारे हाथ से
राहत ले हां ईमानदार
आ उस चश्मे में तू साफ़ हो
आ क्यू करता इन्तिज़ार।
४ देख उस ख़ूब और शाद लिबास को
जो कि उसके हाथ में है
जिस ज़ियाफ़त में हो शामिल
दाख़िल हो क्यूं रुकता है।

आशा—ग्रहण किया गया.

१२२ (१०८) P. M. *"I will arise."* *PH. (S.S.) 16.*

mp मैं उठूंगा मैं उठूंगा
और अपने बाप पास जाऊंगा
और उस से कहूंगा
pp ऐ बाप ऐ बाप
mp मैं ने आसमान का मैं ने आसमान का
मैं ने आसमान का और तेरा गुनाह किया
p और मैं इस लायक़ नहीं
कि फिर तेरा बेटा कहलाऊं
m मैं उठूंगा मैं उठूंगा
और अपने बाप पास जाऊंगा
mf हां जाऊंगा।

१२३ (१०६) C.M. SALZBURG {Ps. M. 121. P. 301.

pp १ क्या बुरा है हमारा हाल
हम सब बेहूदः हैं
कि सारी बात का ख़ियाल अमाल
गुनाह आलूदः हैं।

m २ नजात की दौलत है तैयार
मसीह का यह कलाम
गुनाह के हो जो बारबरदार
पास मेरे है आराम।

mp ३ हम थके मांदे आते हैं
यह भार तू हम से ले
m ईमान हम तुझ पर लाते हैं
आराम तू हमें दे।

४ तू अपने बन्दों को सम्भाल
तू क़ादिर दायम है
तू अपना जूआ हम पर डाल
कि वह मुलायम है।

UNIVERSITY COLLEGE H. 275. P. 271.
PLEYEL P. 412.
MAIDSTONE H. 377. P. 389.

१२४ (११०) 7.7.7.7.

mp १ किस पास जावे पापी जन
किस से पावे मुक्त का धन
किस से कटे मन का दुःख
किस से मिले प्राण का सुख।

mp २ न मनुष्य तो कहीं है
स्वर्गी दूत भी नहीं है
पापी को जो आसरा दे
उसको ढूंढें कहां से।

३ मूरत मन्दिर देवतास्थान
तीरथ दरशन पुन्य और दान
इन से प्राप्त नहीं कुछ
ठहरे सब वे अर्थ और तुच्छ।

mf ४ प्रभु यीशु दयावन्त
उससे जीवन है अनन्त
उस पर लावे जो विश्वास
सो ही रखे मुक्त की आस।

५ प्रभु यीशु तुझ ही पर
आस रखूंगा जीवन भर
स्तुति तेरी गाऊंगा
तुझ से शान्ति पाऊंगा।

mp ६ जब वैकुण्ठ को जाना हो
c देखूंगा जब तुझ ही को
जब कहूंगा हे यीशु
mp तेरे द्वार मैं बचा हूं।

१२५ (११२) 8 8 8 6. *"Just as I am"* WOODWORTH *P. 151. S 473.* MISERICORDIA *H. 175.*

p १ जैसा मैं हूं बग़ैर एक बात
पर तेरे लहू से हयात
और तेरे नाम से है नजात
मसीह मैं आता हूं।

२ जैसा मैं हूं कंगाल बदकार
कमज़ोर नालायक़ और लाचार
अब तेरे पास ऐ मददगार
मसीह मैं आता हूं।

३ जैसा मैं हूं कमबख़्त नापाक
और मेरी हालत दहशतनाक
लड़ाई भीतर बाहर बाक
मसीह मैं आता हूं।

pc ४ जैसा मैं हूं क़बूल कर ले
मुआफ़ी और तसल्ली दे
mf सिर्फ़ तेरे ही वसीले से
c मसीह मैं आता हूं।

pc ५ जैसा मैं हूं तेरा पियार
मुझ से उठावेगा हर भार
और बरकत देगा बेशुमार
मसीह मैं आता हूं।

"Jesus my Lord to Thee I cry."

१२६ (११३) 8 8 8 6. 6 6. 8 6. *S. 476.*

p १ पुकारता हूं ऐ मददगार
बिन तेरे जान है बे-क़रार
नजात का हूं मैं तलबगार
अब मुझ को कर क़बूल।

अब मुझ को कर क़बूल
अब मुझ को कर क़बूल
नजात का मैं हूं तलबगार
अब मुझ को कर क़बूल।

p २ मैं हूं लाचार और गुनहगार
p पर मेरे लिये वही धार
mp तू अपने लायक़ कर तैयार
अब मुझ को कर क़बूल।

p ३ तैयारी मेरी है बेकार
हूं अपनी कोशिश से बेज़ार
c अब तेरा ही है इन्तिज़ार
अब मुझ को कर क़बूल।

mp ४ है तेरे प्यार की मुझ को प्यास
मैं रखता हूं नजात की आस
और आने चाहता तेरे पास
अब मुझ को कर क़बूल।

५ गर अपना काम तू मुझे दे
तो मर्ज़ी को और दिल को ले
और मुझ को पास कर अन्दर से
अब मुझ को कर क़बूल।

६ जब होगा ख़िदमत का अंजाम
जब जंग का होगा इख़्तिताम
तौभी यह होवेगा कलाम
अब मुझ को कर क़बूल।

१२७ (११४) 7.7.7.7 INNOCENTS {H. 299. P. 99. S.1149.

m १ येशु प्रभु सत अवतार
तू है मेरा तारणहार
mp गिरता तेरे चरण पर
अपने दास पर दया कर।

mp २ किस के पास मैं जाऊंगा
किस से मुक्ति पाऊंगा
मुक्ति है तो तेरे हाथ
प्रभु येशु कृपानाथ।

३ तू पवित्र आत्मा दे
मुझे धर्म की शिक्षा दे
वही जब सिखाती है
मुक्ति की बात खुल जाती है।

४ येशु तुझे मानता हूं
तुझ को अपना जानता हूं
केवल तू है सत अवतार
तू है मेरा तारणहार।

"I hear Thy welcome voice."

१२८ (११५) S.M. 5 5.7.6. WELCOME VOICE {H. 152. S. 475.

mp १ तेरी शीरीन आवाज़
मैं सुनता हूं ख़ुदा
बुलाती पास उस चश्मे के
सलीब से जो बहा।
आता हूं मसीह आता तेरे पास
धो के साफ़ कर चश्मे से
जो बहता क्रूश से ख़ास।

p २ आता कमज़ोर लाचार
देख मेरी हालत को
नजासत से कर पाक औ साफ़
c कि एक भी दाग़ न हो।

m ३ मसीह तू बख़्शता है
कामिल पियार ईमान
कामिल उम्मेद और चैन आराम
ज़मीन पर और आस्मान।

mf ४ तहसीन कफ़्फ़ारे को
तहसीन मुफ़्त फ़ज़ल को
तहसीन मसीह की बख़्शिश को
अब मिल के सब कहो।

१२९ (११६) *7.7.7.7.7.7.* DIX *H. 35 P. 24.* PEIRA *H. 191. P. 161.*

m १ प्रभु यीशु दयावन्त
जगतत्राता कृपावन्त
पापी को तू तारता है
तुझे जो पुकारता है
सभों पर तू है कृपाल
mp मुझ पर तू हो दयाल।

m २ तेरा नाम मैं लेता हूं
तन और मन मैं देता हूं
मुक्ति मिलेगी मुझे
केवल तेरी कृपा से।

३ मेरे सारे पाप का भार
कृपा कर मुझ से उतार
c अपना दास तू मुझे कर
रख तू मुझे जीवन भर

m ४ भेज पवित्र आत्मा को
मेरा मन पवित्र हो
मुझ में प्रीत प्रतीत बढ़ा
अन्त को मुझे स्वर्ग में ला।

---

१३० (११८) C.M. *Ps. 38.* MARTYRDOM { *H. 236. P. Ps. 23.*

p १ तम्बीह न दे तू क़हर से
मुझे पे रब्ब रहीम
न ग़ज़ब करके सज़ा दे
ख़ुदावंन्दा करीम।

p २ गुनाहों का जो मेरा भार
मुझे दबाता है
और मेरा दिल जो ख़्वार लाचार
आराम न पाता है।

m ३ उम्मेद है मुझको तुझ ही से
करीम ख़ुदावन्दा
mp मेरी फ़रयाद को सुन तू ले
और मुझे जल्द बचा।

४ दिल खोलके अपने सब गुनाह
मैं करता हूं क़बूल
कर मुझ पर रहम की निगाह
और आसी को न भूल।

५ ख़ुदाया मुझे तर्क न कर
न हो तू मुझ से दूर
मेरी नजात तू जल्दी कर
बख़्श मेरे सब क़ुसूर।

"My hope is built on nothing less."

१२१ 888888. ST. CATHERINE P. 155 S. 902.

१ सिर्फ़ एक ही मेरा चारा है,
वह यीशु का कफ़ारा है;
न जाता मैं और किसी पास,
सिर्फ़ यीशु पर है मेरी आस.
ख़ास वहही मेरी है चटान,
सब और वसीले हैं बुतलान।

२ तारीकी जब आ जाती है,
उस चेहरे को छिपाती है,
तब उसका फ़ज़्ल आता है,
तारीकी को हटाता है।

३ तूफ़ान जब ज़ोर से आता है,
और मेरा दिल घबराता है,
तब उसका वआदा है चटान,
और मुझ को होता इतमीनान।

---

१२२ 7.7.7.7.D. *"I am coming to the cross."* S. 477.

१ आता हूं सलीब के पास, मैं हूं अन्धा और लाचार,
मेरी आंख हैं क्रूश पर ख़ास, हूं नजात का तलबगार,
क्रूश ही मेरी है पनाह, क्रूश पर मेरी है निगाह;
बोलता हूं मैं क्रूश की जय: यीशु अब बचाता है।

२ मैं आवारा बे—तसकीन, कामिल राहत पाता हूं,
सुनता अब यह कौल "शीरीन; तुझ को मैं बचाता हूं".

३ तुझे सब कुछ देता हूं, तुझे अपना कहूंगा,
तेरी चीज़ें लेता हूं, तेरा नित मैं रहूंगा।

४ तुझ पर मेरा है ईमान, तुझ से साफ़ मैं हुआ हूं,
तुझ ही में है मेरी जान, तेरे साथ मैं मुआ हूं।

५ तेरी रूह से हूं मअमूर, तेरी ही सिताइश हो,
हर एक दाग़ है दिल से दूर, सना सना यरं को।

देखो भी: १२३—१४६.

मसीही जीवन.

१. विश्वास, पश्चात्ताप और स्वीकार.

AURELIA { H. 454. P. 225.

१३३ (१२१) 7.6 7.6. D. *Ps. 25:4-11.*

EWING { H. 334. P. 351. S. 217.

mp १ ख़ुदाया अपनी राहें
मुझ आसी को दिखला
और मुझ को अपने रस्ते
सदाक़त के बतला
तू मेरा है मुनज्जी
ख़ुदावन्दा रहीम
देख मेरी इन्तिज़ारी
नजात की दे तअ़्लीम।

m २ कमाल है तेरा फ़ज़्ल
और रहम है अ़ज़ीम
तू अपने हिल्म को याद कर
जो तुझ में है क़दीम

mp जवानी की ख़ताएं
न कभी याद में ला
मुनजी मसीह की ख़ातिर
तू मुझे मुआफ़ फ़रमा।

m ३ गुनाहों को मुआफ़ करने
ख़ुदा है रास्त रहीम
वह देता है ग़रीब को
नजात की ख़ास तअ़्लीम
सदाक़त और मुहब्बत
सो है ख़ुदा की राह
तू अपने नाम की ख़ातिर
बख़्श मेरे सब गुनाह।

---

१३४ (१२२) L. M.

MAINZER H. 140. P. 161.
CYPRUS P. 93.

m १ हे ईसा तू जगत्राता है
हमारे कारण दिया प्राण
तू नरक से बचाता है
तू पापियों को देता त्राण।

p २ अकथ हमारे हैं अपराध
हम सब ही हुए नरक जोग
अंधकार हमारा है अगाध
अब क्या करें हम पापी लोग।

mf ३ पर तेरी दया है असीम
अनूप है तेरे त्राण का काम
अकथ अगाध है तेरा नेम
आश्चर्य अद्वैत है तेरा नाम।

mp ४ लचा तू हमें अपनी ओर
और इस अंधियारे को मिटा
c तब पाप की रात में होगा भोर
और धर्म का सूरज चमकेगा।

PASCAL *H. 191.*

१३५ (१२३) *7.7.7.7.7.7.* "*Rock of Ages,*" PETRA { *H. 191. P. 161. S. 237.*

m १ ईसा मेरी पनाहगाह
तुझ में मेरी है पनाह
तेरी छिदी पसली का
पानी ख़ून जो बहा था
सो गुनाह को धोता है
हर एक दाग़ को खोता है।

mp २ नेकी जो मैं करता हूं
आंसू जो मैं भरता हूं
जो सवाब कि मेरा हो
सो गुनाह छुटाने को
ज़रः काम न आता है
c फ़क़त तू छुटाता है।

mp ३ ख़ाली हाथ हूं मैं ग़रीब
धरता हूं तेरी सलीब
मेरी सब नजासत को
अपने लहू से तू धो
नंगा हूं हक़ीर लाचार
c रास्ती से मुझे संवार।

p ४ दम जब तलक चलता हो
pp या जब दम निकलता हो
जब तू खोलेगा किताब
जब तू लेवेगा हिसाब
c ईसा मेरी पनाहगाह
तब तू मेरी हो पनाह।

---

१३६ (१२४) 8. 7. 8. 7. 4. 7. PLEASANT PASTURES P. 585. MANNHEIM H. 295. P. 316.

m १ पापी दोषी दीनहीन सकल
आवो गावो यीशु नाम
तारण कर्त्ता वह है केवल
तिस के ऐसा किस का काम
mf प्रभु यीशु प्रगट होवे तेरा नाम।

p २ हम सब अधम अपराधी
सब हैं दोषी नरक जोग
c तेरी कृपा सो अगाधी
प्रेम से किया पाप का भोग
प्रभु यीशु अब निस्तार तू पापी लोग।

m ३ धरम अवतार तू भया
धरती पर दिखाया प्रेम
पापी लोग का दंड उठाया
तिस पर धरी त्राण की नेम
प्रभु यीशु कर सभों का कुशल क्षेम।

mp ४ तू ने अपना लहू दिया
दिया निज अमोल का प्राण
c ऐसा प्रेम कब किस ने किया
तू ही जगत लोग का त्राण
प्रभु यीशु तुझ बिन और न कोई त्राण।

m ५ जगत अंत लों तू ही राजा
वेग से अपना राज्य दिखा
सकल लोग हों तेरी प्रजा
लज्जा देवन पर बहा
c प्रभु यीशु आवे तेरी प्रभुता।

१३७ (१२५) 8.7 8.7. BATTY (INVITATION) { PH. 223. P. 310. BIRD P. 169.

mp १ आया हूं मसीह पास तेरे
मुझे दूर न कीजियो
बाइस गुनाहों के मेरे
मुझे फेंक न दीजियो।

२ मुआ तू नजात के लिये
मेरी खबर लीजियो
औरों के गुनाह बख़्श दिये
मेरे भी बख़्श दीजियो।

३ रूह-उल-क़ुद्स की पाक निअ़मत
बन्दे को तू दीजियो
आवेगा जब रोज़ क़ियामत
मुझे तब थाम लीजियो।

४ दुशमन मेरे हैं घनेरे
मेरी मदद कीजियो
सोंपता आप को हाथ में तेरे
मुझे छोड़ न दीजियो।

---

१३८ (१२६) 9 8.9 8 RADFORD { H. 371. ST. CLEMENT { P. 376.

m १ मसीह की मेरी है दुहाई
मसीहा मेरी ख़बर ले
मसीह से मेरी है रिहाई
मसीहा मेरी ख़बर ले।

mp २ तारीकी मेरे दिल पर छाई
शैतान गरजते बबर से
अज़ाब की दहशत दिल में आई
मसीहा मेरी ख़बर ले।

३ सलीब पर तू ने मौत जो पाई
और फिर जी उठा क़बर से
c नजात की राह इस से बनाई
मसीहा मेरी ख़बर ले।

mp ४ ईमान और प्यार की कुल खोटाई
दुनिया गुनाह के जबर से
m मसीहा मुझे दे रिहाई
मसीहा मेरी ख़बर ले।

"*Jesus Lover of my Soul*"

१३९ (१२८) 7.7.7 7. D.

HOLLINGSIDE { H 193. P. 162. S. 227.

mp १ ईसा तू ही मेरा है
मुझे आसरा तेरा है
तेरी रखता हूं पनाह
है तू मेरी उम्मेदगाह
आंधी जब तक बहती है
आफ़त जब तक रहती है
c तब तक मेरा हाफ़िज़ हो
चैन से रख तू बन्दे को।

mp २ दूसरा नहीं मेरी आस
रख तू मुझे अपने पास
तुझ पर लगा मेरा ध्यान
तू ही मेरी है अमान
मुझ बे-कस को तू न छोड़
मुझ लाचार से मुंह न मोड़
m मेरा तू सहाई है
ईसा नाम दुहाई है।

m ३ इस तूफ़ान से तू बचा
मुझे अपने पास छिपा
हां तू मेरा मददगार
हो तू मेरा क़ादिर यार
mp जब मैं गिरूं तू उठा
बदियों को तू मिटा
मुझ बीमार को चंगा कर
मेरे दिल में ताक़त भर।

p ४ तू पाकीज़ः मैं नापाक
मुझे बख़्श और कर बे-बाक
सब गुनाहों से बचा
m अपनी तरफ़ तू फिरा
दे तू मुझे रूह-इ-पाक
अपनी राह में कर चालाक
f तू हयात का सोता है
तुझ से दिल सेर होता है।

"*Jesus Lover of my Soul.*"

१४० (१२९) 7.7.7.7. D.

HOLLINGSIDE { H, 193. P. 162. S. 227.

mp १ ईसा मेरे जानी दोस्त
आंधी चलती है ब-ज़ोर
तेरे पास मैं भागता हूं
मौजें उठती हैं ब-शोर
जब तक चले यह तूफ़ान
मेरी आड़ हो ख़ाविन्दा
c आख़िर तू सलामती से
मेरा बेड़ा पार लगा।

mb २ मेरी है तू जाए पनाह
मेरी जान तू रख बे-डर
तू न तनहा मुझे छोड़
मेरी ख़ातिर जमअ़ कर
m मेरा तू भरोसा है
मेरा हामी ऐ ख़ुदा
तले अपने परों के
अपने बन्दे को बचा।

m ३ जो कुछ मुझे हो दरकार
तुझ में है मौजूद तमाम
mp तू मुझ थके मान्दे को
बारबरदार को दे आराम
m तेरा नाम है रास्त और पाक
p मैं नापाक हूं और मजबूर
मैं गुनाह से लदा हूं
c पर तू फ़ज़ल से मअ़मूर।

m ४ अपने बे-हद्द रहम से
मेरे सब गुनाह कर मुआ़फ़
अपनी रूह के असर से
कर तू मेरे दिल को साफ़
mf तू हयात का चश्मः है
ज़िन्दगी का है दर्या
मेरे अन्दर ज़ारी हो
बहता रह बे-इन्तिहा।

---

१४१ (१३०) 8. 7. 8. 7. SHARON *PH. 220.*
BATTY (INVITATION) *PH. 223. P. 310.*

m १ ऐ मसीह ख़ुदाया मेरे
तू है मेरा मददगार
मानूंगा मैं हुकम तेरे
हूंगा तेरा ताबिअ़दार।

२ तू मसीहा आ़लम बाला
छोड़के उतरा उल्फ़त से
तू नजात का देनेवाला
मुझे भी नजात तू दे।

३ तू गुनाह का है बख़्शिन्दः
मैं हूं तेरा ताबिअ़दार
तू बिहिश्त का है दिहिन्दः
मैं हूं उस का उम्मेदवार।

१४२ (१५०) 7.7.7.7.7.7. DIX *H. 35. P. 24.*

p १ पापी मैं तो बड़ा हूं
महा कष्ट में पड़ा हूं
मेरे कैसे बड़े दुःख
कौन दे सकता मुझे सुख
m मेरी रक्षा करने को
प्रभु तू सहायक हो।

m २ सब है तेरा भूम आकाश
पशु पक्षी फूल और घास
तू ने उत्पन्न किया है
सब कुछ हम को दिया है।

३ दया से तू है भरपूर
मेरा संकट कीजिये दूर
जग में जितने दिन जीऊं
मन में शान्ति मैं पाऊं।

४ तू जो मेरा मित्र हो
तो मैं जीतूं शत्रु को
दुष्ट को तू नसाता है
पाप से तू बचाता है।

---

१४३ (१५१) 7.7.7.7. ST. DUNSTAN *H. 102.* PLEYEL *P. 412. S 457.*

१ ऐ मसीहा मेरे यार
कर तू मेरा दिल तैयार
तेरी हम्द मैं करूंगा
तेरा गीत मैं गाऊंगा।

mp २ था गुनाह का मैं ग़ुलाम
भूला भटका बे-आराम
फिरता था कमबख़्त लाचार
बे-तसल्ली बे-क़रार।

३ खोजता था मैं मददगार
सब को पाता था नाचार
करता था बहुत तदबीर
पाता था सब बे-तासीर।

४ रोता था मैं दिन और रात
क्योंकर मेरी हो नजात
गुनाह क्योंकर होंगे मुआफ़
दिल भी क्योंकर होगा साफ़।

mf ५ यीशु आया पुर-रहम
देखा मेरा दुःख और ग़म
पाया मुझे दिल अफ़गार
हुआ मेरा मददगार।

१४४ (१५४) 64. D. 6 6.4. BETHANY (EXCELSIOR) { PH. 201. P. 223. S. 581.

mp १ आता मैं तेरे पास
ईश्वर दयाल
तुझ से है मेरी आस
पिता कृपाल
आप से मैं हूं बलहीन
कर मुझे मन में दीन
मुझ संभाल ।

२ पाप से मैं भरा हूं
धार्म्मिक पिता
और किस के पास जाऊं
कर तू दया
हो गया बलिदान
निज सुत ने दिया प्राण
मुझे बचा ।

mp ३ मेरे सब पाप मिटा
मुझे शुद्ध कर
मेरा विश्वास बढ़ा
मन प्रेम से भर
सुध मेरी सदा ले
मरने पर आने दे
तेरे ही घर ।

---

१४५ SOLDAU *H. 210. P. 130.*

mf १ मैं आता हूं तेरे हुजूर,
खुदा, मैं ठहरा पुर-कुसूर;
गुनाह तो मेरे हैं करीह,
पर मेरा आसरा है मसीह.

२ गुनाह का बोझ तो बड़ा है,
लाचार यह आसी पड़ा है;
किधर को भागूं मैं गरीब?
मेरी पनाह तो है सलीब.

३ सलीब है मेरी जा पनाह,
सलीब पर मेरी है निगाह;
कि उस पर हुआ जो ज़बीह,
सो मेरा मुंजी है, मसीह.

४ लाचार बेकस मैं आता हूं,
ईमान मसीह पर लाता हूं;
मसीह, गुनाह का मेरा भार,
तू अपनी रहमत से उतार.

---

१४६ 8.6.8.6. *"I do believe."* S. 493.

mf १ ऐ गुनहगार, ऐ गुनहगार, क्यों ग़ाफ़िल सोता है
खुश हो कि तेरा मददगार, यीशु बुलाता है।
मैं मानता हूं, मैं मानता हूं, कि यीशु मुनजी है;
और उस के साथ और उसके हाथ आसमान की कुंजी है।

२ ऐ गुनहगार, बेकस लाचार, दिन गुज़रा जाता है;
अब हो नजात का तलबगार, यीशु बुलाता है।

३ ऐ गुनहगार अब हो बेदार, क्यूं दुःख में रहता है
अगर्चि तू है ख़ताकार, यीशु बुलाता है।

४ ऐ गुनहगार, ऐ बे-क़रार, क्यों मरने चाहता है
बेशक गरचि तू है बदकार, यीशु बुलाता है।

५ ऐ गुनहगार, क्यूं है बेज़ार, तू क्यूं शरमाता है
देख कैसा यह अजीब पियार, यीशु बुलाता है।

६ ऐ गुनहगार हो ताबिअदार, क्यूं फ़ज़ल खोता है
अब देख यह फिर एक पिछली बार, यीशु बुलाता है।

---

१४७ 11.11.11.11. *"I have a Saviour."* S. 350.

mf १ यीशु है मेरा, सब प्यारों से प्यारा,
आसमान पर वह बाप पास है शाफ़ी सहीह;
हर वक़ और हर हालत है हाफ़िज़ हमारा,
काश सारे लोग आके अब जानें मसीह!

f ऐ मेरे सब भाइयो,
मसीह के पास आइयो
लो, सब से अज़ीज़ है,
मसीह इ मसलूब.

mf २ बाप भी है मेरा, और अपने
फरज़न्द को
उम्मेद उस ने बख़्शी,
मुबारक पुर-नूर.
मैं पास उसके आऊं जब उसे
पसन्द हो,
काश तुम से भी मिलूं तब
उसके हुज़ूर!

३ जामा है मेरा सुफ़ेद औ
नूरानी;
आस्मान पर तैयार है,
ख़ूबसूरत औ पाक;
जब उस में मुलब्बस हो, करूं
शादमानी,
काश तुम को भी मिले वह
उमदः पोशाक!

४ मुझे तसल्ली और चैन औ
आराम है,
सिर्फ़ यीशु से मिलता वह
उमदः इनआम;
जो दुनिया दे सकती, सब
हेच औ बुतलान है;
काश तेरा भी होवे वह
सच्चा आराम!

---

१४८ 8 5.8.5. "*Pass me not.*" *P. 168. S. 488.*

mp १ छोड़ न मुझे, प्यारे यीशु, सुन मेरी फ़रयाद;
औरों पर तू रहम करता, मुझ को भी कर याद,
यीशु, यीशु सुन मेरी फ़रयाद,
औरों को जब तू बुलाता,
मुझ को भी कर याद.

२ झुकता हूं मै तेरे साम्हने, मैं हूं परेशान,
बरकत बख़्शा दे, ऐ मसीहा; दे मुझ को ईमान.
३ हामी जानता हूं मैं तुझे, चिहरा अब दिखला;
चंगा कर इस ज़ख़मी रुह को फ़ज़ल से बचा.
mf ४ तू है राहत का सर-चश्मः, जान से भी अज़ीज़,
तू ही है जमीन आसमान पर, मुझ को दिल अज़ीज़.

---

१४६ 6.6.6.6. *"I hear the Saviour say."* *S. 855.*

mp १ ख़ुदावन्द कहता है,
तू है कमज़ोर लाचार,
दे मुझ को अपना हाथ,
हूं तेरा मददगार.
mf यीशु शाफ़ी है,
अब मैं उसका हूं;
मेरे दिल के दाग़ जो थे,
सब उसने साफ़ किये.

mp २ मैं जानता हूं मसीह,
है तू ही बरतरीन,
c तू तोड़ता क़ुदरत से,
c गुनाह का दिल संगीन.

mp ३ मैं हूं ग़रीब तंगहाल,
पर आता हूं बेवाक
साफ़ करता है मुझे
वह तेरा ख़ून-इ-पाक.

mf ४ जब दुनिया फ़ानी से
रूह करेगी परवाज़
तशरीफ़ में यीशु के
मैं गाऊंगा मजाज़.

mf ५ और जब मैं आऊंगा,
अपने आसमानी घर,
तब सिर मैं धरूंगा,
मसीह के क़दम पर.

---

१५० 11.10.11.10. *"Hold Thou my hand."* *P. 175 S. 550.*

mp १ थाम्भ मुझे ले मैं हूं निरबल निराश्रय
तेरे बिना मैं आगे न बढ़ूं
थाम्भ मुझे ले तब हे यीशु पियारे
c हानि के भय से क्योंकर मैं डरूं ।

mp २ थाम्भ मुझे ले और निकट खींच तू मुझे
तू जिस में है आनन्द और आस भरपूर
थाम्भ मुझे ले न हो कि फिर मैं भटकूं
और मेरे पांव फिसलें जो तू हो दूर ।

p ३ थाम्भ मुझे ले मार्ग आगे है अन्धेरा
जो साथ न हो मुख तेरे की प्रभा
c पर जब विश्वास से महिमा उसकी देखता
mf क्याही प्रसन्नता क्या आनन्द मेरा ।

mp ४ थाम्भ मुझे ले कि जब उस नद पर पहुंचूं
जिस के तू मेरे लिये हुआ पार
c स्वर्गीय उजाला उस के ऊपर चमके
और हर एक लहर पर तेरा तेज अपार ।

देखो भी: १२२—१३२.

---

२. प्रेम और धन्यवाद.

१५१ (१३२) 7 8 7.8. *Ps. 40:1-3* ST. OSWALD *H. 459. P. 271.*

m १ मैं तो सब्र करके हुआ
मुन्तज़िर यहोवाह का
mf उस ने मुतवज्जिह होके
सुनी मेरी इल्तिजा ।

२ मुझे बाहर निकाल लाया
d गढ़े से हौलनाकी के
mf मुझे बाहर भी निकाला
d दलदलवाली कीच में से ।

mf ३ और चटान पर मेरे पांवों को
फ़ज़ल कर रख दिया है
उस ने मेरे क़दमों को
आप ही साबित किया है।
४ और एक नया गीत तारीफ़ का
मेरे मुंह में डाला भी
जिस्से हम्द ओ सना होवे
हम्द ख़ुदा हमारे की।
५ उसको देखेंगे बहुतेरे
और ख़ुदा से डरेंगे
और यहोवाह पर वे दिल से
तब तवक्कुल करेंगे।

---

१५२ (१३३) C. M. *Ps. 116:12–18.* ST. STEPHEN { *Ps. M. 118* *P. 338.* *S. 278.* }

mf १ सब निअ्मतों के एवज़ में
जो तू ने मुझे दीं
ख़ुदावन्दा मैं क्या देऊं
जो इतनी मिहर की।
m २ नजात का प्याला ऐ ख़ुदा
मैं अब उठाऊंगा
और तेरा ही मुक़द्दस नाम
दिल से पुकारूंगा।
३ पाक नज़रें अदा करने को
सभों के रूबरू
मैं तेरे घर में जाऊंगा
हो मेरा हामी तू।
४ सब बन्दे तेरे हैं अज़ीज़
नजात से घिरे हैं
mp फिर गिरान-क़द्र उन की मौत
c वे सदा तेरे हैं
mf ५ मुबारक तेरे बन्दे हैं
मैं भी मुबारक हूं
मैं जाके अपनी नज़रों को
जल्दी अदा करूं।

"When this passing world is done."

१५३ (१३४) 7.7.7.7.7.7. PETRA {H. 191. P. 161. S. 237.

mp १ जब आ जावे महा कष्ट
जब यह जगत होवे नष्ट
m जब मै स्वर्ग में उतरूं पार
पाके सदा का निस्तार
mf तब ही प्रभु समझ लूं
तेरा कितना धारता हूं।

m २ तख़्त के पास जब खड़ा हूं
महिमा जब पहिन लूं
देखूं तेरा तेज अपार
निर्मल मन से करूं प्यार
mf तब ही प्रभु समझ लूं
तेरा कितना धारता हूं।

३ जब मैं सुनूं स्वर्ग का गीत
उठता हुआ गर्ज की रीत
पानी का सन्नाटा सा
p शब्द तो मीठा बीन का सा
mf तब ही प्रभु समझ लूं
तेरा कितना धारता हूं

---

१५४ 8.7.8.7. *"Precious Saviour Thou hast saved me."* S. 629.

mf १ प्यारे यीशु ने बचाया,
मेरा शाफ़ी, मुंजी हो,
मेरे लिये ख़ून बहाया,
सना, सना, वरें को.
f सना, सना, मैं बच गया,
सना, सना,, वरें को,
मेरे लिये ख़ून बहाया.
सना, सना, वरें को।

mf २ मेरे दिल की थी यह आरज़ू
मिले दिल को ख़ास आराम
जब ईमान में ज़िन्दः हुआ,
मिला मुझ को यह इनआम

३ तेरी ख़िदमत में करूंगा,
जब तक मेरी है हयात,
सब को इस की ख़बर दूंगा
यीशु देता है नजात

f ४ सना होवे ख़ून इ पाक को,
सना उस की क़ुदरत को,
सना, सना, मैं बच गया,
सना, सना, अबद हो.

१५५ 9.9.9.5. *"Glory to his Name."* *G. 165.*

mf १ क्रूश ही के पास जहां ख़ून बहा
दबके गुनाहों से मैं गया,
ख़ून से वहां यह दिल साफ़ हुआ,
c उसकी हो तअ़रीफ़.
f उसकी हो तअ़रीफ़,
उसकी हो तअ़रीफ़
ख़ून से वहां यह दिल साफ़ हुआ,
उस की हो तअ़रीफ़

mf २ दूर हैं गुनाह मेरे बिल-यक़ीन,
दिलमें अब यीशु है तख़्तनिशीन,
क्रूशही का गीत मुझको है शीरीन,
उसकी हो तअ़रीफ़.

३ क्रूश का वह चशमा है बेश बहा,
ख़ुश हूं की मैं उस के पास गया.
ख़ूब मुझ को यीशु ने साफ़ किया,
उस की हो तअ़रीफ़.

४ आ, देख यह चशमा है साफ़ शफ़ाफ़
आ, ताकि हों तेरे गुनाह मुआफ़,
आ, इसी वक़्त ताकि हो तू साफ़,
उसकी हो तअ़रीफ़.

---

१५६ 8.8.8.8. D. . *"Blessed be the Fountain."* *S. 113.*

mf १ हो मुबारक चश्मः सजीव,
था जहान में मर्दे इ मसलूब,
वह जो गुनहगार को तबीब,
जिस की मार से मैं बनूं महबूब,
f बारहा उसकी गोद से गुमराह हो
दिल में पाया रंज इ शदीद
बर्रे के लहु में अब धो,
तब होऊंगा मैं बर्फ़ से सुफ़ेद.
c बर्फ़ से भी सुफ़ेद;
बर्फ़ से भी सुफ़ेद;
बर्रे के लहु में तू धो,
तब होऊंगा मैं बर्फ़ से सुफ़ेद

२ कांटों का भी ताज सिर पर था
और वह क्रूश पर हुआ जान-निसार;
रंजिशों को ख़ुश हो सहा,
हां! यह सब कुछ न हुआ बेकार;

काश कि चश्मे पास आना हो,
कि गुनाह से होऊं आज़ाद।
बर्रे के लहु में अब धो,
तब होऊंगा मैं बर्फ़ से सुफ़ेद.
३ बाप, मैं तुझ से हुआ गुमराह,
और गुनाह में मैं रहा लाचार,
कुल अगवानी थे जो गुनाह,
उन से पाक होकर खुश हूं
हर बार:
मुंजी, तेरे पास आने को
मेरे दिल में है ख़ास्स उम्मेद:
अपने पाक लहु में तू धो,
तब होऊंगा मैं बर्फ़ से सुफ़ेद

देखो भी: ६०, ६४, ६६—७०, ७२, १७६, २८८.

---

२. आनन्द और शान्ति.

१५७ (१७४) S 7.8.7.D. "*Come Thou Fount*" LUGANO *H.363*; NETTLETON *P.197*.

mf १ ऐ ख़ुदा कमाल के चश्मे
मुझ से अपनी हम्द करा
तेरी मिहर है ला-सानी
क़ाइम दाइम बे-पहा
तेरा प्यार बे-निहायत
बे-ज़वाल ला-इन्तिहा
उस को मुझ से ऐ ख़ुदावन्द
अब तआरीफ़ का गीत गवा
२ अबनज़र तू मसीहा
हुआ मेरा मददगार
mf इस से भी मैं पहुंचूंगा
ग़म के इस दरया के पार
था मैं भूली भेड़ की मानिन्द
गल्ला छोड़ आराम बिहून
यीशु खोजने और बचाने
आया दिया अपना ख़ून।
mf ३ उमर भर मैं कर रहूंगा
तेरे फ़ज़ल की सिपास
अपने करम से ख़ुदावन्द
रख तू मुझे अपने पास
mp तुझे भूलने को तो सदा
इसतिदाद रखता हूं
mf मुहर कर तू मेरे दिल पर
अबद तक तू मेरा है।

१५८ (१७५) 11.11.11.11. HANOVER. { H. 12. P. 22.
HOUGHTON H. 12. P. 16.

m १ ख़ुदा मेरा हिस्सः महबूब ओ हबीब
मैं बन्दः हूं तेरा मजबूर ओ ग़रीब
सब रू-इ-ज़मीन और आसमान पर कहीं
है तेरे सिवा मेरा कोई नहीं।

mp २ जो तू ही न होता तो सारा आसमान
और सारी ज़मीन भी है ख़ाली बुतलान
सब इज्ज़त है ज़िल्लत सब दौलत है धूल
c ख़ुशवक़्ती की तू ही है असल-इ-उसूल।

m ३ हां सूरज की रोशनी मख़्लूक़ का जमाल
और दोस्तों की ख़ूबी और माल ओ मनाल
जो होवे सो होवे पर मुझे मंज़ूर
है तुझ में ख़ुशवक़्ती हक़ीक़ी मअमूर।

mf ४ ख़ुदाया तू मेरा है दाइम मुदाम
ख़ुदाया मैं तेरा हूं दिल से तमाम
pc या जीते या मरते हर हाल में हर जा
mf तू मेरा ही हिस्सः है मेरा ख़ुदा।

---

१५९ (१७७) 7.7.7.5.D IRENE H. 311. P. 114.

mp १ दुनया है लड़ाईगाह
दुशमनों की है सिपाह
c मुझे सब से है पनाह
m यीशु मेरा है

mp हमलः करे गर शैतान
चढ़ें भी सब बद इनसान
c मुझे आसरा है हर आन
m यीशु मेरा है।

mf २ क़ादिर है सिपहसालार
नेकों का जो है सरदार
मेरा वह है निगहदार
यीशु मेरा है
जंग मे पैठके हथ्यारबन्द
यीशु हुआ फ़तहमन्द
नाम उस का इक़्बालमन्द
यीशु मेरा है।

mp ३ उस की फ़ौज के सब मक़तूल
c उस को ख़ातिर हो मक़्बूल
mf करते हैं नजात हुसूल
यीशु मेरा है
नबियो की पाक गुरोह
मूमिनीन का कुल अम्बोह
ग़ालिब हुआ बर अंदाह
यीशु मेरा है।

४ क्योंकर होऊं मैं अनाथ
वह जो देता मेरा साथ
क़ुदरत कुल है उस के हाथ
यीशु मेरा है
जिस का तख़्त आसमान पर है
ज़िन्दगी जो बख़्शता है
उस का फ़ज़ल मुझ पर है
यीशु मेरा है।

"Are you weary, are you heavy hearted?"

१६० 10 10 10 7 *G. 235.*

mf १ क्या हो मांदे, क्या हो दिल-शिकस्तः?
यीशु से कह दो, यीशु से कह दो;
क्या हो आजिज़, क्या है ग़म का रास्ता:
c यीशु से जाके कहो.
f यीशु से कह दो, यीशु से कह दो,
वही है दोस्त मुमिन;
गर तुम न रखते ऐसा दोस्त ओ भाई,
यीशु से जाके कहो.

mp २ क्या तुम रोते, क्या है ज़ख़्मी इ कारी
यीशु से कह दो, यीशु से कह दो;
क्या गुनाह का बोझ है दिल पर भारी
c यीशु से जाके कहो.

mp ३ क्या तुम डरते, क्या हैं बादल ग़ालिब
यीशु से कह दो, यीशु से कह दो,
क्या तुम भेद को जानने के हो तालिब
c यीशु से जाके कहो.

mp ४ क्या तुम दिल में मौत के ख़्याल से डरते
यीशु से कह दो, यीशु से कह दो;
क्या तुम खेत में ठण्डी सांसें भरते
c यीशु से जाके कहो.

---

१६१ L. M. *"He leadeth me."* *P. 297. S. 542.*

mp १ वह हादी है! मुबारक बात!
है इस से राहत और हयात;
c जो करता हूं, जो राह हो ले,
वह मेरा मुन्जी हादी है.
mf वह हादी है, वह हादी है,
वह मेरा मुन्जी हादी है,
मैं उसका हूं, हो उसकी जय!
वह मेरा मुन्जी हादी है.

p २ बाज़ दफ़ा दुःख ओ आफ़त में,
c बाज़ दफ़ा बाग़ इ राहत में;
mp हां, जिस जा मेरे क़दम गये,
वह मेरा मुन्जी हादी है.

mf ३ ऐ रब्ब, तू थामले मेरा हाथ,
न दुःख न रंज है तेरे साथ;
हूं साबिर आवे कोई शै,
कि तू ख़ुद मेरा हादी है.

mp ४ जब तेरे पास मैं आऊंगा,
c जब फ़तह पाके गाऊंगा,
mf तब यरदन से न होगा भय,
कि मौजों पर तू हादी है.

१६२ 6.5 6.5. D. *"Like a river glorious."* *S. 652*

mp १ इतमीनान ख़ुदा का मिस्ल इ दरया है,
बढ़ता आगे बढ़ता, फ़तह पाता है.
c कामिल है, पर तौभी बढ़ता जाता है;
लम्बा चौड़ा गहरा होता जाता है.
mf क़ुरबत इ यहोवाह बख़्शती है आराम
ईमानदार के दिल को, कामिल ओ तमाम.

m २ उस का दस्त मुबारक है अजीब पनाह,
दुशमन के फ़रेब से उमदः आरामगाह.
फ़िक्र और बेचैनी दिल से जाती है,
मुतलक़ न घबराहट वहां आती है.
mf क़ुरबत इ यहोवाह बख़्शती है आराम
ईमानदार के दिल को, कामिल ओ तमाम.

m ३ हरएक दुःख या ख़ुशी ऊपर ही से है,
चश्मा इ मुहब्बत उस का सोता है
c अपने को हम सौंप दें—वह है मददगार;
वही मुशकिलात में है हक़ीक़ी यार.
mf क़ुरबत इ यहोवाह बख़्शती है आराम
ईमानदार के दिल को, कामिल ओ तमाम.

"My life flows on in endless song."

१६३ 8 7 8 7. D. CONSTANCE { *H. 215.* *P. 80.* }

mf १ रूह मेरी ख़ुश हो गाती है,
भूल जाके दुःख आज़ार को,
और गीत शीरीन जो सुनता हूं,
बताती ख़ुश दयार कोः

है गर्चि शोर ओ ग़ुल हर आन,
मैं सुनता राग आस्मानी;
और मेरी रूह भी शामिल हो.
गीत गाती व शादमानी.

२ जब चलता ग़म की वादी में,
तब मुन्जी ख़बर लेता,
और रात के पहरों में मुझे,
वह राहत के गीत देता,
तूफ़ान की शिद्दत से कभी,
न होगी परेशानी,
जब यीशु सब पर क़ादिर है,
मैं गाता व शादमानी.

३ आस्मान की सिम्त मैं देखता हूं,
है फ़िज़ा साफ़ ओ नीली,
और रोज़ ब रोज़ के चलने से,
यह राह है बे-पथरीली,
मसीह की बे-हद्द बरकत से,
है दिल में ख़ुश-इलहानी;
वह मेरा है—मैं उस का हूं,
मैं गाता व शादमानी.

---

१६४ 8. 7. 8. 7. D. *"In the secret of His presence"* S. 1186.

mp १ यीशु की दरगाह के लिये
मेरी रूह को है पियास,
कैसे क़ीमती हैं वे सबक़
जो मैं सीखता यीशु पास.
यां की फ़िक्रें कर न सकतीं
कभी मुझे उस से दूर,
c क्योंकि जब शैतान आज़माता,
जाता मैं उस के हुज़ूर.

mp २ मेरी रूह जब हांपने लगती,
और जब थक मैं जाता हूं
तेरे पहलू पास, मसीहा,
कामिल राहत पाता हूं.
यीशु रहता है साथ मेरे,
मुझ से करता गुफ़्तगू,
मैं बयान नहीं कर सकता
कैसी ख़ुश है मेरी रूह.

३ अपने कुल्ह तकलीफ़ और ग़म को,
लाता मैं उस के हुज़ूर,
कैसे सब्र से वह सुनता
और हर एक को करता दूर;
मुझ को वह तम्बीह भी देता,
मुझ में देखता जब गुनाह;
गर मुझे तम्बीह न करे
तो वह दोस्त न रहेगा.

mf ४ क्या तुम चाहते हो कि तुम भी
रहो नित मसीह के पास ?
उस के साया में जा छिपो,
उस पर रखो अपनी आस
फिर तुम जहां कहीं जाओ,
किसी मौके पर तुम हो,
रखो नित तुम मद्द इ नज़र
चिहर: इ मुन्जी को.

---

१६५ S. 7. 8. 7. D. *"All my doubts I gave to Jesus."* *S 868.*

mf १ शुभे सब मसीह पर डालता,
उसका वश्रदा सुनता हूं;
कभी परेशान न होता,
बात जब उस को मानता हूं.
मै अब मानता, मै अब जानता
यीशु तेरी बात शीरीन;
मैं अब मानता, मैं अब जानता
यीशु कामिल है यक़ीन.
२ सब गुनाह मैं उस पर छोड़ूं
अपने खून से धोवेगा;
उसके खून से पाक अब होऊं,
दाइमी घर पहुंचावेगा.
३ अपने ख़ौफ़ अब सब निकालता
मेरी रूह ! तू ले आराम,
गर्चि राह तारीक में चलता,
रोशनी मेरी है मुदाम.
४ सब कुछ मेरा है मसीह का,
गर ग़रीब तोभी अमीर;
गर कमज़ोर मै हूं और थका
उस में सब कुछ है कसीर.

---

१६६ 8 6 8. 8 6 *"Dear Lord and Father"* CAMPFIELDS *H 222.* REST. *P. 196.*

mp १ पियारे बाप खुदावन्दा
मुआफ कर हर कुसूर
c लिबास होश्यारी का पहिना
पाकीज़: ख़िदमत अब करा
और तअ़ज़ीम कर मनज़ूर।

mp २ गालील के दर्या के किनार
वश्रजो मे सुना जो
इलाही फ़ज़्ल की पुकार
c यों उठके हम पुर इख़्तियार
तेरे ही पैराव हो।

p ३ शबनम-इ-राहत ख़ूब टपका
बेचैनी होवे दूर
c दिल की मशक्क़त सब मिटा
ख़ूबी सलामती की दिखला
कि हम भी हो मसरूर।

mp ४ जब दिल में उठे सख़्त तूफ़ान
तू हम को बख़्श तसकीन
सुन लेवें तब हम पाक फ़रमान
भूचाल तूफ़ान के दरमियान
बोले आवाज़ शीरीन।

---

१६७ 8.6.8.6. *"Tis so sweet to trust in Jesus."* *G. 196.*

m १ सिर्फ़ मसीह पर है भरोसा.
क्या ही ख़ूब यह बात शीरीन!
क्या तसल्ली जब मैं करता
उस के वअ़दो को यक़ीन.

mf यीशु, यीशु, प्यारे यीशु,
जानता हूं कि तू है यार!
यीशु, यीशु, प्यारे यीशु.
और भी करूं तुझ को प्यार.

m २ सिर्फ़ मसीह पर है भरोसा,
उस के ख़ून से है नजात
सिर्फ़ ईमान से मुझ को मिलती
ख़ून के चश्मे से हयात.

३ सिर्फ़ मसीह पर है भरोसा,
सब ख़ुद-ग़र्ज़ी, बुरे काम
छोड़ता हूं, और उससे लेता,
अबदी ख़ुशी और आराम.

४ क्या ही ख़ूब कि वह है मेरा,
प्यारे यीशु दोस्त मिहरबान
जानता हूं कि मेरे साथ है,
साथ रहेगा वह हर आन.

---

१६८ (२४०) 10 10. *"Peace! perfect peace."* PAX TECUM *H. 229.* *P. 199.* *S. 726.*

mp १ कामिल आराम पे दिल क़बूल कर ले
m मसीह का वअ़द: है ग़मज़दों से।

p २ कामिल आराम दिल मेरा है नापाक
c मसीह के ख़ून से होऊं मैं बे-बाक।

mp ३ कामिल आराम दुनया है बे-क़रार
m मसीह की बरकत होती पाएदार।

mp ४ कामिल आराम दोस्त मेरे होते दूर
m मसीह तू मेरे है नज़दीक ज़रूर।

mp ५ कामिल आराम जब होवे ग़म औ दुःख
m मसीह हमदर्द से मिलता मुझे सुख।

mp ६ कामिल आराम जब राह अन्धेरी हो
m मसीह तू नूर है राह बताने को।

p ७ कामिल आराम अब मौत भी हो नज़दीक
m मसीह की ज़िन्दगी में मैं शरीक।

देखो भी· २०७—२१८.

---

४. पवित्रता और सुइच्छा.

१६९ (१३५) S. M. *Ps. 19.12-14.* SELMA {*Ps. M.* *P. 220.*

p १ अपने गुनाहों को
कौन आदमी जानता है
और अपने दिल के हाल को कौन
तमाम पहचानता है।

२ पाक मुझे कर ऐ रब्ब
पिनहां गुनाहों से
जान बूझके हुए जो क़ुसूर
मुझ से तू दूर कर दे।

३ गुनाह मुझ आजिज़ पर
न ग़ालिब होने दे
तब मैं बे-ऐब हो जाऊंगा
छुटूंगा ख़ता से।

m ४ और मुंह की बातें भी
और मेरे दिल के ख़्याल
तेरे हुज़ूर में हों मक़बूल
और पाक हो मेरी चाल।

m ५ मसीह की ख़ातिर से
जो अपने बन्दों का
वकील बर-हक़ है मुझे तू
क़बूल कर ऐ ख़ुदा।

१७० (१३६) C.M. *Ps. 119:1-4.* TALLIS *H. 510 P. 104.*

m १ मुबारक होते हैं वे शख़्स
जो राह में कामिल हैं
शरअ़ पर चलनेवालों में
जो आदमी शामिल हैं।

२ हां जो उस की शहादतें
हिफ़्ज़ करते हैं हर आन
और जो ख़ुदा के तालिब हैं
तालिब ब-दिल ओ जान।

३ हां वे तो सब नारास्ती से
दूर रहते सरासर
वे दिल ओ जान से चलते हैं
ख़ुदा की राहों पर।

m ४ रब्ब तू ने अपने फ़रज़ों का
हमें दिया फ़रमान
ताकि हम उन को हिफ़्ज़ करें
मानें ब-दिल ओ जान।

---

१७१ (१३७) S. M. *Ps. 39:1-2.* FRANCONIA *H. 142. P. 63. S. 190.*

mp १ तू मेरा हादी हो
ऐ पाक परवरदिगार
कि तेरी राह पर चलने को
मैं रहूं ख़बरदार।

२ ज़ुबान की ख़ता से
तू बन्दे को बचा
सारी बेहूदःगोई से
मैं दूर ही रहूंगा।

३ जब दुनयादार के साथ
कुछ मेरा होवे काम
मैं करूं दूनी चौकसी
और मुह को दूं लगाम।

mp ४ और ठट्ठेबाज़ के साथ
मैं रहूंगा ख़ामोश
वह सच को झूठ कर डालता है
गुनाह से है मदहोश।

m ५ लेकिन जब मौक़अ़ हो
तो मैं ख़ुदा की राह
और उस के पाक कलाम का भी
बे-डर होऊं गवाह।

१७२ (१३८) 8 7.8.7 *Ps. 51: 10-17* ROUSSEAU *H 605. P.543.*

mp १ साफ़ ओ पाक दिल मेरे लिये
पैदा कर तू ऐ ख़ुदा
मुस्तक़ीम और नई रूह को
मेरे अन्दर तू बना
रूह-उल-क़ुद्दुस को मुझे बख़्श दे
p अपने पास से न निकाल
c मुझे दे नजात की ख़ुशी
रूह-इ-रज़ा से संभाल।

m २ तब मैं तक़सीरवारों को भी
तेरी राह सिखाऊंगा
जब तू मेरे लब खोलेगा
तेरी हम्द मैं गाऊंगा
रूह शिकस्ते का ज़बीहा
तुझे है ऐ रब्ब मंज़ूर
तौबः से दिल कुचला हुआ
तुझे पसन्द है ज़रूर।

---

१७३ (१३९) L. M. *Ps. 119. 12-19.* ELY *H. 7. P. 598.*

mp १ रूहक़ुद्दुस का फ़ज़ल ऐ ख़ुदा
इस आजिज़ बन्दे पर बहा
गुनाहों से साफ़ पाक कर दे
और बख़्श व ख़ातिर यीशु के।

m २ तब औरों को सिखाऊंगा
और तेरी राह बताऊंगा
सुन आसी फिरके आवेंगे
और तेरे क़दम पकड़ेंगे।

p ३ ख़ून के गुनाह से ऐ ख़ुदा
नजात दिहिन्दाः तू छुड़ा
m तब तेरे फ़ज़ल का बयान
मैं गाऊंगा ब-दिल ओ जान।

४ खोल दे ख़ुदावन्द मेरे लब
तेरी तअरीफ़ मैं गाऊं तब
और अगर चाहता तू क़ुरबान
तो देता मैं ब-दिल ओ जान।

५ तू चाहता है शिकस्तः दिल
कि यही है क़ुरबान कामिल
जो टूटा मन है और दिलगीर
तू नहीं जानता है हक़ीर।

३ बढ़ा सैहून को ऐ ख़ुदा
यरूशलम को फिर बना
तब चढ़ें तेरे पाक क़ुरबान
तू उन से होगा भी शादमान

१७४ (१५५) L. M. *Ps. 1.* ANGEL'S SONG (ANGELS) { *H 376.* *P. 491.*

m १ वह आदमी है मुबारक हाल
न चलता जो शरीर की चाल
न उन की मानता है सलाह
बद जानता ठट्ठेबाज़ की राह।

२ कि जिस के दिल में है दवाम
शरीअत ही का पाक कलाम
ख़ुशी से मानता उस की बात
और उस पर सोचता है दिन रात।

mf ३ वह पेड़ की मानिन्द ख़ुश बहार
जो लगा नहर के कनार
वह फूलता लहलहाता है
और वक़्त पर मेवा लाता है।

mp ४ शरीर है मानिन्द भूसे के
उड़ जाता है जो हवा से
नेकों की मजलिस में गुमनाम
अदालत में है बे-क़ियाम।

m ५ आदिल क़ुद्दूस जो है अल्लाह
वह जानता सादिक़ों की राह
p पर गुनहगार की राह मरदूद
ख़ुदा से होगी नेस्त नाबूद।

---

१७५ (३३५) 8 7.8.7.4.7. MANNHEIM *H. 295. P 316.*

१ प्रभु मैं हूं महा पापी
mp तौभी मुझ को याद फ़रमा
तू ही पापी का है साथी
मेरे पाप को तू मिटा
मुझे शुद्ध कर
मुझ को अपने मार्ग पर ला।

m २ यीशु तू मेरा मुनजी
मेरे लिये दिया प्रान
मुझ को कर ले अपना साथी
रह तू मेरे साथ हर आन
मुझे याद कर
रूह का दे तू मुझे दान।

p ३ मेरा मरनकाल जब आवे
तब तू मेरे साथ हो ले
यरदन से तू पार कर मुझे
प्रभु मुझे स्वर्ग में ले
c जैसे पौल को
वैसे मुझे भी ताज दे।

१७६ 64.6.4 6 6 4.4 *"More love to Thee."* MORE LOVE TO THEE { *P. 180* / *S. 632.* } MISTLEY { *H. 214.*

mp १ तुझ को ज़ियादः पियार,
यीशु अज़ीज़
दिल मे मैं पाता हूं
यह हाल लज़ीज़
यह मेरा है इक़रार,
तुझ को, ऐ पियारे यार
ज़ियादः पियार
ज़ियादा पियार।

mp २ पेश्तर मैं दुनिया का
ढूंढता आराम;
अब तुझ से मांगता हूं
ख़ुशी मुदाम
यह आरज़ू है हर बार
तुझ को, ऐ पियारे यार,
ज़ियादः पियार
ज़ियादः पियार।

p ३ जब दुनिया छोड़ूंगा,
तेरी तअ़रीफ़
दिल से मैं गाऊंगा
और नाम शरीफ़
c तब होगा यह इज़हार,
तुझ को, ऐ पियारे यार,
ज़ियादा पियार
ज़ियादा पियार।

---

१७७ 7.6.7.6. *"Jesus keep me near the cross."* NEAR THE CROSS { *P. 54.* / *S. 134.*

mp १ यीशु रख सलीब के पास
चश्मा जहां बहता,
मिलता मुफ़्त जो सभो को
कलवरी से निकलता.

mf क्रूस पर ख़ास, क्रूस पर ख़ास,
होगी मेरी नज़र
जब तक मेरी रूह ख़ुश हो
जावेगी आस्मान पर.

mp २ क्रूस पर ख़ास मैं गुनहगार
प्यार को देख ख़ुश हुआ
वहां दुःख मुसीबत में
मेरा मुंजी मूआ.

mp ३ क्रूस के पास, ऐ बर्रे ख़ास
देखूं तेरे दर्द को
चलूं जब मैं रोज़ ब-रोज़,
पनाह ख़ास सलीब हो.

४ क्रूस के पास मैं ठहरूंगा
इस उम्मेद को रख के
कि सोनहरे वतन में
c पहुंचूंगा इस धार से.

१७८ 7.9.7 9. "Saviour, more than life to me." EVERY DAY { P. 211. H. 570.

mp १ यीशु तू है मेरी जान,
तुझ पास आता, आता, हो
शादमान,
अपने ख़ून से कर ख़लास,
रख तू अबद, अबद, अपने पास
mf हर एक दिन बरकत दे,
पाक कर अपने लहू से:
सदा तेरा पियार अज़ाब
खींचे मुझे, मुझे, पास सज़ीव.

mp २ जब तक हूं मैं बीच जहान;
हो तू हादी, हादी, नेक चौपान
तेरे साथ जब चलूंगा,
राह न कभी, कभी, भूलूंगा.

३ मेरा प्यार है तुझ ही को,
जब तक जीना, जीना, मेरा हो,
c रहूंगा मैं नित शादमान
जब मैं जाऊं, जाऊं, बीच आसमान.

---

१७९ 8.7.8 7. Ps. 42: 1-4, 7, 8, 11. BATTY INVITATION { PH. 223. P. 310.

mp १ जैसे हिरनी, हांपती पियासी,
ख़्वाहिशमन्द है पानी की,
ऐ ख़ुदावन्द, देख यह आसी
तेरे लिये हांपता भी.

२ तेरे पास कब हाज़िर आऊं?
देख, तरस्ती मेरी जान:
तुझे कब मैं देखने पाऊं?
मेरा दिल है परेशान.

३ कब तक ठट्ठे में लोग कहें,
"कहां तेरा है ख़ुदा?"
कब तक मेरे आंसू बहें?
क्या तू याद न करेगा?

m ४ साथ गुरोह के, ईद मनाने
जाऊंगा मैं तेरे घर;
तेरी हम्द ओ सना गाने
चलूंगा मैं तेरे दर?

५ मेरे जी, तू क्यों है भारी
क्यों घबराती, मेरी जान?
c कर ख़ुदा की इन्तिज़ारी
तब तू होगा सना-ख़्वान.

१८० 6.6 4 6 6.6 4. *"My faith look up to Thee."* OLIVET { *H. 197. P. 207.*

mp १ तुझी पर है ईमान,
वहाँ जो था क़ुरबान,
यीशु मसलूब;
p सुन मेरी, ऐ ख़ुदा,
दूर कर हर एक गुनाह,
c तेरा रहूं सदा,
mp मुंजी महबूब.

mf २ तू अपने फ़ज़्ल से
आजिज़ को क़ूवत दे,
दिल को जिला
p जैसा तू जान-निसार,
c वैसा मैं करूं प्यार,
mf दिलसोज़ और वफ़ादार,
होऊं सदा.

p ३ जब आवे सख़्त तूफ़ान,
दुःख में जब परेशान,
हो मददगार
c रात में तू नूर चमका,
ग़म मेरा सब हटा,
d तुझ से न हूं गुमराह,
ऐ जान निसार.

p ४ जब मौत की वादी को
पहूंचूं, तू रहबर हो;
हाथ मेरा थाम
c प्यार से दिल रोशन कर,
हटा तू शक और डर,
mf पहूंचा तू बाप के घर,
सालिम मुदाम.

---

१८१ 11s. *"Whiter than snow"* *P. 217. S. 569.*

mp १ मुझे, ऐ मसीहा, नित यह चाहट है,
कि तू मेरे अन्दर दे दिल की सफ़ाई;
हर एक बुरी ख्वाहिश अब दिल से दूर हो;
तू अपने पाक ख़ून से अब मेरा दिल धो.
c बरफ़ से सुफ़ेद, हां बरफ़ से सुफ़ेद,
d कि तेरे पाक ख़ून से दिल होवे सुफ़ेद.

mp २ मसीहा अब देख, अपने तख़्त पर से सुन,
और मदद तू दे कि गुनाह मैं छोड़ूं;
जो कुछ मेरा है मै अब देता तुझ को,
d तू अपने पाक ख़ून से अब मेरा दिल धो.

c ३ मसीहा, यह बरकत है मुझे ज़रूर;
सलीब पर तू मूआ कि होऊं मसरूर;
mf ईमान से मैं सुनता, तू पाक ओ साफ़ हो;
d तू अपने पाक ख़ून से अब मेरा दिल धो.

p ४ मसीहा, मै सब्र से राह तकता हूं,
यह नया दिल दे कि मै तेरा होऊं;
c मैं तुझ से यह मांगता, तू बख़्श दे मुझ को,
d और अपने पाक ख़ून से अब मेरा दिल धो.

---

१८२ 8.7. *"All for Jesus."* *S. 1179.*

mf १ सब मसीह का, सब मसीह का,
सब जो कुछ मै रखता हूं,
उसको अपनी ताक़त ख़िदमत
दिन और घण्टे क्यों न दूं!
f सब मसीह का, सब मसीह का
सब जो कुछ मै रखता हूं.

mf २ हाथों से हो उसकी ख़िदमत,
राह सैहून में हों क़दम;
आंखें देखें सिर्फ़ मसीह को,
लब से हो तअरीफ़ हर दम.

३ जब से आंखें हैं मसीह पर,
और सब मुझ को हैं ना-चीज़;
उस ही पर मैं हूं फ़रेफ़्तः,
वह ही मुझ को है अज़ीज़.

४ क्या अजीब है यह मुहब्बत!
यीशु शाहों का सुलतान
मुझ को कहता है "अज़ीज़ा"
बस मैं ख़ुश है मेरी जान.

देखो भी: ५६, १८३, १९१, १६६, २८३.

५. सतसंगति

"Nearer, my God to Thee."

१८३ (१५३) 64. D. 6.6.4.

HORBURY { *H. 237.* *P. 223.*
BETHANY { *PH. 201, P. 223.* *S. 581.*

mp १ तुझ पास ख़ुदावन्दा
तुझ पास ख़ुदा
हरचन्द मुझ को सलीब
दे पहुंचा
c तौभी यह गाऊंगा
तुझ पास ख़ुदावन्दा
d तुझ पास ख़ुदा।

p २ दुनया के जंगल में
अंधेरा है
m पर तू रहीम ख़ुदा
नूर मेरा है
c ख़ुदा हो मैं चलूंगा
तुझ पास ख़ुदावन्दा
d तुझ पास ख़ुदा।

m ३ तू मुझे साफ़ दिखला
आसमानी राह
तब होगी मेरी जान
तेरी मद्दाह
मैं जल्दी आऊंगा
c तुझ पास ख़ुदावन्दा
d तुझ पास ख़ुदा।

m ४ ख़ुदाया अपने पास
मुझे बुला
दुनया का बयाबान
तब छोड़ूंगा
mf आसमान में आऊंगा
तुझ पास ख़ुदावन्दा
f तुझ पास ख़ुदा।

"I need Thee every hour."

१८४ (१५०) 10. 10. 7. 6. 7. 4.

I NEED THEE { *P. 122.* *S. 377.*

mp १ रह मेरे पास हर आन रहीम ख़ुदा
शीरीं तेरी आवाज़ मुझ को सदा
मसीह तू मेरा यार है
हर वक़्त मुझ को दरकार है
अब तेरे पास मैं आता
तू बरकत दे।

२ रह मेरे पास हर आन रह मेरे पास
c तकलीफ़ें होतीं दूर जब तू है पास।

mp ३ रह मेरे पास हर आन दुःख हो या सुख
जल्द आ अब मेरे पास जान को है दुःख।

mp ४ रह मेरे पास हर आन मरज़ी बतला
और अपने च मुरों को मुझे सुझा।

५ रह मेरे पास हर आन तू जो क़ुद्दूस
अपना मुझ को कर ले मुनजी मख़सूस।

---

१८५ (१६१) 8.7.8.7.D. *S. 543.*

mf १ तेरी अफ़ज़ल है मुहब्बत
बरतरीन और बे-क़ियास
होवे दुःख या हो मुसीबत
रहूंगा मैं तेरे पास।
तेरे पास मैं नित रहूंगा
नित रहूंगा तेरे पास
बे-बहा है तेरी उलफ़त
ला-ज़वाल और बे-क़ियास।

२ राह के ख़तरे से निडर हूं
होवे तू जो दहिने हाथ
फिर तसल्ली और तशफ़्फ़ी
पाता हूं मैं तेरे पास।

mp ३ ज़िन्दगी जब आख़िर होवे
mf कैसी ख़ुशी होगी ख़ास
फिर आसमानी मुल्क कनआन में
मुनजी देगा पाक मिरास।

४ गाऊंगा मैं हम्द-ओ-सना
सब मुक़द्दसों के साथ
हल्लिलूयाह बीच जलाल के
बरबत होगा मेरे हाथ।

१८६ (२३८) 8.7.87 *"Precious promise."* S 543.

mf १ क़ीमती वअ़्द: बाप ने दिया
जिस से खुश है मेरी जान
उस ने उल्फ़त से फ़रमाया
"मैं हूं तेरा निगहबान"
"निगहबान हूं निगहबान हूं
मैं हूं तेरा निगहबान
जब तक सफ़र तू करेगा
मैं हूं तेरा निगहबान"।

mf २ इमतिहान में जब मैं होता
जब मैं होता हिरासान
बाप का क़ौल तब याद आ जाता
"मैं हूं तेरा निगहबान"।

b ४ मौत की वादी जब आवेगी
c मैं न हूंगा परेशान
क्योंकि मुझ से बाप ने कहा
"मैं हूं तेरा निगहबान"।

mp ४ दहशत के जब बादल आते
मुझ को करते हैं हैरान
c तब मैं बाप की बात याद करता
"मैं हूं तेरा निगहबान"।

१८७ 10.7.10.7. *"I am Thine O, Lord."* DRAW ME NEARER | P 216. S. 607.

mp १ तेरा हूं ऐ रब्ब, सुनता तेरी बात,
जो बताती तेरा प्यार;
मैं ईमान के साथ आता तेरे पास,
तेरा ही हूं तलबगार.

mf खैंच तू मुझ को, मुझ को, ऐ मसीह,
जो है चश्मः क्रूश में रवांसः;
खैंच तू मुझ को, मुझ को, मुझ को ऐ मसीह
अपने ज़ख़्मी पहलू पास.

c २ मुझ को पाक कर अब, कि मैं तेरा काम
करूं दिल से ठीक ओ ख़ूब;
तेरी मरज़ी पाक मुझ से पूरी हो,
मेरी मरज़ी हो मग़लूब.

mf ३ कैसी राहत ख़ास दिल को मिलती है
जब मैं जाता पाक हुज़ूर;
जब मैं दुआ में आता तेरे पास,
तब तू करता है मसरूर.

mf ४ तेरा मीठा प्यार और भी जानूंगा,
जब मैं जाऊंगा आस्मान;
c जब मैं देखूंगा तेरे चिहरे को,
तब ख़ुश होगी मेरी जान.

---

१८८ (३२६) 8.7.8.7. D. CONSTANCE { H. 215. P. 80. S 871

mf १ एक मेरा यार और कैसा यार जब मैं उस को न जानता
तब उसने मुझ को किया प्यार और प्यार से खींच के बांधा
और उस के बन्द के टूटने का न डर है न अन्देशा
कि उसका मैं और मेरा वह हमेशा और हमेशा ॥

mp २ एक मेरा यार और कैसा यार कि अपने को सौंप दिया
c जान उसने दी और खाई मार सो मुझको बचा लिया
mf और मैं न कहता अपना कुछ पर दौलत ताक़त पेशा
और दिल ओ जान और मेरा सब उसी के है हमेशा ॥

mf ३ एक मेरा यार और कैसा यार सब कुदरत उस को मिली
कि मुझ को करके पाक तैयार आसमान में दे तसल्ली
जलाल अब नज़र आता दूर दिलगीर को यह दिलासा
सो अब हो लड़ना जागना काम और तब आराम हमेशा ॥

mp ४ एक मेरा यार और कैसा यार रहीम लतीफ़ और सच्चा
r और हादी दाना सलाहकार और हामी शाफ़ी कैसा
mf इस प्यार से जुदा करे कौन न यह कटीला पेशा
f न मौत न ज़िन्दगी न कुछ मैं उस का हूं हमेशा ॥

देखो भी: १६३, १६४, १६६, १६८.

---

६. शिष्यता और सेवा.

१८६ (१४०) 8 7.8 7.8 8 7.7.

CORINTH *H. 11.*
BIRDS ARE SINGING *P. 515.*

m १ प्रभु अपना प्रेम दिखाके
मेरे मन को बल दिला
तब मैं अपना क्रूस उठाके
तेरे पीछे चलूंगा
तुझ पर अपनी आस मैं धरूं
अपने ज्ञान का गर्व न करूं
अपना चैन न मानूं कुछ
अपनी बड़ती जानूं तुच्छ ।

२ अपने मार्ग पर तू हे प्रभु
मुझे प्रतिदिन चला
तेरी सेवा में मैं कभू
नाह की बात न करूंगा
तू सन्तोष और धीरज देता
दास की प्रार्थना सुन तू लेता
भक्त की बात सिखाने को
ऐसा मेरा गुरू हो ।

m ३ सदा मानूं तेरी इच्छा
पकड़े रहूं तेरा हाथ
तेरे पांव पर तेरी शिक्षा
सुनता रहूं कृपानाथ

तेरा काम मैं करता रहूं
अपने दुख का दुःख मैं सहूं
कुछ न करूं मैं विलाप
रहूं धीरज धर चुपचाप।

४ प्रभु जी मैं तेरी शरन
दास ही हो पकड़ता हूं
गुरु जी मैं तेरे चरन
चेला होके पड़ता हूं
बिना बात मैं धीरज धरके
और सन्तोष और क्षमा करके
सहके कुछ न कहूंगा
ढाढ़स बांधके सहूंगा।

"I gave my life for thee."

१६० (३२७) 6.6.6.6.6.6. BACA S. 621.

mp १ जान मैं ने अपनी दी
ख़ून दिया बेश बहा
c कि पावे ज़िन्दगी
और मौत से हो रिहा;
mp यह जान यूं दी तुझे
p क्या देता तू मुझे?

mp २ मैं छोड़कर ख़ास जलाल
ज़मीन पर आया था
हुआ गरीब तंग-हाल
सदमः उठाया था,
यूं मैं ने छोड़ा सब,
p क्या छोड़ता है तू अब?

mp ३ मुसीबत बे-बयान
मैं ने गवारा की
c कि बचे तेरी जान
और पावे मख़्लसी
mp यूं दुःख में मैं रहा,
p क्या तू ने कुछ सहा?

mp ४ मैं लाया हूं नजात
और मुआफ़ी का इनआम
c मैं लाया अब हयात
और सुलह का पैग़ाम:
mp यह सब कुछ लाया हूं
p अब तू क्या लाया है?

"*Take my life and let it be.*"

CULFORD, CONSECRATION H. 256

१६१ (३३३) 7.7.7.7.

MOZART { P. 237. S. 610.

mf १ मेरी ज़िन्दगी तू ले,
अपनी मुहर उस पर दे,
ले तू दिन और वक़्त भी सब
सना तेरी हो ऐ रब्ब ।

mf २ कर क़बूल इन हाथों को,
इन से तेरी ख़िद्मत हो
पांव भी कर तू ताबिअ़दार
होवें तेज़ और ख़ुश-रफ़्तार ।

३ यह आवाज़ भी तेरी है,
तेरी हम्द में सेरी है,
मेरे दिल को भी तू ले,
उस में आके रौनक़ दे ।

४ अ़क़्ल की कुल ताक़तें
काम में तेरे सर्फ़ होवें,
मरज़ी अपनी देता हूं,
तेरी मरज़ी लेता हूं ।

mf ५ उलफ़त का ख़ज़ानः भी
लाता हूं मैं बा-ख़ुशी,
मुझ को ले सब सर-ता-पा,
तेरा नित मैं रहूंगा ।

---

१६२ 11.11.11.11

HOUGHTON H. 12 P. 10.

mf १ मसीही, तू सोच कर है
तेरा क्या नाम,
मसीही, कह हर रोज़ है
तेरा क्या काम ?
न नाम से पर काम से है
काम तुझे भी
जो नाम का और काम
का, सो सच्चा मसीही.

२ सो हर रोज़ तू याद रख
और कभी मत भूलः
ख़ुदा की तअ़रीफ़ में आज
रहूं मशग़ूल,
गुनाह से पछताऊं और उसे
छोड़ जाऊंः
मसीह पर ईमान ला,
जान अपनी बचाऊं.

३ मैं रूह से मार डालूं आज
जिस्म के काम;
मैं मांगूं दीनदारी और रूह
के इनआम;
मैं याद करूं गुज़रे दिनों
की निआमत;
कि अल्लाह रहीम है और
मैं पुर सलामत.

४ मैं वक़्त को ग़नीमत जान,
हो रहूं चुस्त,
और आक़िबत की फ़िक्र में
न रहूं सुस्त,
जहन्नम से भागूं, जो जाये
अज़ाब है,
बिहिश्त को मैं चलूं, जो
जाये सवाब है.

५ आज भाइयों के प्यार में
मैं रहूं मशग़ूल,
और नेकियां करना हो
मुझे क़बूल;
दुनिया और शैतान के सब
फ़ितने जान जाऊं;
मुक़ाबला कर के मैं उन को
हराऊं.

६ फिर आज मेरा मरना जो
होवे शिताब,
तो आज मेरे कामों का
होगा हिसाब;
पस भाई मसीही, आज अपना
काम करना;
जो करना है, आज कर,
कि जल्द होगा मरना.

---

१६३ 8.7.8.7. *"Must I go and embty handed."* S. 789.

mp १ क्या मैं ख़ाली हाथ से जाऊं?
अपने प्यारे यीशु पास
उस की ख़िदमत मैं न करूं,
उस की करूं न सिपास.
mp क्या मैं ख़ाली हाथ से जाऊं,
अपने प्यारे यीशु पास
d एक भी रूह न लेके जाऊं,
उस का ख़ादिम होके ख़ास!

mp २ मौत गर अभी मुझ पर आवे,
उस से मैं न डरूंगा
लेकिन ख़ाली हाथ गर जाऊं,
ठंडी सांस मैं भरूंगा.

३ जितने दिन कि दूर मैं रहा,
करता हूं अफ़सोस कमाल
c अब मैं मुंजी के क़दम पर
रखता हूं यह जान और माल.

mf ४ ऐ मसीह के ईमानदारो,
ऐ मसीही भाइयो।
f इस के पेश्तर कि मौत आवे,
रूहों को बचाइयो.

देखो भी. १६६, २००, २०२, २०३, २२०, २२४.

---

७. परीक्षा और लड़ाई.

"Christian seek not yet repose."

१६४ (१४१) 7.7.7.3. VIGILATE { H. 264. P. 254.

mf १ दुआ कर और हो बेदार
सुख की जा यह नहीं यार
mp तेरे दुशमन बेशुमार
जागता रह।

mp २ अपनी फ़ौज को ले हमराह
करता ज़ुलमत का बादशाह
तेरी ग़फ़लत पर निगाह
जागता रह।

m ३ बक्तर बांधके बा-ईमान
दुआ मांगता रह हर आन
घात में बैठा है शैतान
mp जागता रह।

m ४ सुन जो हुए फ़तहमन्द
जंग उन का तमाम हरचन्द
बोलते ब-आवाज़ बुलन्द
mp जागता रह।

m ५ रब्ब का जिस को करता प्यार
याद कर यह कलाम हरबार
दुआ कर और होशयार
mp जागता रह।

mf ६ जागना है ज़रूरी काम
गर तू चाहे नेक अंजाम
दुआ भी ज़रूर मुदाम
जागता रह।

"*Onward, Christian Soldiers.*"

१६५ (१४२) 6.5.6.5. D. 6.5.6.5. St. Gertrude { *H. 272. P. 262. S. 706.*

mf १ यीशु के सिपाही
आगे क़दम मार
कि सलीब है आगे
तेरे नमूदार
तेरा शाही पेशवा
है यिसू मसीह
उस के झंडे आगे
चलते हैं सरीह।
यिसू के सिपाही
आगे क़दम मार
कि सलीब है आगे
तेरे नमूदार।

mf २ इस निशान को देखके
भागता है शैतान
आगे ऐ सिपाही
फ़तह अपनी मान
सना की आवाज़ से
दोज़ख़ है लरज़ान
भाइयो हम्द ओ सना
गाओ ख़ुश-इलहान।

m ३ लशकर सी कलीसिया
जंग में चढ़ती है
सालिक़ के बुज़ुर्ग को
याद में रखती है
हम एक बदन भाइयो
एक हैं बे-तफ़रीक़
एक तअलीम और आसरा
उलफ़त में भी एक।

mf ४ पस सब क़ौमो आओ
जंग में शामिल हो
ख़ुश आवाज़ बजाओ
शादियाना को
ff बादशाह की तअरीफ़ में
यीशु जिस का नाम
आदमी और फ़िरिश्ते
गाते हैं मुदाम।

"*Forward ! be our watchword.*"

VEXILLUM *H. 571.*

HERMAS *H. 543. P. 537.*

१६६ (१४३) 65.65. D 65.6.5.

mf १ आगे आगे बढ़ो
ऐ ईसाइयो
देख मसीह का झंडा
उस के पैरव हो
देख ख़ुदा का बादल
राह दिखाता है
आगे क्यूं न बढ़ें
ईसा रहबर है
आगे आगे बढ़ो
राह तो है वीरान
mf पर हमारे साम्हने
चमकता आसमान ।

२ आगे आगे बढ़ो
तुम जो बच्चे हो
ईसा का नमूना
अभी पकड़ लो
वह तो ख़ूब हलीम था
था वह ताबिअ़दार
mf उस के पीछे होके
उस को करो प्यार
पिछली बातें भूलके
आगे बढ़ना है
उस के क़द तक पहुंचना
कामिल होना है ।

३ तुम जो नूर और नमक
इस जहान के हो
आगे बढ़ो गरचि
छोटा झुन्ड तो हो
mp देख जहान के ऊपर
रात अब छाई है
गुनाह के अन्धेर में
दुनिया पड़ी है
mf उठो पाक कलाम को
हाथ में लिये हो
उस को नूर दिखलाना
ऐ मसीहियो ।

mf ४ आगे आगे बढ़ो
ऐ ईसाइयो
अपने घर आसमान का
रास्ता पकड़ लो
ख़ुर्रमी और ख़ुशी
रोशनी और जमाल
गुनाह से आज़ादी
वहां है कमाल
अपनी आंख से देखें
ईसा दिल का यार
देखके सच्चे तौर पर
उस को करें प्यार ।

"*Ho my Comrades.*"

१६७ (१४४) 8.5.9.5. *S. 669.*

mf १ ऐ सिपाही हो दिलावर
जंग तो है दुशवार
लेकिन फ़तह है यक़ीनी
पास है मददगार।
f हो मर्दानः यीशु कहता
कि मैं हूं नज़दीक
हम दिलेर हैं कर इनायत
फ़ज़्ल की तौफ़ीक़

mp २ देख एक फ़ौज ज़ोरावर आती
और सरदार शैतान
हरचन्द हम शुमार में थोड़े
दिल हो हिरासान।

mf ३ देखो फ़तह की निशानी
झंडा-इ-सलीब
बिलमिल्लाह ग़नीम एस्त होगा
गरचि है मुहीब।

४ कितनी सख़्त भी हो लड़ाई
मदद है नज़दीक
पेशवा आता हिम्मत बांधो
यारो हो शरीक़।

"*Sound the battle cry.*"

१६८ (३३२) 5.5.5.3.5.5.5.4.10 9.10.9. *S. 703.*

mf १ जंग की है पुकार,
दुशमन हैं बे-शुमार,
झंडा हो तैयार —
मालिक का
हाथ में लो हथियार,
रहो पायदार
फ़तह का आसार
जल्द होवेगा.
f हो मरदानः, झंडा ऊंचा करो,
फ़तह, फ़तह, बोलो एक ज़ुबान!
आगे बढ़के गावें हम होशअन्ना,
यीशु मुनजी फ़ौज का है कप्तान।

mf २ होके बे-ख़तर,
करते हैं सफ़र,
होवेगी ज़फ़र,
बिल-यक़ीन;
रूह की तेज़ तलवार,
साफ़ ओ चमकदार,
होगी कारगुज़ार,
कामिल-तरीन।

३ रब्ब-इ-ज़ुल-जलाल
मालिक व-कमाल
हमें तू संभाल
फ़ज़्ल से

जंग जब हो तमाम
mp ख़तम होवे काम
तब बिहिश्त इनआम
हम सब को दे।

"O Jesus I have promised."

१६६ (३४४) 7 6 7.6. D DAY OF REST {H. 405. P. 193.

m १ ऐ यीशु मैं ने कहा
और किया क़ौल क़रार
कि तेरा ही सिपाही
मैं हूंगा वफ़ादार
mf गर तू हो मेरी तरफ़
न ख़ौफ़ है ख़तरों का
गर तू हो मेरा हादी
मैं कैसे हूं गुमराह।

mp २ आह काश कि तेरी क़ुरबत
नित मुझे हासिल हो
ख़ास जब कि बुरी नियत
उभारती है मुझ को
जब दुश्मनों के ज़ुल्म से
दिल मेरा हो उदास
मसीह मुबारक हामी
तब रह तू पास ही पास।

m ३ तेरी आवाज़ मैं सुनूं
मुलाइम और शीरीन
जब दुनया की तकलीफ़ से
दिल होता है ग़मगीन
फ़रमा अज़ीज़ मसीहा
तूफ़ान तब होगा बन्द
तसल्ली बख़्श तू मुझे
मैं तेरा आरज़ूमन्द।

mf ४ ऐ यीशु तू ने कहा
और किया क़ौल क़रार
कि तेरे साथ जलाल में
मैं हूंगा हिस्सेदार
और मैं ने वअ्दः किया
m कि मैं भी उम्र भर
रहूंगा तेरा पैरो
तू मेरी मदद कर।

२०० 868.6. "Am I a Solbier of the Cross." S. 672

mp १ गर क्रूस का मैं सिपाही हूं,
और पैरौ बर्रे का,
क्या उस के नाम ओ काम से मैं
यहां शरमाऊंगा ?

mf ऐ यीशु, मुझे रख दिलेर
और वफ़ादार सदा;
और जब तू तख़्त पर बैठा हो
तो मुझे याद फ़रमा.

p २ क्या मैं आस्मान के सफ़र में
आराम से सो रहूं,
जब औरों ने दिलेरी से
बहाया अपना ख़ून ?

mp ३ क्या जंग का हुआ इख़्तिताम,
क्या दुश्मन न रहे,
क्या मैं हथियार को फेंक करके
अब चलूं ग़फ़लत से ?

m ४ हां, बे-शक मुझको लड़ना है;
ख़ुदावन्द मदद दे
मैं दुःख तकलीफ़ सब सहूंगा,
ख़ास तेरे फ़ज़्ल से.

mf ५ ख़ुदा का लशकर जीतेगा,
हो गर्चि जंग कमाल,
कि उन का हादी यीशू है,
ख़ुदावन्द ज़ुल-जलाल.

f ६ लड़ हिम्मत से, ऐ ईमानदार,
जल्द मालिक आवेगा,
और अपनी वफ़ादारी का
इनआम तू पावेगा.

२०१ 7.6.7.6. D. 76.7.6 "Arise go forth to conquer."

MORNING LIGHT { H. 267, P. 256, G. 308.

mf १ अब उठ जवान सिपाही,
अब जंग को हो तैयार,
कर दीन का झण्डा ऊंचा,
और हाथ में ले तलवार,
ले तेज़ तलवार वह रूह की,
जो है आज़मूदा ख़ूब,
कि जिसके आगे दुश्मन,
हो जाते हैं मग़लूब.

f अब उठ जवान सिपाही,
और जंग को हो तैयार,
कर दीन का झण्डा ऊंचा,
और हाथ में ले तलवार.

mf २ अब उठ जवान सिपाही,
अब जंग को हो तैयार,
सलीब का बोझ उठा ले,
और रह अमानतदार,
पुराने लोग, हां जल्दी,
जावें यर्दन पार,
तू उनकी जगह लेके,
हो जंग में कारगुज़ार.

mf ३ अब उठ जवान सिपाही,
ले ताक़त यीशु से,
c हां ग़ालिब पर हो ग़ालिब,
मत ख़ौफ़ को जगह दे,
ff ख़ूब लड़, ख़ूब लड़, सिपाही,
गो जावे ख़ून औ जान,
जो तेरे पीछे आते,
वे देखेंगे निशान.

---

२०२ 11.11.11 6 G.310.

f १ सिपाहीओ मसीह के, तुम
बख़्तर पहिन लो;
जलील सैहून की राह पर
तुम्हारा जाना हो;
लश्कर कश है ईसा; पैरो उसके रहो;
वह होगा फ़तहमन्द.
f सना, सना, हल्लिलूयाह!
c सना, सना, हल्लिलूयाह!
ff सना, सना, हल्लिलूयाह!
हम होगे फ़तहमन्द.

f २ सलार पुकारा करता, हर
आदमी हो तैयार!
इंजील का झण्डा लेके, तुम
रहो सब होशियार;
हिम्मत होवे दिल में, और
हाथों में हथियार,
आस रक्खो यीशू पर.

३ मसीह सिपाह-सालार पर
तुम लाओ सब ईमान;
निगाह तुम रखो उस पर,
न कभी हो हैरान;
न आदमी न शैतान से तुम
होगे परेशान—
तुम होगे फ़तहमन्द.

४ जब तक न फ़तह पाओ,
उतारना न सिलाह;
मसीह को तकते रहो,
वह है मज़बूत पनाह;
वह ग़लबा जल्दी देगा,
और ताज और आरामगाह,
और ख़ुशी अबदी.

८ ढाढ़स और आशा

"My soul be on thy guard."

२०३ (१६६) S.M. — ST. MICHAEL (OLD 134.) — H. 115. P. 102. S. 69.

mp १ मुख़ालिफ़ बेशुमार
तुझे सताते हैं
ऐ मेरे दिल हो ख़बरदार
वे तुझ पर आते हैं।

m २ तू जाग और मांग दुआ
दिलेर हो और निडर
तू हाथ को जंग से मत उठा
पर जी से लड़ा कर।

३ मत ढूंढ तू अब आराम
कि यह है जंग की जा
जो जंगी होगा फ़तहयाब
ताज उस को मिलेगा।

४ तब तक ऐ मेरे दिल
आराम को जान हराम
सरदार जब हुक्म देवेगा
तब होवेगा आराम।

---

२०४ (१६८) 6.6.6.6.8.8. *Ps. 121.* — DARWELL — H. 89. P. 69 S. 86.

m १ तरफ़ पहाड़ों की
आंखें उठाता हूं
हां क्यूंकि मदद मैं
वहां से पाता हूं
आसमान ज़मीन का किरदिगार
वह मेरा ठहरा मददगार।

२ न तेरे पांव को वह
फिसलने देवेगा
जो तेरा हाफ़िज़ है
न कभी ऊंघेगा
अपनों का हाफ़िज़ होता है
न ऊंघता है न सोता है।

m ३ यहोवा हाफ़िज़ है
हां हाफ़िज़ है हर आन
वह तेरे दहिने पर
है तेरा सायबान
न सूरज तुझ को मारेगा
न चांद ज़रर पहुंचावेगा।

४ हर एक बुराई से
तुझे बचावेगा
और तेरी जान को भी
महफ़ूज़ वह रखेगा
जो तेरा आना जाना हो
रब्ब हाफ़िज़ होगा सदा को।

---

२०५ (१६६) 10.4.10.4.10.10. *Ps. 121.* SANDON *H.297 P.318.*

mp १ उठाके आंख तरफ़ पहाड़ों की उम्मेद रखूं।
m मेरी नजात कहां से आवेगी किस से मांगूं
f ख़ुदावन्द ही से मदद है मेरी
आसमान ज़मीन का ख़ालिक़ है वही।

m २ वह तेरे पांव को फिसलने कभी न देवेगा
जो ख़बरदारी करता है तेरी न ऊंघेगा
देख इसराएल का निगहबान ख़ुदा
d न ऊंघता है न कभी सोवेगा।

m ३ हमेशः करता तेरी रखवाली ख़ुदावन्द ही
खड़ा है तेरे दहने हाथ पर भी आसरा वही
न दिन को धूप कर देगी तुझे ज़ियान
न चांद तेरा नुक़सान करेगा रात।

४ हर एक बुराई से हाफ़िज़ अबदी बचावेगा
सहीह सलामत दिल को जान तेरी वह रखेगा
हां तेरे आने जाने में रक्षा
कर देगा अब से अबद तक ख़ुदा।

२०६ S. M. "*Come ye that love the Lord.*" *S. 823.*

mf १ आओ तुम जो रखते हो
खुदावन्द पर ईमान,
हमारे साथ अब करो हम्द—
हमारे साथ अब करो हम्द,
और गाओ खुश इलहान—
और गाओ खुश इलहान.
f सैहून को हम जाते,
शहर खूबसूरत सैहून को,
हम जाते ऊपर सैहून को,
खूबसूरत शहर इ खुदा.

mf २ इनकार जो करते हो,
हमारे साथ न गाओ;
c पर शाह आसमानी की औलाद
आवाज़ें खुश मिलाओ.

३ पहाड़ सैहून का फल
हम पहिले चखते हैं
जब न सोनहली सड़क को
न शहर को तकते हैं.

f ४ सो गावें गीतें सब—
हम किस से डरते हैं,
c कि हद्द इम्मानुएली में
अब आ कूच करते हैं.

देखो भी: १५७—१६८.

६ भरोसा और सहना.

२०७ (१४५) "*Commit thou all thy griefs.*" AURELIA { *H. 454. P. 225 S. 228.*
7 6.7,6. D.

m १ तू अपनी सारी फ़िक्र
और दिल के दुःख का हाल
पूरा भरोसा करके
परवरदिगार पर डाल
जो रास्ता वह निकालता
हवा और बादल का
तो तेरे लिये भाई
राह भी निकालेगा।

m २ जो तू यह सचमुच चाहे
कि खातिर-जमअ हो
तो सच भरोसा करके—
पुकार खुदावन्द को
हज़ारों फ़िक्रें करके
कुछ हाथ न आता हैं
पर दुआ मांगनेवाला
खुदा से पाता है।

३ ऐ मेरे बाप आसमानी
तू रहम से मअमूर
हर वक़ ब-खूबी जानता
जो मुझ को है ज़रूर
और जो कुछ मेरे लिये
तू जानता फ़ाइदःमन्द
सो तू ज़रूर भी देगा
ज्यों तुझे है पसन्द ।

mf ४ खुशवक़ और ख़ातिर जमअ
अब हो ऐ मेरी जान
हरचन्द अब ग़म के ग़ार में
तू पड़ी है हैरान
ख़ुदावन्द रहम करके
ऐन वक़ के आने पर
तुझे बचा भी लेगा
तब तलक सबर कर ।

mf ५ सब उस के हाथ में छोड़ दे
वह मालिक दुनिया का
और उस के काम को देखके
तू तअज्जुब करेगा
जिस मुश्किल मे तू हुआ
घबराहट से मजबूर
किसी अजीब तदबीर से
कर डालेगा वह दूर ।

६ ख़ुदाया सब तकलीफ़ से
मुझ आसी को बचा
हाथ पांव को मेरे ज़ोर दे
राह रास्त पर चलने को
हर मौक़े में तू मुझे
अपनी पनाह में ले
mp कूच करते वक़ तू मुझे
p बिहिश्त में जगह दे ।

AGATHA *PH. 174.*

२०८ (१४६) S.8.8.8. "*My God and Father.*" RESIGNATION *P. 294.*

TROYTE'S CHANT { *H. 290.* *P. 294.* *S. 718.*

mp १ हे बाप हे ईश्वर जब फिरूं
परदेश में दूर और दुःख सहूं
सिखा कि दिल से नित कहूं
तेरी ही इच्छा पूरी हो ।

२ जिस चीज़ से लगता मेरा प्राण
जो तू मंगावे मैं तो मान
फेर तुझे देता तेरा दान
तेरी ही इच्छा पूरी हो ।

३ जो मांदा और बीमार रहूं
बल घटे अब जवान भी हूं
तौभी हे बाप मैं यह कहूं
तेरी ही इच्छा पूरी हो ।

४ नित मेरी इच्छा ठीक बना
तेरी सी शुद्ध कर वह लेजा
जो कहने मे कुछ अटकाता
तेरी ही इच्छा पूरी हो।

५ और जब अवस्था हो वितीत
और पाप और मौत पर पाऊं जीत
mf सुखलोक में गाऊंगा यह गीत
तेरी ही इच्छा पूरी हो।

"O Holy Saviour, Friend unseen."

२०९ (१६२) 8.8.8.6.

MISERICORDIA *H. 175.*
HAMBURG *P. 295.*

mp १ ए दोस्त अनदेखे मुनज़ी पाक
जिस पर टिक सकता हूं बे-बाक
बख़्श दे जब हाल हो हैबतनाक
कि तुझ पर रखूं आस।

m २ मैं तेरे फ़ैज़ से हो नेकबख़्त
सह सकता हूं मुसीबत सख़्त
डाली का आसरा है दरख़्त
मैं तुझ पर रखता आस।

mp ३ दुनयावी राहत और सुरूर
गर उड़ें ख़्वाब की मानिन्द दूर
तसल्ली मेरी है भरपूर
जब तुझ पर रखता आस।

mp ४ बारहा जब होता हूं ग़मगीन
और राह दुशवार है और संगीन
यूं बोलती एक आवाज़ शीरीन
अब मुझ पर रख तू आस।

mp ५ तू क़ाइम रख उम्मेद ईमान
जिस वक़्त तक हों सख़्त इमतिहान
उन को दे चैन और इतमीनान
जो तुझ पर रखते आस।

m ६ जो हो सो हो मैं हूं ख़ुशहाल
न मुझे ख़तरा न जंजाल
कि तू है ज़ोर चटान और ढाल
और तुझ पर मेरी आस।

२१० (१५६) C. M. *Ps. 43.* ST. PAUL. { *H. 294.* *P. 106.*

mp १ मेरा इनसाफ़ कर ऐ ख़ुदा
और मेरा हामी हो
तू ज़ालिमों के ज़ुल्म से
नजात दे बन्दे को।

p २ मैं रोता चला जाता हूं
न कर तू मुझे दूर
mp तू मेरी रहनुमाई कर
कर ज़ाहिर अपना नूर

३ तू अपने कोह मुक़द्दस पर
पाक घर के अन्दरून
जल्द मुझे लेजा ता न हो
की रहूं सरनिगून।

mf ४ यहोवाह के पाक मज़हब पर
यहोवा के हुज़ूर
मैं जाके तेरी गाऊंगा
सिताइश पुर-सुरूर।

५ क्यों गिरा जाता मेरे जी
क्यों है तू बे-आराम
mf ख़ुदावन्द पर भरोसा रख
और ख़ुश हो हर पैयाम।

---

२११ (१५७) 7676 *Ps. 115:9-15.* LANCASHIRE *H. 83. P. 347.* EWING *H. 334. P. 351.*

mf १ ख़ुदा के बरगुज़ीदो
हो उस के उम्मेदवार
रब्ब है तुम्हारी सिपर
पनाह और मददगार
ऐ सारे ख़ुदातरसो
ख़ुदा है उम्मेदगाह
उस पर भरोसा रखो
मुबारक है अल्लाह।

२ ख़ुदा ने फ़ज़्ल कर के
अब हम को किया याद
और हमें बरकत देके
दिल को भी किया शाद
जो कोई ख़ुदातर्स है
क्या छोटा बड़ा हो
ख़ुदावन्द बरकत देगा
सब अपने बन्दों।

mf ३ तुम को अल्लाह के बन्दों
और फ़रज़न्दों को भी
रब्ब रहम से बख़्शेगा
ख़ैर की ज़ियादती
हां रहमतों का मालिक
वह तुम पर हो रहीम
और बरकत तुम्हें बख़्शे
परवरदिगार करीम।

२१२ (१५८) P. M. "*The Child of a King.*" *S. 946.*

mf १ मेरा बाप दौलतमन्द उस के हैं घर ज़मीन
कुल दुनया की दौलत हर चीज़ बिहतरीन
और साना और रूपा जवाहिर जो सब
क्या खान या ख़ज़ाने में दाख़िल हैं अब।

फ़रज़न्द बादशाह का हूं
शाहनशाह का मैं हूं
शाफ़ी यीशु के साथ
फ़रज़न्द बादशाह का हूं।

mf २ मेरे बाप का ख़ास बेटा क्या ही अजीब
d इस दुनया में फिरा हां सब से ग़रीब
mf आसमान पर राज करता है अबद वही
वां जगह वह देगा मुझ आसी को भी।

m ३ बेगानः मैं था ज़मीन पर लाचार
p था ग़ज़ब का फ़रज़न्द दिल से ख़ताकार
mf लेपालक हो गया हुआ दर्ज मेरा नाम
हूं वारिस मैं पाऊंगा ताज और इनआम।

४ क्यों झोंपड़ी या डेरे की करूं परवा
वहां मेरा बनता है घर ख़ुशनुमा
गर अब मैं हूं दूर ख़ुशी से मैं कहूं
ख़ुदा की तअरीफ़ फ़रज़न्द बादशाह का हूं।

---

२१३ (१५९) 9.99.9. "*Blessed assurance.*" S. 873.

mf १ यीशु है मेरा कैसा ख़ुशहाल
दिल में वह देता शान-ओ-जलाल
वारिस नजात का साकिन आसमान
उस पर मैं रखता पूरा ईमान।

यह मेरा हाल है यह मेरा गान
उस की तअरीफ़ मैं करता हर आन।

mf २ कामिल भरोसा चैन है और सुख
अब मेरे दिल में न ग़म है न दुःख
देता मसीहा रहम का पैग़ाम
करते फ़िरिश्ते पियार का बयान।

३ यीशु पर रखता अपना ईमान
उस में मैं होता नया इनसान
उस के पियार से होता हूं सेर
क़ूवत अब पाके रहता दिलेर।

---

२१४ (१६५) C. M. *Ps. 86:1-7* St. Bernard. { *H. 97.* *P. 41.* }

mf १ कर मेरी तरफ़ अपना कान
तू ऐ करीम ख़ुदा
ग़रीब की अर्ज़ का दे जवाब
और मेरी जान बचा।

२ कि मुझ पर तेरा रहम है
हां तेरे बन्दे को
जिस का तुझ पर तवक्कुल है
नजात इनायत हो।

p ३ मैं दिन भर रोया करता हूं
ख़ुश कर तू मेरा जी
सिर्फ़ तेरे नाम पर ऐ ख़ुदा
उम्मेद है बन्दे की।

m ४ कि तू ख़ुदावन्द भला है
और रहमत से मअमूर
जो तेरे नाम को लेते हैं
तू उन का है ग़फ़ूर।

mp ५ अब मेरी मिन्नत की आवाज़
कान धरके सुन तू ले
मैं विपत में पुकारता हूं
सुन मेरी जल्दी से।

---

२१५ (१७३) C.M. *Ps. 23*

WILTSHIRE *H. 284. P. 10.*
FRENCH *H. 151. P. Ps. 96.*

m १ ख़ुदावन्द मेरा है चौपान
क्या कमी मेरी है
वह हरी चरागाहों में
मुझे बिठलाता है।

२ वह लिये जाता आब के पास
वह जान फेर लाता है
और मुझे अपने नाम ही से
राह रास्त चलाता है।

mp ३ जब चलूं मौत के साये में
c न ख़ौफ़ न ख़तर है

mf कि तू है साथ तेरा हुज़ूर
d तसल्ली बख़्शता है।

m ४ तू दुशमनों के रूबरू
बिछाता मेरी मेज़
तू मलता मेरे सिर पर तेल
पियाला है लबरेज़।

mf ५ साथ मेरे रहम ला-कलाम
रहेगा उमर भर
और मैं हमेशः रहूंगा
ख़ुदावन्द ही के घर।

---

२१६ (३४५) 7.6.7 6.D.

DAY OF REST *H. 405. P. 193.*

HORA NOVISSIMA { *P. 541.* / *S. M. 1.* }

१ हे प्रिय प्रभु यीशु
सहायता दिला
कि तेरा चेला होके
मैं दृढ़ रहूं सदा

मुझे कुछ डर न होगा
जो तू बहादुरी दे
mp परन्तु बल कुछ नहीं
जो तू संभाल न ले।

३ जल्द तेरी मरज़ी मानने को न तो अपनी
और मारने नफ़्स को मदद कर आज ही अभी।

४ न मैं निकम्मी बात कहूं न तो बुरी
हिफ़ाज़त मेरे होंठ की कर आज ही अभी।

५ धक़ पर मुझे संजीवः कर शक्तिमान तौभी
m हमेशा ईमान्दार रहूं आज ही अभी।

६ सो फ़िक्र कल की न करूं दुआ यही
c सम्भाल तू मुझे राह बतला आज ही अभी।

देखो भी १५७—१५८.

---

१०. यात्रा और विश्राम.

"Jesus still lead on."

२१६ (१६२) 5.5.8.8.5.5. — — ZINZENDORF *H. 296. P. 508.*

m १ ईसा हादी हो
राह बताने को
तेरी राह पर क़दम धरें
तेरी पैरवी हम करें
जब तक मरते आन
मन्ज़िल हो आसमान।

mp २ जब हम हैं तंगहाल
हमें तब सम्भाल
दुःख पर दुःख जो हम उठावें
m तौभी हम न कुड़कुड़ावें
यहां दुःख तमाम
वहां है आराम।

mp ३ अपना रंज जो हो
ग़ैर का रंज भी जो
दोनों दुःख हों छोटे बड़े
जब कि भारी हम पर पड़े
m तू तब फ़ज़्ल से
हमें सबर दे।

mf ४ ज़िन्दगानी भर
हम पर नज़र कर
राह की मुशकिल हों बहुतेरी
तब तू हमें दे दिलेरी
दौड़ जब हो तमाम
हमें बख़्श आराम।

---

२२० (१६१) 8.7.8.7. MARINERS *H. 581. P. 197.* S.*316.* ST. SYLVESTER *H. 312. P. 331.*

m १ प्रभु यीशु कृपासागर
तू है सचमुच जोत अपार
mp मेरा मन तू कर उजाला
अपने भक्त का कर निस्तार।

p २ प्रभु मैं हूं महापापी
तुझे छोड़ा बारम्बार
mp मुझे अपनी ओर फिराके
पाप से मुझे कर उद्धार।

३ अपनी आत्मा से परमेश्वर
मेरा मन पवित्र कर
तन और मन मैं सौंपता तुझे
कृपा करके ग्रहण कर।

p ४ मरनकाल जो निकट आवे
प्रभु मेरा जी संभाल
c मरने से मैं क्योंकर डरूं
जो तू मेरा हो रखवाल।

---

२२१ (१६४) 7.6.7.6. MORLAIX (KNECHT) *H.293.P307.S.494.*

mp १ मसीहा तेरा फ़ज़्ल
रहे हमारे साथ
न हो शैतान से दबें
और पड़ें उस के हाथ।

mp २ मसीहा तेरा कलमः
नित हम में क़ाइम हो
वह हो हमारा हादी
राह हक़ बताने को।

३ मसीहा तेरे नूर में
हम चलें उमर भर
अपने कलाम की रौशनी
हम पर चमकाया कर।

४ मसीहा तेरी बरकत
हो तेरे बन्दों पर
और सब रूहानी दौलत
हमें इनायत कर।

५ मसीहा की पनाह में
हम रहें हर ज़मान
तब दुनया और शैतान से
हम रहें ब-अमान।

६ मसीहा तेरी वफ़ा
हमेशः रहेगी
बख़्श हमें वफ़ादारी
और अबदी ज़िन्दगी।

"I'm but a stranger here"

२२२ (१६७) 6.4.6.4.6.6 6.4. PILGRIM SONG { PH. 232. P. 342.

m १ यहां मुसाफ़िर हूं
घर है आसमान
mp सरा में टिकता हूं
घर है आसमान
दुनया के दरमियान
दुःख है और रंज हर आन
mf घर मेरा है आसमान
हां घर आसमान।

m २ यहां हूं बे-मकान
पर घर आसमान
छोड़ूं यह बयाबान
जाऊं आसमान
यहां के ख़ौफ़ ओ डर
दूर होंगे सरासर
mf जब चलूं अपने घर
वह घर आसमान।

mf ३ वहां मसीह के पास
घर है आसमान
ख़ुश हूंगा न उदास
घर है आसमान
m वहां सब लोग हैं पाक
उन की सुफ़ेद पोशाक
आसमान पर सब बे-बाक
mp घर है आसमान।

"Guide me, O Thou great Jehovah."

२२३ (१७१) 8.7.8.7.4.7. MENNHEIM *H. 295. P. 316. S. 524.* DISMISSAL *PH. 343. P. 451. S. 287.*

m १ पन्थ बता हे शक्त परमेश्वर
बाट के भूले पन्थी को
मैं हूं निरबल तू है बली
करके कृपा पक्षी हो
स्वर्ग्य भोजन
f दे मुझ मुक्त के भूखे को
२ खोल दे अब वह कुण्ड बिल्लौरी
निकसी जिससे जीवन धार
आग और मेघ का खंभ साथ देके
मुझे यात्रा भर सम्भाल
mf प्रबल यीशु
हो तू मेरी ढाल तलवार
mp ३ मृत्यु नदी तीर जब पहुंचूं
चिन्ता भय को सब मिटा
m हे मुक्तदायक नरकनाशक
चैन से बेड़ा पार लगा
f महिमा तेरी
करूंगा मैं सर्वदा।

"I'am a pilgrim and I'am a stranger."

२२४ (१७८) 9.7.10.10.9.7. *U.G. 52. S. 827.*

१ मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
m मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का
मैं जल्दी जाऊं क्यों करूं देरी
आसमान पर जगह तैयार है मेरी
मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का।
२ वहां सूरज सदा चमकता
उस को देखने चाहता हूं
mp इस बयाबान में ना-पसन्दीदः
दौड़ धूप उठाके मैं हूं रंजीदः
m मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ रात भर टिकने का।
mf ३ उस जहान का आफ़ताब जलाली
मेरा मुंजी सदा है
वहां न ग़म है न आहें भरना
और न गुनाह है न कभी मरना
मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ रात भर टिकने का।

m ४ मेरे उस पार के रिश्तेदार भी
इधर आओ कहते हैं
d पस रुख़सत होऊं यह जाय वीरान है
mp शाम होती जाती दिल परेशान है
m मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रात भर टिकने का।

mf ५ जब पार उतरा फिर न परदेसी
न मुसाफ़िर रहूंगा
आसमानी मुल्क में मेरा आराम है
वहां की ख़ुशी कमाल तमाम है
मैं मुसाफ़िर और मैं परदेसी
मैं सिर्फ़ रातभर टिकने का।

"Lead kindly light."

२२५ (१७१) 10. 4 10. 4. 10. 10. LUX BENIGNA SANDON { *H. 297. P. 318.*

mp १ इलाही नूर कर रौशन यह दैजूर
तू रहबर हो
रात है तारीक और मैं हूं घर से दूर
तू रहबर हो
न चाहता हूं कि दूर तक देखूं राह
m पांव मेरे थाम के तू ही हो हमराह
mp २ न आगे मेरी ख़्वाहिश थी कि तू
हो रहनुमा
मैं अपनी राह निकालता था अब तू
हो रहनुमा
आह मैं ख़ुदबीन हो कैसा भटका था
p तू गुज़रे दिनकी भूल नयाद फ़रमा
mf ३ अब तू है रहबर मुझे तेरा हाथ
संभालेगा
राह मुशकिल हो क्या डर जो मेरे साथ
तू रहेगा
ज़ुलमात के बअ्द मैं बीच फ़िरिश्तगान
अबदी जलाल में हूंगा सनाख़्वान।

"Hark, hark my soul."

२२६ (१८२) 11. 10. 11. 10. 9. 11. PILGRIMS { *H. 308. P. 319. S. 231.*

mp १. सुन मेरी जान फ़िरिश्ते पुरसोज़ गाते
फैलती आवाज़ ज़मीन की सब नवाह
m कैसी शीरीन बशारत वे सुनाते
उस ज़ीस्त आसमानी की जो बे-गुनाह
mf नूर के फ़िरिश्ते गाते हर बार
रात के मुसाफ़िर का करते इंतिज़ार।

m २ सफ़र के वक़ हम सुनते उन की बातें
p ऐ थकी जान मसीह बुलाता है
m रात में सुन पड़तीं ये शीरीन आवाज़ें
इनजील का नग़म: घर बतलाता है।

mp ३ यीशु बुलाता अपनी नर्म आवाज़ से
सब लोगों को जो रहते बीच जहान
उस के कलाम को सुन हज़ारों आते
तू उन का हादी हो अज़ीज़ चौपान।

m ४ राह दूर दराज़ हो चैन तो होगा आख़िर
पौ फटते वक़ तारीकी होगी दूर
मंज़िल मक़सूद पर पाता है मुसाफ़िर
अपने आसमानी घर को पुर-सुरूर।

mf ५ गाते रहो ऐ पाक अज़ीज़ फ़िरिशतो
हम को आसमानी ख़ुश सरोदियां
f जब तक न रोने की यह रात तमाम हो
जब तक न आवें दिन की ख़ुशियां।

---

१२७ (१८३) 7.6 7.6.D. AURELIA {H. 454. P. 225. S. 228.}

p १ इनसान की देखो फ़ना
वह फूल सा खिलता है
चन्द रोज़: ख़ाक का बना
फिर ख़ाक में मिलता है

c पर देखो क्या करामत
ख़ुदा दिखावेगा
mf इस ख़ाक को रोज़ क़ियामत
वह फिर उठावेगा।

mp २ फ़ना में बोया गया
mf उठेगा ला-ज़वाल
mp नाक़िस हो गोर में जाता
mf उठेगा बा-कमाल
mp बे-इज़्ज़त और जिसमानी
बदन हम बोते हैं
mf जलाली और रूहानी
वे ज़िनदः होते हैं।

mf ३ जो मूमिन हैं हक़ीक़ी
शरीक कलीसिया के
सो ज़िन्दगी तहक़ीक़ी
पावेंगे यीशु से
जो सर हमारा ज़िन्दा
तो अंग भी ज़िन्दा है
मसीह हयात दिहिन्दा
नजात बख़्शिन्दा है

"On Jordan's stormy banks."

२२८ (१८४) C. M. SALZBURG { Ps. M. 121. P. 301.

m १ अब यरदन के किनारे पर
मैं खड़ा रहता हूं
और चाहता हूं ख़ुश देश कनआन
कि दुःख अब सहता हूं।

२ उस साफ़ ख़ूबसूरत जगह को
अब धुन्धली है निगाह
चमकीले दरया बहते हैं
और सुथरी चरागाह

mf ३ वहां क़याम दरख़्तों पर
हैं मेवे मज़:दार
दूध शहद से छलकते हैं
हर वादी और पहाड़।

४ उन चौड़े साफ़ मैदानों पर
उजाला दाइम है
वहां अंधेरी रात न हो
कि ईसा क़ाइम है।

mp ५ कब उस ख़ूबसूरत जगह पर
मैं करूंगा निगाह
और देखकर अपने बाप का मुंह
कब पाऊंगा पनाह।

mf ६ रूह मेरी भरकर ख़ुशी से
न करे देर वहां
अगरचि यरदन बढ़ती है
जावे बे-डर वहां।

"My days are gliding swiftly by."

२२६ (१८५) S. 7. S. 7 — SHINING SHORE { P. 313. U. G. 23.

mp १ जल्द मेरे दिन गुज़रते हैं
मैं सफ़र करता जाता
परदेश में होके जा-बजा
मैं राह का दुःख उठाता।
हम खड़े हैं यरदन किनार
और एक एक गुज़र जाता
mf जलाल उस पार का बअ़ज़े वक़्
इस पार तक नज़र आता।
m २ मसीह बादशाह फ़रमाता है
मशअ़लें तुम सुधारो
उस पार के मुल्क में अपना घर
हम देखते हैं पिआरो।
३ मुसाफ़िरत के दुःखों से
हम भाई हार न जावें
बिहिश्त के सच्चे उम्मेदार
उम्मेद का फल भी पावें।
४ यहां जो दुःख मुसीबत हो
तो उस को क्यों न सहें
उस पार में अपने बाप के घर
हम जल्दी जाके रहें।

"All the way my Saviour leads me."

२३० (२३६) S. 7. S. 7. D. — ALL THE WAY { P. 320. S. 522.

m १ यीशु राह में साथ ले चलता
और क्या मुझ को है ज़रूर
उस का प्यार मैं बे-हद्द पाता
वुह है राह में मेरा नूर
मैं आस्मानी ताक़त पाके
रहूंगा नित ईमानदार
जो कुछ खतरा मुझ पर आवे
यीशु होगा मददगार।
m २ यीशु राह में साथ ले चलता
मेरी ख़बर लेता है
हर तकलीफ़ का हलकी करता
मन्न आस्मानी देता है
जब मैं थके ठहर जाता
दिल जब हांपा कर
तब चट्टान से पानी
मेरी प्यास को

mf ३ यीशु राह मे साथ ले चलता
कैसा प्यार यह यीशु का
आह क्या ख़ुशी दिल में पाता
बाप के घर जल्द जाऊंगा
जब मैं होऊंगा ग़ैर-फ़ानी
जब आसमान पर पहुंचूंगा
तब गाऊंगा ब-शादमानी
यीशु मेरा हादी है ।

---

२३१ (३३७)

AURELIA { H. 454. P. 225. S. 228.

mf १ चैन-ओ-अमान है तुझ पास
यीशु अज़ीज़ चौपान
तेरे पियार से मुझे
ख़ुशी है बे-पायान
mp सुनो फ़िरिश्ते गाते
आसमान से ख़ुश इलहान
उन की शीरीन आवाज़ से
c दिल मेरा है शादमान ।

m २ सारी दिल-परेशानी
ख़तरे और सब गुनाह
दुनया के इमतिहान से
तू मेरी है पनाह
सारी तकलीफ़ ओ दुःख को
तू हम से करता दूर
mp सिर्फ़ थोड़ी देर तक रोना
अब हम को है ज़रूर ।

p ३ यीशु सलीब पर मूआ
c वुह मेरी है पनाह
mf वुही चट्टान है मेरी
आसा और मददगार
यहां ईमान से उस का
करता हूं इन्तिज़ार
जब तक न दिन की रौशनी
ऊपर से हो आशकार ।

२३२ (३४१) C.M.

"*O God of Bethel.*" ST PAUL { H. 294. P. 106.

m १ ख़ुदा-इ-बैबल जो ख़ुराक
रोज़ देता अपने हाथ
और जो इस पूरे सफ़र भर
रहा हमारे साथ ।

२ दुआ के साथ हम आते हैं
फ़ज़्ल के तख़्त के पास
पितरों के रब्ब हमारा हो
सब पुश्तों की हो आस

m ३ तू राह की सख़्त घबराहट में
हमारा रहबर हो
ख़ुराक पोशाक इनायत कर
जो वाजिब मअ़्लूम हो।
४ तू अपने पर फैलाया कर
जब तक न हो तमाम
हमारा सफ़र, और हम सब
न पहुंचें मक़ाम।
५ यह बरकत तू इनायत कर
हमारी सुन पुकार
तब होगा तू हमारा रब्ब
और हिस्सः आख़िरकार।

देखो भी: २२५—२२७.

११. मृत्यु और पुनरुत्थान.

२३३ (१८६) L. M. "*Asleep in Jesus.*" RETREAT *PH 241. P.326.*

mp १ यीशु में सोने नींद क्या ख़ूब
न होंगे ग़म से फिर मग़लूब
अब कामिल है क़रार रफ़ाह
सब दुशमनों से है पनाह।

m २ यीशु में सोते ख़ूब आराम
कि जागना होगा पुर-सलाम
न होगा रंज न डर उस आन
जब ज़ाहिर हो मसीह की शान।

mp ३ यीशु में सोते हर मकान
यह पनाहगाह है हर ज़मान
लपलैंड के बर्फ़ में हिन्द की ताब
ईमानदार पाते एकसां ख़्वाब।

४ यीशु में सोते मेरी भी
आरामगाह हो इस ख़ुशी को
m महफ़ूज़ रहेगी मेरी ख़ाक
जब तक न आवे मुनजी पाक।

"*A few more years shall roll.*"

२३४ (१४६) S. M. D. LEOMINSTER { *H. 305. P. 321.* CHALVEY { *H. 305. S. 1052.*

p १ अब होगी थोड़ी देर
तब उम्र है तमाम
और उन के साथ जो सोते हैं
हम पावेंगे आराम।
mp उस रोज़ अ़ज़ीम तक तू
तैयार कर मेरी जान
और अपने ख़ून से सब गुनाह
तू धो दे ऐ रहमान।

p २ अब थोड़ी देर आफ़ताब
फिर होवेगा ज़रूर
c तब जहां यीशु है आफ़ताब
हम जायेंगे क्या खूब।

p ३ और थोड़ी देर ब-ज़ोर
यों चलेगा तूफ़ान
c तब बन्दरगाह में पहुंचके
चैन पाते बे-बयान।

p ४ सब रोना और दौड़ धूप
दुःख दर्द इस सफ़र का
c है थोड़ी देर का तब खुदा
सब आंसू पोछेगा।

m ५ तू थोड़ी देर में रब्ब
आसमान से उतरेगा
c तू मूआ था और जीता है
ता जीवें हम सदा।

देखो भी: २३५—२४५.

---

१२. अनन्त जीवन.

"The sands of time are sinking."

२३५ (१=१) 7 6.7 6 D. RUTHERFORD { *H. 306.* *P. 346.* *S. 975.*

mp १ संसार का दिन ढल जाता
और स्वर्ग का है विहान
जिस भोर की आस मैं रखता
c वह भोर अब है जोतमान
p रात थी बहुत अन्धेरी
m अब करता दिन प्रवेश
mf और विभव—विभव रहता
इम्मानुएल के देश।

m २ मसीह है प्यार का सोता
उस जल की क्या मिठास
संसार में उस को चखा
स्वर्ग में बुझेगी प्यास
mf वहां एक बड़ा सागर
है उसका प्रेम अशेश
f और विभव—विभव रहता
इम्मानुएल के देश।

m ३ मसीह है मेरा प्यारा
वह मुझे करता प्यार
जेवनार के घर में लाता
mp अशुद्ध और दुराचार
mf मैं उस पर रखता आसरा
और होगी आस विशेष
जहां वह विभव रहता
इम्मानुएल के देश।

m ४ मैं स्वर्ग की ओर बढ़ गया
जब हुई बयार प्रचंड
mp अब थके पथिक नाईं
जो टेकता अपने दंड

d आयु के संध्या समय
ज्यों मौत का है सन्देश
mf मैं विश्वोदय ताकता
इम्मानुएल के देश।

"Brief life is here our portion."

२३६ (१८७) 7 6 7 6. St. Alphege { *H 332. P. 349. S. 284.*

mp १ यह ज़िन्दगी कोताह है
चन्द रोज़ःरंज उस का
m पर ज़िन्दगी आसमान की
बे-ग़म ला-इन्तिहा।

mf २ क्या ही मुबारक जज़ा
दुःख थोड़ा सुख अपार
इनसान के वास्ते जगह
बिहिश्त में है तैयार।

m ३ अब लड़ना है लड़ाई
तब करेंगे हम राज
कि ईमानदार को मिलेगा
जलील गैरफ़ानी ताज।

mp ४ अब दौड़ना है और जागना
और सब्र है दरकार
कि बाबुल की असीरी
सैहून पर है दुशवार।

m ५ तब देखेंगे ब-नज़र
अनदेखा जो प्यारा है
तब जानेंगे बा-ख़ुशी
मसीह हमारा है

mf ६ नूर सुबह का हो रौशन
तब करेगा रात दूर
और दिन की मानिन्द होगा
दीनदारों का ज़हूर।

f ७ ख़ुदा को अपना बादशाह
वे देखकर हैं मसरूर
और सदा सिजदः करते
वे उस के पास हुज़ूर।

"Forever with the Lord."

२३७ (१८८) S. M D — MONTGOMERY { H. 307. P. 334. S. 917.

mp १ हमेशः रब्ब के साथ
आमीन यह ऐसा हो
mf कि इस्से पाता ज़िन्दगी
और अबदी ख़ुशी को
p इस बदन में असीर
दौड़ धूप उठाता हूं
c एक मंज़िल अपने डेरे को
रोज़ रोज़ बढ़ाता हूं।

m २ घर बाप का है आसमान
वह मेरी जान का घर
ईमान से कभी देखता हूं
उस के सुनहरे दर
mp आह तब ब-दिल औ जान
हूं उस का आरज़ूमन्द
c पाक लोगों की जो है मीरास
यरूसलम बुलन्द।

m ३ हमेशः रब्ब के साथ
ऐ बाप गर मर्ज़ी हो
तो अब भी मुझ पर पूरा कर
इस उमदाः वअ़्दः को
mf हो मेरे दहिने हाथ
तो हूंगा पायदार
संभाल मुझे कि मरने तक
मैं रहूं ईमानदार।

p ४ और जब इस ख़ेमे को
तू तोड़े मरते आन
mf तो मौत की तलख़ी कर के दूर
बचा तू मेरी जान
m और मुझे अपने पास
उठावे तेरा हाथ
f पास तख़्त के ख़ुश हो कहूंगा
हमेशः रब्ब के साथ।

---

२३८ (१८९) L.M. — CRASSELIUS (WINCHESTER) { H. 6 P. 150. S. 177.

m १ जहां तक है ज़मीन आबाद
जहां तक रहते आदमज़ाद
ख़ुदावन्द का है सब जहान
आसमान पर उस का ख़ास मकान।

२ ख़ुशनुमा जगह पाक मकान
है तेरे तख़्त की जा आसमान
mp कौन इस में दख़ल पावेगा
तेरे हुज़ूर कौन जावेगा।

m ३ जिस की खताएं हुईं मुआफ़
दिल जिस का पाक हाथ जिस के साफ़
रास्तबाज़ी उसे मुनजी की
और सारी बरकत मिलेगी।

४ जो रब्ब का फ़ज़ल चाहते हैं
और उस का नाम सराहते हैं
c बिहिश्त में जगह पावेंगे
mf तअरीफ़ ता-अबद गावेंगे।

"Jerusalem, my happy home."

२३६ (१६०) C. M.

JACKSON *H. 620 P. 617.*
BELMONT *H. 583 P. 337.*

m १ पाक शहर ऐ यरूशलम
अज़ीज़ है तेरा नाम
मै पहुंचूंगा तुझ में कब
और पाऊंगा आराम।

२ जिस के दरवाज़े मोती हैं
दीवारें आलीशान
सोने की सड़कें झलकदार
सो देखूंगा किस आन।

f ३ और तेरी पाक बारगाहों को
मै कब चढ़ जाऊंगा
जहां जमाअतें नित मौजूद
और सब्त है सदा का।

mf ४ वहां गुनाह और ग़म नहीं
है अदन की बहार
mp यहां तअन तूफ़ान से हो
मै जाता हूं उस पार।

f ५ मसीह के पास सब हाज़िर हैं
रसूल शहीद दीनदार
और उन में शामिल होंगे जल्द
मेरे मसीही यार।

mf ६ पाक शहर ऐ यरूशलम
दुःख कब तक भरूंगा
जब तुझ में मेरी पहुंच हो
आराम तब करूंगा।

---

२५० (२८१) 11 11. 11. 11 8 11. HOME IN TIME { P. 261. S. 574.

Home Sweet Home

१ कौन वतन है रूह का कौन जा-ए-आराम
वह कहां पावेगी पनाह का मक़ाम
क्या दुनिया में है ऐसी जा-ए-पनाह
कि जहां पहुंच नहीं सकता गुनाह
नहीं नहीं यह बात मत मान
किस वास्ते कि वतन है ऊपर आसमान ।

२ उस वतन को ढूंढो तो छोड़ो ज़मीन
वह वतन है ऊपर जलील और हसीन
[illegible] ऊपर मुनव्वर मक़ाम
वह रूह का है वतन और जा-ए-आराम
हां है हां है फ़ौक़ आसमान
है वतन भी रूह का और चैन का मकान ।

३ उठा अपनी आंखें और देख तू उस पार
है नज़र में शहर आसमानी तैयार
मसीह ने तो खोला है दर-ए-आसमान
जब ख़ून अपना देके दिखाया इहसान
चल दो चल दो आगे चल दो
मुनजी के क़दम पर डाल अपने पांव ।

४ दुनिया का सफ़र मिटावेगा ग़म
और रोना सब छोड़के सब होंगे हम
फ़रयाद और रंज की बात होगी ख़ातिमा
और ख़ुशी सब दिल में मिल जावेगी जान
ख़ुश हो ख़ुश हो अब हो मुबारक
आसमान पर है ख़ुशी तमाम-ओ-कमाल ।

"*Jerusalem the Golden.*"

२४१ (१६३) 7.6 7.6 D. MUNICH { *P. H. 250. P. 123. S. 63.*

m १ यरूसलम आसमानी
ऐ शहर पुर-जलाल
कौन तेरी शान ओ शौकत
बतावे बा-कलाम
तू दुलिहन सी आरास्तः
पाकीज़ः और तैयार
आसमान से उतर आके
होवेगी नमूदार ।

२ पुर रौशनी और तजल्ली
और ख़ालिस सोने की
बिल्लौर सी जैसे यशम
शफ्फ़ाफ़ तू चमकेगी
m मोती के दर जो बारह
तअरीफ़ से बाहिर हैं
और तेरी बारह नेवें
अजीब जवाहिर हैं ।

३ ज़रीना तेरी सड़कें
दीवारें हैं बुलन्द
मै तेरी रौनक़ देखने
हूं निपट ख़्वाहिशमन्द
न सूरज से न चांद से
कुछ वहां होगी ताब
कि ज़ुल-जलाल ख़ुदावन्द
है शहर का आफ़ताब ।

४ सब क़ौमें तेरे नूर में
फिरेंगी बा-सुरूर
ज़मीन के साथ झुकेंगे
ख़ुदावन्द के हुज़ूर
न दुःख न रंज न रोना
है तेरे अन्दरवार
पर ख़ुशी और तसल्ली
और सुलह और क़रार ।

m ५ यरूसलम आसमानी
ऐ शहर पाक बर्राक़
मैं तुझ पर हूं फ़रेफ़्तः
दिल तेरा है मुशताक़
तू है ख़ुदा का शहर
ज़र्रीन और रौनक़दार
और पाऊंगा मै तुझ में
ख़ुदावन्द का दीदार ।

"Jerusalem the Golden."

२४२ (१६३) 76.76. D

EWING { H. 334. P. 351. P. 217.

p १ यरूसलम ज़रीना
ऐ शहर आलीशान
क़ुदूसी और ख़ुशवक़्ती
हैं तेरे दरमियान
c न मुझ पर ज़ाहिर हुआ
कि तुझ में होगा क्या
यक़ीनन तेरी ख़ूबी
है पाक और बे-बहा।

mf २ पाक शहर तेरे अन्दर
शहीद फ़िरिश्तगान
तेरे जमाल को देखकर
हम्द करते हैं हर आन
उस पर जो तख़्त-निशीन है
वे करते हैं निगाह
गिर्द उस के खड़े होके
वे गाते हम्दुल्लाह।

३ दीवार हैं तेरी यशम
और सड़कें हैं ज़रीन
जवाहिर ही की मानिन्द
है तेरा नूर हसीन
तुझ में कुछ रात न होगी
और मौत भी होगी दूर
मसीह जो तख़्त-निशीन है
सो है हयात और नूर।

४ तुझ मे रिहाई पाके
सब रंज और आफ़त से
मसीह के लोग बच आके
मुज़फ़्फ़र होवेंगे
f वे अपना पेशवा देखकर
पास उस के रहेंगे
और हम्द और पाक इबादत
ता अबद करेंगे।

m ५ यरूसलम मुक़द्दस
मुक़द्दसों की जा
तू दुनिया के सब माल से
है ख़ूब और बे-बहा
c तुझ मे न ग़म है कभी
न दुःख न तकलीफ़ात
f है तुझ में पाक सआदत
और अबदी नजात।

२४३ (१६४) 11.11 11.11. HOUGHTON *H. 12. P. 22.* HANOVER *H. 10. P. 16.*

mf १ आसमान पर आराम है और कुछ नहीं दुःख
आसमान मेरा घर है वां पाऊंगा सुख
m रूह मेरी ख़ामोश हो और रह तू निडर
c दुःख आवे तो आवे मैं जाता हूं घर।

mp २ है दुनया की ख़ुशी से नहीं आराम
mf आसमान की सआदत है पाक और मुदाम
जिस शहर में जाता जलील है और ख़ूब
मैं देखूंगा वहां मसीह-इ-महबूब।

mp ३ यह दुनया है जंगल वीरान बयाबान
क्यों इसे क़बूल करके खोऊं आसमान
m आसमान पर ख़ुदा से है मेरी मीरास
मैं करूंगा वहां मसीह की सिपास।

४ जो आवे मुसीबत और ख़तरे और दुःख
आसमान पर मुझ दुःखी को मिलेगा सुख
जो रंज औ मुसीबत है इस से क्या ग़म
mf वह ख़ुशीआं पैदा कर रहे हर दम।

"There's a land that is fairer."

२४४ (१६५) 9.9.9.9.6 9. *S. 964.*

mp १ देख एक मुल्क है जलील ख़ुशनुमा
ईमानदारों की कामिल मीरास
उस में यीशु हमारा पेशवा
करता जगह तैयार अपने पास
ख़ुश हो बअ़्द थोड़ी देर
जमअ़ होंगे उस जा-ए-जमाल।

mp २ तब हम सारे मुक़द्दसों से
मिलके गावेंगे गीत ख़ुश-इलहान
फिर न-ग़म न अफ़सोस करेंगे
कि वह अमन ओ चैन बे-बयान।

३ बाप आस्मानी है करम से मअ़मूर
उसका प्यार है बे-हद्द बे-क़ियास
वही चश्मः है फ़ैज़ से भरपूर
उसकी करें तअ़रीफ़ ओ सिपास।

"There is no night in heaven."

२४५ (१६७) S.M. ST. OLAVE { H. 327. P. 281.

m १ आसमान में रात नहीं
उस अ़दन ख़ुश बहार
काम से न होती मांदगी
कि सारा काम है प्यार।

mp २ आसमान में रंज नहीं
हयात है लबालब
और आंसू अगली चीज़ों में
जो गुज़र गईं सब।

m ३ आसमान में शर नहीं
देख उस ख़ुशहाल गुरोह
बे-दाग़ और पाक उन की पोशाक
गीत पाक और बे-अन्दोह।

m ४ आसमान में मौत नहीं
जो उतरे हैं उस पार
mf बक़ा को हासिल किया है
न होगा फिर आज़ार।

mp ५ ऐ यीशु रहबर हो
और बख़्श तू दे आराम
cr ता रात रंज शर और मौत से छूट
हम दाख़िल हों आसमान।

---

२४६ 12.S.12 9 *"The home of the soul."* *G. 334.*

mf १ मैं एक गीत अपने वतन का
अब गाऊंगा,
वह रूहों का देश है ख़ुशनूदः
वहां दुःख ओ तूफ़ान का न
होगा गुज़रान,
जहां अबद के साल हैं मौजूद।

२ मेरे खुशनुमा देश तू है दिल
में मौजूद
है यश्म की तेरी दीवार;
फ़क़त छोटा सा परदः है बीच
में मौजूद
जो कि रोकता है तेरी बहार.

३ तुझ मे हैं ज़िन्दगी के दरख़्त
ख़ुश-गवार,
और चश्मे हयात के रवां;
और न तुझ में मुसीबत न
मौत का आसार
और न झूठ का है कोई निशान.

४ हम सब रहेंगे देश में हमेशः
शादमान
और देखेंगे यीशु को ख़ास;
वह हमारा है मालिक ख़ुदावन्द
सुल्तान
और हम पावेंगे ताज उस के पास.

५ क्या ख़ुश होवेंगे हम बीच
उस शहर हसीन
जब दुःख का न होगा निशान;
तब हम गावेंगे गीत और
बजावेंगे बीन
और फिर देखेंगे सब को वहां.

---

२४७ 10.10 10 10 *"Glory Song."* *S 949.*

mf १ जब दुःख मुसीबत हैं मेरे तमाम
और मुझ को मिला आस्मान
में आराम,
और मैं ने पाया मसीह का
सलाम,
अबदी ज़मानों में होगा जलाल.
f होगा जलाल, पूरा जलाल
पूरा जलाल, पूरा जलाल
यीशु को देख कर मैं हूंगा
ख़ुशहाल
उस के हुज़ूर में है पूरा
जलाल.

mf २ जब उस के फ़ज़्ल का पाऊं
इनआम
मिले आस्मान पर जलाली
मक़ाम
मुंजी के पास होगी ख़ुशी
तमाम
अबदी ज़मानों में होगा
जलाल.

ml ३ देखेंगे उस पार हम अपने
हबीब
रहेंगे सदा मसीह के क़रीब
पावेंगे दिल में हम उल्फ़त
अजीब
अबदी ज़मानों में पूरा जलाल.

होगा जलाल, पूरा जलाल
पूरा जलाल, पूरा जलाल
यीशु को देखकर हम होंगे
ख़ुशहाल
उस के हुज़ूर में है पूरा
जलाल.

"Oh, think of the home over there."

२४८ 8.8 8.8 *S. 942.*

mf १ देख! घर है तैयार बीच
आस्मान
ज़िन्दगी के साफ़ चश्मों
के पास
सब मुक़द्दस हैं उस में
शादमान
और नूरानी है उनका
लिबास।

f बीच आस्मान, बीच आस्मान—
तू याद कर वह घर बीच
आस्मान।

mf २ उस घर में हमारे अज़ीज़
जो कि आगे हैं गुज़रे उस
पार
चैन अब पाते हैं ख़ूब औ
लज़ीज़
हम्द के गीत गाते
रब्ब के हर बार।

f बीच आस्मान, बीच आस्मान—
उन की याद कर जो
हैं बीच आस्मान।

mf ३ मेरा मुनजी भी है बीच
आस्मान
सब दीदार वहां पाते आराम
काश कि छोड़के यह फ़ानी जहान
जाने पाऊं मुबारक मक़ाम।

f बीच आस्मान, बीच आस्मान
मेरा मुनजी भी है बीच
आस्मान।

mf ४ अब बअ़द थोड़ी देर बीच
आस्मान
मैं भी सफ़र में चैन ओ क़रार
पाके अपनों के साथ हूं शाद्मान
मेरा करते हैं जो इन्तिज़ार।
f बीच आस्मान, बीच आस्मान
मैं भी हूंगा अब जल्द बीच
आस्मान।

कलीसिया—१. आराधना.

(१) आराधना का आरम्भ.

२४६ (२५) C. M. ST. PETER *H. 201. P 178. S. 112.*

mp १ फिर तेरे पास हम आते हैं
ख़ुदाया मदद दे
कि करें तेरी बन्दगी
रूह और सचाई से।

२ ऐ बाप तू अपनी रूह-इ-क़ुद्स
हमें इनायत कर
और अपनी पाक मुहब्बत भी
हमारे दिल में भर।

३ जो पाक कलाम से सुनते हैं
सो दिल में रक्खें याद
खींच अपनी तरफ़ हर ख़ियाल
और दिलों की मुराद।

---

२५० (२६) C. M. *Ps. 132:8-11, 16-18.* MARTYRDOM *H. 236. P. Ps 23.*

m १ उठ ऐ सलामत के बादशाह
हमारे बीच में आ
कलीसिया ताकती तेरी राह
तू रहम अब फ़रमा।

२ तू अपनी रूह ओ कलमे से
सैहून में हाज़िर हो
और दिल की तर-ओ-ताज़गी
बख़्श अपने बन्दों को।

३ तू ज़िन्दगी की रोटी को
हम आजिज़ों को दे
कुसीसों को मुक़द्दस कर
नजात और सुलह से।

mf ४ दाऊद की नसल जो मसीह
नित रहेगा सुलतान
c उस की बादशाहत फैलेगी
f ता अबद हर ज़मान।

---

२५१ (२७) 11 11 11 11. *Ps. 24.7-10.* HOUGHTON *H. 12 P. 22.* HANOVER *H. 12. P. 16.*

mf १ ऐ फाटको अपने सिर ऊंचे कर दो
ऐ अबदी दरवाज़ो तुम ऊंचे होओ
कि वही जो ठहरा है सच्चा अल्लाह
सो दाख़िल हो जावे जलाल का बादशाह।

m २ जलाल का बादशाह जो अब होगा अयान
सो कौन है बताओ और करो बयान
mf यहोवाह जो क़वी है क़ादिर ख़ुदा
यहोवाह जो जंग में ज़ोरमन्द है सदा।

३ ऐ फाटको अपने सिर ऊंचे कर दो
ऐ अबदी दरवाज़ो तुम ऊंचे होओ
कि वही जो ठहरा है सच्चा अल्लाह
सो दाख़िल हो जावे जलाल का बादशाह।

m ४ जलाल का बादशाह जो अब होगा अयान
सो कौन है बताओ और करो बयान
mf यह वह है जो ठहरा फ़ौजों का अल्लाह
हां वही ठहरता जलाल का बादशाह।

२५२ (२८) C.M.D. *Ps 24:7-10.* ST. GEORGE'S / EDINBURGH { *Ps. M. 224.* / *P. Ps. 16.*

mf १ ऐ फाटको उठाओ सिर
दरवाज़ो पायदार
हो ऊंचे ता जलाल का शाह
दाखिल हो रौनकदार
m तो कौन है यह जलाल का शाह
अज़ीम खुदावन्द है
mf खुदवान्द क़ादिर और अज़ीम
जंग में ज़ोरावर है।

२ ऐ फाटको उठाओ सिर
उठाओ पायदार
दरवाज़ो ता जलाल का शाह
दाखिल हो रौनकदार
m तो कौन है यह जो पुर-जलाल
बादशाह कहलाता है
mf रब्ब-उल-अफ़वाज और और नहीं
ff जलाल का बादशाह है

---

२५३ (२६) L.M. DUKE STREET { *H 438. P. Ps. 74.* / *S. 1084.*

mf १ हम आये हैं इबादत को
ऐ रब्ब हमारे बीच में हो
तू बन्दगी पर बरकत दे
कि होवे रूह ओ रास्ती से।

२ कलाम जब पढ़ा जावे तब
तासीर तू उस को दे ऐ रब्ब
कि अपने कान से सुनें जो
हम दिल से मानें उसी को।

३ गीत गाने में जब हों मशगूल
हमारा गाना हो मक़बूल
जब सुनें वअ्ज़ की बातों को
हमारे दिल पर असर हो।

४ जब वक़्त हो दुआ मांगने का
तू सुन हमारी ऐ खुदा
शुकरगुज़ारी सुन तू ले
गुनाह हमारे मुआफ़ कर दे।

५ तू हो हमारे दरमियान
तू दे हम सभों को ईमान
डाल अपनी रूह तू गिरजे पर
और सबके दिल आसूदः कर।

२५४ (३०) L. M. LUX ALMA *H. 345*
HESPERUS *H. 41. P. 76.*

mp १ हे प्रभु मेरा मन थमा
और प्रार्थना करने को ठहरा
p मन मेरा डोलता बे-ठिकान
कभी न होता एक समान।

mp २ हे प्रभु तू है मेरे पास
संग तेरा पावे तेरा दास
जो मेरे संग तू हो प्राणनाथ
नेम प्रेम से बोलूं तेरे साथ।

३ हे प्रभु मेरा मन उभार
और हरएक बोझ मुझ से उतार
और अपने दास को शक्ति दे
कि मांगे सत और आत्मा से।

p ४ प्रार्थना बे-अर्थ है मेरे नाथ
जो तू न होवे मेरे साथ
mp सांसारिक सोच मुझ से टला
और प्रार्थना सत मुझसे करवा।

---

२५५ (३१) L. M. ABENDS, HURSLEY *H. 352. P. 368. S. 302.*

mp १ जब गिरजे में हम जाते हैं
हुज़ूर ख़ुदा के आते हैं
शुक्र और हम्द बजाने को
और बरकत उससे पाने को।

m २ क्या ही मुबारक उस का नाम
वह है यहोवाह ला-कलाम
जब उस के जाते हैं हुज़ूर
mp अदब से जाना है ज़रूर।

वह बूझता है हमारे ख़ियाल
वह देखता है हमारी चाल
p पस डर के साथ झुकावें सर
और गिरें उस के क़दम पर।

mp ४ ऐ रब्ब मौजूद इस वक़्त तू हो
दे फ़ज़्ल अपने बन्दों को
जो आप को जानता हाजतमन्द
m तू उस को करेगा बुलन्द।

---

२५६ (३२) L. M. SOLDAU *H. 140. P. 130.*

m १ जहां दो तीन एक दिल ही हों
मिल जाते दुआ मांगने को
मुक़द्दस ठहरा वह मकान
मसीह है उन के दरमियान।

२ हम घर में हों या बाहिर हों
पोशीदः हों या ज़ाहिर हों
उठाते जब दुआ के हाथ
मसीह को जानें अपने साथ।

३ मसीहियों के दरमियान
मसीह मौजूद है हर ज़मान
और वअ़दः है ख़ुदावन्द का
जो मांगेगा सो पावेगा।

mp ४ मसीहा अपने फ़ज़्ल से
दुआ की रूह तू हमें दे
और दुआ मांगनेवालों पर
रूह की तासीर को ज़ाहिर कर।

mp ५ शफ़ीअ़ तू बाप के है हुज़ूर
हमारी अर्ज़ करवा मंज़ूर
कि बाप तेरी सिफ़ारिश से
इन अर्ज़ों को क़बूल कर ले।

---

२५७ (३३) L.M. *Ps. 134.* WAREHAM { *H. 481. P. 15. S. 274.*

m १ ख़ुदावन्द के ऐ ख़ादिमो
जो उसके घर में हाज़िर हो
रहो सिताइश को तैयार
ख़ुदा के हो शुक्रगुज़ार।

२ कलीसिया में दुआ के हाथ
उठाओ दिल से सब के साथ
c ख़ुदावन्द की तअ़रीफ़ करो
उस को मुबारक बाद कहो।

m ३ और वह जो सब का मालिक है
आसमान ज़मीन का ख़ालिक है
सो अपने पाक सैहून में से
बरकत पर बरकत तुम्हें दे।

२५८ (३४) C.M. *Ps. 27: 4-6.* ST. BERNARD *H. 97. P. 41.*

m १ ख़ुदावन्द एक है मेरी अर्ज़
क़बूल तू उसे कर
कि तेरे घर मुक़द्दस में
मै रहूं उम्र भर।

२ तब देखा करूं ऐ ख़ुदा
मैं तेरा पाक जमाल
दरयाफ़्त मैं करूं हैकल में
[illegible]

३ तू मेरा हामी होवेगा
मुसीबत के ज़मान
पहाड़ तू मेरा ठहरेगा
जब दुःख का हो तूफ़ान।

mf ४ तब ख़ुशी की क़ुरबानीआं
चढ़ाऊंगा ज़रूर
और तेरी [illegible]ना गाने में
[illegible]

२५९ (३५) L. M. *Ps. 84: 1-4.* OLD HUNDRED { *H. 380. P. 14. S. 9.*

m १ क्या ही दिलकश बुज़ुर्ग अल्लाह
है तेरी पाक इबादतगाह
रूह मेरी इस को आरज़ूमन्द
तेरी बारगाह से है ख़ुरसन्द।

२ ज़िन्दः ख़ुदा हक़ीक़तन
देख मेरा तन और मेरा मन
तुझ को इस वक़ पुकारता है
दुआ के साथ पसारता है।

३ ख़ुदाया मेरी जगह ख़ास
है तेरे मज़बहों के पास
कि तेरे घर के रहनेवाले
नेकबख़्त हैं और मुबारक हाल

४ ख़ुदावन्दा यह रहम कर
कि मैं नित रहूं तेरे घर
और मजलिस में नेकबख़्तों की
मैं करूं तेरी बन्दगी।

---

२६० (३६) S. M. *Ps. 89: 15-18.* HAMPTON *H. 430. P. 431.*

mf १ मुबारक हैं वे लोग
ऐ रब्ब जो जानते हैं
इनजील की ख़ुश आवाज़ों को
और दिल से मानते हैं।

२ हां क्योंकि जलवे में
तेरे पाक चिहरे के
वे ख़ुदातर्स हो चलेंगे
कमाल ख़ुशवक़्ती से।

३ तेरी सदाक़त से
वे होवेंगे बुलन्द
वे तेरे नाम के लेने से
नित रहेंगे ख़ुरसन्द।

४ कि उन की क़ुवत की
तू शौकत है हर जा
वे तेरी मिहरबानी से
ख़ुश रहेंगे सदा।

mp ५ ऐ रब्ब हमारी तू
है सिपर और पनाह
इसरायल का क़ुद्दूस वहीद
हमारा है बादशाह।

(२) सुबह.

२६१ (२३३) 6.6.6.6.8.8. DARWELL {H. 89. P. 69. S. 86.

mf १ अन्धियारा गया है
और रौशनी है नमूद
हम तेरे शुक्र को
हैं हाज़िर ऐ मअ़बूद
नूरों के बाप परवरदिगार
हम तेरे हैं शुक्रगुज़ार।

mp २ तारीकी दिल की भी
जो हम में है मिटा
m और अपने मुंह का नूर
तू बन्दों पर चमका।

३ और दिन भर करें भी
हम नूर-इ-हक़ के काम
और दिल से मानें भी
सब तेरे पाक अहकाम।

mp ४ उमर की शाम के वक़्त
ख़ौफ़ से बचाने को
तू मौत की घाटी में
c हमारा हामी हो।

m ५ और रोज़ क़ियामत में
अपने ख़ास रहम से
तू नूर आसमानी में
बन्दे को दख़ल दे।

---

२६२ (२३४) 7.7.7.7. INNOCENTS {H. 299. P. 99. S. 1149.

mf १ अब अन्धयारा गया है
फिर उजाला आया है
m मेरा मन उजाला कर
प्रभु मन को प्रेम से भर।

mp २ पाप की इच्छा आज जो हो
c शक्ति दे नाश करने को
यीशु तू सहारा दे
कि मैं बचूं पापों से।

m ३ मन के बुरे सोच मिटा
मुझे जोखिम से बचा
कहीं मुझे तू न छोड़
अपना मुंह न मुझ से मोड़।

mp ४ आवेगा जब मरनकाल
m मुझ बलहीन को तब सम्भाल
mf प्रभु तू है कृपामय
हो उस काल तू मृत्युञ्जय।

२६३ (२३५) L.M. "*Awake my soul.*" MORNING HYMN { *H. 342. P. 361. S. 265.*

mf १ जाग सूरज साथ हे मेरे दिल
और फुरती से सुपंथ में चल
सवेरे उठके झाड़ आलस
ध्यान करने को और गाने जस।

२ धन्य तुझ को जिस ने चैन दिया
और नींद के बीच बचा लिया
mp दे प्रभु मौत से जब उठूं
कि अनन्त जीवन में पैठूं।

m ३ मै आप को सोंपता आज तुझे
तू पाप पर जयवन्त कर मुझे
आप मेरे मन में करके धाम
दूर रख क्रोध लोभ डाह मद और काम

४ सिखा करवा बुलवा आज हूं
जो कुछ मैं करूं या कहूं
mf कि केवल तेरी सेवा में
सब मेरे गुण और बल लगें।

ff ५ धन्य ईश्वर को जिससे हर दान
धन्य मानो भूम के सकल प्राण
धन्य मानो स्वर्ग के सब कुद्‌मा
धन्य हो बाप बेटा धर्म्मातमा।

---

२६४ (२३६) L.M. CRASSELIUS (WINCHESTER) | *H. 6. P. 150. S. 177.*

mf १ ख़ुदावन्द तेरा शुक्र हो
मैं देखता हूं फिर रौशनी को
ख़ुशनुमा सुबह है नमूद
और फ़ज़्ल तेरा है मौजूद।

m २ आज दिन भर मेरा हाफ़िज़ हो
रख अपने साथ तू बन्दे को
गुनाह और बदी से बचा
और हर एक इमतिहान हटा।

३ आफ़ताब है जैसे जलवःगर
और रौशनी बख़्शता सरबसर
यों राह को मेरी रौशन कर
और दिल को भी मुनव्वर कर।

mf ४ ऐ बाप बे-हद्द है तेरा प्यार
है फ़ज़्ल तेरा बेशुमार
काश मैं भी तुझ को करूं प्यार
हमेशः रहूं ताबिश्रदार।

(३) शाम.

"Abide with me."

२६५ (२८०) 10. 10. 10. 10.

EVENTIDE
TROYTE'S CHANT
{ H 365.
P. 377.
S. 297.

mp १ रह मेरे पास शाम होती जाती है
खुदावन्दा रात चली आती है
सब मुझ को छोड़ें दिल भी हो उदास
बे-कस के हामी रह तू मेरे पास ।

p २ जल्द मेरी ज़िन्दगी गुज़रती है
दुनिया की खुशी न ठहरती है
बदलती हैं सब चीज़ें बे-क़ियास
बे-बदल मालिक रह तू मेरे पास ।

cr ३ न ख़ाली लहमे तक ठहरने को
पर मेरे घर ही में उतरने को
कर मुझ पर ज़ाहिर अपना रहम ख़ास
और बूद ओ बाश ही रख तू मेरे पास ।

४ शैतान के जाल से तेरा ख़ास हुज़ूर
मुझे बचावेगा हर वक़्त ज़रूर
तेरी हिफ़ाज़त पर है मेरी आस
ऐ मेरे हाफ़िज़ रह तू मेरे पास ।

mf ५ तेरी हुज़ूरी से मैं हूं महज़ूज़
सब दुःख तकलीफ़ में बन्दः है महफ़ूज़
f हर क़ैद से हूंगा मैं बेशक ख़लास
जो तू ख़ुदावन्द रहे मेरे पास ।

"The day is past and over."

२६६ (२३७) 7.6.7.6.8.8. St. Anatolius { H. 364. P. 374

m १ तमाम है दिन की रौशनी
खुदाया शुक्र हो
इस रात में सब गुनाह से
महफ़ूज़ रख बन्दे को
mp यीशु रात भर हो निगहबान
और चैन से रख तू मेरी जान।

m २ तमाम है दिन की खुशी
टेक रखता हूं तुझ पर
इस रात के सब वसवास से
हिफ़ाज़त मेरी कर
mp यीशु रात भर हो निगहबान
और चैन से रख तू मेरी जान।

m तमाम है दिन की मिहनत
हम्द मेरी हो मंज़ूर
इस रात के सारे खौफ़ को
तू बन्दे से कर दूर
mp यीशु रात भर हो निगहबान
और चैन से रख तू मेरी जान।

m ४ कर मेरे दिल को रौशन
ज़ुलमात को कर बरबाद
ना मेरा जानी दुशमन
न मुझ पर होवे शाद
mf अहा यह मुझे है मंज़ूर
खुदा का बन्दः है मजबूर।

५ ऐ मेरी जान के हाफ़िज़
जो खतरे बे-शुमार
मिसकीन को हर जा घेरते
सो तुझे है आशकार
तू हामी हो और निगहबान
सुन दुआ मेरी ऐ चौपान।

---

२६७ (२३८) L.M. *"Sun of my soul."* Abends Hursley { H. 352. P. 368. S 402.

mp १ आफ़ताब इलाही ऐ मसीह
तू मुझ पर ज़ाहिर हो सरीह
काश दुनया से तकलीफ़ न हो
कि जो डुबावे बन्दे को

mp २ जब नींद में लेऊं रात ही को
मसीहा मेरा हाफ़िज़ हो
इस सोच से मुझे तू सम्भाल
कि यीशु सदा है रखवाल।

m ३ मैं करता हूं यह इल्तिमास
कि उमर भर रह मेरे पास
जो होऊं मरते वक़ हैरान
तो मेरा हामी हो रहमान।

mp ४ जो तुझ से हुए हों गुमराह
रहीम तू उन पर कर निगाह
कि छोडें सारी बदी को
और होवें तेरे बन्दे सो

m ५ जिस वक़ मैं जागूं नींद ही से
तू अपनी बरकत मुझे दे
c जब तक न जाऊं मैं आसमान
तू मेरा हाफ़िज़ हो हर आन।

"Saviour grant an evening blessing."

२६८ (२३९) 8.7.8.7.D. LUGANO { H. 363. P. 375.

mp १ तेरी बरकत हम पर आवे
आज की रात ख़ुदावन्दा
बद-ख़्याल और सोच दूर जावे
हाफ़िज़ हो तू ऐ ख़ुदा
p गरचि आसपास ख़तरे होवें
गरचि चलें मौत के तीरे
c ख़ातिर-जमअ हो हम सोवें
जो तू होवे ख़बरगीर।

mp २ हरचन्द होवे रात अंधेरी
हम ने छिपे हैं तुझ से
आंख न कभी सोती तेरी
एक-सां रात और दिन तुझे
p आज की रात में मौत जो आवे
उठें फिर न बिस्तर से
c काश आसमान पर हरएक जावे
और सआदत में रहे।

---

२६९ (२४०) 7.7.7.7. BRANDENBURG *PH. 364. P. 599.*

m १ काम से हाथ उठाता हूं
सोने को मैं जाता हूं
बाप आसमानी ऐ अल्लाह
मेरे ऊपर रख निगाह।

mp २ चूक जो हुई ऐ ख़ुदा
आज के दिन सो मुआफ़ फ़रमा
ख़ून मसीह का होता है
सब गुनाह को धोता है।

m ३ घर के लोग सब अपने साथ
सौंपता हूं मैं तेरे हाथ
छोटे बड़े सब इनसान
सब का हो तू निगहबान।

४ बख़्श आराम बीमारों को
कर ख़ुश-हाल दुखियारों को
mp मरते वक़्त तू रहम कर
c ले हम सब को अपने घर।

---

२७० (२४१) L. M. EVENING HYMN *H. 351.*
(CANON) *P. 567. S. 301.*

mf १ अब शाम के वक़्त ख़ुदावन्द को
दिन भर की ख़ैर का शुक्र हो
और ऐ बादशाहों के बादशाह
इस रात में मेरी हो पनाह।

२ यीशु मसीह के ख़ातिर से
mp मेरी ख़ताएं मुआफ़ कर दे
हर बोझ से मैं फ़रागत पा
बे-ख़ौफ़ औ बेख़तर सोऊंगा।

m ३ रख मेरी जान को अपने हाथ
रह सोते वक़्त तू मेरे साथ
और नींद से नई ताक़त हो
कि ताज़ः दम हो फ़जर को।

mp ४ जो नींद न आवे आज की रात
तो दिल में डाल आसमानी बात
मुझे बचा बद्-ख़्वाबों से
और रात का ख़ौफ़ मिटा तू दे।

mf ५ तू मौत के ख़ौफ़ को यों मिटा
कि गोर हो मुझे बिसतर सा
और मरना मेरा ऐसा हो
mf कि सुर्ख़रू उठूं हशर को।

ff ६ सब रहमतों के ख़ुदा को
सब आदमियों की सना हो
कहो आसमान की फ़ौज शरीफ़
बाप बेटे रूह की हो तारीफ़।

(४) सनीचर शाम.

२७१ (२४२) C. M. SALZBURG { PH. 178. P. 301.

mp १ अब दूसरा हफ्तः गुज़रा
ऐ मेरे दिल ग़ौर कर
ख़ुदा जो निगहबान रहा
निहायत शुक्र कर।

२ इस हफ़्ते कितने थे बीमार
और कितने मूए हैं
शैतान से कितने गिरिफ़्तार
बुतों को पूजते हैं।

mp ३ पर मुझे मिला हक्क़ कलाम
और तन का ख़ुश-मिज़ाज
ख़ूराक पोशाक रफ़ीक़ मुक़ाम
किस चीज़ का हैं मुहताज।

४ पर इमतिहान से बे-क़रार
मैं अकसर भूलता हूं
दे मुझे अब से इख़्तियार
कि ऐब से पाक रहूं।

५ गर सबत मुझ पर रौशन हो
तू मेरी मदद कर
कि उस आसमानी सबत को
मैं ताकूं मुन्तज़िर।

---

(५) प्रभु का दिन.

HOWARD *Ps. M. 70. P. 58.*

२७२ (२००) C. M. "*Blest morning.*" ST. MAGNUS { *H. 88 P. 289. S. 141.*

f १ मुबारक सुबह जिस का नूर
पड़ा ख़ुदावन्द पर
जब क़बर और तारीकी से
वह निकला जलवःगर।

mp २ गोर की ख़ामोशी में महबूस
पड़ा रहा मसीह
जब तक कि गरदिश-इ-आसमान
न जाएं दिन सहीह।

m ३ क़ब्र और मौत ने किया ज़ोर
न हुई फ़तहमन्द
f नागाह वह उठा पुर-जलाल
और तोड़ा उन का बन्द।

४ अब तेरे नाम की ऐ मसीह
हम करते हैं तकरीम
और गाके ख़ुश आवाज़ों से
मानते यह दिन अज़ीम।

ff ५ सब क़ौमें मुनजी की तअरीफ़
नित करें ता मक़दूर
आस्मान ज़मीन दरया पहाड़
सना से हों मसरूर।

f ६ बाप बेटे रूह मुक़द्दस को
जो एक मअबूद ख़ुदा
जलाल जिस क़दर था और है
ता आख़िर होवेगा।

---

२७३ (२०१) L. M. HAPPY DAY *P. 150. S. 866.*

m १ ख़ुदावन्द तेरे फ़ज़्ल से
है आज तक हमको ज़िन्दगी
हम सभों को यह ताक़त दे
कि करें तेरी बन्दगी।
mf ख़ुशी से ख़ुशी से
हम देखते रोज़ ख़ुदावन्द के
mp यीशु मसीह की ख़ातिर से
गुनाह हमारे बख़्श तू दे
mf ख़ुशी से ख़ुशी से
हम देखते रोज़ ख़ुदावन्द के

mp २ हम जाएं तेरी पाक दरगाह
और करें पाक इबादत को
ख़ुदाया हम पर कर निगाह
और हम पर मुतवज्जिह हो।

३ ख़ुदावन्द हम पर ज़ाहिर हो
और सभो को तू कर तअलीम
जो ग़ाफ़िल हों जगा उनको
और अपना दीन फैला रहीम।

p ४ गर हमें होवे मरने को
c ख़ुदाया बख़्श दे यह इनआम
mf कि तुझ पास हमें जाना हो
कि करें तेरी हम्द मुदाम।

२७४ (२०२) L. M. DUKE STREET { H. 438. P. Ps. 74. S. 1084.

mp १ अब आया है आराम का रोज़
ख़ुदा का फ़ज़्ल है हनोज़
अब छोड़ें सब दुनयावी काम
और करें दिल से पाक आराम।

mp २ वह जो सलीब पर मूआ था
mf इतवार में ज़िन्दः हुआ था
आज उस ने मौत पर ज़बर हो
जी उठके छोड़ा कबर को।

m ३ आज बन्द हो दुनयावी काम काज
ख़ुदा कर फ़ज़्ल हम पर आज
कि यह न ख़ाली क़ाइदः हो
पर हमें दिन का फ़ाइदः हो।

४ फिर बड़ा सब्त एक आवेगा
जहान आराम जब पावेगा
सब मिहनत होगी तब तमाम
और कामिल होगा तब आराम

---

२७५ (२०३) L. M. WARRINGTON { H. 438. P. 385. S. 268.

m १ आ पहुंची है इतवार की शाम
और आख़िर होता रोज़ आराम
ख़ुदाया तेरे पाक हुज़ूर
मैं शुकर करता पुर-सुरूर।

२ तू निअ़मतों को बे-शुमार
नित दिया करता हर इतवार
p तौभी मैं ग़ाफ़िल होता हूं
और निअ़मतों को खोता हूं।

mp ३ बन्दे की सारी भूल गुनाह
फ़ज़्ल से बख़्श तू ऐ अल्लाह
कलाम औ रूह के असर से
ईमान में तू तरक़्क़ी दे।

m ४ तू बरकत बख़्श नसीहत पर
इस आजिज़ पर तू रहम कर
कि ज्ञान और प्यार में बढ़ती हो
नजात भी होवे आख़िर को।

"Safely through another week."

२७६ 7.7.7.7.7.7. MORNING *H. 367. P. 382.* GUIDE *P. 380. S. 194.*

mp १ हफ़्ता भर ख़ुदावन्द ने
बख़्शी हम को ज़िन्दगी
c चलें अब हम ख़ुशी से
करें उसकी बन्दगी
सब्त अज़ीज़ है बे-बयान
अबदी सुख का है निशान।

mp २ बरकत के हम तलबगार
देते यीशु की दुहाई
हमें अपना दे दीदार
दूर तू करदे कुल रुसवाई
ख़तम कर दुनयावी काम
तुझ में करें आज आराम।

३ यां हम आते ऐ ख़ुदा
देखें हम तेरा जलाल
c तू हमारे बीच में आ
बरकत से कर मालामाल
यहां अबदी वक़्त का
मज़ा हमें तू चखा।

mf ४ काश इन्जील का ख़ुश पैग़ाम
बख़्शे दिलों को आराम
फ़ज़ल हम पर कर मुदाम
दूर तू कर अब दुःख तमाम
c यूंही गुज़रें कुल इतवार
जब तक जावें ख़ुश दयार।

---

(६) प्रार्थना और स्तुति.

"When the weary"

२७७ (२७) 7.5.7.5.7.5. 7.5.8.8. INTERCESSION { *H. 393.* *P. 406.*

p १ थके मांदे आजिज़ जब
करते हैं फ़रयाद
बारबरदार जब यीशु से
मांगते हैं इमदाद
परेशान ग़मज़ुदः जब
लेते तेरा नाम
गुनहगार जब चाहते हैं
गुनाह से आराम
c तब ऐ ख़ुदावन्द रहम से
d उनकी दरख़्वास्त क़बूल कर ले।

mp २ दुनयादार जब दुनिया से
होवे सख़्त बेज़ार
मुसरिफ़ को जब आवे याद
अपने बाप का प्यार
mp जब मग़रूर औ गरदन-कश
होवे ख़ाक-निशीन
ख़ताकार जब पशेमान
तेरी हो शौक़ीन।

३ भूखे जब ग़रीब मिसकीन
मांगते हैं ख़ुराक
नंगे आज़िज़ क्वार लाचार
चाहते जब पोशाक।

जब मरीज़ ज़ईफ़ कमबख़्त
दुःख में गिरिफ़्तार
करें आजिज़ी सेती
तेरी इन्तिज़ार।

४ सारी ख़िलक़त जब पुरदर्द
आहें मारती है
इसरायल की सख़्त तकलीफ़
याद जब आती है
जब कलीसिया मिन्नत से
करती है दुआ
कुलहिन तेरी कहती जब
ऐ मसीहा आ।

---

२७८ (३८) S. M. *Ps. 36; 8—9.* ST. MICHAEL (OLD 134) { *H.* *115.* *P.* *102.* *S.* *691.* }

m १ ख़ुदाया तेरा हिल्म
और रहमत क्या अज़ीज़
और तेरे घर की निअमतें
हैं दिल को क्या लज़ीज़।

२ पास तेरे है मौजूद
चश्मः-इ-ज़िन्दगी
हां सारी बरकतों का गंज
है घर में तेरे ही।

३ चश्मः-इ-ज़िन्दगी
तू ख़ुद है ऐ ख़ुदा
अब मेरे प्यासे दिल की प्यास
तू आप में से बुझा।

४ और रोशनी मुझे बख़्श
ऐ नूर सदाक़त के
हम रोशन दिल हो जाते हैं
सिर्फ़ तेरी रोशनी से।

२७९ (३९) L. M. *Ps. 65: 1—5.* WARRINGTON { *H. 438. P. 385. S. 268.*

m १ सैहून में ऐ परवरदिगार
है तेरी हम्द का इन्तिज़ार
और तेरे लिये शुक्र की
पाक नज़र मानी जायगी।

२ दुआ तू सुनता है रहमान
पास तेरे आवें सब इनसान
तू ने गुनाह जो मेरे थे
बख़्शे मसीह की ख़ातिर से।

३ मुबारक वह ऐ जूउत्तूल
जो तेरा ठहरा है मक़बूल
ताकि वह पावे ख़ास मिरास
सुकूनत करे तेरे पास।

४ घर तेरे की भलाई से
और उस की ख़ुशनुमाई से
हमारा होगा इतमीनान
और दिल नित रहेगा शादमान।

५ नजात दिहिन्दः ऐ अल्लाह
तू आलम की है उम्मेदगाह
सब क़ौमों पर तू वाला है
mf बर-हक़ ख़ुदावन्द तआला है।

---

२८० (४०) 8 7.8.7.D. *Ps. 95: 1:7.* CORINTH AUSTRIA { *H. 11. H. 461. P. 449. S. 221.*

mf १ आओ रब्ब की मदहसराई
करें हम ब-दिल ओ जान
उस की करें हम बड़ाई
वह नजात की है चटान
शुक्र करने को तुम आओ
mp आओ मालिक के हुज़ूर
c दिल से उस की सना गाओ
गाओ मालिक का मज़मूर।

mf २ है यहोवाह सब से बाला
सब मअबूदों से अज़ीम
वह बादशाह है क़ुदरत वाला
और हकीमों का हकीम
कि ज़मीन की कुल तराई
हर पहाड़ और सब मैदान
तरी भी उस ने बनाई
वह है ख़ालिक आलीशान।

mp ३ मालिक के हुज़ूर में आओ
उसे सिजदः करने को
p घुटने टेको दिल झुकाओ
अदब से तुम हाज़िर हो
f सब का वह बनानेवाला
है हमारा वह चौपान
mf गाओ सब खुदावन्द तआला
है बुज़ुर्ग और आलीशान ।

"Sweet hour of prayer."

२८१ (४१) L. M. D.

PETERBOROUGH *H. 13.*
SWEET HOUR *S. 318.*

m १ मुबारक नौबत दुआ की
जब छोड़के फ़िक्र दुनयावी
मैं अपने बाप के पाक हुज़ूर
सब उससे मांगूं जो ज़रूर
दुआ से दुःख और ग़म की आन
तसल्ली पाती मेरी जान
आज़माइश से भी बचता हूं
जब दुआ करके जागता हूं ।

m २ मुबारक नौबत दुआ की
जब अपने बाप के वअ्दः की
याद कर मैं सोचता उसका प्यार
और बरकत का हूं उम्मेदवार
mp तू मेरे मुंह का तालिब हो
m यह सुन मैं ढूंढ़ता उसी को
और अपनी फ़िक्र सरासर
दुआ में डालता उसी पर ।

३ मुबारक नौबत दुआ की
उस से तसकीन ओ ताज़गी
मैं पाऊं जब तक बीच आसमान
मैं देखूं अबदी मकान
तब ख़ाक से उठके यीशु पास
ग़ैरफ़ानी पाऊंगा मीरास
और सदा उस के रूबरू
खुशहाल मैं हूंगा हूबहू ।

---

२८२ (४२) 6646.664. *Ps. 149:1-5.* MOSCOW { *H. 429. P. 438. S. 5.*

m १ रब्ब का ऐ भाइयो
नया गीत गाइयो
mf हल्लिलूयाह
m गिरजे के दरमियान
गाओ अज़ खुश इलहान
c दिल से ख़ुदा की शान
होओ मद्दाह।

m २ ऐ बनी इसराएल
मुनजी इम्मानूएल
जानो महमूद
ग़ैर क़ौमें आवेंगी
सैहून में गावेंगी
c यीशु को जानेंगी
सच्चा मअ्बूद।

m ३ जो उस के ईमानदार
उन से ख़ुदा हर बार
है रज़ामन्द
m जितने जो हैं हलीम
उन को ख़ुदा रहीम
c बख़्शता नजात अज़ीम
करता ख़ुरसन्द।

m ४ पाक लोगों उमर भर
अपने पाक दरजों पर
होओ मद्दाह
रब्ब की सिताइश हो
बन्दों तुम हाज़िर हो
c नया गीत गाइयो
f हल्लिलूयाह।

---

२८३ (२७०) C. M. "*O help us Lord.*" MARTYRDOM { *H. 236. P. Ps. 23.*

mp १ ख़ुदाया मेरी ख़बर ले
और मेरी मदद कर
m हर वक़् हर हाल हर तरह से
तू मेरी मदद कर।

२ जो माल से हूं मैं मालामाल
डाल मेरे दिल में डर
b जो होऊं मैं ग़रीब तंगहाल
तूं मेरी मदद कर।

m ३ सब गफ़लत से खुदावन्दा
मैं बचूं उम्र भर
अज़ाब और गुस्से से बचा
तू मेरी मदद कर।
४ बचा दुनया के जालों से
शैतान के फन्दों पर
मुझ आसी को तू फतह दे
तू मेरी मदद कर।
mf ५ कर मेरी मदद मौत में भी
मिटा सब खौफ़ औ डर
पनाह तू हो मुझ आजिज़ को
और मेरी मदद कर।

"Lord I hear of showers."

२८४ (२४६) 8. 7. 8 7 3. EVEN ME { *HP. 322. P. 403. S. 485.*

m १ बड़ी बरकत ऐ खुदावन्द
बरसती है अब कसरत से
खुश्क ज़मीन को ताज़ करती
मुझ को भी तू बरकत दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ कंगाल को भी तू दे।
mp २ मैं अगरचि गुनहगार हूं
तौभी दुआ सुन तू ले
छोड़ न मुझे बाप आसमानी
रहम करके बरकत दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ बदकार को भी तू दे।
mp ३ ऐ मसीह बचानेहारे
मुझ को अब कबूल कर ले
तू गुनाह मिटाने आया
अब रिहाई मुझे दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ नापाक को भी तू दे।
४ छोड़ न मुझे रूह इलाही
मेरे दिल में जगह ले
साफ़ दिखला तू कुल सच्चाई
मुझ नादान को दानिश दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ नादान को भी तू दे।
५ बाप और बेटे रूह मुक़द्दस
सुन तू मेरी रहमत से
n तू बर-हक़ तीन एक खुदा है
मुझ लाचार को मदद दे
मुझे दे मुझे दे
मुझ लाचार को भी तू दे।

२८५ (२२८) 8.8 8 8.8.8. "*Awake my soul.*" S 251. Z. 550.

mf १ उठ मेरी जान और हो शादमान
गा रब्ब की गीतें ख़ुश-इलहान
ख़ुश होकर गा, और यह पुकार
कि कैसा ख़ूब है, उस का प्यार।

कैसा ख़ूब है, कैसा ख़ूब है
हां, कैसा ख़ूब है उस का प्यार।

mp २ जब मैं गुनाह की क़ैद में था
वह मेरा हाल न देख सका
हां, क्रूश पर हुआ जान-निसार
mf आह, कैसा ख़ूब है उस का प्यार।

m ३ जब दुशमन ज़ोर दिखाते हैं
और जान को दुःख पहुंचाते हैं
तब यीशु होता मददगार
mf आह, कैसा ख़ूब है उस का प्यार।

mp २ जब दुःख के बादल आते हैं
और मेरे दिल पर छाते हैं
mf तब फ़ज़्ल देता बे-शुमार
आह, कैसा ख़ूब है उस का प्यार।

२८६ 87.8.7. D. "*What a friend.*" WHAT A FRIEND { *P. 404.* *S. 319.*

mf १ यीशु, कैसा दोस्त पियारा
दुःख और बोझ उठाने को
क्या ही उमद: वक़् हमारा
बाप के पास अब जाने को

mp आह, हम राहत अक्सर खोते
ना-हक़ ग़म उठाते हैं
c यह ही बाइस है यक़ीनन
बाप के पास न जाते हैं।

mp २ गरचि इमतिहान हो साम्हने
या तकलीफ़ मुसीबत हो
c तब दिलेर और शाद तुम होके
बाप को जाके ख़बर दो

कौन और ऐसा दोस्त है मउतबर
लेवेगा जो दुःखो को
पर एक है जो रखता ख़बर
जाके बाप से अब कहो।

mp ३ क्या तुम्हारा हाल है पुरदर्द
क्या तुम बोझ से दबे हो
mf यीशु है तुम्हारा हमदर्द
जाके उस को ख़बर दो

mp दोस्त जब छोड़े और सतावे
c बाप से तुम बयान करो
mf तब वह गोद में तुम को लेके
खोवेगा सब दुःखो को।

साक्रमेंट—(१) बप्तिस्मा.

२८७ (२०४) L. M. ANGELUS { *H. 353.* *P. 411.* *S. 79.*

m १ मसीह कलिसिया का चौपान
जब छोड़ने को वह था जहान
तब उस ने अपने लोगों को
फ़रमाया ताकि सानद हो।

mf २ आसमान ज़मीन का सारा कार
सुपुर्द है मेरे इख़्तियार
तुम जाके सारी क़ौमो को
क़ुद्दूस इनजील की ख़बर दो।

m ४ ईमान जो उस पर लाता है
और जो बपतिस्मा पाता है
बचावेगा वह अपनी जान
p हलाक होंगे सब बे-ईमान।

mp ५ ख़ुदावन्द जो आता है
और अब बपतिस्मा पाता है
तू रूह-उल क़ुद्स के फ़ज़्ल से
इस को भी पाक बपतिस्मा दे।

---

२८८ (२०५) 15 15 15.15. ROUSSEAU { *H. 605. P. 543. S. 376.*

mp १ ऐ ख़ुदावन्द देख यह भाई तेरे साम्हने आता है
ज़ाहिर करने कि मसीह पर सच ईमान वह लाता है
और यह अब सभों के साम्हने करने चाहता यह इक़रार
झूठे मज़्हब को मैं छोड़ के हूं मसीह का ईमानदार।

२ अपनी रूह तू फ़ज़्ल करके भाई को इनायत कर
कि ईमान भी और इक़रार भी सच्चा हो ख़ुदावन्द पर
जब बपतिस्मा इसे मिले तब यह इस पर ज़ाहिर हो
कि ख़ुदावन्द अपनी क़ौम में गिन्ता है मुझ आसी को।

३ और तू इसे यह तौफ़ीक दे कि मसीही जंगी हो
और हर वक़्त तैयार यह रहे शर्र का साम्हना करने को
ऐ ख़ुदा बख़्श इसे ताक़त राह-इ-रास्त पर चलने की
और मसीह के हाथ यह पावे ज़िन्दगानी अबदी।

---

२८९ L.M. OLD 100 { H. 380. P. 14. S. 9.

mb १ ख़ुदावन्द अपने फ़ज़्ल से
इन शख़्सों को तू बरकत दे
जो अब बतिस्मा पाते हैं
ईमान अब तुझ पर लाते हैं ।

२ ऐ रूह-उल-क़ुद्स, तू उतर आ
और दिलों में अब नूर चमका
तू अपने नाज़िल होने से
इन बन्दों को बतिस्मा दे ।

३ ख़ास तेरी बरकत है दरकार
ऐ रूह-उल-क़ुद्स् ऐ मददगार
तू इन के दिल को नया कर
कि चलें राह-इ-रास्ती पर ।

४ यह बख़्श कि यह हों ताबइदार
हों यीशु में नित मेवेदार
तू अपने बड़े करम से
इन सभों को क़बूल करले ।

---

२९० (२०६) C.M. L.M. FRENCH { H. 151. P. Ps. 96.

m १ ख़ुदा का यह है क़ौल क़रार मैं तेरा हूं ख़ुदा
तेरी औलाद को बे-शुमार मैं बरकत बख़्शूंगा ।

२ अबिरहाम ने मूमीन हों इज़्हाक़ की नज़र दी
बतिस्मा से इस लड़के को हम नज़र करते भी ।

३ ख़ुदावन्द क़बूल तू कर हमारी नज़र को
और सब हमारे लड़कों पर रब्ब तेरी नज़र हो ।

GRAFENBERG *H. 424. P. Ps. 38.*

२६१ (२०७) C. M

ST. PETER *H. 201. P. 178. S. 112.*

mp १ ख़ुदावन्दा इस बच्चे को
हम लाते हैं तुझ पास
तू इस का बाप और हाफ़िज़ हो
बिहिश्त में दे मीरास।

२ ख़ास फ़ज़ल को फ़रज़न्दी के
इस को इनायत कर
और उमर भर रूहक़ुद्दस ही से
इस की हिदायत कर।

३ ऐसों पर तू ने मिहर की
जब गोद में लिया था
इस बच्चे पर पे ईसा भी
तू वैसा प्यार दिखा।

४ ईमान की पूरी बरकत को
बख़्श इसे उमर भर
और जो शैतान की हरकत हो
सो दूर तू इस्से कर।

"See Israel's gentle Shepherd"

२६२ (२०८) C. M.

BELMONT *H. 585. P. 149. S. 663.*

m १ देख इसरायल का नेक चौपान
प्यार और हिल्म के साथ
बच्चों पर होके मिहरबान
वह रखता अपने हाथ।

२ तुम आने दो फ़रमाया है
और निन्दा मत करो
जलाल का बादशाह आया है
उन को बचाने को।

fm ३ हम अपने बच्चे शुकर से
अब लाते तेरे पास
मसीहा इन की ख़बर ले
और इन्हें दे मीरास।

"A little child the Saviour came."

२६३ (२०९) L. M. — ANGELUS { H. 353. P. 411. S. 79.

m १ एक मा की गोद में लड़का था
नाम उसका था अज़ीम ख़ुदा
फ़िरिश्ते झुके पुर-सुरूर
नौ-पैदा बच्चे के हुज़ूर।

m २ जो लड़का होके राह ख़ुदा
सब को बतलाने आया था
रहमत से करता हुक्म ख़ास
लड़कों को आने दो मुझ पास।

३ ऐ रब्ब हम बच्चे लाते हैं
और तेरी छाप लगवाते हैं
तू इन्हें भर ख़ास फ़ज़्ल से
और रूह का पाक बपतिस्मा दे।

४ फ़िरिश्तों को तू हुक्म कर
कि रखें तेरे रास्ते पर
हो तेरी बरकत शामिल-हाल
और प्यार से इन्हें नित संभाल।

५ कराता तू ऐ रब्ब लतीफ़
शीरख़्वारों से कमाल तअरीफ़
इन बच्चों से हर वक़्त हर हाल
बाप बेटे रूह का हो जलाल।

(२) प्रभुभोज

२६४ (२१०) L. M. — HESPERUS { H. 41. P. 76. S. 905.

mp १ आरास्तः हो ऐ मेरी जान
कि बिछा है अब दस्तरख़्वान
जांच अपने को आरास्तः हो
ख़ुदावन्द की ज़ियाफ़त को।

m २ तू ने ख़ुदाया मिहर की
कि मुझे पाक फ़रज़न्दी दी
ऐ बाप रहीम तेरा फ़रज़न्द
पाक अशा का है आरज़ूमन्द।

३ अपने निहायत फ़ज़्ल से
आरास्तगी तू मुझे दे
mp बे-रिया ग़म गुनाहों का
और हक़्क़ ईमान दे मुंजी का।

m ४ ख़ुदावन्द मेरा तू हबीब
मैं तेरा बन्दः हूं ग़रीब
मैं भूखा प्यासा आता हूं
आसूदा हुआ चाहता हूं ।

mf ५ मसीह जो निअ़मत तेरी है
उसी से दिल की मेरी है
m आरास्तः हो ऐ मेरी जान
देख बिछा है अब दस्तरख़्वान ।

---

२६५ (२११) L.M. RETREAT { PH. 241. P. 326.

mp १ हे प्रभु तेरी आज्ञा से
हम मिलके बैठते खाने को
तू जैसा बोला शिष्यों से
कि मुझे स्मरण यूं करो ।

m २ हां यीशु तुझे जीवन भर
निरन्तर स्मरण करेंगे
और तेरी उत्तम सेवा पर
तन मन आनन्द से सोपेंगे ।

३ दाखरस और रोटी का दृष्टान्त
निज देह का तू ने दिया है
mp कि मेरे रक्त से होतो शान्त
m देह मेरा सच्चा भोजन है ।

m ४ दे हम लोगों को सत विश्वास
न खाने में निष्फलता हो
और कृपा कर कि तेरे दास
सब पावें स्वर्गी भोजन को ।

"According to Thy gracious word."

२६६ (२१२) C M. EVAN { H 144. P. 415. S. 327.

mp १ तेरी रहमत का हो मग़लूब
और तेरे प्यार से शाद
ब-दिल ओ जान ऐ रब्ब मसलूब
करूंगा तुझे याद ।

२ है तेरे तोड़े बदन से
नजात का इतिक़ाद
और तेरा अहदी प्याला ले
तुझे करूंगा याद ।

p ३ जब देखता कलवरी करके ध्यान
सलीब पर पाक उस्ताद
c बर्रः-इ-ख़ुदा मेरे क़ुरबान
करता हूं तुझे याद ।

m ४ ऐ यीशु तेरा प्यार और ग़म
नित हो मुबारकबाद
mf और जब तक मुझ में होवे दम
तुझे करूंगा याद ।

p ५ और जब ज़ुबान न बोल सकें
और होश सब हों बरबाद
mp जब तू बादशाहत में आ ले
मसीह कर मुझे याद ।

"'Twas on that night."

२६७ (२१३)

COMMUNION (ROCKINGHAM) { H. 407. P. 419. S. 115.

p १ जिस रात को पकड़ा जाता था
कि मारा जावे क्रूश उठा
प्रभु यीशु ने रोटी ली
और करके धन्यवाद तोड़ दी

mp २ वह शिष्यों से यों बोला तब
देह मेरी लेओ खाओ सब
और जब जब ऐसा करते हो
तब मेरा स्मरण सदा हो ।

m ३ कटोरा भी उसने उठा
फिर धन्य माना पिता का
तब उसे दिया उन के हाथ
और बोला अत्यन्त प्रेम के साथ ।

mp ४ यह नये नेम का लहू है
जो मेरी देह से बहता है
mf तुम पीओ सब विश्वासियो
और मोक्ष की पूरी आशा हो ।

---

२६८ (२१४) C. M.

MARTYRDOM { H. 236. P. Ps. 23.

m १ ख़ुदावन्द मुझे आरज़ू है
तेरे पाक आशा की
mp कि जिस में तेरे मरने की
यादगारी होवेगी ।

m २ जब रोटी को मैं खाता हूं
तब बोलती मेरी जान
mp मसीह के तोड़े जिस्म का
यह रोटी है निशान ।

m ३ जब दाखरस को मैं पीता हूं
तब सोचता हूं उस आन
mp मसीह के दिये लहू का
यह दाखरस है निशान ।

४ और मुझे याद भी होता है
कि यीशु हक़ कुरबान
p सलीब पर चढ़ा था पुर-दर्द
और था लहू लुहान।

pp ५ हाथ पांवमें कील नसनस में दुःख
रग रग में उस के दर्द
p यह सोचके दिल में कहता हूं
मसीह है दुःख का मर्द।

६ मसीहा दुःख और ईज़ा से
जो तू ने पाई है
तू ने मुझ आसी की नजात
सचमुच कमाई है।

---

२९९ (२१५) S.M. HOLYROOD *H. 576. P. 462.* DENNIS *P. 218. S. 566.*

m १ मुताबिक़ दअ़वत के
अब बन्दः आया है
इस मेज़ पर जिसको मिहर से
तू ने बिछाया है।

mp २ अपनी लियाक़त पर
न मुझ को है उम्मेद
m ख़ुदावन्द की सदाक़त पर
भरोसा है जावेद।

३ तेरी यादगारी से
मैं मानूं अशा को
सची तैयारी दिल की दे
कि बरकत इस में हो।

"Here, O my Lord."

३०० (२१६) 10. 10 10. 10. ST. AGNES *H. 415. P. 423.*

m १ तेरा दीदार ख़ुदावन्द चाहता हूं
नादीद चीज़ों को अब कर आशकार
फ़ज़ल इलाही हासिल फिर कर लूं
और तुझ पर डालूं दिल का सारा भार।

२ खुदा की रोटी फिर मैं खाता हूं
आसमानी मै को पीता तेरे घर
दुनया का हर एक बोझ उतारता हूं
और दिल का रंज छूट जाता सरासर।

mp ३ मैं गुनहगार, सिर्फ़ तू ही है रास्तबाज़
मैं हूं नापाक, साफ़ करता तेरा खून
m तेरी रास्तबाज़ी मेरा है लिबास
मेरी पनाह नहीं मसीह बिदून।

mp ४ हम उठते हैं निशानियां होतीं दूर,
बाक़ी है प्यार गो दअवत हो तमाम
रोटी और मै दूर हों, तेरे हुज़ूर
आफ़ताब और सिपर मेरी है दवाम।

"Alleluia, sing to Jesus."

३०१ 8 7.8.7. D.

BETHANY { H. 81, P. 241.
ADORATION H. 92

mf १ हल्लिलूयाह दिल से गाओ
यीशु तख़्त पर है बुलन्द
हल्लिलूयाह अपने ज़ोर से
यीशु हुआ फ़तहमन्द
सुन सैहून के खुश-सरोद को
बेशुमार आवाज़ों से
यीशु ने ख़ून से ख़रीदा
हम को सारी क़ौमों से।

mf २ हल्लिलूयाह हम न रहें
आगे को यतीम ग़मगीन
हल्लिलूयाह वह नज़दीक है
यह ईमान से है यक़ीन
गरचि वह आसमान पर चढ़के
बैठा बाप के दहिने हाथ
क्या हम भूले उसका वअ़दा
सदा हूं तुम्हारे साथ।

mf ३ हल्लिलूयाह तू हयात का
आब और रोटी है और राह
f हल्लिलूयाह गुनहगार का
तू है आसरा और पनाह
d ऐ इनसान के शाफ़ी मेरी
mp कर सिफ़ारिश बाप के पास
f जहां सारी क़ौम मुक़द्दस
mf गाती तेरी हम्द सिपास।

mf ४ हल्लिलूयाह शाह दवाम के
तू है रब्ब-उल-आलमीन
हल्लिलूयाह दरमियानी
तू आसमान पर तख़्त-निशीन
पाकतरीन में दाख़िल होके
सरदार काहिन है पुर-शान
p पाक रिफ़ाक़त में हमारे
mp फ़सह का तू है क़ुरबान

mf ५ हल्लिलूयाह दिल से गाओ
यीशु तख़्त पर है बुलन्द
हल्लिलूयाह अपने ज़ोर से
यीशु हुआ फ़तहमन्द
सुन सैहून के ख़ुश-सरोद को
बेशुमार आवाज़ों से
यीशु ने ख़ून से ख़रीदा
हम को सारी क़ौमों से।

देखो भी: ३३, ३५-३६, २३५.

(३) दान देना.

३०२ (४३) C. M. YORK { H. 513. P. Ps. 2. S. 243.

mp १ ख़ुदाया सच्ची दानिश दे
कि अपना माल मनाल
मुताबिक़ तेरी मरज़ी के
हम करें इस्तिमाल।

mp २ दुनया की फ़ानी चीज़ों की
हम क़द्र जानें ख़ूब
और उनके ऐश औ इशरत से
न कभी हों मग़लूब।

३ न हो कि सिर्फ़ इस दुनिया में
हम जमअ करें माल
दुनयावी इज़्ज़त हासिल कर
p हम आख़िर हों कंगाल।

m ४ पर अब ख़ैरात में देके धन
और दौलत दुनयावी
हम जमअ करें बर आस्मान
ख़ज़ाना अबदी।

---

२०३ 8.8.8.4 ALMSGIVING { *H. 423.* *P. 427.*

mf १ ख़ुदा रहीम बाप मिहरबान
बुज़ुर्ग तू है और आलीशान
तौभी तू देखता है इनसान
ख़ास फ़ज़्ल से।

२ तू बरकतें हज़ार हज़ार
रोज़ बख़शता है परवरदिगार
हर तरह से तू अपना प्यार
दिखलाता है।

३ चाहिये कि तेरे सब फ़रज़न्द
हों तेरे मानिन्द भी दर्दमन्द
और उन पर जो हैं हाजतमन्द
करें लिहाज़।

४ तंगहाल दिलगीर कमज़ोर लाचार
मुसिबतज़दः और बीमार
हम सब के होवे मददगार
ख़ुशदिली से।

५ जो अपने माल या ताक़त से
इस ख़िदमत में सर्फ़ करेंगे
ऐ बाप मसीह की ख़ातिर से
कबूल फ़रमा।

४ सुसमाचार का फैलाना.

"Blow ye the trumbet blow."

२०४ (१०२) 66.66 88 — LENOX *P. 437 S. 230.* ST. JOHN *H. 632. P. 559.*

mf १ इनजील का खुश पयाम
सब मुल्कों में तुम दो।
कि उस का इश्तिहार
हर जगह मश्रलूम हो

आज ही को जान नजात की आन
यह है मक़बूलियत का ज़मान।

२ मसीह के सबब से
है यह नजात तैयार
अब सारी दुनिया में
हो उस का इश्तिहार।

p ३ शैतान की हरकत से
हम हुए बद-श्रमाल
c पर हमें ईसा ने
फिर किया है बहाल।

mf ४ पस होवे हर कहीं
इनजील का इश्तिहार
हर मुल्क में ज़ाहिर हो
मसीह के ताबिश्रदार।

"Tell it out among the nations."

३०५ (१०६) 13 6 13 6. 13.13 13.6 — TELL IT OUT { *CH. 42. P. 566. S. 1073.*

mf १ ख़बर दो कि क़ौमें जानें यीशु है सुलतान
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो कि क़ौमें गावें हम्द अल्लाह हर आन
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो ख़ुशी से जाके जो हैं दूर औ पास
कि है क़ादिर शाह औ मालिक वही मुनजी ख़ास
ख़बर दो कि वे भी मिलकर गावें हम्द सिपास
ख़बर दो ख़बर दो।

mf २ ख़बर दो कि आदमी जानें सीधी राह नजात
ख़बर दो ख़बर दो
m ख़बर दो कि दुनया जाने अपनी भूल की बात
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो जो रोते हैं कि यीशु है हमदर्द
ख़बर दो तुम उन को जो कि लेते आह-इ-सर्द
ख़बर दो गुनाह की सब को होवे कोई फ़र्द
ख़बर दो ख़बर दो ।

mf ३ ख़बर दो कि हर एक जाने यीशु है तैयार
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो कि क़ौमें जाने उस का बे-हद्द प्यार
ख़बर दो ख़बर दो
ख़बर दो सड़क पर जाके या कि बीच बाज़ार
लोग पहाड़ औ वादी के भी होवें सब बेदार
कि सब थके मांदे आवें जो कि हैं लाचार
ख़बर दो ख़बर दो ।

---

२०६ (२२१) 7 6.7.6. D. *Ps. 67.* HEBER (MISSIONARY) { *H. 441. P. 445. S 1070.* }

m १ ख़ुदाया अपनी बरकत
तू हम पर नाज़िल कर
और कर तू अपना चिहरः
बन्दों पर जलवःगर
कि सारी क़ौमे जानें
तेरी अजीब नजात
ज़मीन पर जानी जावे
तेरे तरीक़ की बात ।

m/ २ जो तेरा राज ख़ुदावन्द
ज़मीन पर जारी हो
तो क़ौमें शुकर करके
मानेंगी शरअ़ को
तू करेगा बा-रास्ती
तब क़ौमों का इनसाफ़
मिटावेगा तू हक़ से
सब ज़िद्द और इख़्तिलाफ़।

m/ ३ हर उम्मत तेरे नाम पर
तब शुकर भेजेगी
ज़मीन तब अपना हासिल
ब-ख़ूबी देवेगी
बरकत पर बरकत पाके
हम्द क़ौमें करेंगी
ज़मीन की सब सरहद्दें
तब मुझ से डरेंगी।

---

२०७ (२२२) S. M. *Ps. 67.* BOYLSTON *P. 219. S. 117.* SELMA *P. H. 72. P. 218.*

m १ तू बरकत दे ख़ुदा
और हम पर रहम कर
और जलवः अपने चिहरे का
चमका तू बन्दों पर।

२ कि सुन के तेरी बात
लोग जानें तेरी राह
और तेरा फ़ज़्ल और नजात
जान कर छोड़ें गुनाह।

m ३ हर मुल्क के लोग ऐ रब्ब
करें तेरी तअ़रीफ़
और ख़ुशी करके गावें सब
कि तू ही है लतीफ़।

४ इनसाफ़ सब क़ौमों का
और राज तू करेगा
सो ख़ुशी करके ऐ ख़ुदा
गावें तेरी सना।

m/ ५ ज़मीन तब देगी फल
बरकत हमारा रब्ब
और उससे डरके छोड़के छल
ख़ुदा होगी दुनया सब।

३०८ (२२३) 6.6.6.6.8.8. *Ps. 72. 1.11* St. John { *H. 632. P. 359. S. 313.*

m १ बादशाह को ऐ ख़ुदा
अपनी अ़दालत दे
और बेटे को बढ़ा
साथ शान ओ शौकत के
mf तब हक़ से करेगा इन्साफ़
मिटावेगा सब इख़्तिलाफ़।

m २ मुसीबतज़दों को
वह करेगा मसरूर
और सारे बदों को
वह करेगा मजबूर
mp हां सारी क़ौमें डरेंगी
और तुझ को सिजदः करेंगी

m ३ वह मानिन्द शबनम के
ज़मीन पर उतरेगा
और मेंह की सूरत से
वह नाज़िल होवेगा
mf तब सादिक़ रहेंगे ख़ुशहाल
और पावेंगे आराम कमाल।

४ दरया से ता दरया
ता इन्तिहा ज़मीन
तब शाह सब शाहों का
तब होगा तख़्त निशीन
तब वहशी होंगे ताबिय़दार
और दुश्मन बनेंगे ख़ाकसार।

mf ५ जज़ीरों के रईस
तब हदिये लावेंगे
सबा सिबा तरसीस
मुजरे को आवेंगे
हां सारी क़ौमें सारे शाह
मानेंगे उस को शाहनशाह।

---

३०९ (२२४) 6.6 4 6.6.6.4. Olivet { *H. 197. P. 203. S. 235.*

mp १ ख़ुदाया रहमत से
हमारी अर्ज़ सुन ले
तू हो मिहरबान
हमारे सब गुनाह
बख़्श दे रहीम अल्लाह
c कि तेरी ही सराह
होवे हर आन।

m २ हमारे दिल साफ़ कर
मुहब्बत से तू भर
सब लोगों को
mf तब हम ब-दिल ओ जान
हम्द गावेंगे शादमान
ख़ुदावन्द आलिशान
हमेशः हो।

m ३ इस मुल्क का फ़ायदा कर
और सारे लोगों पर
तू हो मिहरबान
अन्धेरा जावे दूर
जल्द आवे सच्चा नूर
तो रास्ती से भरपूर
होवे जहान ।

"O'er those gloomy hills."

३१० (२२६) 8 7 8.7 4.7. REGENT SQUARE { H. 444. P. 4. S. 255.

m १ देख अन्धेरे पर्वत ऊपर
देख ले मन सूर्य्योदय ओर
वाचाएं सब पूरी होंगी
हुई अनुग्रह की भोर
mf धन्य यूएल
तेरा विभव हो प्रकाश ।

m २ हिन्दू चीनी अरब हबशी
जंगली ज्ञानी सब संसार
वह सम्पूरण बिजय देखें
mp क्रूश पर हुआ जो एक बार
mf मंगल संदेश
उत्तर दक्षिण हो प्रचार ।

mp ३ देश विदेश अन्धेरा छाया
देखे अब हर कुल और जात
c पूरब सीम से पश्चिम तलक
ज्ञान की भोर भगावे रात
mf और छुटकारा
सेंत मेंत सब को होवे प्राप्त ।

४ मंगल वचन फैलता जावे
जीत रहे पराक्रम पा
उस के अटल बड़े राज में
बढ़ती होवे सर्वदा
c उस का राजदंड
f सारे जग पर हो जयमान ।

"*Thou Whose Almighty Words.*"

३११ (२२६) 66.4.6664.

MOSCOW { *H. 429. P. 438. S. 5.*

mf १ तेरे फ़रमान से रब्ब
शुरू में ज़ुलमत सब
हुई है दूर
mp सुन आरज़ू बन्दों की
जिस जा न पहुंची
रौशनी इंजील ही की
mf अब होवे नूर।

m २ यीशु तू आया है
आसमान से लाया है
करम से मअ़मूर
सिहत और मख़लसी
रौशनी और ज़िन्दगी
mf हर क़ौम में दुनिया की
अब होवे नूर।

m ३ ऐ हक़ और प्यार की रूह
पाक ज़ीस्त-दिहिन्दः रूह
फैला तू नूर
फिर एक बार जुम्बिश कर
करम से हो जलवःगर
mf और तारीक दुनिया पर
अब होवे नूर।

m ४ ऐ पाक तसलीस महमूद
जलाली गैर-महदूद
क़ादिर गफ़ूर
mf तू अपना बे-हद प्यार
सभों पर कर आशकार
दुनिया के सब किनार
अब होवे दूर।

---

३१२ (२२७) 7.7.7.7.7.7.

WELLS { *PH. 176. P. 240. S. 277.*

m १ आवे प्रभु तेरा राज
आवे सत और धर्म का राज
होवें तेरे अधीन सब
देश के देश फिर आवें अब
आवे प्रभु तेरा राज
आवे सत और धर्म का राज।

p २ देख की सब ही भटके हैं
धर्म से सुख से परे हैं
नहीं जानते मुक्ति को
दौड़ जाते मृत्यु को
m आवे प्रभु तेरा राज
आवे सत और धर्म का राज

३ प्रभु वचन तेरा है
सब को आसरा लेना है
खींच तू सब के मन को अब
तुझ में लौलीन होवें सब
आवे प्रभु तेरा राज
आवे सत और धर्म का राज।

m ४ सब जाति ईश्वर ढूंढें अब
समीप होवें सब के सब
सब के पाप का मोक्षण हो
हृदय शुद्ध और मुक्ती हो
आवे प्रभु तेरा राज
होवे सिद्ध सब जग का काज

"Jesus shall reign."

३१३ (२१८) L. M. WARRINGTON { *H. 438.* *P. 385.* *S. 268.*

mf १ यीशु का मज़हब फैलेगा
तमाम जहान में दौड़ेगा
नूर उसका ज़ाहिर होवेगा
सभों के आगे चमकेगा।

२ जहां वह फ़ज़ल बख़्शेगा
तहां जहमत मिटावेगा
जो बरकत उससे आती है
निहाल वह सब को करती है।

३ मसीह के दिन जब आवेंगे
दीनदार दुनिया में फैलेंगे
वे ख़ुशी से वक़्त काटेंगे
आफ़त को सभी भूलेंगे।

f ४ हर ज़ात उठ के तारीफ़ करे
यीशु के नाम का गीत गावें
फ़िरिश्ते उतर मिल जावें
और सब के सब आमीन कहें।

ST. BEDE *PH. 288.*

३१४ (२२९) 8.7.8.7.4.7. DISMISSAL { *PH. 343.* *P. 451.*

m १ प्रभु यीशु धरमराजा
अपने राज में सब ले आव
अब मिटा सब देव की पूजा
बेग से अपना राज फैलाव
प्रभु यीशु अपने राज की जय कराव।

२ आप हो सच्चा उजियाला
करो दूर वह अन्धकार
धरमात्मा सब पर डालो
अब जिलाव सब मरनहार
धरम सूरज उदय हो अब सभों पर।

३ जब जब आप का मंगल बचन
लोगों पास खुल जाता है
तब दिखाव सच्चाई के लच्छन
mp झूठ क्यों सब भ्रमाता है
m तारणकर्त्ता आपसे लोग बच जाते हैं

m ४ बड़ा संग्राम करो अभी
हो सबतर आप की जय
जीत शैतान न पावे कभी
करो दूर भक्तों का भय
m/प्रभु यीशु आप के राजकीहो जयजय

---

३१५ (२१०) 6.6.6.6.8.8. St. John { H. 632. P. 359. S. 313.

m १ ऐ रब्ब-उल-आलमीन
कर फ़ज़ल कौमों पर
क़ौल तेरा है अमीन
अब उसको पूरा कर
सब सुनें अब इनजील की बात
ईमान लाके पावें नजात।

२ हर क़ौम के लोग और ज़ात
जो बुत के परस्तार
सुन लें मसीह की बात
हों तेरे ताबिअ़दार
तू अपनी सलतनत फैला
और सब मुख़ालिफ़त मिटा

"From Greenland s icy mountains."

३१६ (२३१) 7.6.7.6 D. Heber (Missionary) { H. 441. P. 443. S. 1070

m १ ग्रीनलैण्ड के मुल्क-इ-सर्द से
और हिन्द ओ चीन से भी
और हबश् से जहां चशमे
बख़्श देते ताज़गी
दरया मैदान पहाड़ से
हर क़ौम से हर ज़ुबान
लोग मिन्नत कर यह कहते
दिखाओ राह आसमान।

२ अलक़ादिर ने बनाए
इनसान बे-ऐब रास्तकार
mp शैतान के जाल में आए
सब हुए गुनहगार
वह निअ़मतें हज़ारहा
मसीह से पाते हैं
तौभी तबाह आवारः
ईमान न लाते हैं।

m ३ क्या हम जो रौशनी पाते
और लाखों बरकतें
mp उन को जो मरते जाते
c हयात का नूर न दें
mf पस ख़ुशी से फैलावें
नजात का ख़ुश पयाम
सब क़ौमें सुने पावें
यीशु मसीह का नाम।

४ कलाम-उल-क़ुद्स फैलाओ
फैलाओ सच्चा दीन
c मसीह का नाम सुनाओ
हर जगह रूए ज़मीन
f जब तक वह लौट न आवे
जो बर्रः था पस्तहाल
अपनी बादशाहत पावे
राज करे पुर-जलाल।

---

३१७ (२३२) P.M. U. G. *88.*

mf १ ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो फूलेगा बयाबान
सैहून के लोग गीत गावेंगे
वीराने लहलहावेंगे
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो फूलेगा बयाबान
इनजील का झण्डा ख़ुशनुमा
सब दुनिया में फरावेगा
और सब इनसान ग़ुलाम आज़ाद
कहें उस को मुबारकबाद
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो फूलेगा बयाबान।

२ ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो ख़लक़ुल्लाह गाओ गीत
सैहून से शरअ़ निकलेगा
सब दुनिया में फैल जायेगा
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो ख़लक़ुल्लाह गाओ गीत
हक़ होता तब हर जगह में
दरया सी होंगी बरकतें
तब हर एक दिल और हर ज़ुबान
ख़ुदा के होंगे सनाख़्वान
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो ख़लक़ुल्लाह गाओ गीत ।

३ ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो राज करेगा मसीह
तब भेड़ से चीता खेलेगा
सैहून में दुःख न होवेगा
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो राज करेगा मसीह
तलवार और भाले तोड़के वे
फाले हंसुए कर डालेंगे
लड़ाइयां बन्द हो जायेंगी
क़ौमें सुलह से रहेंगी
ख़ुश हो ख़ुश हो मसीह का राज अब आता
ख़ुश हो ख़ुश हो राज करेगा मसीह ।

"The morning light is breaking"

३१८ (२४७) 76.76 MORNING LIGHT — H. 267. P. 256. S. 680.

mf १ लो सुबह की रोशनी आती
तारीकी हटती दूर
हर मुल्क और क़ौम अब पाती
मसीह का सच्चा नूर।

२ ख़ुश-ख़बरी चीन और हब्श में
सुनाई जाती है
और उन के लोग पुकारते
"अब हो मसीह की जय"।

३ नबूवत पूरी होती
जिस में यह है मज़कूर
कि यीशु की बादशाहत
जल्द पावेगी ज़ुरूर।

४ मसीह इस हिन्दुस्तान में
अब अपना राज फैला
c कि क़ौमें तुझे मानें
ज़मीन का शाहनशाह।

---

३१९ P. M *"Awake! Awake!"* S. 810.

mf १ अब जाग! अब जाग! मसीह
तुझ को बुलाता है
अब जाग! अब जाग! और
नींद से हो बेदार
c पुकार! पुकार! है साल यह
बड़ी ख़ुशी का—
सलीब को ले, सलीब को ले
जल्द हो तैयार
c चल चल कार ज़ुरूर है
चल चल अब सुबह के
तारे का ज़हूर है
चल चल अब तो नूर है—
वह मुंजी मुंजी यीशु हादी है
सुना सुना सुनो गीतें
ख़ुश-इलहान
हो होशन्ना बोलें हम भी
एक ज़ुबान
वफ़ादार सिपाहिओ यीशु
को सिर्फ़ मानियो
बोलो मुफ़्त नजात जहां
पर जाना हो।

m २ आवाज़ें हैं हां रोने की
गैर-कौमों की
वह आती हैं समुन्दर के
इस पर
c तो चल तो चल नजात की
ख़बर उन्हें दे
मत ठहर यां मत देरी कर
जल्द हो तैयार।

mf ३ ऐ बर्रे की पाक दुलहिन
अब फैला तू हाथ–
बचा उन्हें जो है गुमराह
ओ दूर
ख़ुश–ख़बरी दे उन लोगों को
जो हैं बे-ताब
कि पावें वे तारीकी में
आस्मान का नूर

mf ४ अब देख अब देख वह दिन
जलील आ पहुंचा है
जब मानेंगी सब क़ौमें
यीशु को
c जब नूर-इ-पाक फैल जावेगा
सब मुल्कों में
और गावेंगे हर देश के
लोग कि सना हो।

---

३२० P. M. "To the work" S.751.

mf १ ख़िदमत में ख़िदमत में
हम सब होवें मशग़ूल
हो नमूना मसीह का अब
दिल से मक़बूल
उसकी बरकत से होकर मज़-
बूत ला–कलाम
जो कुछ काम होवे साम्हने
हम देवें अनजाम।
करो काम करो काम
करो काम करो काम
साथ उम्मेद साथ ईमान
काम होवे दिल से मालिक का

mf २ ख़िदमत में ख़िदमत में
भूखे पावें ख़ूराक
और बतावें हम मांदों को
चश्मः इ पाक
हाथ में लेकर सलीब का फिर
बाला निशान
हम सुनावें हर जा मुफ्त नजात
का बयान।

mf ३ ख़िद्मत में ख़िद्मत में
मिलकर हों ज़बरदस्त
ताकि सलतनत दुशमन की
पावे शिकस्त
लेकर नाम-इ-ख़ुदावाह-इ-रब्ब
आलिशान
तुम सुनाओ हर जा मुफ़्त नजात
का बयान।

mf ४ ख़िद्मत में ख़िद्मत में
गर हम रहें मुदाम
होगा ताज-इ-जलाली हमारा
इनआम
जब हम पहुंचेंगे अपने आस्मानी
मकान
c तब हम गावेंगे सदा नजात
का बयान।

"We have heard a joyful sound."

३२१ (३२३२) *P. 562. S. 1079.*

mf १ सुना हमने सुख का बोल
यीशु ख्रीष्ट तारनहार
दूर फैलावें बात अनमोल
यीशु ख्रीष्ट तारनहार
जल्दी जावें हर एक देश
पर्वत पर और दरया पार
यीशु कहता "दो सन्देश"–
यीशु ख्रीष्ट तारनहार।

२ मरके जीता अब सदा
यीशु ख्रीष्ट तारनहार
गावें हम तो सर्वदा
यीशु ख्रीष्ट तारनहार।
mp धीरे गावें शोक समय
मन जब दया मांगनेहार
mf हर्ष से गोर पर करते जै–
यीशु ख्रीष्ट तारनहार।

f ३ आंधी लहरों तुम कहो
यीशु ख्रीष्ट तारनहार
बोलो दूर के पापी को
यीशु ख्रीष्ट तारनहार
टापू सागर प्रतिगाम
गाके करो तुम प्रचार
ff मुक्ति पूरी सेंत मेंत आन–
यीशु ख्रीष्ट तारनहार।

देखो भी: ४८—५२, १०८–१२१.

५. पासबान और शिक्षक.

३२२ (२१७) L. M. ANGELUS { H. 353. P. 366. S. 79.

mp १ कलीसिया के बुज़ुर्ग चौपान
मसीहा आली निगहबान
इस वक़ तू सारी मजलिस पर
अपनी पाक रूह को नाज़िल कर।

२ इस तेरे ख़ादिम पर अल्लाह
तू कर ख़ास रहम की निगाह
इंजील की ख़िदमत करने को
अब का इस पाक तक़र्रुर हो।

३ तू अपनी बड़ी रहमत से
इस काम पर अपनी बरकत दे
हो अपने ख़ादिमों के साथ
जब इस के सिर पर रक्खें हाथ।

४ तक़र्रुर: पानेवालों को
पाक रूह का मसह हासिल हो
हो इस के ऊपर मिहरबान
कि ठहरे अच्छा निगहबान।

mp ५ और निगहबान के गल्ले पर
तू अपनी रूह को नाज़िल कर
कि गल्ल:बान और गल्ले को
ख़ुदा से पूरी बरकत हो।

---

३२३ (२१८) L. M. CRASSELIUS (WINCHESTER) { H. 6?. P. 150. S. 117.

mp १ अपनी पाक रूह ख़ुदावन्दा
इन अपने बन्दों पर बहा
हर निअ़मत से तू इन्हें भर
सदाक़त से मुलब्बस कर।

२ प्यार हिल्म ओ हिकमत ऊपर से
ज़ोर और सरगर्मी इन को दे
ता तेरे झुन्ड के निगहबान
चरावें भेड़ों को हर आन।

३ कि ढूंढें खोए हुओं को
और गल्ले की तरक़्क़ी हो
ऐ भेड़ों के बुज़ुर्ग चौपान
साथ इन के हाज़िर रह हर आन।

p ४ यहां जब इन का काम तमाम
c तब पावें मिहनत से आराम
mp जब शान से आवेगा सरदार
जलाल में ये भी हों ताजदार

"Blest be the tie that binds"

DONCASTER *H. 243.*
DENNIS {*P. 218.* *S. 566.*

३२७ S. M.

m १ क्या ही मुबारक हाल
हमारे दरमियान
रिफ़ाक़त है और मेल कमाल
जैसा कि है आसमान।

२ हम मिन्नत करते हैं
ख़ुदा के तख़्त के पास
हमारे मक़सद एकसां हैं
एकसां तस्कीन और आस।

३ रंज या मुसीबत हो
उन में हम हैं शरीक
शरीअत पूरी करने को
हम बोझ में हैं रफ़ीक।

mp ४ जब भाई से भाई हो दूर
दिल रहते हैं उदास
m फिर मिलने की उम्मेद है पुर
और मुलाक़ात की आस।

mp ५ हिम्मत में और क़रार
दिल होते हैं मसरूर
उस दिन का रखते इन्तिज़ार
जब एक साथ हों मसरूर।

६ तब रंज और दुःख से दूर
गुनाह से भी आज़ाद
मुहब्बत से रहें मअमूर
ता अबद-उल-आबाद।

देखो भी, १६५, १६६, १६८.

विशेष समय.

१. विवाह और घर.

३२८ (२१६) C. M. — St. Peter: H. 201. P. 178. S. 112. Tallis: H. 510. P. 104.

m १ जिन्हें ख़ुदावन्द ख़ुशी दे
वे सचमुच हैं ख़ुशहाल
जो करें ब्याह ख़ुदावन्द में
सो सचमुच माला माल।

२ इन दोनों पर ख़ुदावन्दा
जो करेंगे निकाह
हम तुझ से मिन्नत करते हैं
तू इन पर कर निगाह।

३ ये जोरू ख़सम होने को
अब करें क़ौल क़रार
पर तुझ से बरकत पाने को
हैं दोनों उम्मेदवार।

४ जहां तू दिल को करे शाद
वां सच्ची शादी है
जिस घर को करे तू आबाद
वां ख़ूब आबादी है।

५ जैसे गालील के काना में
तू ब्याह में था मिहमान
वैसे इस वक़्त भी हाज़िर हो
इस ब्याह के दरमियान।

m ६ और अपनी ख़ास हुज़ूरी से
कर दोनों ख़ुशतरीन
जब ये निकाह में बोलें हां
तब तू भी कह आमीन।

---

३२६ (२२०) 7.6.7.6. — St. Alphege: H. 472. P. 349.

mp १ मसीह बचानेहारे
हमारे बीच में आ
और अब इलाही बरकत
हम सभों पर बढ़ा।

२ ख़ास करके ऐ ख़ुदावन्द
तू अपने बन्दों पर
जो पाक निकाह अब करते
रूहानी फ़ज़्ल कर।

३ इस परेशान संसार में
तू इनका रहबर हो
कि तेरे सच्चे शागिर्द
ये होवें आख़िर को।

४ जो इन पर वाक़िअ होवे
तू आप हिमायत कर
कि तेरी ही पनाह में
ये रहें जीवन भर।

"O Father, all creating."

३३० S.7.8.7.D. ROUSWEAU *H. 605. P. 543.*

m १ अदन में तू ने ख़ुदावन्द
पाक विवाह का इन्तिज़ाम
रहमत से मुक़र्रर किया
ता इनसान को हो आराम
जैसे तू ने बरकत बख़्शी
पहले मर्द और औरत पर
वैसे तू इन दोनों पर भी
अपनी बरकत नाज़िल कर।

२ काना में तू ने दिखाई
अपनी क़ुदरत ओ जलाल
अब भी हाज़िर हो और इनको
फ़ज़्ल से कर मालामाल
उन्हें तू पाकीज़ा कर के
एक को दूसरे से मिला
अपनी रहमत से तू उन पर
दौलत फ़ज़्ल की बरसा।

mp ३ उम्र भर तू उनके साथ हो
उन की नित हिदायत कर
साथों साथ वे दुःख ओ सुख में
चलें तेरी राहों पर
उन्हें बरकत से मअमूर कर
सदा रहें तेरे पास
उन का सफ़र जब तमाम हो
उन्हें बख़्श अबदी मीरास।

२. नया साल वग़ः

३३१ (२४३) 8.8 6.8.8.6. COLWYN BAY H. 211
HULL H. 465. P. 465. S. 552.

mp १ अब गुज़रा है पुराना साल
m पर रब्ब का रहम है बहाल
हज़ारों शुक्र हो
mp ख़ुदावन्द मुझ पर कर निगाह
मुआफ़ कर मेरे सब गुनाह
बख़्श फ़ज़्ल बन्दे को।

mp २ हां मेरे सब गुनाहों को
मसीह के लहू से तू धो
मुझ को क़बूल कर ले
m मुहब्बत से तू है मअ़मूर
जो कुछ कि मुझे है ज़रूर
मसीह की ख़ातिर दे।

३ और आगे मेरे सब घरबार
और दोस्तों का हो मददगार
सभों पर कर निगाह
तू मेरी जान की ख़बर ले
तू रोज़ की रोटी मुझे दे
और दुःख में हो पनाह।

---

३३२ (२४४) 8.7.8.7. MARINERS { H. 581. P. 197. S. 316.

mf १ अबनज़र मालिक मेरे
तू ने मेरी मदद की
फिर एक साल ब-फ़ज़्ल तेरे
मेरी ज़िन्दगी रही।

m २ राहत रंज जो मुझ पर आया
मेरे लिये अच्छा था
दुःख और सुख जो मैं ने पाया
सो इनआम था फ़ज़्ल का

mp ३ जितनी ख़ता हुई मेरी
रहम करके मुआफ़ कर दे
m निअ़मत तेरी थी बहुतेरी
शुकर को क़बूल कर ले।

४ नये साल में मेरी ख़बर
रोज़ ब-रोज़ ख़ुदावन्द ले
मेरी कर बरदाश्त और सबर
ख़तरों से पनाह तू दे

mp ५ दिन और साल गुज़रते जाते
m तू ख़ुदावन्द क़ाइम है
pp आदमज़ाद सब मरते जाते
m तू ख़ुदावन्द दायम है

६ तुझ पर मैं ने नये साल में
सारी आस लगाई है
जीते मरते हर एक हाल में
यीशु की दुहाई है।

मुसाफ़िर.

"God be with you."

३४० (३५०) P. M. GOD BE WITH YOU *P. 501. S 298.*

mp १ रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
ज़िन्दगी की राह बतावे
हमें अपनों में मिलावे
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
जब, जुदाई हो, जब जुदाई हो
कि उस पार हम फिर मिलें
जब जुदाई हो, जब जुदाई
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों।

२ रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
अपने साया तले लावे
मन्न आसमानी रोज़ खिलावे
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों।

३ रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
ख़ौफ़ औ ख़तरे से बचावे
अपनी गोद की आड़ दिखावे
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों।

४ रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों
प्रेम का झंडा नित फैलावे
मौत की मौज का ज़ोर मिटावे
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हों।

"Great Ruler of the land and sea."

३४१ 868686. ST. CHRYSOSTOM *H. 213. P. 500.*
STELLA *H. 618. P. 607*

१ हे तू, जो जल और धरती को
नित अपने हाथ में रखता है
समुन्दर के सब जोखिम को
और डर को दूर कर सकता है।

m २ तू रात की छाया को हटा
अन्धयारे को उंजाला कर
तू उठती लहरों को थमा
और उन्हें शान्त और नम्र कर।

mp सम्भाल तू अपने हाथ से सब
समुन्दर पर जो होवें अब।

m ३ तू स्थिर कर मुंह समुन्दर का
और आंधियों का बल घटा
सभों को मीठा पवन दे
और क्षेम से रात और दिन चला।

mp ४ हे ख्रीष्ट हर बिपत के समय
कह दु:ख से "चुप रह और थम जा"
c हमारा आसरा तू ही है
तू शोक और संकट सब मिटा।

---

५. क़ौमी गीत.

३४२ (३४८) 7.6.7.6.D. MORNING LIGHT { *H.* 267. *P.* 256. *S.* 680.

mf १ ऐ हिन्दुस्तान ख़ूबसूरत
ख़ुश-नुमा रौनक़दार
हैं तेरे बाग़-पुर फ़िज़ा
मैदान हैं ख़ुश-गवार
हैं तुझ में सुथरे चशमे
और सुथरी चरागाह
जहां कि दिन की धूप में
है राहत ओ पनाह।

२ हां वादीआं भी तेरी
हैं फूलों से मअ़मूर
और आंख जब उन पर जाती
दिल होता है मसरूर
बुलन्द पहाड़ हिमालया
और बीच के कोहिस्तान
सब तुझ को बख़्शते जीवन
ऐ मुल्क-इ-हिन्दुस्तान।

m ३ ऐ यीशु के शागिर्दों
मत हो हैरान उदास
mf जल्द होवेगी यह जगह
ख़ुदा की-ख़ास-उल-ख़ास
ईमान उम्मेद को लेके
और रूह की तेज़ तलवार
तुम जंग में आगे बढ़ो
हो फ़तह की पुकार।

४ अवध ओ रोहेलखंड से
कुमाऊं भी ओ गढ़वाल
सभों से इ़ज़्ज़त पावे
ख़ुदावन्द ज़ुल-जलाल
हां हैदराबाद-इ-दखन
बंबई बंगाल मदरास
और कुल ज़मीन यह हिन्द की
हो जावे पाक मीरास।

" God save the King "

३४३ (३२२) 6 6.4.6.6.6 4. NATIONAL ANTHEM *H. 511. P. 508.*

mf १ बादशाह सलामत हो
या अल्लाह बादशाह को
रख तू ब-ख़ैर
कर उसे फ़तहमन्द
ख़ुश-हाल और सर-बुलन्द
राज उस का इक़बालमन्द
बादशाह की ख़ैर।

२ जितनी जो निअ़्मत हो
बख़्श दे तू बादशाह को
राज रख ब-ख़ैर
राज की शरीअ़त पर
चले वह उम्र भर
तब गावें ख़ुशी कर
बादशाह की ख़ैर।

" God save the King."

३४४. (३२२र) 6 6.4 6.6 6.4. NATIONAL ANTHEM *H. 511. P. 508.*

कैसर इ हिन्द की जय
उन का राज हर समय
हम पर रहे

उन को पवित्रता
चैन सुख और महिमा
आनन्द अब और सदा

हे ईश्वर दे॥

देखो भीः २०६, ३१५, ३१८.

१. परमेश्वर पिता.

३४५ (१६) 8.7.8.7. BATTY (INVITATION) { *PH.* 223. *P.* 310.

mf १ हे परमेश्वर रक्षक मेरे
तेरा प्रेम मैं जानता हूं
पाया करता हूं दान तेरे
तेरा धन्य मैं मानता हूं।

२ भोजन वस्त्र तूने दिया
दिया सब कुछ दीनदयाल
रक्षन मेरा तू ने किया
सदा रक्षन कर रखवाल।

३ सब कुछ मैं ने तुझ से पाया
p तौभी तेरा किया पाप
अब मैं पापों से लजाया
उन से मुझे है सन्ताप।

mp ४ प्रभु यीशु रूधिर तेरा
मुझे शुद्ध कर सकता है
मन पवित्र कर तू मेरा
करूंगा मैं तेरी जय।

"God sees the little sparrow fall."

३४६ C.M. PROVIDENCE *P.* 514.

१ गोरैयों पर जब गिरती हैं
दृष्ट पड़ती ईश्वर की
जो चिड़ियों को वह करता प्यार
प्यार मुझ को करता भी
वह मुझे भी वह मुझे भी
प्यार मुझे करता भी
जो छोटी चीज़ें करता प्यार
प्यार मुझे करता भी।

२ वह खेत के फूल को रंगता है
सुगन्ध वह देता भी
जो फूलों को वह करता प्यार
प्यार मुझे करता भी।

c ३ फूल पक्षी सृजा ईश्वर ने
सब बड़े छोटे भी
वह अपनों को न भूलेगा
प्यार सब को करता भी।

"God who dwells in heaven above."

२४७ C. M.

BELMONT { *H. 583. P. 119. S. 665.*

mp १ ईश्वर जो स्वर्ग में रहता है
क्या मेरी सुनेगा
c हां निश्चय वही सुनता है
और उत्तर देवेगा ।

mp २ क्या ईश्वर मुझे देखता है
p जब करता हूं कुकर्म्म ।
हां रात औ दिन वह ताकता है
कि खोजे पाप औ धर्म्म ।

mp ३ क्या ईश्वर जान भी सक्ता है
जो बोलूं झूठी बात
हां निश्चय वही सुनता है
न उसे कुछ अज्ञात ।

c ४ क्या ईश्वर चिन्ता करता है
मुझ छोटे लड़के की
mp हां मुझे वह खिलाता है
और सब कुछ देता भी ।

p ५ क्या ईश्वर मुझे मरने दिन
बुलाएगा अपने पास
c हां यदि करूं पाप से घिन
और बनूं उसका दास ।

देखो भी: १०, २३.

---

२. पुत्र—(१) उस का जन्म.

"From the eastern mountains."

२४८ (२२३) 6 5, 6. 5, D.

COLSTON *H. 442.*
HERMAS *H. 543 P. 511.*

m १ पूर्वी देश की ओर से
ज्ञानी आते हैं
बुद्धिमान मनुष्य
नज़र लाते हैं
दूर ही दूर से आके
राजा को खोजते हैं
तारे को देख करके
आगे बढ़ते हैं ।

२ बेतलहम पहुंच के
दर्शन पाते हैं
जग का मुक्तिदाता
बालक देखते हैं
तब वे नज़रें खोलके
सामने रखते हैं
अपनी भेंट चढ़ाके
घुटने टेकते हैं ।

mp ३ यीशु ख्रीष्ट जब आया
मन में दीन रहा
c तौभी बालकपन में
गुप्त न रह सका
mf अब उस का सितारा
ध्रुव है चमकता
हर कहीं उजाला
उस का पहुंचता।
m ४ पूरव में और पश्चिम
लाखों देखते है
mp अपने सिर झुकाके
दंडवत करते है
m बुद्धिमान मनुष्य
उस से सीखते हैं
सत्य गुरू जानके
उस को मानते हैं।
५ आदरमान का सोना
शुक्र का लुबान
और प्यार का सुगन्ध—
ये चढ़ाते दान
mf सब का मुक्तिदाता
सब को देता ज्ञान
प्रभु यीशु ख्रीष्ट है
ईश्वर पूत महान।

---

३४६ (३५६) *"There came a little child to earth."*
P. M. TROYTE'S CHANT *H. 584. P. 520.*

m १ एक लड़के की पैदाइश थी
क़दीम ज़मान
फ़िरिश्तों ने सिताइश की
ज़मीन आसमान।
mp २ रात ही के वक़्त बड़ी रौशनी में
गाई सना
m क्योंकि पैदा जो हुआ बैतलहम में
ख़ुदावन्दा था।
mf ३ एक पसन्दीदा मुल्क में दूर
दिलचस्प ओ पाक
है लड़के पहिने ताज पुर-नूर
सुफ़ेद पोशाक।
४ वे गाते हैं कि आसमान का रब्ब
लड़का था एक बार
p और कि ताज जलाली हम पावें सब
लिया ताज ख़ारदार।
५ और होके दिलगीर कमज़ोर
मुहताज दी अपनी जान
c कि आदम-ज़ाद कर सके राज
ऊपर आसमान।
mf ६ और वे लड़के जलाल सुफ़ेद
पोशाक गीत गा गा
सराहते हमेशः मुनजी पाक
जो लड़का था।

"Jesus bids us shine."

३५३ (३५१) 5.5.6.5.6 4.6 4. S. 1138.

m १ अपनी रौशनी दे
तुझे है फ़रमान
छोटे दीप की मानिन्द
रात के दरमियान
p दुनया है अन्धेरी
c हम रौशनी दें
तू ही तेरी जगह
और अपनी में।

m २ अपनी रौशनी दे
यीशु कर मशहूर
mp देखता वह अफ़सोस से
जब घट जाता नूर

c बरकत हम को बख़्शता
ता रौशनी दें
तू ही तेरी जगह
और अपनी में।

m ५ अपनी रौशनी दे
सभों पर चमका
p दुनया में अन्धेरा
कैसा छा रहा
गुनाह रंज और ग़म हैं
c हम रौशनी दें
तू ही तेरी जगह
और अपनी में।

"Beautiful the little hands."

३५४ 7.7.7.7.9.7.9.7. G. 400.

mf १ उमदः हैं जो छोटे हाथ
करते काम पियार के साथ
उमदः हैं वे आंखें भी
जिन में है नूर इ मसीह

उमदः हां उमदः जो छोटे हाथ
करते काम ईमान के साथ
उमदः हां उमदः हैं आंखें भी
जिन में चमकता मसीह।

mf २ छोटे हाथ हैं बने सब
वास्ते तेरे काम के रब्ब
पांव भी तेज़-रफ़्तारी से
चलेंगे वास्ते तेरे।

३ छोटे लब जो हैं दिलसोज़
दुआ करें रोज़ ब रोज़
छोटे दिल की ख़्वाहिश भी
सदा हो वास्ते मसीह।

४ छोटे जो कर सकते हो
करो दिल से उस ही को
वही चाहता है मसीह
वही करो ब ख़ुशी।

"A little helpless child am I."

३५५ C. M. BELMONT { *H. 583. P. 149. S. 665.*

mp १ एक छोटा बच्चा नातवान
ग़रीब लाचार मैं हूं
नजात को चाहता मैं नादान
न जानता क्या करूं।

२ तू मेरे लिये ऐ मसीह
एक लड़का हुआ था
मुझ छोटे के बचाने को
d सलीब पर मुआ था।

m ३ इस प्यार के इवज़ ऐ मसीह
मैं तुझे देऊं क्या
और तुझे राज़ी करने को
क्या करूं मैं बता।

४ पर ऐ मसीह कौन बड़ा काम
हो सकता है मुझ से
ज़ोरावर तू है मैं कमज़ोर
तू मुझे मदद दे।

mf ५ तू अपने दिल को मुझे दे
यह हुक्म तेरा है
ऐ रब्ब तू बिलकुल मुझे ले
तू मालिक मेरा है।

६ तू मेरे दिल का हाफ़िज़ हो
नापाकी से कर पाक
कर रोशन मेरी समझ को
[illegible]

"We are but little children weak."

३५६ L. M ALSTONE *H. 577. S. 1139.*

१ हम छोटे लड़के हैं अबल
हमारा है न शक्त न ज्ञान
यीशु के लिये क्या करें
जो है सर्वोत्तम और महान।
२ हर लड़के को हैं दिन व दिन
कुछ भीतर बाहर करने को
यीशु के लिये है मरन
और पाप से नित्य लड़ने को,
३ जब क्रोध और घमंड के विचार
हम अपने मन में करते हैं
जब जीभ पर कड़ी बातें हैं
और कोप से आंसू भरते हैं।
४ तब क्रोध का हाथ हम करें बन्द
और रोक लें अपनी बात विरुद्ध
हम नम्रता से उत्तर दें
और खीष्ट के लिये करें युद्ध।
५ हम कैसे छोटे क्यों न हों
पर क्रूस सभों को धरना है
और सब का है वह प्रेम का काम
जो खीष्ट के लिये करना है।

"Hear the pennies dropping."

३५७ 6.5.6 5 8.5.6.5. *S. S. H. 50.*

mf १ पैसे डाले जाते
सुनो गिरते अब
हर एक है यीशु का
वह पावेगा सब।
f गिरते गिरते गिरते गिरते
सुनो गिरते अब
हर एक है यीशु का
वह पावेगा सब।
mf २ गिरते सदा गिरते
छोटे हाथों से
दान यह है यीशु को
हम ही लड़कों से।
३ जब तक हम हैं छोटे
पैसे सिर्फ़ पूंजी
पर जब होंगे बड़े
और हम देंगे भी।
४ पैसे पास न होवें।
करें उस को प्यार
ग्रहण वह करेगा
होके ख़ुश हर बार।

"*Yield not to temptation.*"

३५८ 11 11.11.11.12. FORTITUDE { *H. 561. P 530. S. 698.*

mf १ लड़ो तुम शैतान से
हट जाना है पाप
जय पाने से तेरा
फिर होगा प्रताप
दिल से बढ़ते जाओ
हे प्रभु के दास
नित उस को तुम देखो
वह रहेगा पास।
mp अब मसीह से तुम मांग लो
c शान्ति रक्षा और बल को
mf उस पर आशा तुम रखो
वह रहेगा पास।

mp २ दुष्ट लोगों की संगति
मत किया करो
और ईश्वर के नाम को
बे अर्थ तुम न लो
करो बड़े प्रेम से
संग सभों के वास
c नित प्रभु को देखो
वह रहेगा पास।

f ३ तब मिलेगा मुकुट
जो करोगे जय
तब शोकित न होंगे
सुख पाने का है
जो है मुक्तिदाता
तब देगा लिबास
नित प्रभु को देखो
वह रहेगा पास।

पुत्र—(४) उसकी स्तुति.

३५९ (६६) P. M. "*O come let us sing.*" *C H. 59. P. 546.*

mf १ एक दिल होके गाओ
यीशु मसीह की स्तुति
उस की कीर्ति बढ़ाओ
जिस ने सिद्ध की है मुक्ति
क्योंकि सोता भराया
mp निज हृदय के खून से
m जहां धोए हम छूट जाते
मन के दोष और औगुण से।

f जै जै तारणहार
तेरा प्रेम हम गावेंगे
मृत्यु सागर के पार
जब हम तुझे देखेंगे

p २ अब मैला है दिल
पाप से क्या ही दुःख आता
और दुनया का छल
हमें बार बार फंसाता

m पर प्रभु का वचन
आस और ज़ोर हमें देता
क्योंकि वह देता मोचन
और सब दुशमन जीत लेता।

p ३ शायद मौत का समय
जल्द हमको आवेगा
c जो विश्वास का विजय
और विश्राम हमें देगा
जब तू पाप की माया
आत्मा से दूर करेगा
mf और अमर की छाया
अपने पास सदा देगा।

"The Great Physician."

२६० (६८) *8.7.D.7.7.7.6.* *P. 544. S. 89.*

m १ सन्सार का सब से बड़ा बैद
वह है हमारा यीशु
mf उनको जो पाप में पड़े कैद
प्यार से बोलता यीशु।
m सब संसार में मीठा नाम
पृथ्वी स्वर्ग में मीठा नाम
सब से प्रिय मीठा नाम
mp यीशु यीशु यीशु।

m २ तुम्हारा सब से बड़ा पाप
है क्षमा बोलता यीशु
तुम स्वर्ग को आओ साथ मेल मिलाप
कि मुक्ति देता यीशु।

m ३ यीशु का नाम हटाता है
हर पाप और दुःख से यीशु
प्यार से अब बुलाता है
mp कौन और है जैसा यीशु ।

m ४ आओ भाइयो उसकी स्तुति गाओ
गाओ स्तुति वास्ते यीशु
आओ बहिनो तुम भी गीत उठाओ
नाम धन्यवाद है यीशु ।

५ आओ लड़को तुम भी राग मिलाओ
तुम्हारा भी है यीशु
हज़ूर की शाद्व साथ ख़ुशी लाओ
तुम को बचाता यीशु ।

६ स्वर्ग देश को जब हम चढ़ेंगे
तब देखें अपने यीशु
वहां फिर नहीं मरेंगे
अनन्त आनन्द साथ यीशु ।

"Come children join to sing."

३६१ (३५९) 6.6.6 6 D. MADRID { *H. 544.* *P. 536.* }

mf १ ऐ लड़को मिलके गाओ
हल्लिलूयाह आमीन
मसीह की हम्द सुनाओ
हल्लिलूयाह आमीन

सब फ़ज़्ल से मअ़मूर
ख़ुश हों उस के हुज़ूर
हम्द उसकी है मनज़ूर
हल्लिलूयाह आमीन ।

mf २ अब अपने दिल उस्काओ
हल्लिलूयाह आमीन
आसमान तक गीत उठाओ
हल्लिलूयाह आमीन
m वह है हमारा यार
हादी और मददगार
बे-हद है उसका प्यार
हल्लिलूयाह आमीन ।

mf ३ तशरीफ़ फिर करो सब
हल्लिलूयाह आमीन
हम थक जावेंगे कब
हल्लिलूयाह आमीन
f आसमान के पाक मक़ाम
नित रहके बा-आराम
हम गावेंगे मुदाम
हल्लिलूयाह आमीन ।

---

२६२ (२६३) P M "If you have a pleasant word." G. 407.

mf १ दिल की ख़ुशी अब मनाओ
गाओ गाओ
लड़को सब शाद-दिल हो जाओ
गाओ दिल से गाओ
यीशु कहता सभों को
लड़को मेरे फ़रज़न्द हो
मेरी बरकत दिल में लो
गाओ दिल से गाओ ।
f गाओ अभी दिल से गाओ
हम्द के गीत मसीह पास लाओ
दिल की ख़ुशी अब मनाओ
गाओ दिल से गाओ ।

mf २ तुझ को वह पुकारता है
गाओ गाओ
दिल से पेच उखाड़ता है
गाओ दिल से गाओ
शक औ शुभा करो दूर
उस में होके रह मसरूर
अब से हो तुम बे-क़ुसूर
गाओ दिल से गाओ

३ तुम जो दबे हुए हो
गाओ गाओ
उस पर अपने बोझ डालो
गाओ दिल से गाओ
वह हर बोझ उठावेगा
पुर-आराम फ़रमावेगा
बाप के घर में लावेगा
गाओ दिल से गाओ ।

"Who is He in yonder stall."

३६३ (२६८) 777.7.77 LOWLINESS (ADORATION) { H. 541. P. 538.

mp १ बालक कौन है देख उस थान
जिस को पूजते हैं चौपान
f वुह है ईश-कथा अनूप
वुह है ईश-ज्योति स्वरूप
mp करें उसका आदरमान
c सब का प्रभु उसको जान।

mp २ वुह है कौन धनहीन के घर
सिर झुकाता उद्यम पर।

३ वुह है कौन स्वरूप उदास
करता वन में उपवास।

p ४ वुह है कौन जो रोता है
जहां लाज़र सोता है।

p ५ कौन गथसमन आधी रात
प्रार्थना करता शोक के साथ

mp ६ वुह है कौन जो मरनकाल
बैरियों पर है दयाल।

m ७ वुह है कौन जो क़ब्र से
उठके हम को जीवन दे।

mf ८ कौन सिंहासन पर बिराज
करता आप ही स्वर्ग में राज

"Little children praise the saviour."

३६४ (२७४) 87.8.7.87. SWEET HOSANNAS { H. 546. S.S. H. 538.

m १ लड़कों गीत मसीह का गाओ
उसकी तुम पर है निगाह
उसके प्यार का गीत सुनाओ
और नजात के हो मद्दाह।

n २ जब वह पहले आदमी बना
लड़के लोग तब ख़ुशी से
उसकी पाक तश्रीफ़ और सना
एक आवाज़ हो गाते थे।

mf ख़ुश होशन्ना ख़ुश होशन्ना
गाओ यीशु की तश्रीफ़।

३ माओं ने बाल बच्चे लेके
योशु को घेर लिया था
उस ने उन्हें बरकत देके
गोद में ले खुश किया था।

mf ४ लड़को लड़कियों गीत गाओ
गाओ सब मसीह का प्यार
फिर जब तुम आसमान को जाओ
गाओ गीत तब बे-शुमार।

देखो भी: ४४, ४५, ५९, ६७, ७७, २७४, २७६.

४. पवित्र आत्मा.

२६५ 8.7 8 7 D. ROUSSEAU { *H. 603.* *P. 543*

mp १ रूह उल कुद्दस ऐ पाक मुअल्लिम
मेरे ऊपर हो करीम
आप से आप मैं कुछ न जानता
दे मुझ लड़के को तअलीम
मेरे ज़िहन को कर रौशन
कि मैं जानूं अपने को
d तुझ से रोशनी पाके देखूं
दिल में जो खराबी हो।

mp २ मेरे दिल को कर उजाला
जब मैं पढ़ता पाक कलाम
अंबल की मुक़द्दस बातें
मेरे दिल में करें काम
मैं नजात के भेद को समझूं
रूह उल कुद्दस मुझ को समझा
आप से आप मैं क्योंकर जानूं
तू मुझ लड़के को सिखा।

३ और मसीह ने जो कुछ किया
काम कलाम मुहब्बत का
उस का बोलना उस का चलना
सब कुछ मुझे तू बता
c मुझ से कह कि यीशु प्यारा
मुझे भी प्यार करता है
और कि अपने प्यार के हाथ को
सदा मुझ पर धरता है।

m ४ और यह बात भी मुझ पर खोल दे
यीशु मेरा है बे-शक
c मैं हूं उस का वह है मेरा
अब से ले हमेशा तक
रूह उल कुद्दस ऐ पाक मुअल्लिम
मेरे ऊपर हो करीम
आप से आप मैं कुछ न जानता
दे मुझ लड़के को तअलीम।

"Holy Spirit, hear us."

ERNSTEIN *H. 552.*
FILITZ *H. 579.*
(BEMERTON) *P. 571.*

२६६ 6.5.6.5.

mp १ कर पवित्र आत्मा
गाने में सहाय
संग तू हो हमारे
स्तुति के समय।

२ कर पवित्र आत्मा
प्रार्थना में अगुवाई
निकट आ सिखला दे
जो कुछ बोलना है।

c ३ दे पवित्र आत्मा
ज्योति बैबल पर
उस पवित्र वचन
अब तू उजला कर।

mp ४ कर पवित्र आत्मा
मन में दीन हर आन
शुद्ध बना और कोमल
यीशु के समान।

c ५ कर पवित्र आत्मा
हलका हर एक क्लेश
और हमारे खेल में
पाप न हो प्रवेश।

mp ६ रख पवित्र आत्मा
दूर इन पापों से
जो हमारे मन में
गुप्त हों आंखों से।

c ७ दे पवित्र आत्मा
प्रतिदिन सहाय
mf कि लड़ाई हम जीत ले
और चुन ले भलाई।

---

५. सुसमाचार.

"Tell me the old old story."

३६७ (३२६) 7. 6 7. 6. D.   REMEMBRANCE *H. 170.* EVANGEL *P 555 S. 1231.*

m १ मुझे वह बात सुनाओ
क़दीम से जो मशहूर
कि यीशु मिहरबान है
और प्यार से है मअ्मूर
mp मुझे वह बात समझाओ
कि बच्चा हूं नादान
गुनाह से हूं आलूदः
लेर-बार और ना-तवान

m २ बार बार मुझे सुनाओ
ता उसे करूं याद
कि यह ख़ुश-ख़बरी सुनके
हूं दिल ओ जान से शाद
नजात का भेद बताओ
कि यीशु आया है
और अपने क़ीमती ख़ून से
मुझे बचाया है।

m मुझे वह बात सुनाओ
कि यीशु है पुर-प्यार।

mp ३ मुझे फिर याद दिलाओ
जब ख़्वार हूं और बीमार
और ग़म और दुःख के मारे
बे-कस हूं और लाचार
m इस प्यार की बात को सुनके
तसल्ली पाता हूं
और नाम मसीह का लेके
शुक्र मनाता हूं।

mp ४ मुझे वह बात सुनाओ
जब आवे इम्तहान
और ग़फ़लत से जगाओ
संभालो मेरी जान
p और मौत का वक़्त जब आवे
सुनाओ वही बात
c कि यीशु के पाक ख़ून से
है अबदी हयात।

---

३६८ (३५३) 8.7.8 7.7.7.

OBERLIN { C. H. 89. P. H 87. P. 131.
BOHEMIA P. 79.

m १ यीशु पाप से मुक्ति देता
छोटे लड़के लड़कियों को
और वह कहता बेटी बेटा
अपना दिल अब मुझे दो
mp मैं ने दी है अपनी जान
तेरे पाप का बलिदान।

p २ हम सब हुए दास और दासी
पाप की क़ैद और ज़ंजीर में
m अनन्त जीवन और ख़लासी
हमें मिलती तुझ ही से
mp तू ने दी है अपनी जान
मेरे पाप का बलिदान।

p ३ हे प्यारो तो विचारो
ऐसा प्रेम है बे-बयान
ख़ुदा का एकलौता बेटा
प्रेम अपार से छोड़ आसमान
mp दुष्ट सन्सार में अपनी जान
दी है पाप का बलिदान।

m ४ आओ तो लड़को दिल शुद्ध करें
प्रेम से उसकी स्तुति गायें
जब इस दुखित देह छोड़ देके
अपने प्रभु से मिल जायें
mf सीखेंगे तो नये गीत
जब हम पावें मौत की जीत।

"If I Come to Jesus."

WOODBROOK H. 557.
IF I COME { P. 553. C. H. 85. S. S. H. 33.

३६९ (२५४) 6.5.6.5. D.

m १ यीशु पास गर आऊं
मिटेगा वसवास
खुशी मुझे देगा
दिल जब हो उदास
mf यीशु पास गर आऊं
हूंगा खुश सरीह
छोटों को बुलाता
उलफ़त से मसीह।

m २ यीशु पास गर आऊं
करेगा इहसान
प्यार बे-हद्द वह रखता
हुआ भी क़ुरबान।

mf ३ यीशु पास गर आऊं
लेगा मेरा हाथ
बिहतर मुल्क की राह पर
वह रहेगा साथ।

४ लड़कों में तब शामिल
खुश सुफ़ेद-पोशाक
उस नूरानी मुल्क में
देखूं मुनजी पाक।

"Gentle Jesus meek and mild."

SIMPLICITY H. 554.
INNOCENTS { H. 299. P. 574.

३७० (२५७) 7.7.7.7.

m १ ऐ मसीह ग़रीब हलीम
लड़कों पर तू हो रहीम
मुझे तुझ पास आने को
ताक़त और इजाज़त हो।

२ तू ने किया हुकम खास
लड़के आवें मेरे पास
सो तू मुझ को फ़ज़ल से
अपने पास भी आने दे।

mp ३ जो दरकार हो मुझे दे
मुझ कमज़ोर की ख़बर ले
रात और दिन हो मेरे साथ
रख तू मुझ पर अपना हाथ।

"*When mothers of Salem.*"

२७१ (३६१) P. M. SALEM { *C. H. 48.* / *P. 561.* }

m १ जब लड़कों को मांएं ख़ुदावन्द के पास लाईं
शागिर्दों ने तब तुन्द हो करके रोका उन्हें
mp पर यीशु ने तब गोद में ले
यह कहा बड़ी उलफ़त से
"ऐसे छोटे लड़कों को पास आने दो"।

mp २ मैं हाथ रखकर सिर पर अब उनको बरकत दूंगा
मैं हूं चौपान इन बच्चों का वे क्यूं जावें दूर
मैं उन के दिल को लेऊंगा
और बरकत उन को देऊंगा
"ऐसे छोटे लड़कों को पास आने दो"।

mf ३ आह! कैसी मुहब्बत ख़ुदावन्द ने किई ज़ाहिर
उन बच्चों को मुहब्बत से बुलाया क़रीब
पस दिल से कोशिश होवे अब
और मिलकर हम भी कहें सब
"ऐसे छोटे लड़कों को पास आने दो"।

---

२७२ (३६६) "*I love to hear the story*" ELLON { *P.H. 355. P 566.* / *S. 1156.* }
ANGEL'S STORY *H. 545.*

m १ फ़िरिश्तों ने जो गाया
वह क़िस्सा क्या शीरीन
जलाल का बादशाह उतरा
कि रहे बीच ज़मीन

mp कमज़ोर और गुनहगार हूं
c पर एक है मददगार
मसीह बचाने आया
कि मुझे किया प्यार।

m २ मेरा मुबारक मुनजी
पक लड़का मुझसा था
और लड़कों को दिखलाया
नमूना नेकी का
और अगर उस की पैरवी
मैं करूं इख़्तियार
वह मुझे न भूलेगा
कि मुझे करता प्यार।

mp ३ मैं उस की हम्द करूंगा
रहीम है और लतीफ़
अगर्चि है अनदेखा
वह सुनता है तअरीफ़
और उस ने वअदः किया
कि मैं भी आख़िरकार
फ़िरिश्तों में गीत गाऊं
कि मुझे करता प्यार।

"*Come to the Saviour.*"

२७३ (३७०) 99.96. INVITATION { C. H. 77. P. 560. S. 1165. }

mp १ यीशु पास आ न देर कर पे यार
उसके कलाम में राह है आशकार
देख वह हमारे बीच हो इस बार
उलफ़त से कहता "आ"
mf ख़ुशी ख़ुशी होगी बे-क़ियास
जब गुनाह से पाक हो और ख़लास
यीशु! हम जमअ हों तेरे पास
अबदी मकानों में।

mp २ लड़कों को मेरे पास आने दो
m उसकी आवाज़ को सुन ख़ुर्रम हो
उसको हम देवें दिल अपने को
देरी न करके आ।
३ देख वह है आज हमारे दरमियान
उसके कलाम मुबारक को मान
उस की शीरीन आवाज़ सुन हर आन
mf पे मेरे फ़रज़न्द आ।

"Jesus loves me"

३७४ (३७२) 7.7.7.7. JESUS LOVES ME { *H. 548. P. 554. S. 1155.*

m १ यीशु हम को करता प्यार
बाइबल में है समाचार
हम हैं निर्बल वह बलवान
लड़कों पर है दयावान

mf हां उस का प्यार है
है सत्य यह समाचार।

m २ यीशु हम को करता प्यार
मरके खोला स्वर्ग का द्वार
मेरे पाप को सब मिटा
मुझे ग्रहण करेगा।

m ३ यीशु मुझे करता प्यार
संग रहेगा इस सन्सार
c जो मैं अन्त लों रखूं आस
स्वर्ग में लेगा अपने पास।

"Sing them over again to me."

३७५ 8.7 8 6.7 7.8.6 WORDS OF LIFE *P. 559 S. 357.*

mf १ गाके फिर मुझको राहत दो
कलमः इ ज़िन्दगी
वह ही बस मुझ को ज़ीनत हो
कलमः इ ज़िन्दगी
कलमः खूब ओ नादिर
हो ईमान इ क़ादिर
c कलमः अज़ीज़ कलमः अजीब
कलमः इ ज़िन्दगी।

mf २ यीशु देता है सभों को
कलमः इ ज़िन्दगी।
लो अब तुम जो कि भूले हो
कलमः इ ज़िन्दगी
आओ बिना नक़दी
ला हयात इ अबदी।

३ जाके सभों को दो पैग़ाम
कलमः इ ज़िन्दगी
बख़्शता दिलों को चैन आराम
कलमः इ ज़िन्दगी
यीशु सच्चा शाफ़ी
उस से मेल ओ मुआफ़ी।

m २ मेरा मुबारक मुनजी
एक लड़का मुझसा था
और लड़कों को दिखलाया
नमूना नेकी का
और अगर उस की पैरवी
मैं करूं इख़्तियार
वह मुझे न भूलेगा
कि मुझे करता प्यार ।

mp ३ मैं उस की हम्द करूंगा
रहीम है और लतीफ़
अगर्चि है अनदेखा
वह सुनता है तअ़रीफ़
और उस ने वअ़्दः किया
कि मैं भी आख़िरकार
फ़िरिश्तों में गीत गाऊं
कि मुझे करता प्यार ।

"*Come to the Saviour.*"

२७२ (२७०) 99.9.6. INVITATION { C. H. 77. P 560. S. 1165.

mp १ यीशु पास आ न देर कर ऐ यार
उसके कलाम में राह है आशकार
देख वह हमारे बीच हो इस बार
उलफ़त से कहता "आ"
mf ख़ुशी ख़ुशी होगी बे-क़ियास
जब गुनाह से पाक हो और ख़लास
यीशु! हम जमअ़ हों तेरे पास
अबदी मकानों में ।

mp २ लड़कों को मेरे पास आने दो
m उसकी आवाज़ को सुन ख़ुर्रम हो
उसको हम देवें दिल अपने को
देरी न करके आ ।
३ देख वह है आज हमारे दरमियान
उसके कलाम मुबारक को मान
उस की शीरीन आवाज़ सुन हर आन
mf ऐ मेरे फ़रज़न्द आ ।

"Jesus loves me"

३७४ (३७२) 7.7.7.7. JESUS LOVES ME {*H. 548. P 554. S. 1155.*

m १ यीशु हम को करता प्यार
बाइबल में है समाचार
हम हैं निर्बल वह बलवान
लड़कों पर है दयावान

mf हां उस का प्यार है
है सत्य यह समाचार ।

m २ यीशु हम को करता प्यार
मरके खोला स्वर्ग का द्वार
मेरे पाप को सब मिटा
मुझे ग्रहण करेगा ।

m ३ यीशु मुझे करता प्यार
संग रहेगा इस सन्सार
c जो मैं अन्त लों रखूं आस
स्वर्ग में लेगा अपने पास ।

"Sing them over again to me."

३७५ 8 7.8 6.7.7.8.6 WORDS OF LIFE *P. 559 S. 357.*

mf १ गाके फिर मुझको राहत दो
कलमः इ ज़िन्दगी
वह ही बस मुझ को ज़ीनत हो
कलमः इ ज़िन्दगी
कलमः ख़ूब ओ नादिर
हो ईमान इ क़ादिर
c कलमः अज़ीज़ कलमः अज़ीब
कलमः इ ज़िन्दगी ।

mf २ यीशु देता है सभों को
कलमः इ ज़िन्दगी ।
लो अब तुम जो कि भूले हो
कलमः इ ज़िन्दगी
आओ बिना नक़दी
लो हयात इ अबदी ।

३ जाके सभों को दो पैग़ाम
कलमः इ ज़िन्दगी
बख़्शता दिलों को चैन आराम
कलमः इ ज़िन्दगी
यीशु सच्चा शाफ़ी
उस से मेल ओ मुआफ़ी ।

mf ४ एक जगह दिलकश उस से हुई तैयार
सब के लिये जो हुए पाक साफ़
और उन में हैं लड़के हज़ारों हज़ार
जिन के सारे गुनाह हुए मुआफ़।

mf ५ पर अब तक बहुत लड़के ज़मीन पर तमाम
न जानते आसमानी दियार
m उन्हें कहा चाहिये मसीह का कलाम
सब आओ—है जगह तैयार।

mf ६ खुदा वह मुबारक ज़मानः जल्द ला
वह खुशी ओ खुर्रमी का वक़्त
कि लड़कों का गुरोह हो सब मुल्कों का
मसीह के पास होवे खुश-वक़्त।

"God of heaven hear our singing."

३७६ 8787. SEFTON H. 610. ST OSWALD H. 459. P. 274.

mp १ स्वर्गीय पिता सुन हमारी
छोटे बालक हैं हम सब
c तौभी बड़ी अर्ज़ हमारी
जो हम लाते तुझ पास अब।

mp २ आवे तेरा है राज विन्ती
पावे चैन तुझ में सन्सार
c सब पहचान के मानें तेरी
करके स्तुति धन्य प्यार।

mf ३ धरती पर वह मीठा वर्णन
यीशु के अद्भुत प्रेम का
महिमा का गीत गावे
स्वर्गीय दूत लोगों का सा।

४ भेज हे पिता जल्द वह समय
होगा जब हर एक तेरा
क्योंकि तेरा है पराक्रम
राज और महिमा सदा।

देखो भी: ३०५, ३२१.

७. सुबह.

"The morning light."

३८० C M.

SPRINGTIDE HOUR *H 595.*
DENFIELD *P. 569.*

mf १ सुबह का नूर रात करके दूर
मुझे जगाता है
पिता हर बार सिर्फ़ तेरा प्यार
मुझे बचाता है।

mp २ दिन भर यही है अर्ज़ मेरी
तू अगुवा हो और नाथ
पाप क्षमा कर और मुझे धर
हे यीशु अपने साथ।

३ रह मेरे पास और अपना वास
धन आत्मा मुझ में कर
c साफ़ मुझे रख कि तेरा मुख
मैं देखूं मरने पर।

देखो भीः २६२.

---

८. शाम.

"Jesus, tender Shepherd."

३८१ (३५८) 8.7.8.7.

EVENING PRAYER *H. 601.*
DIJON H. (APP) 4. *P 527.*

mp १ ऐ मसीह रहीम चरवाहे
मेम्ने को अब बरकत दे
मुझ पास रह अन्धेरी रात में
फ़ज़्र तलक ख़बर ले।

m २ दिन भर तू ही ने सम्भाला
अपनी बड़ी रहमत से
तू ने कपड़ा खाना दिया
शाम की दुआ भी सुन ले।

mp ३ सब गुनाह से दे मुआफ़ी
दोस्तों पर तू रहम कर
m बख़्श कि मरने बाद आसमान में
सदा रहूं तेरे घर।

---

३८२ 6565 "*Now the day is over.*" LYNDHURST *H. 599.* FILITZ (BEMERTON) { *H. 579.* *P. 571.* EUDOXIA *S. S. H. 150.*

१ अब है दिन बीत गया
रात फिर आती है
सन्ध्याकाल की छाया
जग पर छाती है।

२ अब अन्धेरा फैलता
तारे निकले हैं
पशु फूल और पक्षी
जल्द सो जाते हैं।

mp ३ थकों को हे यीशु
चैन आराम तू दे
साथ अपनी आशीष के
हमें नीन्द भी दे।

४ छोटे बालकों को
दरशन हो तेरे
बीच समुद्र जो फिरते
रख तू जोखिम से।

५ दुःख में जो तड़पते
उन्हें शान्ति दे
जो बुराई को चाहते
उन्हें रोक तू ले।

६ रात भर मेरा रक्षन
करें दूत तेरे
उन के परों तले
रहूं कुशल से।

mf ७ और जब हो सवेरा
तब फिर उठूं मैं
शुद्ध हो और पवित्र
तेरे देखने में।

f ८ महिमा हो पिता की
महिमा पुत्र की
और तेरी धन्य आत्मा
अब और नित्य भी।

६. प्रभु का दिन.

३८३ P.M. "*Sweet Sabbath School.*" *G. 384.*

mf १ ऐ सण्डे स्कूल मुझ को मक़बूल
सब और मकानों से
दिल तेरे ख्याल में है मशग़ूल
ऐ मसकन ख़ुशी के
पियारे घर ख़ुश मकान
दिल तेरी ख़ुशी से मख़मूर
ऐ मेरे ख़ुश मकान।

२ इस घर में दिल को मिली थी
आस्मानी घर की राह
वह बिहतर चीज़ तब मैं ने ली
और पाई शाद की गाह ।

३ यीशु ने आके मेरे पास
बचाई मेरी जान
वह मेरी हुआ ख़ुश मीरास
मैं उस में हूं शादमान ।

१०. प्रार्थना

३८४ (७१) 6.5.6.5. INFANT PRAISES { *P. H. 340. P. 510.*

mp १ यीशु दीन और कोमल
पुत्र ईश्वर के
प्रेमी मुक्तिदाता
विन्ती को सुन ले ।

२ पापों को कर क्षमा
बेड़ी को खोल डाल
तोड़ दे हर एक मूर्ति
फिर न हो जंजाल ।

३ कर निर्बन्ध और निर्मल
मन में प्रेम भर दे
स्वर्ग की ओर हे यीशु
हमें खींच तू ले ।

mp ४ यात्रा में संग होके
मार्ग तू आप बता
जग के अन्धकार से
स्वर्ग में ले पहुंचा ।

५ यीशु दीन और कोमल
ईश्वर पुत्त महान
सुन हमारी विन्ती
त्राता दयावान ।

३८५ (३६५) 6.5.6.5. FILITZ (BEMERTON) { *H. 579. P. 581. U. G. 118.*

m १ प्रभु यीशु प्यारे
मेरा गुरू हो
धर्म का ज्ञान और शिक्षा
दे मुझ लड़के को ।

२ प्रभु यीशु प्यारे
मेरे त्राता हो
क्षमा क्षेम और मुक्ति
दे मुझ लड़के को ।

m ३ प्रभु यीशु प्यारे
मेरा प्रभु हो
ज्ञान तू मुझे अपना
अपने लड़के को ।

"Jesus from Thy throne on high."

३८६ 7.7.7.6. LEBBÆUS *H. 559. P. 580.*

mp १ तू जो रहता बीच आस्मान
ज़ाहिर करता अपनी शान
देखता है तमाम जहान
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

mf २ हम तो छोटे हैं लाचार
दिल में भी हैं गुनहगार
तौभी हम हैं उम्मेदवार
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

३ लड़कों को तू करता प्यार
उन का दोस्त है वफ़ादार
मदद देने को तैयार
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

४ तू ने छोड़ा था आस्मान
यहां हुआ था क़ुरबान
तेरा प्यार है बे बयान
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

m ५ जो ईमान से आवेगा
वह रिहाई पावेगा
तू ज़रूर बचावेगा
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

६ जांच हमारे दिल का हाल
गुनाह उन से तू निकाल
पाक तू कर हमारी चाल
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

७ काम में खेल में भी हर बार
होवें हम फ़रमानबरदार
तेरे रहें वफ़ादार
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

p ८ तू जो है जहान का नूर
है हमारे पास ज़रूर
कभी नहीं होता दूर
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

mp ९ अपनी राह में तू चला
निगहबान हो सभों का
आख़िर अपने पास उठा
सुन ख़ुदावन्द यीशु।

३८७ *"All our sinful words and ways."* CHANT *H. 562.*
7.7.7.7. LAST HOPE *P. 552.*

mp १ सब ख़राब कलाम अमाल
ओछा करना वक़्त और माल
सब मग़रूर और बद ख़याल
मसीह की ख़ातिर मुआफ़ कर दे।

२ भूल से हुआ जो क़ुसूर
झूठ और जो बात ना मन्ज़ूर
हुई तेरे पाक हुज़ूर
मसीह की ख़ातिर मुआफ़ कर दे।

३ जो बुराई हम ने की
मना चीज़ जो चाही थी
बुरी भी सलाह जो की
मसीह की ख़ातिर मुआफ़ करदे।

m ४ मदद जो नित है ज़रूर
क़ाइम रहने का मक़दूर
ता न हों मसीह से दूर
मसीह की ख़ातिर हम को दे।

५ ईमान तुझे देखने को
उम्मेद डर से बचाने को
ताक़त आगे बढ़ने को
मसीह की ख़ातिर हम को दे।

६ फ़ज़ल की सब बरकतें
जब तक तुझ पास आ रहें
तेरा चिहरा भी देख लें
मसीह की ख़ातिर हम को दे।

"Jesus, Saviour, hear my call."

ST. ALBAN H. 604.
JESUS, SAVIOUR { P. 579. S. M. 87.

३८८ 7 7.7.5.

mp १ यीशु त्राता सुन मेरी
मन में जो मैं हूं पापी
m तू है जीवन आस मेरी
रह तू मेरे पास।

mp २ मैं परदेश अकेला हूं
तुझ से दूर मैं न रहूं
तुझ मे अगुआ मैं पाऊं
रह तू मेरे पास।

m ३ अछों के बचाने को
तू ने दी जान अपनी को
mf और जीत लिया क़बर को
रह तू मेरे पास

m ४ अपने प्रेम से मुझे भर
मेरा जीवन अर्पित कर
इच्छा मेरी अधीन कर
रह तू मेरे पास।

mp ५ पड़े छाया मृत्यू की
कर पिता सहाय मेरी
खड्ड में होके चलूं भी
रह तब मेरे पास।

२ दोस्त वहां मिलके न जानेंगे ग़म
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर
एक घर रहेंगे एक दिल हो हर दम
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर
सोने का शहर और नदी शफ़्फ़ाफ़
मोती के दर से जलाल है क्या साफ़
करने बयान से ज़ुबान है मुआफ़
दूर दूर ही दूर दूर दूर ही दूर

m ३ सुनो क्या गाते हैं बरकत-नवाज़
आओ जल्दी आओ, आओ जल्दी आओ
दुनिया है फ़ानी जल्द होगी गुदाज़
आओ जल्दी आओ, आओ जल्दी आओ
आओ बाप के घर में मकान है तैयार
साथ हो उस दोस्त के जो है वफ़ादार
गाओ वह गीत जिस को दिल करे प्यार
आओ जल्दी आओ, आओ जल्दी आओ।

"When He cometh."

४०३ (३७३) 8.6.8.5.7.7.7 7. WHEN HE COMETH (JEWELS) { *H. 585. P. 591. S. 1140.*

m १ रब्ब फ़रमाता वह दिन आता
जब मेरे लोग होंगे
खास ख़ज़ानः ताज शहानः
अज़ीज़ औ महबूब

mf अपने यीशु में कामिल
और जलाल में हो शामिल
तब सितारों की मानिन्द
वे चमकेंगे खूब।

m २ सब ख़रीदे बरगुज़ीदे
इकट्ठे तब होंगे
नूर पोशाक है गुरोह पाक है
अज़ीज़ औ महबूब ।

२ छोटे लड़के छोटे लड़के
जो रब्ब को प्यार करते
है ख़ज़ानः ताज शहानः
अज़ीज़ औ महबूब ।

"There's a Friend for little children."

IN MEMORIAM *H. 586.*

४०४ (३७५) 7 6.7.6.D ELLACOMBE { *H. 538 P.590. S. 695.*

m १ शफ़्फ़ाफ़ आसमान के ऊपर
है लड़कों का एक दोस्त
वहां प्यार है दाइम
न बदलता वह दोस्त
mp जो दुनया में है दोस्ती
नहीं है पायदार
mf वह दोस्त हमेशः यकसां
रहीम है वफ़ादार ।

m २ शफ़्फ़ाफ़ आसमान के ऊपर
है लड़कों का आराम
ख़ुदावन्द को जो मानते
पहुंचते उस मक़ाम
mf वहां आराम कमाल है
गुनाह और रंज हैं दूर
और सब ईमानदार लड़के
नित होंगे पुर-सुरूर ।

m ३ शफ़्फ़ाफ़ आसमान के ऊपर
है लड़कों का एक घर
वहां मसीह का चिहरः
है रौशन सभों पर
mf उस घर की मानिन्द कभी
ज़मीन पर घर न था
है सब की ख़ुशी पूरी
बे-हद्द ला इन्तिहा ।

m ४ शफ़्फ़ाफ़ आसमान के ऊपर
है लड़कों का एक ताज
और सब जो उसे पाते
हमेशः करेंगे राज
mf उन को वह ताज जलाली
मिलेगा बाप के हाथ
जो मुनजी को दोस्त रखते
और चलते उस के साथ ।

"Safe in the arms of Jesus."

४०५ (३७६) 7.6 7.6 D. ARMS OF JESUS H. 593. P. 192. S. 57.

mp १ सालिम मसीह की गोद में
सालिम मसीह के पास
मैं ख़ुश हूं उस के प्यार में
है राहत रूह को ख़ास
सुनो फ़िरिश्ते गाते
ख़ुश राग एक शीरींनतर
उस वतन रौनक़दार में
बिल्लौरी चश्मों पर।
mp सालिम मसीह की गोद में
सालिम मसीह के पास
मैं ख़ुश हूं उस के प्यार में
है राहत रूह को ख़ास।
२ सालिम मसीह की गोद में
सालिम मुसीबत से
सालिम मैं इमतिहान में
ख़तरे से दुश्मन के
अब दूर सब बेक़रारी
अब दूर सब शक-शुबे
सिर्फ़ थोड़ा दुःख यह बाक़ी
सिर्फ़ थोड़ा ग़म मुझे।
m ३ यीशु मेरी पनाह है
जो हुआ है मसलूब
वह मेरी ख़ास चट्टान है
मुझ को यक़ीन है ख़ूब
मैं ठहरूंगा सबर से
जब तक है रात मौजूद
मैं ठहरूंगा ख़ुशी से
जब तक हो दिन नमूद।

---

४०६ 6 6.5.5 6. "There is a city bright." CITY BRIGHT H. 555. P. 587.

m १ एक शहर पाक और साफ़
गुनाह से ख़ाली है
उस में नापाकी
उस में नापाकी
हरगिज़ न दाख़िल है।

mp २ पास तेरे आता हूं
मसीह ऐ बर्रे पाक
तू मुझे धो ले
तू मुझे धो ले
गुनाह से कर तू पाक।

m ३ अपना फ़रज़न्द मसीह.
तू मुझे अब बना
और सब गुनाह से
और सब गुनाह से
तू मुझे नित बचा।

mf ४ जब तक उस शहर में
मेरा पोशाक पुर-नूर
बे-दाग़ और बे-ऐब
बे-दाग़ और बे-ऐब
पहुंचूं तेरे हुज़ूर।

"Around the throne of God."

GLORY *H. 587.*

४०७ (३७७) C. M. AROUND THE THRONE { *P. 596.* *S. M. 4.*

mf १ हज़ारहा लड़के खड़े हैं
ख़ुदा के तख़्त के पास
मुहब्बत से वे भरे हैं
और पाते ख़ुश मीरास

f गाते सना सना सना
सना हो ख़ुदावन्द की।

m २ साफ़ होके सब गुनाहों से
वे रहते हैं ख़ुश-हाल
पियारे हैं ख़ुदावन्द के
वे गाते हैं निहाल।

m ३ किस तरह पाया लड़कों ने
वह उम्दः पाक मक़ाम
वे बचके सब तकलीफ़ों से
ख़ुश रहते है मुदाम।

४ इस सबब से कि यीशु ने
बहाया अपना ख़ून
वे धोके उस में फ़ज़्ल से
आसमान पर है मामून।

५ ख़ुदावन्द को इस दुनिया पर
पियार वे करते थे
सो अब हमेशः उस के घर
वे ख़ुर्रम रहेंगे।

" O Saviour bless us ere we go."

४०८ (२५३) 8.8.8.8 8 8 STELLA { H. 618. P. 607.

m १ आशीष से यीशु बिदा कर
और वचन सभों में जमा
तू हम्में प्रेम और चेष्टा भर
कि मन हो तन न गुनगुना

d जीवन के दिन और सन्ध्याकाल
c हमारी जोत हो त्राण दयाल ।

mp २ यह दिन अब हुआ है समाप्त
और तू ने देखे सारे कर्म
कृपा से जो कुछ हुआ प्राप्त
और सब भूल चूक भी और अधर्म ।

m ३ हे प्रभु क्षमा कर सब पाप
कुपन्थ से हमें नित बचा
और अगले दिनों का प्रताप
पवित्रता और सुख बढ़ा ।

४ तू अभी था अब अम है सुख
उतारा तू ने क्लेश का भार
न होवे बैर और पाप से दुःख
न मन में छल वा अहंकार ।

m ५ हर मित्र दुखी और कंगाल
और पापी निमित्त सुन पुकार
c दे हम को आनन्द हे कृपाल
हे यीशु प्रिय तारणहार ।

" Saviour, again to Thy dear name."

४०९ (२५४) 10.10.10.10. ELLERS { H. 617. P. 608. S. 291.

m १ नजात दिहिन्दः फिर ब-दिल ओ जान
हम तेरे नाम के होते सनाख्वान
हमारी बन्दगी अब है तमाम
d सो घुटने टेककर चाहते हैं सलाम ।

m २ बख़्श घर की राह पर अपना पाक सलाम
ता आज का रोज़ मुक़द्दस हो तमाम
जो सिजद: करके आये तेरे घर
तू उन को बदी से बचाया कर।

mp ३ इस रात को भी मसीहा दे सलाम
और दिल को रौशन करके दे आराम
कर दूर तू अपनों से दुःख ओ नुक़सान
कि तेरे पास है दिन ओ रात एक-सां।

mp ४ तू हमें उमर भर बख़्श दे सलाम
दुःख ओ तकलीफ़ के वक़्त दिल को क़याम
m जब तेरे हुक्म से जंग है तमाम
इनायत कर तू अबदी सलाम।

---

४१० (२५५) 8.7.8 7.4.7. MANNHEIM { H. 295 P 316. S. 524.

m १ वक़्त-इ-रुख़सत बाप दे बरकत
मुनजी दे सलामती
ऐ तसल्ली देनेवाले
कर तू मदद अबदी
बरकत बख़्श दे
बाप और बेटे पाक रूह भी।

२ जब यहां मुसाफ़िर होते
तू हमारे साथ हो ले
ऊपर भी आसमानी घर में
बरकत हमें सदा दे
सदा सदा
प्यार के नूर में रहने दे।

---

४११ (२५६) 8 7 8 7 4.7. ROUSSEAU { H 605. P. 317. S 376.

m बोया है फिर बीज आसमानी
ऐ ख़ुदावन्द फ़ज़ल कर
बीज उगाके फल रूहानी
आगे हम में ज़ाहिर कर
बरकत दीजिये
होवें फलदार उमर भर।

---

४१२ (२५७) 8 7.8.7 4 7 REGENT SQUARE H. 444. P. 450. S. 255.

m अपने घर से रुख़सत कीजिये
फ़ज़ल से ख़ुदावन्दा
बाप रहीम अब रूह पाक दीजिये
हम्में बसे वह सदा
mf हल्लीलूयाह
शुकर करो अल्लाह का।

---

४१३ (२५८) 8 7 8 7.4.7. TRIUMPH H. 630. P. 614. S. 1.

m रुख़सत और आशीष दे ईश्वर
हम्में भर दे सुख और प्यार
अपना प्रेम और दया देकर
मन हमारे ख़ूब सुधार
f जै जै यीशु
जै जै यीशु आमीन।

---

४१४ (२५९) L. M. ELY H. 7. P. 598. RETREAT P H. 241. P. 326.

m १ अब रूख़सत कर ख़ुदावन्दा
हम सब पर बरकत तू बहा
mp कर सब क़ुसूरों को मुआफ़
कर दिलों को कलाम से साफ़

p २ हम हैं अलबत्तः गुनहगार
mf पर फ़ज़ल तेरा बे-शुमार
m अब बन्दगी क़बूल कर ले
और रूख़सत कर सलामती से।

४१५ (३४३) THE LORD BLESS THEE AND KEEP THEE { *H.* 649. *P.* 602.

mp १ प्रभु आशीष देवे
तुझ को प्रतिदिन आनन्द देवे
तेरी रक्षा करे
वह अपना रूप
नित तुझ पर प्रगट करे
और शान्ति दे।

तमजीद-इ-तसलीस.

४१६ (२६०) L. M.

ELY *H.* 7. *P.* 598.
OLD 100 *H.* 634. *P.* 615.

mf तीन एक ख़ुदा जो आलीशान
हम्द उस को करे सब जहान
आसमान ज़मीन की मख़्लूक़ात
ख़ुदा की गाओ तुम सिफ़ात।

---

४१७ (२६१) 8.8.8.8.8.8

OLD 113. *P. H. Dox.* 10.

mf मुबारक और बुज़ुर्ग ख़ुदा
तसलीस और वाहिद है सदा
तअ़रीफ़ और सना उसकी हो
फ़िरिश्ते सब और सब इनसान
आसमान ज़मीन हां कुल जहान
कहें मुबारकबाद उस को।

४१८ ([illegible]) RAVENNA (VIENNA) { H. [illegible] P. [illegible]

mf

शुक्र हम्द सिताइश हो
नित मसीह मुनज्जी को
बाप और रूह-उल-क़ुद्दूस को भी
हो तारीफ़ हमेशः को।

४१९ ([illegible]) S.M. PRAGUE P. H. Dox 5. P. 93

mf

सिताइश बाप की हो
सिताइश बेटे की
और रूह-उल-क़ुद्दूस की करें हम
सिताइश अबदी।

४२० ([illegible]) 8.7.8.7. WINTER { P. H. 138. STUTTGART { H. 607. (LEIPZIG) { P. 54.

mf

अब हमारे बाप ख़ुदा की
और मसीह ख़ुदावन्द की
और तसल्ली-दिह रूह पाक की
हो सिताइश अबदी।

---

४२१ ([illegible]) 7.6.7.6 D MUNICH P. H. 250. P. 123.

mf आसमानी बाप हमारे
तेरी सिताइश हो
मसीहा मुनजी प्यारे
तेरी सिताइश हो

ऐ रूह जो हामी मेरा
तेरी सिताइश हो
ऐ पाक तसलीस हमेशः
तेरी सिताइश हो।

४२२ (२६६) 8 7.8.7.4.7. TRIUMPH *H. 630. P. 614.*

mf बाप आसमानी तेरी हम्द हो
तेरा प्यार है बे-बयान
ऐ पाक बर्रा तेरी हम्द हो
कि तू हुआ था कुरबान
रूह-उल-कुद्दस की
हम्द हो अबदुज़्ज़मान।

---

४२३ (२६७) L. M. EVENING HYMN (CANON) *H 351. P. 367.*

mf सब रहमतों के ख़ुदा को
सब आदमियों की सना हो
कहो आसमान की फ़ौज शरीफ़
बाप बेटे रूह की हो तअरीफ़।

परमेश्वर की स्तुति.

४२४ (२६८) *Z. 497.*

mf दीनदयाल सकल वर दाता
दे यश गावन को उपदेशा।
निथरे नीर अगम नद नाईं
तोर दया जल वहत हमेशः
यातें तन मन कुशल मिलत है
धन्य जगत पालक परमेशा।

m शठ अपराधी नर तारन को
सेवक का प्रभु लियो भेशा
mp दीनन संग संकट पथ धारा
p क्रूश सहित सहि लाज कलेशा।

m नित जन अन्तर विमल करन को
हे प्रभु तोहे शक्ति विशेषा
तोर आत्मा गुन तिन चित में
दिवस जोत सम करत प्रवेशा।

तव यश भरत भुवन में होवे
सरग भुवन जिमि होत अशेशा
आश्रित मुख निज भजन कराओ
टारि कुटिल मन दुर्मति लेशा।

मसीह की स्तुति.

४२५ (२७४) *H. T. B. 65.*

mf जय प्रभु यीशु जय अधिराजा
जय प्रभु जय जय कारी
mp पाप निमित्त दुःख लाज उठाई
प्राण दियो बलिहारी।

तीन दिनों तब यीशु गोर में
mf तीजा दिवस निहारी
प्रात समय इतवार दिनों में
आप निवासा हारी।

भोर सवेरे घोर मरन का
तोड़ा बन्धन भारी
हार गयो शैतान निबल हो
पायो लाज अपारी।

सन्त पवित्र तुरन्त सरग में
मंगल सुर उचारी
भास्कर जग परकाशक यीशु
आश्रित करु निस्तारी।

४२६ (२७८)

H. T B. 37.

mf यीशु स्वर्गन को प्यारो
यीशु वही है स्वर्गन को प्यारो
दीनन बन्धु सब गुन सिन्धू
आज पापिन कुं बचानो
जानों माना प्रेम मे तो सानो
उन को बचन सांचो प्रमानो
mf आवो धावो गुन उन के गावो
जे है निश्चय गुन निधानो

प्राण गंवायो त्राण लभायो
तिनने निबाह्यो मोक्ष विधानो
सरग निवासी सकल हुलासी
यीशु को नित वे गावें शुभ गानो
यीशु को नाम अब धाम २ कुंव्यापे सब
ग्रामग्राम कुं होय अब यही बखानो
हे जगत जन तम आओ तो गावें हम
यीशु पियारो तुमहु यह मानो।

---

४२७ (२७९)

mf जय जगतारक प्रेम निधाना
तोहि बखान करूं मैं।

यीशु दयाल त्राण तुम कीयो
नित नित गुन गावूं मैं
तुम मम हेतु प्रान निज दीयो
अदभुत प्रेम कहूं मैं।

मोहि अधम पर क्यों अस नेहा
कैसो धन मानूं मैं
कैसों तोर प्रेम हित सन्ते
सेवा भजन करूं मैं।

mp हे प्रभु मम सब काज निकम्मे
तुहरी आस धरूं मैं
जौलगि देह सहित जग जीवूं
तुहरे चरन गहूं मैं।

mf प्रेम पदारथ तुम मह बसही
करूणा निधि सुमरूं मैं
मोहे दोउ लोक सुधरे हैं
जो प्रभु आश्रित हूं मैं।

४२८ (२८०)

Z. 500.

mf जय जनरंजन जय दुःखभंजन
जय जय जन सुखदाई।
अशरन के शरनागति दायक
प्रभु यीशु जगराई।
पाप निवारन दुष्ट विदारन
सन्तन के सहजाई।
अद्भुत महिमा जगत दिखाये
भूमि निवासन आई।

अलख अगोचर अंतरजामी
नर तन देह धराई।
अतिगुन तेरो कत मैं गुनिहों
तारनि तें अधिकाई।
उदधि समाना प्रेम तिहारो
जामध्य जगत समाई।
जान अधम जन को प्रभु दीजे
विन्दु समाना ठाईं।

---

४२९ (२८१)

H. T. B. 33.

mf जय प्रभु यीशु जय प्रभु यीशु
जय प्रभु यीशु स्वामी।

१ जय जगत्राता जय सुखदाता
जय जय प्रभु अनुगामी
जय भयभंजन जय जनरंजन
जय पूरन सत कामी।

२ पाप तिमिर घन नाशक तुमही
धर्म दिवाकर नामी
कलिमल दूषन हरता तुमही
संकट बट सहगामी।

३ नर तन धारि लियो अवतारा
तजि सुन्दर दिवधामी
दय निज प्राग उवारि लियो तुम
पापिन बहु दुकामी।

४ अस गुन तेरो कस मैं गावों
छन्द प्रबन्ध न ठामी
अटपटि टेरन जानक सुनिये
पतित उधोरन नामी।

४३० (२८८)

H. T. B. 92.

mf यीशु नाम यीशु नाम
यीशु नाम गाउ रे।

१ यीशु नाम गुनन धाम
धर्म ग्रन्थ ठाउ रे
रटत नाम पुरत काम
सत्य प्रेम भाउ रे।

२ सूर उदित जलज मुदित
अस्तहि मुरझाउ रे
सन्त कमल नाम किरन
तैसे ही उगाउ रे।

३ नाम अस्त्र शस्त्र नाम
शुद्ध बुद्ध दाउ रे।
त्रिविध ताप जेहि दाप
सर्व दूरि जाउ रे।

४ सबहि हाल सबहि काल
भक्त शक्ति पाउ रे
जान अधम सोई नाम
करनि मुक्ति ठांउ रे।

---

४३१ (२८९)

H. T. B. 94.

mf एक नाम यीशु सांच
सब झूठ औरू रे।

१ जेहि नाम छाड़ि मूढ़
पड़त भरम भौरू रे
अमिय मूरि सुखद कन्द
लखत नाहि बौरू रे।

२ आन नाम छलहि ठाम
हाथ लाय कौरू रे
उदर नाहि भरत खाय
आठ स्वान कौरू रे।

३ जैसही तृषा कुरंग
गहन चहत दौरू रे
आय निकट दूरि जात
जात प्राण ठौरू रे।

४ यीशु नाम तारन धाम
नाहि जगत औरू रे
जान जेई सेई लहत
सीस मुक्ति मौरू रे।

४३२ (२६१)

H. T. B. 81.

m १ मन भजो मसीह को चित्त से
वह तुम्हें उद्धारे नरक से
mp जो मन भूलो मन से वाको
तो कैसे बचोगे नरक से।

m २ दुःख सुख दोनों वाके वश में
वह तुम्हें बचावे बिपत से
जब तुम पाप में डूब रहे थे
वह आया बचाने सरग से।

३ चार दिनन का मरा था लाज़र
वाको जिलाया क़बर से
भूले मत तू वाको आसी
वह तुझे चुना है जगत से।

४३३ (२६२)

H. T. B. 25

mp जिन परतीत यीशु पर नाहीं
कस पावें भव पारा हो।

१ ज्ञानी पंडित जिन जग भयेउ
डूब गये यहि धारा हो
m ईश्वर बचन अनादि अनन्ता
सोई देत सहारा हो।

m २ सरग छोड़ जग में प्रभु आयो
मेघ जहां अंधियारा हो
जननि गर्भ मनुज तन धारा
सकल सृष्टि करतारा हो।

mp ३ नर सब भरमें भेड़ समाना
जिन का नहीं रखवारा हो
n तिन को यीशु महा सुख दीन्हा
दुःख सहि कीन्ह उधारा हो।

mf ४ दास करे कहं लग परसंसा
प्रेम अमित विस्तारा हो
आओ सब मिली प्यारो भाई
सैंत गहो निस्तारा हो।

४३४ (२६४)

H. T. B. 80.

m मैं तो यीशु को मन में मना रखिहूं
कोई मानो न मानो तो मैं क्या करिहूं।

१ यीशु मसीह है तारणहारा
कोई जानो न जानो मैं जना रखिहूं।

२ यीशु मसीह प्रभु तुम्हरे दरश को
मैं तो मन चित उधर राह लगा रखिहूं।

३ आसी की विन्ती सुनो प्यारे बन्धु
तुम चेतो न चेतो मैं चिता रखिहूं।

४३५ (२९७)

mp प्रभु जी मोहि प्रेम कर देखो
राखो पाप नियारा हो।
mf ईश्वर का अवतार भयो तुम
पापिन हित बलिदाना हो।
m धर्म्मआत्मा मो पर डालो
हे प्रभु दयानिधाना हो।
mf निश्चय हो तुम सब का ईश्वर
सब जग जन का स्वामी हो।
m मम अवगुनते मोहि बचाओ
हे प्रभु अन्तरजामी हो।
सीस नवत हूं बारमबारा
तुम बिन को सुखदाता हो।
मेरे मन की आस पुरावो
हे पापिन के त्राता हो।
नित्य रहो प्रभु मम रखवारा
तुम अस प्रेमी नाहीं हो।
भूल न जावे निर्बुद्ध हृदय
या कंटक बन माहीं हो।
कृपा करि बुद्धि बल दे मोहे
निज महिमा अनुसारी हो।
यश हो तोहे आश्रित होवे
सरग भुवन अधिकारी हो।

---

४३६ (२९८)

H. T B. 1.

mf यीशु मसीह मेरो प्राण बचैया।
जो पापी यीशु कने आवे
यीशु है वाकी मुक्ति करैया।
mf यीशु मसीह की मैं बलि बलि जैहूं
यीशु है मेरो ऋण करैया।
mp गहिरी वह नदिया नाव पुरानी
mf यीशु है मेरो पार करैया।
दीनानाथ अनाथ के बन्धू
तुम ही हो प्रभु पाप हरैया।
आसी को अपनी शरण में रखिये
mp अन्त समय मेरी लीजे खबरिया।

६ पाप के लिये मृतक होके
ईश्वर के लिये मैं जीऊंगा।
७ यीशु मसीह शरीर में आया
पाप पर दण्ड की आज्ञा दी।
८ उस के संग जो हम दुःख उठावें
तो महिमा भी पावेंगे।

९ यीशु ने आप को ख़ुश न किया
दुष्टों की निन्दा सह लिया।
१० और किसी बात को हम न जाने
मारे गये खीष्ट को छोड़।
११ दाम दे खीष्ट ने हमें मोल लिया
तो उस की महिमा प्रगट कर।

मसीह का अवतार लेना.

४४० (२६९)

mf जय परमेश्वर प्रेरित आवत
सोहत प्रभु सुख दाई।
जय जय दाऊद वंश उजागर
शांति जगत जिन लाई।
जगत भूआला जय शुभशाला
प्रगटे निज पुर आई
को तुमरे सम अधम उधोरन
किन की अस प्रभुताई।
जय जन रंजन जय दुःख भंजन
जय खलगंजन सांई।
m लोक सुहावन शोक नसावन
युग युग तोर दुहाई।
त्राहि त्राहि नर नारी टेरें
जान अधम हरखाई।

४४१ (२८४)

mf क्यों नहीं गैहों गुन शतवारा
अस मित है नहीं यह संसारा।
१ तीन लोक पति नर तन लेके
mp सह्यो दुःख औ शोक अपारा।
m २ प्राण दान जग हेतु कियो है
जगत कहीं नहीं ऐसो प्यारा।
३ यीशु समीप चलो नर पापी
वह निश्चय जग तारनहारा।
m ४ वैरिन हित वैरिन में आयो
mp छल करि वैरिन त्राहि संहारा।
m ५ मित्र निमित्त नर मरत न कोई
शत्रुन को प्रभु कीन्ह उधारा।
mf ६ आश्रित लाखों धन्य कहत है
धन्य सदा प्रभु नाम तिहारा।

४४३ (२७२)

H. T. B. 84.

mf हम यीशु कथा प्रचार करें
खल मानुख जासु दया सुधरें।

१ तन ले प्रभु दीनन नाथ फिरा
निज हाथन रोगिन शोक हरे
विधवा बिन्ती जब कान सुने
तबही मनसा प्रभु तासु भरे।

mf २ प्रभु कोढ़िन अंग अपावन पै
सुख देवन को निज हाथ धरे
तमवासिन पै अस कीन्ह मया
सत सूरज हो जग को उतरे।

mp ३ दुःख संकट यीशु अपार सहा
जिहि कारन से नर लोग तरें
नित रैन दिना प्रभु यीशु दया
हम आश्रित हो बहुधा सुमरें।

---

४४४ (२७६)

Z. 516.

mf मैं गुण तुम्हारे गाऊंगो
यीशु मै गुण तुम्हारे गाऊंगो।
विभव स्वरग भुवन में
छोड़के आप या भुवन में
आये निस्तार करनो जन।
भये ईश्वर अवतार
मै कहा करूंगो विस्तार
यीशु है अनाथ को धन।
आप ने कियो जब आरंभ
बहुत से किये तब अचंभ
जिनतें ईश्वर प्रगट भये।
अंधे देखन पावत भये
गूंगे वचन बोलत भये
लंगड़े कूदत फिरत रहे।
आप से रोगी अच्छे भये
मरे जीके फिर उठ गये
ऐसे तुम ने किये बहुत।
mf पकड़े जे थे भूतन ते
निकरे गये भूत उनतें
सब तुम्हारे वशिभूत।
m जैसे आप ने यह सब किये
तैसे हमतें अब कीजिये
मिटाईवेकुं हमारो पाप।
वचन चलन लोचन देउ

मरे सभनकुं जिलाउ
हमते टारो सब संताप।
हम सब पापी अपराधी
गुण तुम्हारे सों अगाधी
आप ने दियो प्रान को दान।
mf कैसो प्रेम तुम्हारो प्रभु
ऐसो कौन मिलेगो कभु
हे यीशु हो हमारो त्रान।

मसीह की मृत्यु.

४४५ (२७३) *H. T. B. 9.*

mp पातक दण्ड छुड़ावन यीशु
क्रूश उठायो अति दुःखदाई।
p परवत नाई अघ मम भारी
अपनो तन पर लीन्ह उठाई।
बोझ लिये प्रभु अंग पसीना
रुधिर समाना टपकत जाई।
हाय हाय अस पाप हमारा
जीवन पति को जगत बुलाई।
p मेरे पातक कारन सोपे
जो दुःख लीन्ह कहा नहि जाई।
निशि भर वैरिन अति दुःख दीन्हा
प्रात विचारासन पहुंचाई।
बहु विध झूठे दोष लगाये
तौ प्रभु अद्भुत धीर दिखाई।
बांधे कर सिर कंटक गूंथे
कांधे पर फिर क्रूश धराई।
तब प्रभु को डाकुन के साथे
विकट काठ पर घात कराई।
यीशु दयामय जग जन त्राता
क्रूश चढ़ाये संकट पाई।
ठोंके कील हाथ पगु सुन्दर
रक्त वहा नर मुक्त उपाई।
m कहिं है दास धरो मम प्यारो
प्रभु पर आशा सब सुखदाई।
बाढ़े धरम करें शुभ कामा
शोकदोख मध्य साहस पाई।

४४६ (२७७) *H. T. B. 90.*

mp करूणा निधान
प्रभु यीशु सुनिये करूणा मेरी।
mp तुम दीनन के हितकारी
नर देह अपनो धारी।
मसीह नाम धरायो
सब शिष्यन के मन भायो।
हम दोषी दीन बेचारो
सब पापनतें निरवारो।
m तुम दयासिन्धु जग में
p हम डूब रहे हैं अब में।
नर प्रानन के रखवारो
भयमोचन नाम तिहारो।
mp हम बूडे जात यामें
यह गान तुम्हारो गामें।
भवसिन्धु अगम अपारी
अब लीजै वेग उधारी।
अब कृपा दृष्टि कीजै
तन मन अपनो कर लीजै॥

---

४४७ (३०७) *H T. B. 70*

mp लखो रे नर आपन निर्बल शरीर
१ प्रान पुरुष जब निकसन लागे
रोके को बलवीर॥
२ धन सम्पति अरु कुल परिवारा
पड़ा रहा यही तीर॥
m ३ यीशु मसीह की शरण गहो तुम
वही देत मन धीर॥
४ पापिन कारण रक्त अपाना
दीन्ह जगत को नीर॥
५ जो यह नीर पियत मन लाई
पावत तन मन धीर॥
mf ६ ताको यीशु अन्त दिन में
देगो अमर शरीर॥

मसीह के पास आना.

४४८ (२७५)

H. T. B. 64.

m प्रभु यीशु मसीह विन कौन हमारो
हम तो हैं प्रभु दास तिहारो
mp पाप की अग्नि अति दुःखदाई
इस अग्नि को निवारो।

१ मेरा मन प्रभु मानत नाहीं
अपनी दयातें सुधारो।
दीनहीन हम हैं बेचारे
किरपा दृष्टि निहारो।

२ मैं अति पापी कर्म को नाहीं
आप निवाहनहारो।
यीशु है दुःख बूझनहारो
तुम विन कौन हमारो।

३ पापिन कारन प्रान दियो है
पाप का भार उतारो।
आसी तुम्हारी शरन गहत है
मेरा पाप विसारो।

---

४४९ (२८२)

H. T. B. 76.

mp अरे हरि मन यीशु को जपना
यीशु सिवा कोई पार न करि है
यीशु पर चित धरना।

१ माया मोह बीच फल नाहीं
यीशु को रटना।
जब लग प्राण रहत है घटमों
तभी तलक अपना।

२ ज्ञान ध्यान से देखो मनमों
दुनया है सपना।
कहता है आसी सुन भाई साधू
आखिर है मरना।

---

४५०. (२८३) *H. T. B. 88.*

mp मन काहे को होहु निरासा
प्रभु यीशु पे रखो आसा।
m. १ जिन मर्त्तभुवन में आये
तिन मुक्ति पदारथ लाये
तुम बातें करो प्रतिआसा
तव पैहो सरग निवासा।
२ यीशु मृत्युभुवन जयकारी
तिन सरगलोक अधिकारी
आसो बातें करो तुम आसा
तव पैहो मन में दिलासा।

---

४५१ (२६३) *H. T. B. 32.*

mp मन मन्दिर आये प्रभु यीशु
कीजे अपनो वासा जी।
१ यही अपावन मन्दिर माझे
शत्रुन डारयो पासा जी।
प्रभु तुम ताको काढि दुराओ
दिखाय दंडक त्रासा जी।
mp २ चौंदिश घेरे विषय विरोधी
मन बच काया त्रासा जी।
काह करों कछु सूकृत नाहीं
तेरो त्रानक आसा जी।
३ जोग न जौं पैहों प्रभु तेरो
करहु दया परकासा जी।
विपति सह्यो तुम दुखितन कारन
मेरो यही दिलासा जी।
४ और करो मति मोर परेखन
छनिक भरे यहि स्वासा जी।
केते पतितन तुम तारयो प्रभु
जानहु तेरो दासा जी।

४५२ (२६५)

Z. 611.

mp मसीहा बिना कौन हमारा साथी।

१ अल्प दिवस के कारण हम सब
होय रहे जगवासी।
२ जात रहत जग सपन समाना
भोर रहत उदासी।

m ३ अचल जगत में वास करन को
हो प्रभु पर बिश्वासी।
mf ४ निश्चय पावत हर्ष अपारा
जो नर सरगनिवासी।
५ जहां जाय विश्राम करो तुम
तहां विविध सुखरासी।

४५३

Z. 522.

मसीह जी को सुमरो भाई
तुम सर्ग धाम सुख पाई।
सुमरन कीजे चित में लीजे
सत्य सीलता पाई।
आनन्द हैके जै जै कीजे
अन्तर ध्यान लगाई।
यह ज़िन्दगानी फूल समानी
धूप पड़े कुम्हलाई।
अवसर चूक फेर पछितैहो
आख़िर धक्का खाई।
जो चेते सो होत सवेरे
क्या सोचे मन लाई।
कुल परिवार काम नहीं आवे
प्राण छूट छीन जाई।
सत्य पदार्थ खोए जग आए
सब पापी अपनाई।
निहचल वास करो निस वासर
अमर नगर को जाई।
अन्तर मैल भरो बहु भारी
सुधि बुधि में बिसराई।
यीशु नाम की विन्ती कीजे
अवगुण में गुण पाई।

---

४५४ (२८६) *H. T. B. 102.*

mp यीशु पैयां लागौं। नाम लखाई दीजौ हो

१ जग अंधेरे पथ नहीं सूझे
दिल को तिमिर नसाई दीजौ हो
२ जनम जून को सोवत मनुआ
ज्ञानक नीन्द जगाई दीजौ हो।
३ हम पापिन की अर्ज़ मसीह जी
पापक वन्द छुड़ाई दीजौ हो।

---

४५५ (२६०) *H. T. B. 100.*

mp प्रभु यीशु दरशन दीजे जी
मोहे शरन अपनो लीजे जी।
mf १ तुम तो जग के तारनवारे
mp हम तो पापी दीन बेचारे।
कृपा अपनी ही कीजे जी॥
mf २ तुम तो हो सरगन के राजा
आय जगत में दीनन काजा।
mp मोहे अपनो कर लीजे जी॥
mf ३ यह शैतान बड़ो दुःखदाई
या ने जगत सकल भुलाई।
याको बन्धन कीजे जी॥
mp ४ हम तो इन विषयन में भूले
घर की चिन्ता में रहे फूले।
धरमात्मा दीजे जी॥

---

४५६ (३००) *H. T. B. 79.*

mp हे मेरे प्रभु
मो पापी उद्धारियो
छोड़ो न कभू
न मोहे विडारियो॥
हे प्रभु मैं पापी
यह निश्चय आप जानियो॥
हाय कैसो संतापी
मो दुःखी पहिचानियो॥
हे कृपा निकेतु
मो पापी पै लखियो।
और तारन के हेतु
मोहे चरण पे रखियो॥

p मैं अति अशुद्ध
अशुद्ध कुं शुद्ध करियो।
मैं अति निर्बुद्धि
निर्बुद्धि कुं बुद्धि भरियो॥
मैं अधम अयोग
जो आप यह न मानियो।
पै आप पापो लोग
नित अपनो ओर तानियो
mp जब होयगो मरन
तब प्रभु शान्त करियो।
m और जबलों है जीवन
मोहे प्रेम करके भरियो॥

---

४५७ (२०५) *H. T. B. 4.*

p या जग में हैं पाप घनेरे॥

१ काम क्रोध मद माया जग में
बास करत सब के मन में रे॥
२ या जग पर विश्वास न कीजे
जावेगा यह बीत सबेरे॥
३ रे मन मूढ़ सचेत रहो तुम
जीवन दिन कत हैंगे तेरे॥
m ४ प्रभु यीशु पर धरो विश्वास।
वामें हैं आनन्द घनेरे॥
५ आजिज़ की यहि बिन्ती प्रभु जी
पाप क्षमा अब कीजे मेरे॥

---

४५८ (२०६) *H. T. B. 78.*

mp करो मेरी सहाय मसीहा जी
तुम बिन कछु न सुहाय।
१ दरशन दीजै अपनो कीजै
लीजै मोहि बचाय
m २ या जग को निस्तारन कारन
जनम लियो तुम आय।
mf ३ तीन दिना में उठे कबरतें
देशिनतें बतराय।
m ४ सुन लीजै प्रभु विनती मेरी
अवगुन पै नहीं जाय।

४५६ (३२८)

प्रभु ने सुधि लीन्ह हमारी ॥
भूमि आकाश के नाथ नरोत्तम देह मनुष्य की धारी ।
आप यीशु बलिदान भये हैं जगत दीन्ह हैं उधारी ॥
डूबत थे हम नरक कुण्ड में पोट थी पाप की भारी ।
सत्य की नाव बने प्रभु यीशु दी हैं सब पार उतारी ॥
जब यीशु प्रगट हूये भूमि पर चरचा करें नर नारी ।
सारे जगत के पाप मोचन को भये निष्कलंक अवतारी ॥
रक्त मसीह को रंग बनो है देह बनी पिचकारी ।
रूह-उल-कुदुस ने फाग रचो है सब सन्तन रंग डारी ॥
मैं विश्वासी दास यीशु का जिन जग सब निस्तारी ।
पाप भए अत्यन्त हैं मो से तोहो मोरी सुधि न विसारी ।

जीवन की चंचलता और मृत्यु.

४६० (२८५) *H. T. B. 3.*

mp जो तुम जीवो तो कर लो बिचारा
यीशु है मेरो सिरजनहारा ॥
१ जीवन मरन यही सन्सारा
यीशु नाम से होत सुधारा ॥
२. मातु पिता दुःख देखि निहारें
कोई नहीं दुःख बांटनहारा ॥
३ बेटी बहिन और घर की नारी
रोअत विलपत सब परिवारा ॥
४ लोग बाग सब सोचन लागें
हंस कहां गया बोलनहारा ॥
५ अबही चेतो हे अभिमानी
काल सिरहाने आय पुकारा ॥
mp ६ उठ रे पापी तोही बुलाई
अगिन जहां नहीं बुझनहारा ॥
७ यीशु के लोग जहां जत होई
सुनत नहीं यह बोल करारा ॥
८ धर्म रूप तब कहत सुनाई
चलिये प्रभु दरशन को प्यारा ॥

४६१ (३०३) *H. T. B. 2.*

mp १ क्यों मन भूला है यह संसारा
मन मत दे टुक कर ले गुज़ारा
इस जग में सुख नित नहीं भाई
यह तो है जैसे पानी की धारा।

p २ मात पिता और खेश कुटुंब सब
संग नहीं कोई जावनहार
अंत समय सब देखन अइहैं
छन भर में सब व्है हैं निहारा।

३ जो कुछ अंग में होगा तुम्हारा
वह भी सब मिल लैहैं उतारा
pp नरक अगिन में जब तुम पड़िहो
तब नहीं कोई बचावनहारा।

mp ४ भाई मुकत की खोज करो तुम
यीशु मसीह प्रभु तारणहारा
आसी तो प्रभु दास तुम्हारा
तुम बिन नाहीं कोई हमारा।

---

४६२ (३०४) *H. T. B. 31.*

m १ सूरज निकला हुआ सवेरा
अब तक तू क्यों सोता है।

mp २ काल खड़ा है सिर पर तेरे
ना-हक़ जीवन खोता है।

३ ज्ञानी पण्डित ध्यान विचारें
वेद पढ़ें जस तोता है।

कुकर्म करके माया जोड़ी
पाप नहीं निज धोता है।

५ तसबीह पढ़ पढ़ उमर गुज़ारी
कलिमे से क्या होता है।

६ दिल में चोर घुसा है भाई
हर दम सोचे रोता है।

७ चेला बनके गुरू बना फिर
कड़वे बीजा बोता है।

m ८ चलो प्यासो पास यीशु के
सोई जल का सोता है।

९ निर्बल को वह बली बनावे
जो कह दे सो होता है।

४६३

H. T B. 22

अस घर जग में कोई नहीं
जिस घर मैं न जाती हूं।

१ ताक लगाए हाज़िर रहती
जिधर इशारा पाती हूं।

२ जिसे बुलाता साईं मेरा
मैं ही लेने आती हूं।

३ हुक्मी चेरी मैं हूं उसकी
तुरतहि हुक्म बजाती हूं।

४ लोहालकड़ी कुछ नहीं लाती
चुप के तीर चलाती हूं।

५ डरती कभू न फ़िराऊन से
खुले ख़ज़ाने आती हूं।

६ भाई भतीजे रोवत पीटत
मात पिता से छुडाती हूं।

७ जो कोई हो शैतान का बन्दा
नरक उसे ले जाती हूं।

८ यीशु मसीह की बलि बलि जाओ
निर्बल तुम्हें बताती हूं।

४६४

G. 593.

अपना कोई नहीं है जी।

१ धन जोबन का गर्व न कीजै
सिर पर मौत न मानी (बन्दे)
एक दिन ऐसा होगा बन्दे
तू डूबे बिन पानी
अपना कोई नहीं है जी
बिन प्रभू परमेश्वर हरगिज़
मुक्ति नहीं है जी।

२ बिन रुखना नगरी न सोहै
बिन करन जन करइयां (बन्दे)
बिन पुत्र माता न सोहै
लाख सोने में जड़इयां।

३ मानुष चाला हुआ पुराना
कब लग सीवें दरज़ी (बन्दे)
दुःख का भंजन कोई न मिलया
जो मिलया सो ग़र्ज़ी।

४ माटी ओढ़ना माटी बिछौना
माटी का सिरहाना (बन्दे)
एक दिन ऐसा होगा बन्दे
माटी में मिल जाना।

५ जब लग तेल दिया में बाती
जगमग जगमग हो रही (बन्दे)
जल गया तेल निबर गई बाती
ले चल ले चल हो रही।

६ चार भाई के कांधे चला
चढ़े काट की घोड़ी (बन्दे)
मरघट में तो जा उतारा
फूंक दिया जैसे होरी।

७ हाड़ जले जैसे सूखी लकड़ी
केश जले ज्यों घास (बन्दे)
कंचन काया यों जले तो
कोई न आवे पास।

८ मात कहे यह पुत्र हमारा
बहिन कहे वीर मेरा (बन्दे)
भाई कहे यह भुजा हमारी
नारी कहे नर मेरा।

९ सदा न बाग न बुल बुल बोले
सदा न बाग बहारां (बन्दे)
सदा न भावे हुस्न जवानी
सदा न सोहबत यारां।

१० तीन दिना तेरी तिरिया रोवै
जीवै जब लग माता (बन्दे)
मरघटलग तेरा कुटुंब कबीला
हंस अकेला जाता।

११ घर की तिरिया झर झर रोवे
बिछुर गई मेरी जोड़ी (बन्दे)
दास प्रभु यों उठि बोले
जिन जोड़ी तिन तोड़ी।

प्रार्थना.

४६५

H. T. B. 11.

प्रेम निधान सुकिरपा कीजे
दरशन हे प्रभु हम को दीजे।

१ हम अति पापी तन औ मनसों
हे प्रभु पाप क्षमा अब कीजे।

२ सेवक हम हर भांति निकम्मे
बल बुध देकर सेवा लीजै।

३ यह भवसागर में नित शंका
प्रति दिन सेवक रक्षा कीजे।

४६६

H. T. B. 26.

यीशु नाम तुम्हारो प्रभुजी
किरपा दृष्टि निहारो जी।
१ तुम परमेश्वर नर तन धारा
मेरो संकट टारो जी।
२ झूटे भक्त जो भक्त कहावें
सब को भरम मिटाओ जी।
३ पत्थर पूजके गति नहिं पावें
अपनो शरन लगाओ जी।
४ पापिन कारन प्राण गंवायो
यीशु दयाल हमारो जी।

४६७

H. T. B. 95.

हो प्रभु अब करहु क्षेम
हौं गुलाम तेरो
१ बार बार घटी भई चूक भई
घनेरो
आये अब निकट तोर मोर
ओर हेरो।
२ यीशु विदित तोर नाम
स्वामी तुम मेरो
कौन पास दास जाय कोह
कौन केरो।
३ त्रास युक्त जोरि पाणि अनु-
तापित टेरों
एक बेर मोहि ओर करण
अपन फेरो।
४ लीजिये उबारि मोहि कठिन
काल घेरो
जान अधम सीस नाय पड़त
चरण तेरो।

---

४६८ (२८७)

H. T. B. 66.

mf १ जै जै ईश्वर जै प्रभु यीशु
जै सब विध सुखदाई।
रैन समय प्रभु चैन दियो तुम
दियो प्रात जगाई॥
m २ सकल दिवस के कारन हे प्रभु
कीजे मोर सहाई।
मन मतंग पै ज्ञान तिहारो
अंकुस राखु लगाई॥
३ सुत पर पिता दयालु जैसे
करहो जानि भलाई।
सेवक पर नित तैसा कीजे
रखिये पाप बचाई॥

४६६ (२६६) Z. 603.

हमारा मन लागा यीशु जी के चरण।

m कोई पहिरे कंठी माला
कोई तिलक लगावे जी।
कोई गले में सेली पहिरे
कोई गले मे तागा जी॥
कोई अंग भभूत लगावे
कोई ओढ़े मृगछाला जी।
कोई काला कम्बल ओढ़े
कोई फिरत है नागा जी॥
कोई पूजे देवी देवा
कोई गंग नहावे जी।

कोई पीपर पानी छोड़े
कोई जिमावे कागा जी॥
कोई बन बन तीर्थ भरमे
कोई बांह सुखावे जी।
कोई पंच अगिन को तापे
देख भरम में भागा जी॥
प्रभु दास विनवे कर जोरे
सुन बालक नर नारी जी
यीशु मसीह जु दया कीन्ही
भरम नींद से जागा जी।

बारिश.

४७० (२४६) H. T. B. 101.

mp जौन बनि पावस आइयां
mp विपिनी विहंगम बोलन लागे
मनहर बोल बनाइयां।

रवत झिंगुर गुंजत अलि घूमी
झूमि रमत रस पाइयां
कुकु कुकु कुकु कुकु कोकिल कुहुके
सुनि सुनि मन उरझाइयां।

बोतल मधु बन सुन्दर मोरवा
नाचत सुभ गाती लाईआं
पिउ पिउ पिउ पिउ टेरत पिउहा
मोद मुदित उपजाईआं ।
सन नन नन नन वह पुरवैया
फह फह फुहि बरसाईआं

त्रिन तरवर बन हरिअर भउ सब
गुन गावत सिर नाईआं ।
शक्ति प्रभा प्रभु इमि दरसावत
प्रेम सहित समुझाईआं
अकथ किरपा गति चउंदिश्न हेरी
जान अधम हरकाईआं ।

बालकों के लिये.

४७१ (२७०)

mf तारक ईसा अपार दयानिधी ।
बालक धर्म जतायो ॥
दाऊद पुर मों जन्म लियो प्रभु ।
मरियम सुत कहलायो ॥
mf जग कर्त्ता नर काया धरके ।
यूसफ टहल बजायो ॥
ले बालक तन सरल सुभावे ।
नित सत भक्ति पुरायो ॥

द्वादश बरस तरून मन्दिर मों ।
ज्ञानिन गर्व निवायो ॥
मातु पिता के तब बशि भूता ।
ग्राम नासरत धायो ॥
जासु बाल सम दीन सुभावा ।
ताको शिख ठहरायो ॥
या बलहीनहि बालक जान्ये ।
चरन गहन जो आयो ॥

४७२ (२९८) *H. T. B. 55.*

mp अहो प्रभु जी मम ओरहि कान लगाना ॥
बालक हों प्रभु तोर घराने
मोहे करहु सियाना ।
सींचहु यह अति कोमल पौधा
होवे नित फलमाना ।
m यह घर अपने योग्य संवारो
जेहि कियो निरमाना ।
दुष्ट जगत पर हों जयकारी
खीष्ट विजय के ध्याना ।
प्रेम धीर बुध देहु दयानिधि
दिनदिन काज समाना ।
परमधाम पथ आश्रित बाढ़े
सहते श्रम दुःख नाना ।

ग़ज़लें.

ख़ुदा की तश्रीफ़.

४७३ (३०८) *H. T. B. 138.*

mf या रब्ब तेरी जनाब में हर्गिज़ कमी नहीं ।
तुझ सा जहान के बीच तो कोई ग़नी नहीं ॥
c जो कुछ कि ख़ूबियां हैं सो तेरी ही ज़ात में ।
तेरे सिवाय और तो कोई धनी नहीं ॥
आसी की अर्ज़ तुझ से है तू सुन ले ऐ ग़नी ।
अपने फ़ज़ल के गंज से तू कर मुझे धनी ॥

मसीह की तश्रीफ़.

४७४ (३२६२)

ऐ भाईयो सब मिलके करो शुक्र ख़ुदा का ।
हामी है गुनहगारों का फ़रज़न्द ख़ुदा का ॥
क्योंकर न करें शुक्र सदा सारी सिफ़्तों का ।
क़ुरबानी बना जिनके लिये बेटा ख़ुदाका ॥
ऐ भाईयो सब मिलके करो शुक्र ख़ुदा का ।
हामी है गुनहगारो का फ़रज़न्द ख़ुदा का ॥
उसे भेड़के बच्चे की तरह ले गये ज़ालिम ।
मुंहसे न बोला कुछ न किया देख सब आलिम ॥
हाथों में ज़ख़्म करके उस को कीलों से ठोका ।
दुशमन थे यीशु के न ज़रा ख़ौफ़ ख़ुदाका ॥
पानी के बदले पीने को सिरका दिया था
अफ़सोस सद अफ़सोस दिन के तीसरे घड़ी वह मरा ॥
कबरों में सफ़ करके बिठाया था पहरा ।
वह तीसरे दिन जीके उठा बेटा ख़ुदाका ॥

४७५ (३१७) Z. 482.

m कबूलो दिल से ईमान-इ-मसीहा
पढ़ो दिन रात फ़रमान-इ-मसीहा।
mf बशर क्या कर सके तअरीफ़ उस की
मलायक हैं सनाख़्वान-इ-मसीहा।
m बचाया आसियों को होके मसलूब
कि अदल ओ रहम है शान-इ-मसीहा
mp बहाया ख़ून उस ने इस लिये है
गुनहगारों पे इहसान-इ-मसीहा।
m मुक़र्रर बख़्शा जावेगा दिला वह
जो पकड़े दिल से दामन-इ-मसीहा।
गुनाहों के त्रिलइवज़ में हमारे
गई देखो तो है जान-इ-मसीहा।
सफ़ीर-इ-पुर-ख़ता मायूस मत हो
भुला मत दिल से फ़ैज़ान-इ-मसीहा।

४७६

तू मेरे दिल का है अज़ीज़, या मसीह २
तुझ बिन नहीं है कोई चीज़, या मसीह २
तू मेरा राजा है यीशु बचानेवाला सत गुरु
तन मन और धन का मालिक तू, या मसीह २।
१ हो दौलत दूसरे लोगों की, या मसीह २,
तू सच्ची दौलत है मेरी, या मसीह २
क्या फ़ायदा होगा सोने से, या मौत आवे मेरे लिये
तब पुकारूंगा मैं तुझे, या मसीह २।

२ रात दिन तुझी से बात और चीत, या मसीह ३
गो दुआ हो या गाऊं गीत, या मसीह ३
तू सब से पहले और पीछे, तसल्ली देता है मुझे
तू प्यारा है सब लोगों से, या मसीह ३ ।

४७७

रब्ब ख़ुदावन्द बादशाह है
वह जलालदा बादशाह है ।

१ ऊंचे करो सिर दरवाज़ो
ऊंचे हो सब द्वारो
जहां जलालदा बादशाह आवे
सिर तब ऊंचे करो ।

२ यह जलालदा बादशाह कौन है?
कौन बादशाह कमाल दा ?
रब्ब जो जंग बीच है ज़ोरावर
वह बादशाह जलालदा ।

३ यह जलालदा बादशाह कौन है ?
कौन बादशाह कमाल दा ?
लश्करों का रब्ब ख़ुदावन्द
वह बादशाह जलालदा ।

दुआ.

४७८ (२०६) *H. T. B. 123.*

m करूं हम्द ऐ रब्ब मैं तेरी सदा ।
रख अपने ही दर का मुझे तू गदा ॥
ब-जुज़ तेरे हर्गिज़ नहीं और है ।
तू ही हैगा बेशक सभों का ख़ुदा ॥
तेरे फ़ज़्ल का हूं मैं उम्मेदवार ।
हूं दिल जान से मैं तो तुझ पर फ़िदा ॥
तू अपने करम से बचा ले मुझे ।
तू अपने फ़ज़्ल का मुझे दे रिदा ॥
mp फ़क़त मुझको उम्मेद है तुझ सेती ।
गुनाहों का है बोझ मुझ पर लदा ॥
है अफ़ज़ल मुहब्बत तेरी ऐ मसीह ।
था बख़्शिशको हम सबको तूही फ़िदा ।
यही इलतिजा तुझ से है ऐ मसीह ।
इस आसी को हर्गिज़ न किजियो जुदा ॥

४७६ (३१४) *H. T. B. 150.*

mp मेरा नहीं है कोई मददगार या मसीह
तू ही है हम सभों का मददगार या मसीह ॥

१ अब ले ख़बर शिताब न कर बार या मसीह
फ़रयाद मेरी तुझ से है हर बार या मसीह ॥

२ तेरे सिवाय कोई नहीं यार या मसीह
बन्दा हूं तेरे दर का गुनहगार या मसीह ॥

३ तू ही है आसियों का ख़रीदार या मसीह
अज़बसकि हूं गुनाह में गिरिफ़्तार या मसीह ॥

mp ४ करता है आसियों को तू ही प्यार या मसीह
हम आसियों की तुझ से है गुफ़्तार या मसीह ॥

५ तेरी तरफ़ सभों की रफ़्तार या मसीह
करता हूं मैं गुनाओं का इक़रार या मसीह ॥

६ हूं मैं गुनाह में अपने शरमसार या मसीह
हरगिज़ न डालियो मुझे दर नार या मसीह ॥

७ शैतान मुझ से करता है तकरार या मसीह
रूह-उल-क़ुद्स की दे मुझे तलवार या मसीह ॥

८ आसी को है तुझी सेती दरकार या मसीह
तुझ बिन करेगा कौन मुझे पार या मसीह ॥

४८० (३१५) *H. T. B. 112.*

mp करता हूं तुझ से इलतिजा
यीशु मसीह फ़रयाद सुन
क़ुरबान तेरे नाम का
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

तेरे सिवा और कौन है
बख़शेगा जो मेरे गुनाह
मुआफ़ कर मेरी ख़ता
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

mp हम सभों के वास्ते ख़ुद
आप अपनी जान दी
मुझ को भरोसा है तेरा
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

चार दिन का मुरदा लाज़र
बात से तेरी उठा
दे हयात अबदी मुझे
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

दर्द मेरे दूर कर
हरगिज़ न हो मुझ से ख़फ़ा
मुशकिल मेरी आसान कर
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

जो दस हुक्म हक़ ने दिये
मैं ने नहीं उन को किया
लाइक़ जहन्नम का हुआ
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

जब याद करता हूं तुझे
दिल जान से गर एक बार
mp आकर भुलाता है लड़ाई
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

मैं बहुत कमज़ोर हूं
ईमान कर मुझ को अता
दे मुझे रूह-उल-क़ुद्स
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

थरथराता हूं गुनाहों
बीच में अपने सदा
तू कर फ़ज़ल आसी ऊपर
यीशु मसीह फ़रयाद सुन।

तेरे बन्दों के मैं भी शुमार में हूं
मेरी इस्से ज़ियादः दुआ ही नहीं।

७ यह जहान है आलम-इ-रंज ओ अना
न सफ़ीर दिल अपना यहां पै लगा।
न रहेगा यहां पै न कोई रहा
कि है रहने की यह तो सरा ही नहीं।

गुनाह की पहचान.

८८२ (३१६). *H. T. B. 120.*

p गुनाहों को अपने जो हम देखते हैं
तो ग़ज़ब-इ-इलाही वहम देखते हैं।

१ अगर ग़ौर करते हैं फ़िअ्लों को अपने
तो लाइक़ जहन्नम हैं हम देखते हैं।

२ अरे दिल तू ग़फ़लत में कब तक रहेगा
तेरे वास्ते दर्द ओ ग़म देखते हैं।

p ३ गुनाहों में ऐ दिल रहा तू जो माइल
सज़ा उस की पाएगा हम देखते हैं।

४ तुम्हारे गुनाहों की बख़्शिश की ख़ातिर
मरा है मसीह ख़ुद यह हम देखते हैं।

m ५ जो पकड़े वसीला शिताबी मसीह का
हयात-इ-बक़ा उस में हम देखते हैं।

६ तेरे दर्द ओ ग़म की यही हैगी दारू
कि यीशु है शाफ़ी यह हम देखते हैं।

७ तू इस बात पर शक़ न ला दिल में आसी
गवाही है इंजील हम देखते हैं।

४८३ (३३१) *H. T. B. 38. 47.*

mp तुम तो मसीहा मेरी आंखों के तारे
भूलो न मेरी ख़बरिया।
mf राह बाट हम भूले फिरत हैं
पाप की बांधे गठरिया
mp हा हा कहत तेरी विन्ती करत हूं
अपनी बता दो डगरिया।
mf पाप की नदिया गहरी बहत है
लोभ की उठत लहरिया
mp ले चल खेवनहार मसीहा
मेरी तो टूटी निवरिया।
mf मन की चादर मैली जो हो गई
जैसे कारी बदरिया
mp अपने रकत में धो दे मसीहा
मन की यह मैली चदरिया।
mf कभी तो सोए महला दो महला
कभु ऊंची अटरिया।
mp रहियो सहाई मोरे मसीहा
जब लगा हम सोई क़बरिया।
mf यह शैतान बड़ो दुखदाई
मिलके मारत कटरिया।
mp साबिर के औगुन छिपा और बचा
मसीह तेरी तो प्यारी नज़रिया।

मसीह की पैदाइश.

४८४ (३१०) *H. T. B. 137.*

mf हुई थी मुल्क-इ-इसरायेल
सना फ़िरिश्तों की
सुनी हैरान चरवाहों ने
सदा फ़िरिश्तों की।

ख़ुदा तआला की हम्द हो
दुनिया में सुलह हो
ख़ैरख़्वाही है इनसान की
यह गीत फ़िरिश्तों की।

फ़क़त इनसान करते हैं
तअरीफ़ बादशाहान
mf तो किस के वास्ते हो रही
ग़ज़ल फ़िरिश्तों की।

ख़ालिक़ मख़लूक़ात का
मुजस्सम अब हुआ
इसी बे-पायां बात से
ख़ुशी फ़िरिश्तों की।

ले सूरत आदमज़ाद की
नजात बख़्शी है
तो क्या दुरूस्त औ लाज़िम है
तश्रीफ़ फ़िरिश्तों की।
क़िई है तुम्हारी मख़लसी
मिलो ऐ सादिक़ो
शुकराना गीत कीजियो
मानिन्द फ़िरिश्तों की।

m ऐ सब बदकारों ग़ौर करो
देखो मुहब्बत को
तुम्हारे दिल में हो मक़बूल
सलाह फ़िरिश्तों की।
कहता है तुझ से ऐ ख़ुदा
अब तेरा उम्मेदवार
मुझ को हमेशः करने दे
सुहबत फ़िरिश्तों की।

मसीह की मौत और जी उठना.

४८५ (३११) *H. T. B. 128.*

mp मुजरा है मेरा उस को
जो फ़रज़न्द-इ-ख़ुदा है
उम्मत की शफ़ाअत के लिये
आप मूआ है।
१ जब चोर की मानिन्द
उसे आये पकड़ने
चूमा जिसे आ करके
यिहूदा ने दिया है।
२ और घेरके जब उस के तईं
ले गये ज़ालिम
फिर झूठी गवाही भी बहुत
उस पर दिया है।

p ३ मरने के वक़ उस ने
यह ख़ुद आप कहा था
pp ऐ मेरे ख़ुदा तू ने अकेला
क्यों रखा है।
mp ४ दुश्मन के लिये उस ने
दुआ बाप से मांगी
तू मुआफ़ कर ऐ बाप
जो इन सब ने किया है।
mp ५ जब मर गया उस के तईं
मदफ़ून किया था
मुअजिज़ः उसका है कि फिर
जीके उठा है।

mf ६ जो लावे यक़ीन मौत पर
यीशु की अज़ीज़ों
जन्नत है मकान उस का
जहां नूर-इ-ख़ुदा है।

mp ७ इस आसी पर तू फ़ज़्ल कर
ऐ मेरे मसीहा
बचेगा नहीं हरगिज़
जो तुझ से जुदा है।

---

४८६ (३१२) *H. T. B. 127.*

p यीशु की मुसीबत
जिस दम तुम्हें सुनाऊं
आंखों सेती मैं आंसू
क्योंकर नहीं बहाऊं।

p १ दुशमन जब उस को पकड़े
बे-आबरू कैसे किये
औ मानिन्द चोर की बांध के
उसे शामिल अपने लिये।

२ हाय हाय वे उसे घूसे
और तमाचे मारे खींचके
रखा था उस के सिर पर
कांटों के ताज को सजके।

३ नरकट के नल को लेके
वे सिर पर इस के मारे
हाय हालत उस की देखो
जो ख़ुदा के थे दुलारे।

४ मुंह पर भी उस के थूके
और ठट्ठे में उड़ाये
बुराइयां उसकी करके
सलीब को तब धराये।

५ और मारने को ले जाके
कपड़े भी सब उतारे
p हाय हाय अफ़सोस की जा है
लोगों ने ठट्ठे मारे।

६ लोहे की मेख़ें ठोंक के
हाथ पांव को उस के फोड़े
सलीब को झटका देके
बंद बंद उन्होंने तोड़े।

७ छः घंटे पूरे यीशु रहे
इस सख़्त अज़ाब में
तब मरके कामिल किया
सब कुछ नजात के बाब में।

---

८ हाय हाय यह क्या अजीब है गुनाह तो था हमारा पर मारा गया है यीशु ख़ुदा का बेटा प्यारा।	*m*	६ ईमान अब उस पर लावें सब लोग जो सुननेवाले महबूब ओ शाफ़ी जानके भरोसा उस पर डालें।	

४८७ (३२५)

p	कफ़ारा है मसीहा का	*p*	पकड़के ले गये ज़ालिम
c	शिफ़ाअत हो तो ऐसी हो		उसे जब पास हाकिम के
m	हवारी है रसूल उसके		बहुत दुशनाम भी खाई
	रिसालत हो तो ऐसी हो	*c*	हलावत हो तो ऐसी हो
p	करी है बाप से उलफ़त	*pp*	सलीबी मौत पर भी वह
	दिखाया प्यार बे-हद्द को		रिज़ालापन को करके मुआफ़
	दिया बख़्श अपने बेटे को		दुआ से याद करता था
c	मुहब्बत हो तो ऐसी हो	*c*	असालत हो तो ऐसी हो
p	हवारी सब जहान में नाम	*p*	ग़ुलामी में पड़े थे और
	यीशु का सुनाते थे		ये शैतान के क़ैदी
	हुए वे क़तूल सब के सब		बचाया जान अपनी दे
c	शहादत हो तो ऐसी हो	*c*	हिमायत हो तो ऐसी हो
p	ज़ुल्म और ज़ब्र बे-हद्द	*mf*	पहाड़ी वअज़ को देखो
	जब कि फ़रज़न्द-इ-ख़ुदा पर था		किताब-इ-पाक में जो है
	वह मरज़ी बाप पर शाकिर		दिलों को पाक करते हैं
c	इताअत हो तो ऐसी हो		हिदायत हो तो ऐसी हो
p	न था सामान ऐश इशरत,	*f*	मुनव्वर हो रहा है सब
	जहां मे शाह आलम के		जहां उसकी मुहब्बत से
	करे नज्जार की ख़िदमत		वही है नूर दुनया का
c	क़नाअत हो तो ऐसी हो		सदाक़त हो तो ऐसी हो।

मसीही चाल.

४८८ (२११) *H. T. B. 114.*

mf मेरे दिल में याद उसी की है
मेरे लब पे उस का ही नाम है।

जो रफ़ीक़ ओ मूनिस-इ-आसियां
जो शफ़ीअ-इ-रोज़-इ-क़ियाम है।

मैं कलिमः ग़ैर का क्यूं पढ़ूं
भला जाप वक़ को क्यों करूं।

मेरे लब पे कलिमः उसी का है
जो अज़ल से हक़ का कलाम है।

m किया सैर इ-दैर ओ हरम कभी कभी
कुछ हवा ओ हवस रही।

mf मगर अब तो राह वह मिल गई
कि जो मक़सद अपना तमाम है।

यह राह गरचि है पुर-ख़तर
है हज़ारों तरह का इस में डर

तू बढ़ आगे फ़िक्र न ज़रा कर
कि मसीह मेरा इमाम है।

जो तू ख़ाली हाथ है ऐ गदा
दर-इ-बाप तू भी उसी के जा।

तुझे ख़ाली हाथ न फेरेगा
कि वह बख़्शिश उस की तो आम है।

pc मेरे दाग़-इ-क़िर्मिज़ी जितने थे
तेरे ख़ून-इ-पाक से धुल गये।

mf कभी होगा तुझ से न बे-वफ़ा
कि यह ख़ून-ख़रीदः ग़ुलाम है।

mp सर-इ-राह तू जो है सो रहा
भला कब मक़ाम पै पहुंचेगा।

ऐ सफ़ीर नींद से उठ ज़रा
कि क़रीब आ गई शाम है।

---

४८६ (२३४)

mf १ भेष बदला क्या हुआ दिल को बदलना चाहिये
एक दो बातें नहीं बिलकुल बदलना चाहिये।

m २ तन्दुरुस्ती के लिये कपड़े बदलना चाहिये
हक़ परस्ती के लिये दिल को बदलना चाहिये।

३ जो सुने बैबल से वह दिल से समझना चाहिये
दिल बदलने के लिये यीशु से मिलना चाहिये।

mp ४ ऐ दिला ग़फ़लत पै अपनी आज रोना चाहिये
आज तो बे-दार हो पहलू बदलना चाहिये।

५ जो गये दुनया से आख़िर वह हमें मिलते नहीं
जो रहे उन को मसीह रूह पाक मिलना चाहिये।

गुनाह का इलाज.

४६० (३१६) H. T. B. 105.

m f १ शिफ़ादस्त-इ-करम से उसके पाये
जिस का जी चाहे
मेरे कहने पै क्या है आज़माये
जिस का जी चाहे।

२ मरीज़ान-इ-गुनाह को दे ख़बर
फ़ैज़-इ-मसीहा की
बिला क़ीमत दवा मिलती है लाये
जिस का जी चाहे।

m f ३ गुनहगारों को मुज़्दः दो
कि यीशु जी उठा तब से
दर-इ-जन्नत खुला रहता है आये
जिस का जी चाहे।

४ है तसलीस-इ-इलाही अक़ल-इ-
इनसानी से गो बाहर
सदाक़त उसकी लेकिन दिलमें पाये
जिस का जी चाहे।

५ निदा दी अब्र-इ-रहमत ने
खड़े होकर यह हैकल में
कि आब-इ-ज़िन्दगी देता हूं आये
जिस का जी चाहे।

६ ख़ज़ाना आस्मान पर है हमारा
क्या कमी हम को
तलाश-इ-ज़र में उम्र अपनी गंवाये
जिस का जी चाहे।

७ सफ़ीर अब है ज़ईफ़ी ताज ले
ग़ालिब हो आख़िर तक
क़दम इस दौर में अपना बढ़ाये
जिस का जी चाहे।

मौत की तैयारी.

४६१ (३२०) H. T. B. 126.

mp १ उठ मुसाफ़िर कर तैयारी
अब तो कुछ दिन भी नहीं है
दिल कहीं दीदः कहीं
और अश्क आंखों में नहीं है।

२ लग रहा है चल चला
यां रात ओ दिन यकसां बराबर
मौत का डंका बजे है
क्या तुझे कुछ ग़म नहीं है।

mp ३ मौत क्या जाने लड़कपन
क्या बुढ़ापा क्या जवानी
क्या अमीरी क्या फ़क़ीरी
मौत को परवाह नहीं है।

४ क्या तेरी आंखों में अब तक
नींद ग़फ़लत की भरी है
भाई और मादर पिदर
यां कोई भी अपना नहीं है।

५ माल ओ दौलत शान ओ शौकत
इन में धोखा है सरासर
सारी दुनया कोई कमावे
तौभी कुछ हासिल नहीं है।

६ है ख़ुशी योशु मसीह में
राह-इ-हक़ साबित वही है
क्यूं फिरे भटका मुसाफ़िर
और तो कोई राह नहीं है।

---

४६२ (३२१)

H. T. B. 305.

mp १ सुनो ऐ जान-इ-मन तुम को
यहां से कूंच करना है
रहो तुम याद-इ-हक़ में
जब तलक यां आबदानः है॥

२ अरे ग़ाफ़िल तू क्यूं भूला है
इस दुनया के लालच में
रखो कुछ ख़ौफ़ भी हक़ का
अगर जन्नत को जाना है॥

३ करो टुक ग़ौर तुम दिल में
कहा क्या क्या तुम्हें उस ने
किया था हुक्म जो हक़ ने
उसे तुम ने न माना है॥

४ पड़े सोते हो ग़फ़लत में
ज़रा टुक आंख को खोलो
हुई है शाम उठ बैठो
मुसाफ़िर घर को जाना है॥

५ न दौलत काम आवेगी
न इस दुनया से कुछ हासिल
अगर तुम सोच कर देखो
यह सब कुछ छोड़ जाना है॥

mp ६ जब मलक-उल-मौत आवेगा
तुम्हें इस जा से लेने को
बहाना क्या करोगे तुम
वह तुम से भी सियाना है॥

७ ख़ुदा जब तुझ से पूछेगा
तू क्या लाया उस आलम से
दिया था उमर और दौलत
तो क्या तुहफ़ा कमाया है॥

८ अगर ग़ाफ़िल रहे हक़ से
तुम्हें दोज़ख़ में डालेगा
m रहे हो याद में हक़ की
तो जन्नत घर तुम्हारा है॥

९ हयात-इ-अबदी अगर चाहे
तो कह योशु मसीह से तू
वही शाफ़ी है उम्मत का
कि जिस का नाम यीशु है ॥

१० सलीब ऊपर उसे रखकर
किया है क़त्ल ज़ालिम ने
उसे मत भूल ऐ आसी
वही तेरा ठिकाना है ॥

---

४९३ (३८२) *B. T. B. 122.*

p १ मिले ख़ाक में नौजवां कैसे कैसे
गए क़ब्र में नुक्तदां कैसे कैसे ।

२ सहे हैं मसीहा ने उम्मत की ख़ातिर
ज़रर कैसे कैसे ज़ियां कैसे कैसे ।

m ३ दिये पांव लुनजों को अन्धों को आंखें
तवाना किये ना-तवां कैसे कैसे ।

४ लाज़र को हासिल हुई जान-इ-ताज़ा
ज़ुबां पा गए बे-ज़ुबां कैसे कैसे ।

p ५ जवानों को मरक़द की चक्की ने पीसा
हुए चूर चूर उस्तुख़्वां कैसे कैसे ।

६ न सुहराब बाक़ी रहा है न रुस्तम
ज़मीं खा गई पहलवां कैसे कैसे ।

७ कोई मंज़िल-इ-गोर से फिर न पलटा
रवाना हुए कारवां कैसे कैसे ।

८ करें याद किस किस को किस किस को रोवें
इन आंखों ने देखे समां कैसे कैसे ।

"दुःखी पुरुष"

४१४ *S. 102.*

१ "दुःखी पुरुष"! कैसा नाम!
सत औतार ने दिया दाम
उसने किया मुक्त का काम.
जय मसीह की! कैसा त्राता!

२ मेरे पाप का लाज और भार
सब उठाके खाई मार.
लोहू दिया, क्या उद्धार!
जय मसीह की! कैसा त्राता!

३ पापी हम और मन मलीन
बलिदान मसीह पापहीन
निष्खोट मेम्ना प्रेमाधीन.
जय मसीह की! कैसा त्राता!

४ काठ पर दिया अपना प्राण
पूरा हुआ बलिदान
स्वर्ग पर अब वह विराजमान.
जय मसीह की! कैसा त्राता!

५ अधिराज वह आवेगा
अपनों को संग लावेगा
तब हर एक यह गावेगा
जय मसीह की! कैसा त्राता!

और भी.

४९५. S. 865.

१ क्या मसीह से करते प्रीत ?
मिलेगा फिर और भी;
मन में है उसकी प्रतीत ?
मिलेगा फिर और भी:
क्या ही प्रेम पिता का है !
मिलेगा फिर और भी:
अनुग्रह वह करता है,
ग्रहण करना और भी

फिर भी और, फिर भी और
सदा नित्य और भी;
प्रेम अनूप ! हां प्रेम असीम !
ग्रहण करना और भी ।

२ क्या उद्धारक निकट है ?
मिलेगा फिर और भी;
दर्शन से क्या आनन्द है ?
मिलेगा फिर और भी:
यीशु रखना क्या ही प्रेम !
मिलेगा फिर और भी;
प्रेम वह करता बिना नेम,
ग्रहण करना और भी ।
फिर भी वग़ैर: ॥

३ उसका आत्मा पाया है ?
मिलेगा फिर और भी;
धीमा मेंह बरसाया है ?
मिलेगा फिर और भी:
आत्मा का क्या ही प्रभाव !
मिलेगा फिर और भी;
करता पाप से मन फिराव,
ग्रहण करना और भी ।
फिर भी वग़ैर: ॥

४ मन में क्या है नया गीत ?
मिलेगा फिर और भी;
पाप पर अभी होती जीत ?
मिलेगा फिर और भी:
अनुग्रह पर अनुग्रह !
मिलेगा फिर और भी;
खुला उसका धन-संग्रह;
ग्रहण करना और भी ।
फिर भी वग़ैर: ॥

प्रभु की प्रार्थना ।

हे हमारे पिता तू जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जाए । तेरा राज्य आए तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है वैसे पृथ्वी पर भी हो । हमारी दिन भर की रोटी आज हमें दे । और जैसे हम ने अपने अपराधियों को क्षमा किया है वैसे ही हमारे अपराधों को क्षमा कर । और हमें परिक्षा में न ला बल्कि बुराई से बचा । क्योंकि राज्य, और पराक्रम और महिमा सदा तेरे हैं. आमीन ।

Lord's Prayer

OUR Father Which art in heaven, Hallowed be Thy name. Thy kingdom come. Thy will be done in earth, as it is in heaven. Give us this day our daily bread. And forgive us our debts, as we forgive our debtors. And lead us not into temptation, but deliver us from evil: For Thine is the kingdom, and the power, and the glory, for ever.—Amen.



गीतों की फ़ह्रिस्त.

गीतों की फ़हरिस्त.

	गीत.
अक़दस अक़दस अक़दस ...	१
अदन में तू ने ख़ुदावन्द ...	३३०
अन्धियारा गया है ...	२६१
अपना कोई नही है जी ...	४६४
अपनी पाक रूह ख़ुदावन्दा ...	३२३
अपनी रौशनी दे ...	३५२
अपने गुनाह मैं डालता ...	९६
अपने गुनाहों को ...	१६९
अपने घर से रुख़सत कीजिये ...	४१२
अब अन्धियारा गया है ...	२६२
अब आया है आराम का रोज़ ...	२७४
अब आओ विश्वासियो ...	३२
अब उठ जवान सिपाही ...	२०१
अब गुज़रा है पुराना साल ...	३३१
अब जाग अब जाग ...	३१९
अब दूसरा हफ़्ता गुज़रा है ...	२७१
अबनज़र मालिक मेरे ...	३३२
अब नये गीत ख़ुदावन्द के ...	१४
अब यरदन के किनारे पर ...	२२८
अब रुख़सत कर ख़ुदावन्दा ...	४१४
अब शाम के वक़्त ख़ुदावन्द को ...	२७०
अब हमारे बाप ख़ुदा की ...	४२०
अब है दिन बीत गया ...	३८२

	गीत.
अब होवेगी थोडी देर ...	२३४
अरे हां रे मन ...	५४९
अस घर जग में कोई नहीं ...	४६३
अहो प्रभु जी मम ओरहि ...	४७२
आ अब ऐ गुनहगार देर क्यूं ...	१०९
आओ गुनहगारो आओ ...	११०
आओ तुम जो रखते हो ...	२०६
आओ रब्ब की मदहसराई ...	२८०
आंखें ख़ुदा की हैं ...	९
आगे आगे बढ़ो ...	१९६
आज जी उठा है मसीह ...	४०
आता मैं तेरे पास ...	१४४
आता हूं सलीब के पास ...	१३२
आदमी धूल है घास का फूल है ...	३३५
आ पहुंची है इतवार की शाम ...	२७५
आफ़ताब इलाही ऐ मसीह ...	२६७
आया हूं मसीह पास तेरे ...	१३७
आरास्तः हो ऐ मेरी जान ...	२९४
आवे प्रभु तेरा राज ...	३१२
आशीष से यीशु विदा कर ...	४०८
आस्मान के दे मुक़द्दसो ...	६२
आस्मान के तख़्त पर ...	२२
आस्मान ज़मीन का इन्तिज़ाम ...	१६

	गीत.
आस्मान पर आराम है ...	२४३
आस्मान बयान करते ...	६
आस्मान में रात नहीं ...	२४५
आसमानी बाप हमारे ...	४२१
इतमीनान ख़ुदा का .	१६२
इनजील का ख़ुश पयाम ...	३०४
इनसान की देखो फ़ना ...	२२७
इम्मानुएल के लहू से ...	१०१
इलाही नूर कर रौशन ...	२२५
ईश्वर जो स्वर्ग में रहता है ...	३८७
उठ ऐ सलामत के बादशाह ...	२५०
उठ मुसाफ़िर कर तैयारी ...	४६१
उठ मेरी जान और हो शादमान . .	२८५
उठाके आंख तरफ़ पहाड़ों की ...	२०५
उमदः हैं जो छोटे हाथ ..	३५४
एक आया था शख़्स मसीहा के पास	११९
एक आवाज़ निहायत मीठी ...	३७७
एक चशमा शाफ़ी जारी है ...	१०२
एक छोटा बच्चा नातवान ...	३५५
एक तो है जो सब से अच्छा ...	४५
एक दिल होके गाओ ...	३५६
एक दूर के शहर के नज़दीक ...	३५२
एक द्वारा खुला रहता है ...	१११
एक नाम यीशु सांच ...	४३१
एक बेटा बख़्शा गया है ...	२८
एक मा की गोद में लड़का था ...	२६३
एक मुल्क है ख़ुश औ पाक ...	४००
एक मेरा यार और कैसा यार ...	१८८
एक लड़के की पैदाइश थी ...	३४६
एक शहर पाक और साफ़ ...	४०६
एक सितारा ख़ुशनुमा ...	२८
एक ही प्यारा है हमारा ...	७०
ऐ आसमानी बाप हमारे ...	२३
ऐ ख़ुदा कमाल के चश्मे ..	१५७
ऐ ख़ुदावन्द देख यह भाई ...	२८८
ऐ गुनहगार ऐ गुनहगार ...	१४६
ऐ जान तू होश में आ ...	७४
ऐ दोस्त अनदेखे मुनजी पाक ...	२०९
ऐ फाटको अपने सिर ऊंचे कर दो	२५१
ऐ फाटको उठाओ सिर ...	२५२
ऐ भाईयो सब मिल के ...	४७४
ऐ मसीह ख़ुदाया मेरे ...	१४१
ऐ मसीह ग़रीब हलीम ...	३७०
ऐ मसीह रहीम चरवाहे ...	३८१
ऐ मसीहा मेरे यार ...	१४३
ऐ यीशु मैं ने कहा ...	१६६
ऐ यीशु तू अजीब बादशाह ...	६४
ऐ रब्ब—उल—आलमीन ...	२१५
ऐ रूह—उल—क़ुद्दुस तू उतर आ ...	८८
ऐ रूह-उल-क़ुद्दुस तू हाज़िर हो ...	८३

	गीत
ऐ लड़कों मिलके गाओ ...	२६१
ऐ सारी सरज़मिनो अब ...	२०
ऐ सिपाही हो दिलावर ...	१९७
ऐ सण्डे स्कूल ...	३८३
ऐ हिन्दुस्तान ख़ूबसूरत ...	३४२
और किसी बात की बड़ाई ...	४३६
कफ़ारा है मसीहा का ...	४८७
क़बूलो दिल से ईमान ...	४७५
कर पवित्र आत्मा ...	३६६
कर मेरी तरफ़ अपना कान ...	२१४
करता हूं तुझ से इलतिजा ...	४८०
करुणा निधान ...	४४६
करूं हम्द ऐ रब्ब ...	४७९
करें ख़ुशी से तअ़रीफ़ ...	११
करो मेरी सहाय ...	४५८
कलवरी से क्या पुकारा ...	३७
कलीसिया की ग़ैरफ़ानी ...	३२५
कलीसिया की मख़सूस पनाह ...	३२६
कलीसिया के बुज़ुर्ग चौपान ...	३२२
क़ादिर इ मुतलक़ आ ...	२
काम से हाथ उठाता हूं ...	२६९
कामिल आराम ऐ दिल क़बूल कर	१६८
कामिल है ख़ुदा की राह ...	२४
किधर जाते यात्री लोगो ...	३६०
किस पास जावे पापी जन ...	१२४

	गीत
क़ीमती वअ़दः बाप ने दिया ...	१८६
कैसर इ हिन्द की जय ...	३४४
कोई वयू न हो जो सुनता है कलाम	११८
कौन वतन है रूह का ...	२४०
क्या तुम यीशु पास गये ...	१०६
क्या तू मांदा और दिलगीर है ...	१००
क्या तैयार हो जब कि दुल्हा ...	५१
क्या नाम शीरीन है यीशु का ...	७३
क्या बुरा है हमारा हाल ...	१२३
क्या मसीह से करते प्रीत ...	४६५
क्या मैं ख़ाली हाथ से जाऊं ..	१९३
क्या ही दिलकश बुज़ुर्ग अल्लाह ...	२५९
क्या ही मुबारक हाल ...	३२७
क्या ही मुबारक है मुनजी ...	७१
क्या हो मांदे क्या हो दिल शिकस्तः	१६०
क्यों नहीं गैहों गुन शतवारा ...	४४१
क्यों मन भूला है ...	४६१
क्रूश ही के पास जहां खून बहा ...	१५५
ख़बर दो कि क़ौमें जानें ...	३०५
ख़िदमत में ...	३२०
ख़ुदा-इ-बैवल जो ख़ुराक ...	२३२
ख़ुदा का देखो कैसा प्यार ...	३१
ख़ुदा का यह क़ौल क़रार ...	२९०
ख़ुदा की अब तअ़रीफ़ ...	३३७
ख़ुदा की हैकल पाक़तरीन ...	४३

		गीत
खुदा के बरगुज़ीदो	...	२११
खुदा ने ऐसी शिद्दत से	...	६८
खुदा मेरा हिस्सः	...	१५८
खुदा रहीम आप मिहरबान	...	३०३
खुदाया अपनी बरकत	...	३०६
खुदाया अपनी राहें	...	१३३
खुदाया तेरा हिल्म	...	२७८
खुदाया मेरी ख़बर ले	...	२८३
खुदाया रहमत से	...	३०६
खुदाया सच्ची दानिश दे	...	३०२
खुदावन्द अपने फ़ज़्ल से	...	२८६
खुदावन्द यीशु मालिक है	...	६५
खुदावन्द एक है मेरी अर्ज़	...	२५८
खुदावन्द कहता है	...	१४६
खुदावन्द की हम्द कर	...	२५
खुदावन्द के ऐ खादिमो	...	२५७
खुदावन्द को ऐ मेरी जान	...	१८
खुदावन्द तआला है मुक़ाम	...	१७
खुदावन्द तेरा शुक्र हो	...	२६४
खुदावन्द तेरे फ़ज़्ल से	...	२७३
खुदावन्द मुझे आरज़ू है	...	२६८
खुदावन्द मेरा है चौपान	...	२१५
खुदावन्द इस बच्चे को	...	२६१
खुदावन्दा खुदा	...	६१
खुदावन्दा तू मुझ से बोल	...	२२४
खुदावन्दा तेरा मुक़द्दस	...	८६
खुश हो खुदावन्द आया है	...	३०
खुश हो खुश हो मसीह का राज	...	३१७
खुशी कर खुशी कर होके शादमान		३६६
गर क्रूश का मैं सिपाही हूं	...	२००
गाओ गाओ यीशु मुनज्जी	...	७६
गाके फिर मुझ को राहत दो	...	३७५
गुनाह ओ ग़म के ग़ार में से	...	९५
गुनाहों को अपने जो हम	...	४८२
ग़रीबों पर जब गिरती है	...	३४६
ग्रीनलैन्ड के मुल्क-इ-सर्द से	...	३१६
चुप मेरी जान	...	२१७
चैन-ओ-अमान है तुझ पास	...	२३१
चौपान एक है हमारा	...	३६५
छोड़ न मुझे प्यारे यीशु	...	१४८
जब आ जावे मेरा कष्ट	...	११३
जब गिरजे में हम जाते हैं	...	२५५
जब दुःख मुसीबत हैं मेरे तमाम	...	२४७
जब दुन्या तारीकी में	...	५६
जब बैबल में पढ़ता मैं	...	२७८
जब मैं पुकारूं ऐ खुदा	...	२५
जब लड़कों को माएं	...	२७१
जब हम दुःख में पड़े हैं	...	४६
ज़मीन पर ऐ खुदा	...	१२
जय जग तारक	...	४२७

	गीत.
जय जनरंजन जय दुःखभंजन ...	४२८
जय जय ईश्वर जै ...	४६८
जय परमेश्वर ...	४४०
जय प्रभु यीशु जय अधिराजा ...	४२५
जय प्रभु यीशु जय ...	४२६
जल्द आ जल्द आ इम्मानुएल ...	५२
जल्द मेरे दिन गुज़रते हैं ...	२२६
जहां तक ज़मीन आबाद ...	२३८
जहां दो तीन एक दिल ही हो ...	२५६
जाग उठो पुकारा हुआ ...	५०
जाग सूरज साथ ऐ मेरे दिल ...	२६३
जान मैं ने अपनी दी ...	१६०
जावे किसके पास गुनहगार ...	७७
जितने होवें जग के बीच ...	५८
जिन परतीत यीशु पर नाहीं ...	४३३
जिन्हें ख़ुदावन्द ख़ुशी दे ...	३२८
जिस क्रुश पर यीशु मरा था ...	३६
जिस रात को पकड़ा जाता था ...	२६७
जै जै जै जै मसीह की जै ...	७८
जैसा मै हूं बग़ैर एक बात ...	१२५
जैसे हिरनी हांपती पियासी ...	१७६
जो तुम जीवो तो ...	४६०
जो मैं फ़िरिश्ता होता ...	४०१
जौन बनि पावस आंइयां ...	४७०
जंग की है पुकार ...	१६८

	गीत.
तम्बीह न दे तू क़हर से ...	१३०
तमाम है जग अब फतहमन्द ...	४१
तमाम है दिन की रौशनी ...	२६६
तरफ़ पहाड़ों की ...	२०४
तारक यीशु अपार ...	४७१
तीन एक ख़ुदा जो आलीशान ...	४१६
तुझ को ज़ियादा पियार ...	१७६
तुझ पास ख़ुदावन्दा ...	१८३
तुझ ही पर है ईमान ...	१८०
तुम तो मसीहा मेरी आखों ...	४८३
तुम बिन मेरो कौन सहायक ...	४३७
तू अपनी सारी फ़िक्र ...	२०७
तू जो रहता बीच आस्मान ...	३८६
तू ने बनाया मुझे है ...	६०
तू पुश्त दर पुश्त बर हक़ अल्लाह...	३३४
तू बरकत दे ख़ुदा ...	३०७
तू मेरा हादी हो ...	१७१
तू मेरे दिल का है अज़ीज़ ...	४७६
तू राह है तेरे सबब से ...	३४
तू है मेरा अबदी हिस्सा ...	६८
तेरा दीदार ख़ुदावन्द चाहता हूं ...	३००
तेरा हूं ऐ रब्ब ...	१८७
तेरी अफ़ज़ल है मुहब्बत ...	१८५
तेरी बरकत हम पर आवे ...	२६८
तेरी बुज़ुर्गी ऐ ख़ुदा ...	१३

	गीत.
तेरी रहमत का हो मरगूब ...	२६६
तेरी शीरीन आवाज़ ...	१२८
तेरे फ़रमान से रब ...	३११
थके भूले रह और सुन ले ...	४२१
थके मांदे आजिज़ जन ...	२७७
दर-ए-पाक से फिरके ...	४८१
दानिश सीखो ऐ नादानो ...	३३६
दिन औ साल शिताब से जाते ...	३३२
दिल का बोझ कौन जानता है ...	८४
दिल की ख़ुशी अब मनाओ ...	३६२
दिल के दाग़ को धोवे कौन ...	१०३
दीनदयाल सकल वर दाता ...	४२४
दुआ कर और हो बेदार ...	१६४
दुआ तू मेरी सुन ...	८४
दुःख में नर हम हों रंजूर ...	४७
दुःखी पुरुष ...	४६४
दुनया है लड़ाईगाह ...	१५९
देख अम्बर पर ऊपर ...	३१०
देख इसराइल का नेक चौपान ..	२६२
देख एक मुल्क है नज़ीर गुलशनुमा	२४४
देख और जी गुनहगार ...	१०७
देख घर है तैयार बीच आसमान	२४८
देख काहन पर मुसाफ़िर हैं ...	४१६
देख वे स्वर्ग से उतर आते ...	४८
देखो कैसी ही मुहब्बत ...	४

	गीत.
न कल के लिये ऐ ख़ुदा ...	२१८
नजात दिहिन्दः फिर व दिल ...	४०६
निन्नानवें भेड़ें सलामती से ...	१०४
पाक शहर ऐ यरूसलम ...	२३९
पातक हरन छुड़ावन यीशु ...	४४५
पानी बरसा भाईयो ...	३३८
पापी दोषी दीन हीन सकल ...	१३६
पापी मैं तो बड़ा हूं ...	१४२
पाव मेरे का चिराग़ ...	६३
पियारे बाप ख़ुदावन्दा ...	१८६
पुकारता हूं ऐ मददगार ...	१२६
पूर्वी देश की ओर से ...	३४८
पैदा कुनिन्दः रूह क़ुद्दूस ...	८२
पैसे डाले जाने ...	३५७
पंख अगर होते तो उड़ जाता ...	४०२
पन्य बना है राज परमेश्वर ...	२२३
प्यार सब प्यार से जो बेशक़ीमत	३३
प्यारे यीशु ने बचाया ...	१५४
प्रभु अपना प्रेम दिखाके ...	१८६
प्रभु आशीष देवे ...	४१५
प्रभु यीशु कृपासागर ...	२२०
प्रभु यीशु दयावन्त ...	१२९
प्रभु यीशु प्यारे ...	३८५
प्रभुजी मोहे प्रेम कर ...	४३५
प्रभु ने सुधि लीन्ह हमारी ...	४५९

		गीत
प्रभु मै हूं महापापी	...	१७५
प्रभु यीशु दरशन दीजे	...	४५५
प्रभु यीशु धर्म्मराजा	...	३१४
प्रभु यीशु मसीह विन कौन	...	४४८
प्रेम निधान सुकिरपा कीजे	...	४६५
फिर तेरे पास हम आते है	...	२४९
फिरिश्तों ने जो गाया	...	३७२
वडी वरकत ऐ खुदावन्द	...	२८४
वादलों के साथ वह आना	...	४९
वादशाह को ऐ खुदा	...	३०८
वादशाह सलामत हो	...	३४३
वाप आसमानी तेरी हम्द हो	...	४२२
वालक कौन है देख उस थान	...	३६३
वुरा काम मत करो	...	३५१
वैतलहम की पैदाइश	...	४४२
वैंवल वैवल पाक किताव	...	९२
वोया है फिर वीज आसमानी	...	४११
भेष वदला क्या हुआ	...	४८९
मन कहे को होहु निरासा	...	४५०
मन भजो मसीह को चित से	...	४३२
मन मन्दिर आये	...	४५१
मर्द ग़मनाक क्या नाम	...	७२
मसीह कलीसिया का चौपान	...	२८७
मसीह का रक्त और धर्म्म	...	७६
मसीह की मेरी है दुहाई	...	१३८
मसीह जी को सुमरो भाई	...	४५३
मसीह तू मेरा प्यारा है	...	६९
मसीह वचानेहार	...	३२९
मसीह मुझ को जरूर है	...	९८
मसीह मेरे गुनाहो का	...	३९
मसीहा तू मेरा प्यारा	...	६६
मसीहा तेरा फजल	...	२२१
मसीहा विना कौन हमारा	...	४५२
मसीहा मैं जो पापी	...	९४
मसीही तू सोच कर	...	१९२
मिले खाक मे नौजवां	...	४९३
मीठा हां मीठा है उस का	...	३७६
मुख़ालिफ वेशुमार	..	२०३
मुजरा है मेरा उस को	...	४८५
मुझे वह वात सुनाओ	...	३६७
मुझे ऐ मसीहा नित यह चाहट	...	१८१
मुतावीक़ दायवत के	...	२९९
मुनजी अजीज़ मसीह ने	...	८०
मुवारक और वुज़ुग खुदा	...	४१७
मुवारक नौवत दुआ की	...	२८१
मुवारक सुवह जिस का नूर	...	२७२
मुवारक हैं वे लोग	...	२६०
मुवारक होते हैं वे शख्स	...	१७०
मेरा इन्साफ कर ऐ खुदा	...	२१०
मेरा नहीं है कोई मददगार	...	४७९

	गीत.
मेरा बाप दौलतमन्द ...	२१२
मेरी जान तू कान लगा ...	४२
मेरी ज़िन्दगी तू ले ...	१९१
मेरे दिल में याद उसी की ...	४८८
मेरे पापों को क्षमा कर दे ...	३८६
मैं आता हूं तेरे हुज़ूर ...	१४५
मैं इन्तिज़ार में रहता हूं ...	९७
मैं एक गीत अपने वतन का ...	२४६
मैं एक छोटा यात्री ...	३९२
मैं उठूंगा मैं उठूंगा ...	१२२
मैं गुण तुम्हारे गाऊंगा ...	४४४
मैं तो यीशु को मन में ...	४३४
मैं तो सब्र करके हुआ ...	१५१
मैं मुसाफ़िर और मैं परदेशी ...	२२४
मैं हूं निर्बल और कंगाल ...	३९३
यरूसलम अय स्मानी ...	२४१
यरूसलम बरीना ...	२४२
यह ज़िन्दगी कोताह है ...	२३६
यह बात शीरीन है यीशु की ...	२२२
यह सुनाओ कि यीशु सीह ...	२१४
यहां दुःख हम सहते हैं ...	३९९
यहां मुसाफ़िर हूं ...	२२२
यहोवाह के लिये ऐ सब ...	२१
यहोवाह है आला मुक़ीम ...	७
या जग में हैं पाप घनेरे ...	४५७

	गीत.
या रब्ब तेरी जनाब में ...	४७३
यीशु इस संसार में आया ...	५५
यीशु का मज़हब फैलेगा ...	२१३
यीशु की मैं भेड़ी हूं ...	३९१
यीशु तू ही मेरा है ...	१३९
यीशु पाप से मुक्ति देता ...	३६८
यीशु पास गर आऊं ...	३६९
यीशु पियारे ...	६७
यीशु प्रभु म्रत अवतार ...	१२७
यीशु में सोते नींद क्या ख़ूब ...	२३३
यीशु मेरी पनाहगाह ...	१३५
यीशु मेरे जानी दोस्त ...	१४०
यीशु राह में साथ ले चलता ...	२३०
यीशु हादी हो ...	२१९
यीशु है चरवाहा ...	३५०
यीशु है नजात दिहिन्दः ...	५७
यीशु की बातन सुनाओ ...	७५
यीशु के सिपाही ...	१९५
यीशु है मेरा कैसा खुशहाल ...	२१३
यीशु पास मैं जाऊंगा ...	३९७
यीशु मेरा दूत यह वचन ...	३५
यीशु स्वर्गवासी... ...	३९४
यीशु अब देता है आब हयात ...	१२०
यीशु की दरगाह के लिये ...	१६४
यीशु की मुर्नीवत ...	४८६

	गीत.
यीशु कैसा दोस्त पियारा ...	२८६
यीशु तू है मेरी जान ...	१७८
यीशु त्राता सुन मेरी ...	३८८
यीशु दयानिधि सुमरो प्यारो ...	४३८
यीशु दीन और कोमल ...	३८४
यीशु धन्य यीशु	५६
यीशु नाम तुम्हारो ...	४६६
यीशु नाम यीशु नाम ...	४३०
यीशु पास आ न देर कर ...	३७३
यीशु पास आओ	११५
यीशु पैयां लागौं	४५४
यीशु बुलाता है सुन उस की ...	११७
यीशु मसीह मेरो प्राण ...	४३६
यीशु रख सलीब के पास ...	१७७
यीशु स्वर्गन को प्यारो ...	४२६
यीशु हम को करता प्यार ...	३७४
यीशु है मेरा सब प्यारों से ...	१४७
यीशु नाम की दे दुहाई ...	५३
रब्ब का ऐ भाइयो ...	२८२
रब्ब ख़ुदावन्द बादशाह ...	४७७
रब्ब फ़रमाता वह दिन आता ...	४०३
रब्ब साथ होवे जब हम जुदा हो	३४०
रह मेरे पास शाम होती जाती है	२६५
रह मेरे पास हर आन ...	१८४
रुख़सत और आशीष दे ...	४१३

	गीत.
रूह इलाही रूह मुक़द्दस ...	८६
रूह-उल-क़ुद्स ऐ पाक मुअ़ल्लिम	३६५
रूह-उल-क़ुद्स तू उतर आ ...	८७
रूह क़ुद्स का फ़ज़ल ...	१७३
रूह क़ुद्स तू मुझ पर मिहर कर	८१
रूह मेरी ख़ुश हो गाती है ...	१६३
लखो रे नर आपन निर्बल शरीर	४४७
लड़को गीत मसीह का गाओ ...	३६४
लड़ो तुम शैतान से ...	३५८
लाखों में एक मेरा प्रिया ...	६०
लो सुबह की रौशनी आती ...	३१८
वक़्त-इ-रुख़सत बाप दे बरकत ...	४१०
वह आदमी है मुबारक हाल ...	१७४
वह हादी है	१६१
शफ़्फ़ाफ़ आस्मान के ऊपर ...	४०४
शरअ़ से छूटा ख़ुशी अब आई ...	१०८
शिफ़ा दस्त-इ-करम से ...	४६०
शुक्र और सना हो ...	८
शुक्र हम्द सितारश हो ...	४१८
शुभे सब मसीह पर डालता ...	१६५
सब आओ जितने हो लाचार ...	११३
सब ख़राब कलाम अ़माल ...	३८७
सब निअ़मतों के एवज़ में ...	१५२
सब मसीह का	१८२
सब मिलके तुम तअ़रीफ़ ...	६३

	गीत.
सब मिलके हो ख़ुरसन्द ...	६१
सब रहमतों के ख़ुदा को ...	४७३
सभों के ऊपर मिहरबान ...	१९
सलीब पर यीशु मुआ है ...	५४
संसार का दिन ढल जाना ...	२३५
संसार का सब से बड़ा भेद ...	३६०
साफ़ और पाक दिल ...	१७२
सालिम मसीह की गोद में ...	४०५
सिताइश बाप की हो ...	४१९
सिपाहियो मसीह के ...	२०२
सिर्फ़ एक ही मेरा चारा है ...	१३१
सिर्फ़ मसीह पर है भरोसा ...	१६७
सुन आस्मानी फ़ौज शरीफ़ ...	२९
सुन मेरी जान फ़िरिश्ते ...	२२६
सुना हमने सुख का बोल ...	३२१
सुनो ऐ जान-ए-मन ...	४९२
सुबह का नूर रात करके दूर ...	३८०
सूरज निकला हुआ सवेरा ...	४६१
सेहन में ऐ परवरदिगार ...	२७९
स्वर्ग की ओर हम चलते हैं ...	३९८
स्वर्ग पिता तू ने करके प्यार ...	५
स्वर्गीय पिता सुन हमारी ...	३७९
हज़ारहा लड़के खड़े हैं ...	४०७
हफ़्ता भर ख़ुदावन्दा ...	२७६
हम आये हैं इबादत को ...	२५३

	गीत.
हम कैसी बड़ी निअमतें ...	१०५
हम छोटे लड़के हैं अबल ...	३५६
हम जोते हैं और बोते ...	३३९
हम यीशु कथा प्रचार करें ...	४४३
हम्द तेरी ऐ बाप ...	३
हमेशः रब्ब के साथ ...	२३७
हमारा मन लागा ...	४६९
हमारे वास्ते ऐ मसीह ...	३८
हल्लिलूयाह दिल से गाओ ...	३०१
हाथ मेरा थाम्ह ...	१५०
हुई थी मुल्क-इ-इस्रायेल ...	४८४
हे यीशु तू जगत्राता है ...	१३४
हे तू जो जल और धरती को ...	३४१
हे परमेश्वर तेरे मुख को ...	२७
हे परमेश्वर रक्षक मेरे ...	३४५
हे परमेश्वर सकल सृष्ट ...	१०
हे पवित्र आत्मा आ ...	८५
हे प्रभु तेरी आशा से ...	२९५
हे प्रभु मेरा मन बसा ...	२५४
हे प्रिये प्रभु यीशु ...	२१६
हे बाप हे ईश्वर ..	२०८
हे मेरे प्रभु	४५६
हो प्रभु अब करहु क्षेम ...	४६७
हो मुबारक चश्म मसीह ...	१५६

First Lines of English Hymns Translated.

	HYMN
Abide with me .	265
According to Thy gracious	296
A few more years shall roll	234
Alas, and did my Saviour ...	38
A little child the Saviour ...	293
A little helpless child am I	355
Alleluia, sing to Jesus ...	301
All for Jesus ..	182
All hail the power ...	62
All my doubts I give to ...	165
All our sinful words and ways	387
All the way my Saviour leads	230
Am I a soldier of the Cross	200
Are you ready for the ...	51
Are you weary, are you heavy?	160
Arise go forth to conquer ...	201
Arise my soul arise ..	74
Around the throne of God ...	407
Art thou weary ...	100
A ruler once came ...	119
Asleep in Jesus .	233
As with gladness ...	28
Awake my soul and with ...	263
Awake my soul with joyful	285
Awake, Awake ! ..	319

	HYMN.
Beautiful the little hands ..	354
Behold a stranger ...	116
Be still my soul .	217
Blessed be the Fountain ...	156
Blessed assurance ...	213
Blest morning ..	272
Blest be the tie that binds ..	327
Blow ye the trumpet blow	304
Brief life is here our portion	236
Christian, seek not yet repose	194
Come, children join to sing	361
Come Holy Ghost ...	82
Come, Holy Spirit ...	88
Come Thou Almighty King	2
Come Thou Fount ..	157
Come, Thou Holy Paraclete	85
Come to Jesus ..	115
Come to the Saviour ...	373
Come, ye disconsolate ...	109
Come ye sinners, poor ...	110
Come ye that love the Lord	206
Come every soul ...	113
Commit thou all the griefs .	207
Dear Lord and Father ..	166
Do no sinful action ...	351

	Hymn
On Jordan's stormy banks ..	228
Only Jesus feels ...	44
Onward, Christian soldiers ...	195
O Saviour, bless us ere we go	408
Our Blest Redeemer ...	80
Our Father ...	23
Pass me not ...	148
Peace, perfect peace ...	168
Poor and needy though I be	393
Praise Him, praise Him ...	79
Precious promise ...	186
Precious Saviour ...	154
Rejoice the Lord is King ..	61
Rock of Ages ...	135
Safe in the arms of Jesus ..	405
Safely through another week	276
Sound the battle cry ...	198
Saviour, again to Thy dear ..	409
Saviour blessed Saviour ...	59
Saviour grant an evening ...	268
Saviour, more than life to me	178
See Israel's gentle shepherd	292
Sing them over again to me	375
Sinners Jesus will receive ..	114
Sun of my soul ...	267
Sweet hour of prayer ...	281
Sweet Sabbath school ...	383
Take my life and let it be ...	191

	Hymn.
Tell it out among the nations	305
Tell me the old old story ..	367
Tell me the story of Jesus ...	75
The child of a King ...	212
The church's one foundation	325
The day is past and over ...	266
The great Physician ...	360
The home of the soul ...	246
The Lord is King ...	65
The morning bright ...	380
The morning light is breaking	318
The ninety and nine ...	104
There came a little Child ...	349
There is a city bright ...	406
There is a fountain ...	101
There is a fountain ...	102
There is a gate that stands ajar	111
There is a green hill far away	352
There is a happy land ...	400
There is life for a look ...	107
There is no night in heaven	245
The sands of time are sinking	235
There's a Friend for little	404
There's a land that is fairer	244
The strife is o'er ...	41
The whole world was lost ...	56
Thou art the way ...	34
Thou my Everlasting Portion	68

Hymn.

Thou Whose Almighty Word 311
'Tis so sweet to trust in Jesus 167
To the work ... 320
'Twas on that night .. 297
Wake, awake ... 50
We are but little children .. 356
Weary wand'rer . 121
We have a loving Shepherd 395
We have heard a joyful sound 321
We plough the fields ... 339
We praise Thee, O God ... 3
What a Friend .. 286
When He cometh ... 403

Hymn.

When I behold .. 36
When mothers of Salem ... 371
When our heads 47
When our heads are bowed 46
When the weary ... 277
When this passing world ... 153
Where high the heavenly ... 43
Whither pilgrims, are you ... 390
Whiter than snow ... 181
Who can wash away my sins 103
Who is He in yonder stall ... 363
Whosoever heareth ... 118
Yield not to temptation ... 358